5485

2822







सूर
सा
१

ॐश्रीगणेशायनमः ॐरागकल्यान ॐच
रनकमलवंदौंहरिराइ जाकीकृपाकटा-
क्षपराधेकोसबकछुदरसाइ बहिरैशाहू
मूकपुनिबोलैरंकचलैसिरछत्रधराइ
सूरदासस्वामीकरुणामैबारबारवंदौंति
हिपाइ १ कान्हरा अविगतगतिकछु
कहतनआवै ज्यौंगूंगेमीठेफलकोरस-
अंतरगतहीभावै परमस्वादसबहीजुनिरं
तरअमिततोषउपजावै मनवानीकोंअ
गमअगोचरसोजानैजोपावै रूपरेखगु-
नजातिजुगतिबिनुनिरालंबमनचक्रत-
धावै सबबिधिअगमबिचारहितातैंसूर

5485

सगुनलीलापदगावै २ रागमारू भक्त
वत्सलअंगा वासुदेवकीवडीवडाई ज
गतपिताजगदीसजगतगुरुसुपनेभक्त
कीसहिनाढिठाई भृगुकोचरनआनिउ
रधैतरबोलेबचनैसकलसुषदाई सिवबि
रंचिमारनकोधायसोगतिकाहूदेवनपा
ई बिनबदलेउपकारकरतहैंस्वारथबि
नाकरतमित्राई रावनअरिकोअनुजबि
भीषनताकोंमिलेभरथकीनाई बकी·
कपटकरमारनआईसोहरिजूबैकुंठपठा
ई बिनदीनेहीदेतसूरप्रभुऐसेहैंजदुना
थगुसांई ३ रागधनासरी करुनाक·

सू॰
सा॰
१
2

हरणाकसिपकीकलुखहरननआवै कपट।
हेतपरसैवकीजननीगतपावै वेदउपनि
षदजसकहैंनिरगुनहिवतावै सोइसगुन
हैनंदकीदांवरीवधावै उग्रसैनकीआप।
दासनसनविलषावै केसमाररराजाकि
षोआपनसिरनावै जरासंधकीवंदकाट·
नृपकुलजसगावै श्रमसैवननिगलेपि
तनाकोसापनसावै ॥ उथरेसोकसमहते
पंडुवग्रहल्यावै जैसेगोपीवल्लकोसमर
नउदिधावै वहनपांसतेव्रजपतिहिछि
नमांफलुझावै इधिनतायंटहिज्ञानकैर
आपनउठधावै कलमैंनाममेवनादायोना

कीछ्वानन्छवावै सूरसामकीवेनतीकोऊ।
लेपङ्कवावै ४ गगामाह श्रेसीकोनकर
हैश्रीरभक्तकाजै जैसैंधरैजनगटीसजीय।
मांफलाजै हिरनकसिपवछौउटयश्रक
श्रस्तलीरहसौश्रहलादविनचरनलायौ भी
रकैंपरेनेधीरसवह्लननजीषंभतैंप्रगटक·
रजनन्छडायौ ग्रस्यौगजग्राहलैवल्यौपा
तालकौंकालकेजासमघनामगायौ ल्छा
डिमघधामञ्जकगारुडनजिसांवरोपवन·
केगवननैंश्रयिकधायौ कोपकौरवगहे
केसजवसभामैंपङ्कीवधूजसनैकगायौ
लाजकेसाजमैंकनीजौहोपदीवछौंनन

सूर सा ३

3

चीरनहींअंतपायौ गीर केजौरमैमोरघर

नीकियोवल्यौद्विज(कृष्णके)हारदारिद्रदाढ्यौ जोरअंजल

मिलेछोरतेंदुललयेइंद्रकीविभवतेंअधिक

दाढ्यौ सक्रकैदानकोमानखवारनकियो

गह्यौगिरिपानजसमजगातछायो घहैजि·

यज्ञानकैअंथवझ्याशमतेसूरकाभीकटल

मरनआयो ५ रागरामकली जहांजहा

समवेहरिजिहिंजिहिंबिधितहांतेसैउठि·

धायहो दीनवंधहरिभक्तकृपानिधिवे

दश्रुगतनगायहो मनकवेरकेमत्रमगन

भयेविमरसनैनायपरे मनिसरापते·

भयेनलमनलनतनिहिहितअपवधायहो

वव्रजकवीलङुर्वलह्निज देषतनांकेतङु
लषापहो संपतदईवांकीपतनीकोम·
नञभिलाषिञरापहो जवराजगलौग्रा
हजलभीनरतवहूरिनामश्रकालौहो ग
कङुल्लाडिग्रातवहूैथापसोनतकालङवा·
लौहो कलानिधानसकलगुनसागर।
गुरधींकरहापळापहो निहिउपकारसत
कसतजाचेसोजमश्ररतेल्याप हो तम·
मोसैंश्रपराधीमाथवकेतकसर्वांपढाप।
हो सुरसमश्रभुभक्तवल्लतसपावन·
नामकहापहो ८ रागधनासिरी देषो
देषोपकसभाइ धतिमांभीरउदारउदधि

सूर
सा
५

4

मरिज्ञानिसिरोमनराइ तिनकामोग्रपने
जनकोगुनमानतमेकसमान सञ्चवस
सहगनतग्रपराधहिंबूंदतलभगवान
वदनगमत्रकमलज्योंमनसषदेषतहो
हौंजैसें विसषभयेग्रकृपानिसषहूकि
रिविनवीनीतैसें भक्तविरहकातरकरु
णामैझेलतपीछेलाये सुरदासप्रभैसे स्वा
मीकौंटेहिपीठसषभागे ७ रागनट २
रसौंटाकरश्रीरनजनकौंजिहिंजिहिंवि १
धिसेवकसषपावैतिहिंविधिराषततिन
कौं भूषेवहुभोजननउदरकौंतषातोय
पटननकौं लगोफिवननरभीज्यौंसत

सेगोउठितगावनगुह्वनकौं परमउदार·
चतुरचिंतामनकोटिक्रमेरतिधनकौं रा·
धनहैजननकोपरतितत्वाहाधयपमारतनकन
कौं संकटपरैत्ररतउहिथावतपरमसुभ·
रतिजतपनकौं कोटिककवैपकनहिंमा
नैसुरमहाकृतनघनकौं ८ रागयनासि
री हरिसोमीननदेष्योकोई श्रेतकालस
मरततिहिंश्रीमसभ्रानपृतत्वोंहोई गाहि·
गहैगतजपतमकरायोहाथचक्रलैधायो
तजिवैकुंठगरुडतजिधीतजिनिकटहा
सकेश्रायो उरवासाकोसापनिवायोश्र
वरीषपतिरापी ब्रह्मलोकपरजंतफि·

सूर
सा
५

5

सौतहूंदेवमुनीजनसाषी लालागुरूतेंजन
नपंडुसुतबुद्धिबलनाथउबारे सुदामस
मुश्रपनेंजनकेनानात्रासनिवारे ४ राग
धनासिरी रामभक्तवछलनिजजानो
जातगोतकुलनामगनतनहींरंकहोइकै
रानो ब्रह्मादिकसिवकौनजानतप्रभुहोंय
जाननहिंजानों महनातहोंनहोंप्रभुनाहीं
सोहैनाकोमानों प्रगटषंभते रईट॰
घाईजनद्यपिकुलकोदानों रककुलरावव
कुसमदाईगोकुलकोनोघानों वरनीज
नाउभजनकीमहिमावारवारवषानों ।
ध्रुवरजपूतविदुरदासीसुतकौनकौनत्र

हगानौं जगजगविरदयहैवलिआयोम
कनहाथविकानौं राजसूयमैचरनप
षारनस्यामलियेंकरपानौं रसनापक·
अनेकस्यामअुनकहांलौंकरौंवषानौं
सूरदासप्रभुकीमहिमाहैभाषतवेदपु·
रानौं ९· रागविलावल काहूकेकुल
तनमाहिंविचारत अवगनकीगति प
रतननहींव्याधअजामिलतारत कौन
धौंज्ञानअरूपानविदुरकीताहीकेपग·
धारत भोजनकरततुष्टघरउनकेराज·
मानभंगटारत ओछेजनमकरमके·
ओछेओछेहीगुनमारत यहैसुभावसूर

सू॰
सा॰
६
6

केप्रभुकोभक्तवछलप्रनपारत गगसा
रंग गोबिंदप्रीतसबनिकीमानत जिहि
जिहिभावकरैजनसेवाअंतरगतकीजा
नत सबरीकटुकबेरतजमीठेचाखगोद
भरिल्याई जूठेकीकछुसंकनमानीभ
छकीयेसतभाई संततभक्तमित्रहित
कारीस्यामविदुरकेआए घ्रतरसवाठी
प्रीतनिरंतरसागमनहैआए कौरवका
जवलैविघ्रआएनसागपत्रहित्रखाए सु
दामाककरुणानिधानप्रभुजगभक्तहेठा
ए १२ रागरामकली सरनगयेकोको
नउबार्यौं जबजबभीरपरीसंतनकोब

कमठरूपमनंतह्वोसेभायो भयोपृमाटन्न
ष्टेवरीमकोउद्धरवामाकोक्रोधनिवायो
रवावनिकैं(हि)तयत्यौंगोवरधनपृगाटश्रृंको
गर्वप्रह्लायो कृपाकरीप्रह्लादभक्तकों
वेभफारिउरनषहिविदायो नरहरिरू
पधत्योककरुणाकरिछिनकमोंहिहिरना
क्षसमायो ग्राहग्रसनगजकोंजलबूडत
नामलेतवाकोउद्धरायो सुरस्यामविन
श्रीरकरैकोरंगभूममैकंसपछायो १३
रागकेदारा जनकीश्रीरकोंनपतिसाथै
जातपांतिकुलकाननमाननवेदपुरान ।
निमाथै जिहिंकुलराजद्वारकाकीनोसुक

सूर
सा
२

लक्षापतैंनासैंा सोईमुनश्रेवरीसकेका
रनतीनभवनभ्रमनासैा जोंकोचरनो
दकसिवसिरधरतीनलोकहितकारी
तिनप्रभुपंडुसुतनिकेकारनिजकरचा
रनपषारे बारहिवारषबसुदेवदेवकी
केसमहाउरदीनो तिनप्रभुप्रहलादहि
सुभिरनतनरहरिरूपजनकीनो जगाजा
ननजउनाथ्रजितेजननिजभुजस्रमस
षपायैा कैसेकीजेहिसरननगाथेसुषक
दलसुरउननायो १५ रागरामकली
श्रीरननकाहजननकीपीर जबजबदीन
उषीभयोतनतवक्रपाकरीबलबीर ग

नवलहीनविलोकतसोंहिसनवहरिसब
नपल्यौ करुणासिंधतघालतवसतैसब
सेनापहल्यौ गोपीग्वालगाइगोसतनहि।
नसातनहिवसगिरलीनो मागतहल्यौभ·
क्तनृपकीनोसनृतकविप्रसतदीनो श्री·
नृसिंहवपुधल्यौप्रसरहितभक्तवचनप्र·
तिपाल्यौ सुमिरतनामसुपदतनयाको
पठ्यनेकविमाल्यौ सनिमदमेटदास
बतराख्यौअंबरीषहितकारी लाषागृह
तैसब्रुसैनतैपांडवविपतनिवारी वहण
फांसब्रजपतिसक्रूराग्यौदावानलडुषदा
ल्यौ वरखापवसदेवदेवकीकंससहाय

सूर सा ८
8

लमाहौ सोश्रीपतिजुगजुगसुमिरनव
सवेदविमलजसगावै असरनसरन।
सूरजाचतहैकोजोसरनकरावै १५ रा
गकेदारा टजूगायनगिरिधरजूकीसो·
ची कौरवजीतजुधिष्ठिरराजाकीरत
तीनलोकमैंमांची ब्रह्मरुद्रडरडरत।
भवभंगकीसोंची रावनसोनृपजातन
जान्यौमायाविषमसीसपरिनाची गु
रुसुतआनदियेजमपुरतैंविप्रसुदामा
कियोअजाची दुःसासनकरवसनछु
डावतसुमिरतनामद्रोपदीबांची हरि
चरनारबिंदतजिलागतअनतकहूंतिहि

कीमतकोंची सूरदासभगवंतभजनतजे·
तिनकौलीकबहूंजगषोंची १८ गगामारे
ग भक्तमहिमा हरिकेजननसबतैंअधि·
कारी ब्रह्मामहादेवतेकोबडेतिनकेसेव
कअमतभिषारी जाचकपैजाचककहा
जाचैजोजाचैसोरसनाहारी गनकापूत·
सोभनहीपावतजिहिंकुलकोजनपिता
री तिनकोमाषिदेविविहिवनाकुसगावन
कुहुंवसहितभयेधारी जिनप्रहलादप्रति
पालीविभीषनसोप्रजहूराजारी सि·
लातरीजलमाहिसेतबंधबलिबदहवरन
अहल्यातारी गोरखनाथसरननतकआये

सूर तिनकी सकल आपदा हारी जिन गोवि
सा दश्रविलक्षवराष्योरवमसिटै प्रदछना ।
४ हारी सूरदास भगवंत भजन विनु घरनी
९ जननि बोफ कत मारी रामसारंग जा
परदीनानाथ छवै सोई कुलीन बडो सु
दर सोई जिहि पर कृपा करै राजा कोन
बडो रावन तै गरव हि गरव गरै रंक वकौ
न सुदामा हू तै आप समान करै रूप व ।
कौन अधिक सीता तै जनम वियोग भरै
अधिक कर्म कौन कुवजा ते हरि पति पा
इवै जोगी कौन वडो संकर तै ताको का
म छवै कौन विरक्त अधिक नारद तै निस

दिनभ्रमतनफिरै भ्रधमसक्कोनश्रन्नासि।
लहूंतेजनमजनहोंजातउरै सूरदासभगवं
तेभजनविनफिरफिरजठरजरै ॥८॥ राग
देवगंधार जाकोमनमोहनअंगकरै ता
कोकेसखिसैनहींसिरतैंजोजगवैरपरै
हिरनकसिपपरिहारिथक्यौप्रहलादन
नैकडरै आजहूंलोंउत्तानपादसुतराज।
करतनमरै राखीलाजद्रुपदतनयाकी
कोपितचीरहरै दुरजोधनकोमानभंग
करवसनप्रवाहभरै विप्रभक्तनृपअंध
कूपदियोवलिपाढिवेदछुरै दीनदया
लकृपालकृपानिधिकापैकहेजैंपरै जो

सूर
सा
९

10

सुरपतिकोप्योब्रजऊपरकहियोंकछुन
सरै। गोवर्धनजननंदकेलालागिरिधरि।
विरदधरै। ताकोविरदहैगर्वप्रहारीसोकै
सैविसरै। सूरदासभगवंतभजनकरसर
नगहेउवरै॥१९॥ रागकेदारा। सोकोह।
विभंगीकारकियौ। ताकेकोटिविघनह
रिहरिकैअभयप्रतापदियौ। दुरवासाअं
बरीषसतायौ। सोहरिसरनगयौ। परति।
ज्ञाराखीमनमोहननाफिरतापैपठयौ। नि
कसिषभतैनाथ्यनिरंतरअपनोराषिलि
यौ। वहुतसासनाहैप्रहलादहितादिनि
संककियौ। सूतकभयेसभसभ्राजिवा।

ये बिषजल ज्वाइ पियो सूरदास प्रभु भक्त
वछल है उपमा कौन बियो २० राग बि-
लावल कहा कमी जाके राम धनी मन
सा नाथ मनोरथ पूरवै सुष निधान जाके-
मौज धनी अर्थ धर्म अरु काम मोक्ष फल
चारि पदारथ देत गनी इंद्र समान है जाके
सेवक मो बपुरे की कहा गनी कहा कृपन
की माया केती करत फिरत अपनी अपनी
षाइ न सकै षरच न है जानै ज्यौं भुवंग सिर-
रहत मनी आनंद मगन राम गुन गावै दु-
ष संताप की कटत तनी सूर कहत जे भज-
त राम गुन तिन सों हरि सों सदा वनी २१ रा

गकेदारा विनतीश्रंग वेहौमैवरनमरो
जेतमारे हेदरस्यामकमलदललोचन
ललितत्रिभंगगानपतिप्यारे जेपदपद·
ममदासिवकोधनसिंफहताउरतेंनहीं
टारे जेपदपदमपरमजलपावनसुरम।
विदरमकटनश्रवभारे जेपदपदमपरम
विषपतनीवलनृपव्याधिमपतिनवङ्गना
रे जेपदपदमरमनहेंदावनश्रहिमिरय·
विश्रतानितविश्रमारे जेपदपदम रम·
तपंडवदलहनभपमभकाजसंवारे जे
पदपदमपरसिवजभामिनमरवमहैमब
मदनविमारे मुरदासमतेंश्रपदपंकज

त्रिविधतापदुषहरनहमारे २२ रागायना
सिरी हरिजूतमनेकहानहोई बोलेश्री
गणेशगुसाईलिखैश्रुकश्रावैश्रुधाजनगनमोई
पतितअजामिलदासीऊबजातिनहूंके।
कलमलसमवयोई रंकसुदामाकियो
इंद्रसमपांडवहितकौरवदलषोई बाल
कसुतकजिवाइदियेद्विजजोआयेदरवा
रैरोई सुरदासप्रभुइच्छापूरनधीरपाल
सिमरतसबकोई २३ रागकेदारा बिन
तीसुनोदीनकीविनतेकैसैनवगुनगावै
मायानटनीलकुटलियेकरकोटिकना·
चेनचावै ह्हदरलोभलागिलियेजेलत

स्री रा
१२
12

नानास्वांगबनावै तमसोकपटकराव
तेप्रभुत्रमेरीबुधभरमावै मनप्रभिला
षतेरंगनकरकरमिथ्यानिसाजगावै
मोवतसपनेमेज्योंसंपतमोदिषाइकैवौ
रावै महांमोहनीमोहग्रानमामनक।
रिप्रघदिलगावै ज्योंहूतीपरवधूबोर।
कैलैपरप्रकृषमिलावै मेरेतोतमहीग
ततमपतितमसमानकोपावै स्ररदा·
मप्रभुतमरीकृपाबिउकोमोतुषविसरा
वै ॥२५॥ रागमोरठ प्रवकैगाषिलेहमा
गवान हमप्रनाथवैठेतुमतुरियापार·
धीमांधैवान ज्ञाकेरमरज्योगाहतहैऊ·

परउठकौसिवान उह्मांनउषमयौश्रा
नइह्मकौनउबावैश्रान सुमिरतनहीश्रहि
उसौपारथीकरल्हूटेसंथान सूरदासम
रलगयौसिवानहिजनयजनयकृपानिथान
२५ रागसोरठ हरितेरीमायाकोकोन·
बिगोयौ सौजोजनमरजादसिंधकौपा·
लमैरामबिलोयौ नारदमगनभ्रमा·
यामैतानबुद्धिबलषोयौ साठउत्रश्रह·
हाटसकेन्याकंठलगायेरोपौ संकरको
चितहल्यौमोहनीसेजछाडिभवसोयौ
नाहिमोरञाढञाढकियौतवनषसिष
तैगोयौ सोभेमुउरजोधनराजापलमैरा

सूर
सा
१३
13

रटसमोयौ सूरदासकोंवश्रहकोंचनपक
हियमापरोयौ २८ रागसारंग नमरी।
मायामहाबलजिनसवजगवसकीनो
नैकवितेमसकाउसवनिकौमनहरिली
नो कछुजलकमैनजानईजाकेरूपस
कलजगराच्यौ विनदेषेविनहीसनेठगा
ननकोरुवाच्यौ सनयाकेउनपानतैस
कसनकादिकभागे लोकलाजसवछु
टगईकामक्रोधमदजागे श्रकथकथा
यांकीहरीकहैकहननग्राई छैलनकै·
संगयोफिरैजौननसंगलगाई उहिविधि
उहिउहकेसवजनलषलजियजेते वतर

सिरैमननेटकेश्रुककहांकहोकेने परि

रैगानीकेंज्ञकीसिरसीनउपरैनासोहै क

टलेंहिगानीलोवन्योसोकोज्ञोटेषनमो

है वोलीचनरानननठअपोश्रमरउपरैनागा

ने श्रतिगैटाश्रवलोककैसवश्रसरसहा

मटमाने ज्ञोगाज्ञगानविसरीसवैउठिथाउ

संगलागे नैकहहिनहंपरिगाईसिवसि

रटोनाज्ञागे वङनकहांलगिवरनीयेप

रश्रुहषनउवरनपावै भरिसोवनसषनी

टसैज्ञहांज्ञाउज्ञगावै एकनसोटरसनट

गैएकनसंगसोवै एकनलैमेंटिरवठेउ

कविरवविगोवै उहिलाजनमरीयेसदा

सुर सा १५

14

सवकोऊकहतनमहारी सुरस्यामसइहि·
वसजिकैसेटीकलगारी १७ रागविहा·
गरा हरितेतेभजननकियोनजाइ कहा
करौंतेरीप्रवलमायादेतलहविवहाइ जै
वैप्रारैमाधसंगतकछुकमनठैगाइ जैसा
गईटनिन्हाधमरमै वङरवहैसभाइ मे·
घधविधाविह सैंपरधनमाधुमाधुकहा
इ जैसेनटुवालोभकारनकरतस्वांगा
वनाइ करौंजतनननभजौंतमकौंकछु
कमनउपजाइ सुरप्रभुकीसवलमाया
देतमोहिभुलाइ १८ रागमलार प्रवि
गावनैनमाधवनूपरसेलेउकमाइ प्रव

अजनैअपअगौलैअईयेवराइ हैअति·
हरिहाइहटकनतहूंवऊतअमारगजाति
फिरतनवेदवनऊखउणारनसवदिनअक
सवगत हितकरिमिलैलेइगोकुलप
तिअपनेगोयनसांहि सखसोऊनवच·
नतम्हारेदेउकृपाकरिवोहि निर।
धरकरहेंसूरकेस्वामीजनसनजाऊं।
फेरि मैंसमसनाकविसौंरकराइपहिलै·
लेहुनिवेरि ॥२५॥ रागधनासिरी किते
दिनहरिसिमरनविनखोये परनिंदार
सनाकेरसमैंअपनेपरतरबोये तेलल
गाइकियोकविम्रदनबसतरमलिमलि·

सुर
सा
१५
15

योये तिलकलगाइचलेस्वामीहैविष·
यनकेसुषजोये कालवलीतैसवजगा
केयौंब्रह्मादिकहूयोये सूरब्रथमकी
होतकौनमानिउटरभैरेयरसोये रे या
गाकेटारा त्रिसावरनन साथवजूनै·
ऊहटकोगाइ निसदिनायहभ्रमतउन
उनश्रगाहगाहीनजाइ त्रयतवढ्तश्र·
वानताहीनिगमडुमटलषाइ सुष्टस
वटनीसभ्रववैतषातऊनव्रफाइ वहे
टिसहूंयरनश्रागैवहैगंयसुहाइ श्रीर·
मरितग्रमळमळतगिगावरनितजाइ
लोमयरनटमैलकाननउनेवरनश्रा

३ छोदनिद्र नद्दरनिकाह्वं विग्रनदैस
महा३ ह्दैनषवलदत्तुजमानवमहारनि
सीमवत्ता३ रविविरविमषभोह्दछ्दि
लैवलनिविनत्नुरा३ नीलष्ठरजाकेषक
नलोवनसेतसीगमभा३ दिनवत्नरट·
मषेतहूंटनिमपहकसांममा३ मारदा
दिमकादिमनजनघकेकरनउपा३ ना
दिकडकैसैक्लपानिधिमकेमरवरा३
३१ गगविहागाउ माधवजमनमाया·
वसकीनो लाभहानकछुममफतना
हीनैपतेगतनदीनो शृहदीपकथनते
लतलतियमतज्वालाश्चनिजोर सैम

सू.र नहीनमरमनहींज्ञान्योंपर्यौग्रथिककं·
सा विदौर विवसभयोनलनीकेमकज्यौंवि
१८ नगुनमोहगह्यौं मैग्रतानकलुमरम।
16 नज्ञान्योंपरडुषपुंजमर्यौ वडूतदिवस
भएयाजगमैभ्रमतफिर्यौमतिहीन सू
रदासस्यामसंदरजोमैवकौंहोवेगतिदी·
न ३२ गगविहागड़ा हृदयकीकवङून
ज्ञवनघटी विनगोपालविथ्यायातनकी
कैसेज्ञानकटी श्रपनीरुचिजिनहीतित
मैचितनेंहीग्रीमगटी होतिनहीउदिवल
नकपटलगावांथैनैनपटी कुटौमनक
टीयरकायाजुटीआवमटी श्रुकुफटैके

वटनतिहारतमारतफिरनलटी टिनटि
नह्नीनहीनभईकायाउषजंजालजटी
विंलागाहेकभूषभुलानीनीदफिरनउवटी
म?गनभयोमायारसलेपटमभफनना।
हिटटी नापरमंउवढीनावनहैमीवचि
लीचनटी षैवतस्वादस्वानपानरस्यौं।
वातकरटनटटी मरजलदमीवैकरुना
लिपिनिजजनजरनमिटी ३२ रागमा-
रेग मायवजमनहटकटिनपयौं ज।
?पिवियमानमवनिरषतउःखमरीरम
ह्यौं वारवारनिमटिनश्रतम्रानरफिरन-
दस्रोटिमधाये स्यौंमकसैंभफलफूल-

सूर
सा
१२
17

विलोकतनैनातननहींविनषाये जगाजग
जनममरनभ्रमविछरनसवसमझम·
तिभेव ज्यौंदिनकरउलूकनमाननप·
रीग्रानय हृदेव होंऊचीलमतिहीनस
कलविधिनसकृपालजगतजाति सूर।
मधुपनिसिकमलकौसवसकरौंकृपा·
दिनभाति ३८ रागधनासिरी श्याम्हो
गानग्रकारथगाल्यौं करीनप्रीतकमल
लोचनसौंजनमजवाज्यौंहाल्यौं निस·
दिनविषयविलासमनविलसतफूटग
ईनवचाल्यौ सवलागपीयछ्लाननपा ३९
घटीनटईकोमाल्यौं कामीकृपनकुची

लङ्कटरमनकोनक्षुपाकारनाह्यौं नांते॰
कहनटयालटेवमनिकाहैंसूरविमाह्यौं
३५ गागविहागाड़ा माधवज्रमनमवह्री
विपिपोव श्रुतिउन्ममनिगांङ्गमभैगल॰
विंनारहितश्रलोच महामोहश्रन्नानति
मिरमैमगनहोनमष्मान नेलीकेवु
घभज्यौंभरम्यौभजनतन मारंगपानगी ।
घोछीदिहैमनतमकरज्यौंश्रुतिश्रानरम
तिमेंट लवध्यौंश्रानमीनश्रामिघज्यौंश्र
वलोकौनंहीफेंट ज्वालापीतश्रगटम
न्मघहदिज्यौंपतेगानतनज्राह्यौं विघयश्रु
मक्रश्रमितश्रवकाङ्कलनवहमकलन

सुर
सा
१८
18

संभारौ ज्यौंकपसीतहतनहितगुंजासि
मटहोतलिवलीन ज्यौंसठविथातज·
तनहीकवहूंरहतविषयआधीन सेंवर
फूलसुरंगअकनिरषतमुदितहोतषग
भूप परसतचौंचतूलउघरतमुषपरतदु
षकेकूप औरकहांलौंकहौंएकमुषया
मनकेकृतकाज सूरपतिततुमपतित
उधारनगहौबिरदकीलाज ३८ राग
सारंग मेरोमनमतिहीनगुसांई सबसु·
षनिधिपदकमलछाडिश्रमकरतस्वान
कीन्याई फिरतवृथाभाजनअवलोक·
तसूनेसदनअज्ञान तिहिंलालचकबहूं

कैमैहूंत्रिपतिनपावनशान जंहीजही॰
जाननहींभ्रमजामनभ्रममलऊटपटजा
न छूरंछूरकारनऊत्रुहिजडकिनेम॰
हिनभ्रपमानंनममरवगमवहीविथिप्र
रनभ्रविभवननिजनाथ तिनैब्राडिय
हूमूरमहामठभ्रमनभ्रमनिकेमाथ ३०
गगगोरी करूणामैंनेरीगनिलषीनपै
यमेभ्रयमेभ्रयमेयमेकविभ्रकरनकर॰
नकरै जयभ्रमविजयकरमकहाकीनो
ब्रह्ममरापदिवायो भ्रम्मरजेनिनताऊपर
दीनीयमेउछेटकरायो पिनावचनषंदै
मोपापीमोपहलाददिकीनो निकमेषंम

सुर
सा
११

19

बीचतेनरहरिनाहिग्रमयपदरीनो दान
धर्मवज्रकियेभाज्ञसन्तसोन्नमविसघक
हयो वेदविरुधसकलपंडवसन्तसोन
मरेमनभयो जन्तकरतवैरोचनकोस
नवेदविमलविधिकर्मा सोछलवाय
पतालपठायोकौनकृपानिधियमा हि
नकुलपतनिग्रनामिलविषईगनकाने
हल: (गायो) सतहितनामलियौनारायणासोवे
कुंटपठायो पतिव्रतानालेधरञवती
सोपतिव्रतनैटारी उग्रपुस्थलीग्रयमस
गनकासवापछावननारी सकहेत:
नोगीग्रमकोनोग्र[illegible] नेयहिपावे ग्र

विगनमानिककृणामयनेरीस्नूरकहाक
हिमावै २८ गगमांगा श्रवगननगनि॰
ज्ञानेनपै मनववेग्रगमग्रगाधग्रगोव
रकेहिविधिभुयिमेवै श्रतिश्रवेउश्रकम
वलपापेकेद्दरभूषमै विनश्रामाविन
उद्दिमकीनेश्रज्ञगवउद्दरभै रीतेभैरभै
श्रनछारैवाहैफेरभै कवहूकननहूछै
पानीमैकवहूँसिलानतै वागरतैसागर॰
करगाषैवद्भदिमनीरभै पाद्दनवीवक
मलविगमांहीजलमैश्रगनिज्ञै गज्ञा
रेकंरकतैंगज्ञालैमिरद्धउधरै स्नरपति।
ततरज्ञाउतन[illegible]ैजोश्रभनेकछै २९

सू.र गगाकेदरा अपनेभक्तदेइभगवान को
सा टिलालवजोदिखावोनाहिनैरुचधान
१० जरतज्वालागिरतगिरतैंसुकरकाटत·
सीस देखिमाहसमझवमानतवाबस।
कैनउस कामनाकारिकोपिकोनोकर
तकरापमहधान सिंहिमावकजानगृहि·
नजिउरसुधिकउरात ज्ञादिनानैजन·
मपायोयहैमेरीरीत विषयविषहदिषा
ननाहीटरतकरतअनीत घकेकिंकर
नूपजमकेहाथ्योटरतननैक नरकक्कु
पतिनाउजमसुरपथ्योवारसुनैक स·
हामावलमारवैकौ[illegible]नलाहीमोहि

पत्यौ ह्यौ श्रन लिये ह्यौ लाज श्रन कौ नोहि
नाहि नैं का चौ क्रुपानिधि कौ कह्यौ ।
माउ स्रुत न वहून ह्यौ रछ्यौ उ शरि ह्यौ कि छ
गउ ४। गाथ ना सिरी जन के उपजन
उषकि नका टन जैसे श्रयम श्रमा छके
हुछ निषित हल निरष उपाटन जैसे मी
न किल किला ट रमत नै श्रमे रह्यो प्रभु उ ट॰
न पुनि पाछे श्रय सिंधु व छन नै
सुरषा रकि न पाटन ४। गगका ह्या
कौ नै प्रभु प्रपने विरट कौ लाज मह्य प
तिन कव हूं न ही श्राधो नै कत मारे काज
माया मवल पार [illegible] न व नना बाधो ह्यौ र

सूर
सा
११
21

हिंसाज देषतसुननतसवैज्ञाननतहोतक
नश्रायोवाज कहियतपतितनवहूततना
मतारैश्रवननिसुनीश्रवाज टेरैनजान
धारउतराईवाहतनवछनजहाज. लीजै
पारउतारसूरकौमहाराजब्रजराज न
ईनकरनकहितप्रभुतमसोसदागरीब
निवाज ४२ रागमल्लार महाप्रभुतुम्है
विरदकीलाज कृपानिधानदीनदासो
दरसदासवारनकाज नवराजग्राहदव
रनगहिराख्यौनवहीनाथप्रकाऱ्यौ न
त्रिकैगरुडछाडिप्रतिज्ञानरएकवक्र
करमारौ निसनिसहीरिघलियेसहैस

ढलडुरवामापगाथालौ नानकालनव।
प्रगटभयहरिराजाजीवडुवालौ हरिना
मसप्रहलादभक्तकौवडूतमामनजालौ
रहिनसकेनरसिंघरूपधरिगाहिकेप्रह
रपछालौ ढुं: मामनगाहिकेसद्रौपदी·
नगानकरनकोल्याय सुभिरनहीतत
कालकृपानिधिवसनप्रवाहवढाय
मागरपतिवडूनीनमहीपतिकछुजि·
यसैगरवाये जीस्यौंजरासेंधिरिप्रमा·
लौवलकरिभूपछुडाय सहिमाप्रति·
प्रगाधककणामसयभक्तहेतहितकारी
सुरदासपरकृपाकरोप्रवदरसनदेहु।

सुर
मा
२२
22

मुरारी ॥३॥ रागधनासिरी मरनञ्जाये·
कीलाजनिजयथरीये मध्योनंहीधरम·
सचमैलपतित्रनकलुकहामघलेनमै
विनतीकरीये कलुवाहोकहोसोचम·
नमैरहोंकरमशुपनेज्ञानत्रामझावै य
हैनिजमारश्रायारमेरेयहैपतितपावन
विरदवेदगावै जनमतेपकटकलाग
श्रामारहीविषयविषयातनहीत्रिपत१
मानी ज्यौंछियाछ्वरटकरमकलसंत।
ननजीनाममनिमूढरमप्रीतठानी पा
पमारगजितितेवकीनेतितेवझ्योनंही·
कोऊजनरामरतनमेरी मुरझोगनमयौं

ग्राहहातेपत्यौंनकीगोपालअवसरनेते
री ४८ रागधनाश्री प्रभुमेरे गुनऔ
गुननविचारौ कीजैलाजसरनआयेकी
रविसुतत्रासनिवारौ जौंगिजन [illegible] पत·
प्रनहीकीनोवेदविमलनहिंभाष्यौ अ
निरमलहूस्वानिफूटनसौंकहूंनही·
चितराष्यौ जिहिंजिहिंजोंनफिरयौसं·
कटवसतिहिंतिहिंयहैकमायौ काम·
क्रोधमदलोभग्रसतमैविषयपरमवि·
षषायौ जो [illegible] रपतिसमरथोरउदधि·
मैलैसरतनकनिजन्हाय समसकृतदोषले
कौवसपाभरितफ़नहीमितनाथ का·

स्रा ता २३ 23

सीकटिलकवीलग्रधरमनश्रपनाथीम
तिहीन तोहसमानश्रौरनहींहैजौजाहि
भज्यौं हैदीन श्रविलग्रनेनतदयालकृ
पानिधिश्रविनासीसुषराम भजनश्र·
तापनाहिमैंजानौंवेध्यौंमोहकीफांस
तमममरवत्तमवहींविधिममराघग्रमर
नमरनमनामि मोहसममद्दसरवृडिनहै
लीजैश्रुतापसार ४५ गगाकेदारा श्र·
वकैनाथमोहिद्रवार मगानहीमवग्रेव
निधिमैकृपाकिंधममार नीरघनिगंभी
रमायालोभलहरितनंग लियेजानश्र·
गाधनलमैंगाहैंग्राहग्रनेग मीनंरंहीश्र।

नहींकाटतिमोहिसुखसिरभार पगन
इनउतनधरनपावतउरफमोहिसिवार
कामक्रोधममेनत्रिसापवनसुनिफक
कोर नाहिविनवनदेतनियमसतनामेनो
काश्रीर धकोवीचविहालविहु लस
नोककरुणामूल स्यामभजनाहिकाढि
लीजैसुरबजनकेकूल ४९ गगमारेग
नमहरिमोकौकेसाधी सनतपकार
परमसानरहैहैरिरछुशयोहाथी गरभ·
परीछिनरताकीनीवेदउपनिषदमा·
षी वमनवडाइदुपदतनयाकेसभामो
रूपतिगाषी गनरवनिगाइथ्याकूलहै

सूर
सा
२४
24

दैदैस्रुनकौंधीरक मागधहूनिगन्नाम।
वछोरेछैमेप्रभुधीरक कपटमहूपथ ६
सौजवकोकिलनृपप्रतीतिकरमानी
कठिनपरीतवहीनमप्रगटेविगूहति॰
सवमघदानी छैमेकहोकहेलोगुन
गनलिघतंध्रतनहीयेथे कूपासिंधउ
नहीकेलेषैममलज्ञानिरवहीये सूर
नमारीछैमीनिवंहीसेकटमैनमसाधी
मैंज्ञानैंमैंकरौदीनकीमकलवात
नमाहाधी ८० गगमेरो नमविनसं
करैकोकाको नमविनदीनदयालदे
वमनिनामलेइंधोकाको गरमपरी।

ह्निनरख्याकौनीङ्गनौनंह्रीवससाकों से
टीपीरयरसश्कषोनसडुषसेसौंड्डुहूंघा
कौ हाककनासैडूंजरटेलौंरलौंनह्रीव
लजाकौ लागिश्कारनरनछ्रटकायो·
कासौंवंयनपाकौं श्रंबरीषकोंश्चापटे
नगयौवङ्गरपटायोनाकों उलटीगाछ
परीडुरवासद्दिटहनसटरसनजाको
नियरकट्टोइपंडुस्मनडोलैङ्गनोनट्टोउर·
काको वागोवेटचनरसषञलोजसगा
वनहैजाकौ ह्रोरीविंटविराकोयोगजा
गजाहोइकगंको जगासंयिकोजोरउट
सैौंफाराकियौहूफांकौं सभामांफट्टो·

स्तु.र
मा
२५
25

पतीपतिराखीपतिपानपगुप्ताको वसन
श्रोटकरिकोटविसंभरपरननपायौका·
कौ भीरपरेभीषमप्रनराख्यौअर्जुनको
रथहांको रथतैंउतरचक्रकरलीनोभ·
क्तवछलप्रनताको गोपीनाथसूरके·
स्वामीहैसमरथकरुणाको नरहरद्दरि·
हिरनाकुसमारयौंकामपर्यौहोदासको
४८ रागकानरा नमरीकृपागुपाल
गुसांउहैगुपनेनप्रगटानाजानत उपज
नटोषनैननहींसफलरवकीकिरनउलू
कनमानत सवसघनियहरिनामसा·
दातसपायोहैनांहींपहिचानत परम·

क्तुह्वितज्वरमलेंपटकौड़ीवटलैमगार
जैह्वानन सिवकोथनसाधनकोसर·
वससमहिमावेदपुरानवषानन इनैमा·
निपहसारमहामदहरिनगावहलविष·
घषलस्रानन ५५ रागबिलावल म्र
पनैजानमैंवहुतकारी कौनभांतहरि
कृपातमारीसोस्वामीसमझीनपरी हृ
दिगयोदरसनकेनातैंव्यापकप्रभुताम
ववसरी मनसावाचाकर्मंप्रगोवरसो
सूरतनहीनैनश्चरी गुनविनगुनीसह
पहूपविननामलेतश्रीस्यामहरी कृ·
पासिंधुप्रगणायप्रपरमितछमोसूरतैस

सूर
सा
२९
26

बिसारी ५० राग बिलावल तुमसों गोपा
ल मोसों बहुत करी नरदेही हम रनकौ
दीनी मो पापी ने कछु न सरी गर्भबास
अति त्रास अधोमुख तहां न मेरी सुधि बिस
सरी पावक जठर जरन नहिं दीनो कंच
न से मेरी देह करी जग मैं जनम पाप ब
हु कीने आदि अन्त लौं सब बिगरी सूर प
तित तुम पतित उधारन अपने बिरद की
लाज धरी ५१ राग धनाश्री माधव जू
जो जन तैं बिगरै तऊ कृपाल करुनाम
य केसव प्रभु नहीं जीय धरै जैसें जन
नी जठर अन्तर गत सुत अपराध करै त

ऊगुनिजननकरैग्रहपोषैनिकसेग्रेकम
रै जहपिमलयहूलजडकाटनकरऊठा
रपकरै नऊसभावसगंयसमीनलरिग
ननलाग्रहरै जौहलगाहृयरयरनकृषी·
वलवारिवीजविथरै सहिसनसषस्यौ
सीनडसकोसोईसफलकरै हिजरसना
जोतुषितहोरवहनौवरिसकहाकरै ज
हपिग्रेगविभंगहोतहैलैसमीपसवरै
कारनकरनदयालकृपानिथनिजसप
रीनडरै उहिकलकालव्यालसषग्राम
नसरसरनउवरै ५२ रागकानऊ रीना
नाथग्रववारनमारी पनिनउथारनविर

सू.र
सा
२७
27

यज्ञानकैविनाशीलेतङ्सधारी बालाप
नषेलनहीषोयोतोवाविषैरसमाते खू॰
यभयैसथिप्रगटीमोकोउषिनप्रकारत
नातै सतनितज्यौतिपतज्यौध्यानतस्नित
नैतितथाभइन्यारी श्रवननसनतवरन
गतिथाकीनैनभयेजलधारी पलित॰
केसकफकंठविरोध्यौकलनपरैदिनरा
ती मायामोहनछाडैचिसातपटोऊतुष॰
टानी श्रवथयाविथ्याहूरकविवेकोश्रो॰
नसमरथकोउ सरदासप्रभुकरुणासा
गरतमतेदोउसहोउ पउ गयाश्रसावरी
पतितपावनजानसरनश्रायो उदधिसं

मारहमनामनवकातरनिग्रटलग्रह्या

ननिजनिगामगायै आथग्रहगीथगानि

काग्रनामिलहिजचरनगौनमनारपर॰

मपायै ग्रंतश्रीमरग्रथनामरुद्रारकर।

मननगनग्राहनैनमछुडायै श्रवलप

हलाहवलदैन्महघहीवचनदामफवच

रनचिनसीमनायै पंडमनविपनमोच

नमहादामलषिहीपदीचौरनानावछा

यै मकवछुलकृपानाघग्रमरनमरन

मार भूनलहरनजमहहायै मरप्रभ॰

चरनचिनचेनचेननकरनग्रमसिवग्रा॰

दिमकमेमगायै ५॰ गागयनामिरी

सू.सा २८ 28

श्रीनाथसारंगधरकृपाकरदीनपरदुख·
नभवजासमतेगाषिलीजै नाहिंजपनाहिं
तपनाहिंसुमिरनभक्तसरनआयकीला
जकीजै जीवजलथलजितेभेव[illegible]
रितितेरचेलछुदीर्घबङ्कग्रवलभारे स
सलसदगारहननत्रिविधिकरमनगन·
नमोहरदंडनधरसहननहारे वृषभकेसी
मलयेजकरपूतनारजककवानूरमेउष
तारे अजामिलतेकहाँमैकहाघटकि
योतमजग्रवसुरचिततेविसारे ५५ गा
गधनासिरी कवहूँनाहीगहरकियो
सरासभावसलभसामिरनवससभक्ति

श्रीमद्यतिर्यै गाढगोपगोपीजनकारन॰
मिश्रिकारकमललियै श्रवश्रोरिष्टकेशी
कालीनधिराववानलदीपियै केसवेस
वधिज्ञनामेंधिद्वतिगुरुमहनश्रानदियै
करषतसमभाडुपदतनपाकोश्रेवरश्रल
यकियै सुरस्पामसरवन्नकृपानिधि॰
कहणामडलद्वियै काकीमरज्ञोऊक
कृणामयनाहीश्रीरवियै ५९ गागमारे
गा नोतेन्नमागभगोसोश्रावै दीनानाथ॰
पतितापावनज्ञसवेदउपनिषद्गावै
ज्ञोन्नमकदैकौनषलन्नावैनोद्दोवोलें॰
साषि १३ हेनहरिलोकगायोद्विजसकौ

सर नेकोऽगाषि गनकाकियौकौनवनसं
सा नमम्तकह्तिनामपछावै मनसाकर
५५ स्मसैौंगनवग्रेग्राह्पमगातिपावै
29 वकीन्नगईग्वेषमैब्बलकरिजसथाकी
गतिदीनी श्रैरकरहनफतिहषमव्या
धकीनैमीगतिन्नमकीनी ड्रुपदसुता
उष्टुरन्नोधनसभामाह्पिकगावै श्रेसो
श्रैरकौनककरणामयवमनप्रवांह्वहा
वै उषितन्नानकैसतऋमेरकेनेंह्लगा
श्रापवेंथावै श्रैसोकोऽऋरन्ननकारन
उषमह्मलोमनावै उरवासाउरन्नोध
नपहयोपंउवग्रहिनविचारी सुमिरन:

तीनोलोकसुखपायउन्हानभज्योअजसडारी
देवगनसबभैगन्नानकैवरसोंब्रजपर
आई सुरस्यामसराषेसबनिनकरगिर·
लैभयसहाई ५२ रागधनासिरी टीन
कोटपालसुन्योअभैदानदाता सोंवी·
विरदावलीनमजगमैकेपितमाता व्या
पनीयगानकागजनइहिंमैकोहैसाता सु
मिरततमसबहिंआयेत्रिभुवनविष्या·
ता केसीकेंसडुहमारिसकटकियोता
ता अपनेधंबगानकाननकेतकयदरवा
ता तीनलोकविभयदियोतंडुलकेपा
ता सरवसप्रभुभीफटैततलसीकेपा

सूर
सा
३०
30

ता गौतमकीनारितारीनैक्षपरमला ।
ता श्रीरङ्गटिलतानीरकाहेगरवाता
संगातहैसूरस्यागानिहितमनचितराता
३पनेप्रभुभक्तदेङ्जासौतमनाता ५८
रागमारू सोकहाञ्जमैनिकियोजापसा
ईमोईविनयविहो पतितपावनविरद
सोबकौनभांतकरहो जबतेंजगाजन·
मलियोजीवनाममकहायो तबतेंछूट·
श्रीगुनउकनामनकहिआयो सायतिं
टकखाटलंपटकपटीगुरुहोही जित
नेअपराधजगतलागतसबमोही गृहं
गृहगृहद्वारफिरयोतनमकौप्रभुबाडे

ग्रेथग्रेथटेकचलैकौंनपरैगाछै कम
लनैनककणामयमकलग्रेनरजामी
विननीकहाकरैमहरकूरक्रटिलकामी
५४ गागमारेग कौनगनकरोमेरीनाघ
हौनौक्रटिलक्रचीरक्रटरमनरहतविष
घकेसाध टिनवीननमायाकेलालव
क्रलक्रटेवकेदेन मारीरैननीटमरिसो
वनजैसैपमहग्रवेन कागटथरनकरैडु
मलेषनजलमापरममचोर लिषैगाने
सजननममरिममकूननक्रगेषनहीग्रोर
गजगनकाग्रकविपग्रजामिलग्रगान।
नेग्रथमउथारे ग्रपछवालग्रपराथकरै

सू॰ रा॰ ३१
31

मैतिनहूँतैश्रुतिभारे लिषलिषममश्र
पराधननमकेविश्रमश्रकलाप भृग
विषिश्रादिमननचक्रितभपनममनसी
सकुलाप परमपुनीतपवित्रकृपानिधि
पावननामकहायौ हूँपतिनजिवहु॰
मैविरदयहतवधीरजमनश्रायौ ८१
रागकेदारा मेरीगौनगतिश्रजनाथ
भजनविमषमरननाहींफिरतविषय
नसाथ हौंपतिननअपराधपूरनजरौंक
मैविकार काममक्रोधअरुलोभचितव
ननाथजमैविसार उवितअपनीकृपा
करहौनवैसोवननाउ मोरकगौजोचर

नमेवैस्नकउदनपाइ ९२ रागधनासि
री मोईकछुकीजैदीनदयाल जातेजन
नखिनबरननब्राइकरुणासागरभक्त
रसाल इंद्रीअजितबुधिबिखयारतिम
नकीदिनदिनउलटीचाल कामक्रोध
मदलोभमहामयब्रहिनिसनाथश्रम
नवेहाल जोगजतजपतपतीरथव्रतइ
नमैपकोऊंकनभाल महाकरोंकेदि
भोनरिफाकेहोनमकोसुंदरनेदलाल
हनिसमर्थसर्वज्ञकृपानिधिश्रसरनस
रनहरनजगजाल कृपानिधानसूरकी
यहगतिकामोकहेकृपनदिंकाल ९२

सूर
सा
३१
32

रागगूजरी कृपाश्रवकीनिधैवलिजा
उ नाहिमिरैश्रीरकोऊबलिचरनकम·
लयविनुहाउ होश्रमोवश्रकृतश्रपराधी
सनमुषहोतलजाउ तमकृपालकरु·
नानिधिकेमवश्रथमउधारननाम का
केहाजेनाउहाठौहिठेषतकाहिमहाउ
श्रमरनमरननाममनमरोहोंकामीकुटि
लमभाउ कलिकीश्रोरमलेनबहुतमै
मैंलनमेतनविकाउ सूरपतितपावन
परश्रुनकोंमोहविजाउ ९३ रागमा
ग हीनदयालपतितपावनप्रभुविरदबु
लावनकैसों करामपोगज्ञगानकाना

तीनोजननतारोश्रैसो नोकबहूंनिरजन
मपाइनहिनामतिहारोलीनो कामक्रो
धमदलोभमोहतजिननतनहीचितदीनो
अकारनअवुधअजानानअवतारअनमारग
अनवीत नाकोनामलेतअवउपजेसोमै
करीअनीत देहीरमवमवडतअमनर:
लीनोइकलीमोइकीनो नेमधरमव्रत
तपनहिसंजममाथसंगनदीचीनो रह।
ममलीनदीनइरवलअतनिहिकोमैइ
मरामी श्रैसीमोरदामजननहरिकोमव
अधमननमैनामी ९८ रागदेवगंधार मो
निमुभनमसोदोइपरीनानानोकविहो।

सू॰ जेकहातमनागाउनवलहरी इतीजिती
सा॰ तितनीपतितनाईमोमैसवैकरी पतितस
३३ मूहनउधारवेकीतमजियजनकपकरी
मैजरहोंगाजीवनैनउरपापपहारदरी
पावइगोमहिकहोतारनकोंगूढगंभीर
घरी पकअधारमाधसंगनकोरविपवि
कैसंवरी यहैसोवमीचविनराषीअपने
धरनधरी मोकोमककविचारनहोअभुए
विनपहरावरी अमनैतमैपमीलाश्रैहैय
हकतपैजनकरी सूरदासविनतीकहा।
विनवैहूषनरेहमरी अपनोविरदसंभा
रोगेतोयामैसवनिवरी ॥४॥ [illegible]

री कवननमनोमोपनिनउथाहौं पनिन
नमैविष्यातपनिनहौपावननामनमारौं
वडेपनिनपामंगहूंनांरौग्रजामिलकौ।
नविवारौं भाजैनरकनामस्नननमेरोजम
निटियोरहुठनारौ लुडपनिननमनारेर।
मापनग्रवजनिकरौजियगारौ स्नूरपा।
निनकौंटौरकहूंनरौहेहरिनामसहारौ
८५ गागयनासिरी नमकवमोसौपनि
नउथाहौ कहेंकोंप्रभुविरदव्रलावन॰
विनममकननकोनाहौ गीधव्याधगज
गौनमकीनियनिनकोकहानिहारौ
गनकाकौ[illegible]नीकारनीनाममपोष॰

सूर सा ३६

तेरो अजामिलतो विप्र तमारो हुतो गुवान
नहीम तनकछूकै नेयहरगानकौ नीफिरि
वैकुंठ दियो वास पतितजानि तुम सबमन
नोरे राखौं नकाहू घोट नौ ज्ञानी जोमो हि
नाहि हौ सूर कूर कविओट ८८ तासायना
सिरी पतितपावन हरि विरद तुमारो कौ
नैनामय हौ होनो हीन दुषित अति दुर
वल हौ रै रतन घरो वारपहार थोरि ये म
हा मातेऊ लमेटयहौ ऊपर सबताकी ति
मपतित राषी श्रेवर दानकहौ संटीपना
सतनमप्रभु हीने वियापाटरहौ सूर की
विनयानि दुर [illegible] मन भेदत [illegible] हौ

८२ रागधनासिरी ग्राज्ञ्हौंपकपकक
रिटरिहौ कैंहमदीकैनमदोमाथवग्रप
नेभरौंमेलरिहौं होनौंपननमानपीछौ
कोपननैहूनिमनरहौ ग्रवहौंउवरनवे·
वाहनहौनमैविरटविनकरिहौं कन·
ग्रपनीपरनीननमावनमैपायोहरिहीन
महरपननवहीलैउटिहैनवहमिटैहौ·
वीन ८८ रागनट कहावनमैसेम्यागी·
दान वारिपहारथ्यटियेमहामहिग्रह·
गुरुकेमनग्रान गावनकेटसमस्नक
छेटेकरगारिमारगपान विभीषनकौन
मलेकादी[illegible]लीनरिवान विपम

स्र मा ३५

38

रामाकियोग्रनाबीशीनग्रातनिनाति

स्ररामसोंकहोनिडुरभपनेननहूकी·

हानि ९९ रागुधनासिरी मोसोबानस

ऊवनतिकहीये कनमरमावनहोनम

मोकोंकऊकाकेहैरहिये कोयोनमपा

वनप्रभुनाहीकैकछुमोमेभोला नोहूंत्र

पनेफिरिसथाशेववनपकजोबोलो नी

नोपनमेंश्रीरनिवाहेयहेस्रोगकोकाछै

स्ररामकोंपहेवशेडुषपरनसवनकै

पाछै ११ रागुमारेग प्रभुहौवरेवीर १

कीराछौ श्रीरपतिनजैमेंनमनारेतिन

हीमेलिवकाछौ [illegible] हयहेव

लखायौटेरिकहतहैंनाते मरियतलाज
पोंचपतितनमैंहौंवकहौंघटकाते कै
प्रभुहौंनिमानकैवैठौकैकरौविरदसही
सुरपतितनमौंफिटिकहतहैंटेषोबोलवही
२१ रागसारंग प्रभुहौंसवपतितनकोटी
को औरपतितनसवसवदिवसचारकेहौ·
ननमैंनरहीको विधिकअजामिलगन
कातरीऔरपूतनाहीको मोहिछाडितुम
औरउद्धारेमिलैसूलकैयानीको करुन।
समर्थप्रघकरवेकोषैचकहितहौंलीकौ
मरियतसूरलाजपतितनमैंहमहूंमेको
नीको २१. [illegible]रंग हैनौपतितनिसिरो

सू
सा
३८
36

मनमाधो भ्रमामिलवाननहीनास्यौमन·
नोन्नमोतेश्राधो कैप्रभुहारमानकैवैठो
कैश्रवहीनिस्ताह्यौ हारपतितनकौंरठौर
नेंहीहैहरिनाममहारो ७३ रागसारंग
माधोन्नमोतैश्रारनपापी घातककुटिल
ववाईकपटीमहाक्रूरसंतापी लंपटधू·
तपूतदमरीकोविषयजापकोजापी भ
क्षभक्षअपीयपानकारिकबहुनमन·
सापापी कामीविवसकामिनीकेरस·
लोभलालसाथापी मनवचकरमदुस
हिमवहूनमोंकरुकवचनद्रूजापी जेत
कअधमउधारेतमसवु [illegible] गतिमें·

नाथी सागरसूरमसौंविकारजलपति
नेश्रनामिलवाथी १८ रागकान्हरा २
रिहौंसबपतितनपतितेस श्रौरनसरक
विवेकोहनौंमहामोहसमटेस श्रासाके
मेघामनवैसौंटेंभक्त्रमिरनान्यौ श्रप·
नसश्रतिनकीवकहिटेसौंसबसिरश्रा·
पुसमान्यौ मेत्रीकामक्रोधनिन्नदोऊश्र
पनीश्रपनीरेन उवथाइंउभहैनिसबा
सरउपजावनविपरीत मोटीलोभषबा
समोहकेद्वारपालश्रहंकार पाटश्रहं
ममनाहैहैंमायाकोश्रधिकार सेवत
तूसाभ हिनलहिननाहिना।

𑆱𑆷 𑆫𑆳 𑇓𑇒
37

𑆮𑆴𑆱𑆓𑆳𑆩 𑆯𑇀𑆫𑆤𑆳𑆖𑆳𑆫𑆩𑆼𑆮𑆑𑆱𑆾𑆩𑆴𑆬𑆑𑆽𑆑
𑆫𑆤𑆮𑆧𑆳𑆇𑆤𑆑𑆳𑆩 𑆧𑆳𑆘𑆤𑆩𑆤𑆾𑆫𑆡𑇀𑆪𑆓𑆳𑆫𑆧𑆩
𑆤𑆓𑆳𑆘𑆯𑇀𑆫𑆩𑆤𑆑𑆩𑆤𑆫𑆡𑇀𑆪𑆩𑆲𑆸𑆠 𑆥𑆳𑆪𑆑𑆩𑆤𑆳
𑆧𑆳𑆤𑆽𑆠𑆯𑇀𑆫𑆡𑆵𑆫𑆘𑆤𑆩𑆢𑆳𑆇𑆰𑇀𑆩𑆤𑆲𑆸𑆠 𑆓𑆳𑆞𑆧𑆽
𑆨𑆪𑆾𑆤𑆫𑆑𑆥𑆠𑆴𑆩𑆾𑆱𑆿𑆢𑆵𑆤𑆽𑆫𑆲𑆴𑆠𑆑𑆴𑆧𑆳𑆫
𑆩𑆼𑆤𑆳𑆩𑆳𑆡𑆧𑆅𑆤𑆨𑆾𑆤𑆤𑆑𑆵𑆑𑆵𑆤𑆼𑆥𑆳𑆥𑆯𑇀𑆫𑆥𑆳
𑆫 𑆤𑆴𑆢𑆳𑆘𑆓𑆳𑆇𑆥𑆲𑆳𑆩𑆑𑆫𑆫𑆤𑆩𑆓𑆳𑆮𑆁𑆢𑆵𑆘
𑆤𑆼𑆘𑆩𑆓𑆳𑆮𑆤 𑆲𑆸𑆛𑆯𑇀𑆫𑆩𑇀𑆪𑆳𑆇𑆯𑇀𑆫𑆣𑆫𑆩𑆲𑆸𑆫𑆤
𑆤𑆴𑆤𑆤𑆾𑆧𑆤𑆲𑆳𑆫𑆧𑆤𑆳𑆮𑆤 𑇗𑇕 𑆓𑆳𑆓𑆪𑆤𑆳
𑆑𑆷𑆫𑆵 𑆱𑆳𑆁𑆧𑆾𑆩𑆾𑆬𑆴𑆔𑆫𑆳𑆫𑆑𑆲𑆳𑆮𑆽 𑆑𑆳𑆪𑆳
𑆓𑇀𑆫𑆳𑆩𑆩𑆩𑆳𑆲𑆠𑆴𑆑𑆫𑆑𑆽𑆘𑆩𑆳𑆮𑆳𑆁𑆡𑆴𑆛𑆲𑆳𑆮𑆽
𑆩𑆤𑆩𑆔𑆑𑆫𑆽𑆑𑆽𑆫𑆯𑇀𑆫𑆥𑆤𑆵 [illegible] 𑆠𑆴𑆪𑆳

लावै मांउमीउपरिह्नानक्कोयकोपोनाभ
ज्ञनभगावै बाह्रीकाटकस्त्रमरमकोफ
रटनैलैङरै निरह्वैपकश्रमलपरनाषैट
रैनकवहूँटारै करिश्रवारज्ञाप्रेमशीत·
कोश्रमलनहांषनयावै ह्नीफरटह्रि
करह्वैपानैकननामैश्रावै मज्ञमिलज्ञो
रथ्यानक्रलकोहरिमौंनहालैराषै निर·
निरभैरूपलोभक्काडिकैसोउवारिज्ञाराषै
ज्ञमाषरवपककरिमस्रकैलेषामस्रफ·
स्रनावै स्त्ररक्षापगुज्ञगानस्त्रहामवालैज
वावपडूगावै १९ गगधनामिरी प्रभुज्ञी
मैत्रैसोग्रफलरूमायो सावकज्ञमाउत्ती

स्त
सा
३८
38

गोगोगीमिननालिकनलल्यायौ वास·
लवाकीस्याहाम्सनमिलसवग्रथमैकी·
वोकी विग्रग्रमहोतमसलोफीसवनवाहैं
मैकाकी पांवमहाविरसाथकरदीनेति·
नकीवडीविपरीत जिमैंउनकेमोगैमो
तेवहतैंवडीअनीत पांचपचीससाथअ
गवानीसभमिलकाजविगारै नैकज·
सोवनविसरगईसाधिमोतजिभपनिरा·
रै वडोतमारववरामटहीकोलिषकीनो
हैमाफ सवरामकोयहैसहासवांटसक
नकीनैमाफ ॥ रागंमाभरा हविहैस
वपतिननकोतना निदापरसषपूरि

लौजगाघट्निमानतववाजा त्रिलादे
सकमभटमनोरघइंद्रीषडगाटमारी मे
गीकामजवुयदेवेकौंक्रोयरहितप्रति
ह्ारी गजप्रहंकारवत्रौंटिगाविजई·
लोभक्षत्रकारिसीम फौजप्रमतसंग·
तकीमिरैश्रेमोट्टेमेईस मोटमईवंदीगु·
नगावतमागयदोषश्रपार सूरपापको
गढटठकोनोमट्टकमलाइकिवार ७ ८
रागधनामिरी ह्रिदैसवपतिननको·
राउ कोंकरिमकैवगावरमेरीसोधौसो
हिवनाउ व्याधगीयप्रकपतितहूतनाति
नमैवडोजग्रौर तिनमैप्रनामिलगनर्क

म्र पतिउनमैमैमिरमोर नहिंनहिमनिय·
मा नयहैवउाईमोममाननहिमान ग्रोरहै·
३१ मन्नकाल्नकैराज्ञामैनिनमैमललान म
39 वलोंनोंनमविरदउलाघोमईनमोमोमेट
नज्ञोविरदकैमोहिउदारोमूरगहीकामि
फेट ३१ रागमारेग हविहोमवपनिनन
कोनायक कोकरिमकैवमावरमेरीश्री
रनहीऊलाउक जैमोश्रज्ञामिलकोटी
टीनोमोमारोलिषपाऊं नोविषामहोउ·
मनमेरश्रोमोपनिनउलाऊं यरमारगवो
गुनोवलाऊंनोमूरोव्योपारी ववनमानले
वलोंगोदिदैपाऊंमपश्रनिभारी श्रवकै·

तोग्रपनैलैग्रायौवेरवड्डरकौश्रौर पतितन·
उधारननामसह्मयौजनवमरननाह्मीनकटौ
र होडाहोडीमनहिभावतेकियेपापभरि
पेट सवैपतितनपाइननतकडागोयहैहमारी
भेट वड्डतभगोमोजाननतमागौग्रहकौने·
भरिभाडो लीजैवेगिनिवेरनरतैहोस्हरा·
पतितनकोटाडौ ८· रागायनासिरी मोसो
पतितनश्रौरग्रमोंई श्रौगुनमोपैग्रन्नड्डन
छुटनभलीनजीग्रवमोंई जनमजननम·
यौहीभ्रमस्रायौकपिगुंजाकौन्याई पर
मतसीतजाननहींकवहूंलैलैनिकटव·
नाई मोसौनाइकनककामनिमोमम

सूर
सा
८०
90

नामोहवसाई जीभाखाटमीनजोउरकौ
नहीफंदाई सोवनमहिनभयोसपनेमे·
पाईनिधिजपगाई मागपरेकलुहाथन·
श्रायौयहजगकीप्रभुताई परसेनाहिवर
नगिरधरकेवडनकरीश्रन्याई सुरपति
नकोटौरकहूंनहीगाघलेडूमरनाई ८
रागधनाश्री हरिहौमहापतिनहोहीश्र
भिमानी नकनापनसोवेहिविषैरकिभा
वभक्तनहीजानी निसदिनदुखितमनो
रथकरिकरिपावनहूंनसानवुकानी
सिरपरकालनीवनहीविनवनश्राशहा।
टनमोघंनरीफानी लिप्रपनकेरतिजे

ततिहिनथलसायनसौनकहूंपङ्खानी ।
तिहिविञ्ञरहतनतनहोनिसवासरनहांसव·
हिनरसविषयबषानी मायामोहलोभन
हिजामैपमेहूंदावनरतनजानी नवलकि
मोरजनलरतनतनमंटरविसद्यौसूरसकल·
सुषदानी ८२ रागधनासिरी मायवजू
मोहिकाहेकीला जनमजनमयोहीथि
रमायौअभिमानीवेकाज जलथलजीव
जितेजगजीवननिरपतुषिलभपजजीद
व गनश्रीगुनकीमसफनमेकापरीग्रा
हपदटेव सरवसपाइरह्योहरवैसोकरी
नकबीरिकोश्र [illegible] नकेपालनहारी·

सूर आवतहैनितमारि ८३ रागसारंग मा
सा धौतुमसोंअपराधीहौं नमपाइकछुभलो
४१ नकीनोकहौसुकैसोंनिवहौ सवसोंरी·
41
तकदिननसभुरकीगनपीपलकालो·
पापपुन्यकोफलदुषसुषहैभोगकैरौंनो
ईसौ मोसोंपंथवतायोसोईनरककिसर
गलहौ काकैवलहौनरोगुमाईकछुन·
नमकरहौं हसिवोलैजगहीसजगतप
तिवाततमारीयौ करुनासिंफटथाल·
कृपानिधिभनौसरनकोकौ वातस
नैतवक्रतहैमोगैवरनकमलकीसों से
गैरेरकछुरतनजमपरयेनितकनरवर·

सों लैलैसवहृष्यघारश्रापनैंसानधगाये॰
सौं नैहिकेराफनटरसरेषकैपतितकर
नसौंसौं रांनवचानेवलेजमभुरनेधाम॰
हृमारेको ढूंछिफिरेचरकोझनवनावै
सृपवकोरियालौ रिसभरिगयेपरसकिं
करनवपकसौंक्लूटनसकौं लैलैफिरे
नगरमैंचरचरजहांसृनकहौंहैं नारेस॰
तिसहिवड़नकमास्यौकहांलौंवरनक॰
हैं हाउहाउमैंपस्योभुकाथौंगमनामनव
कौं नालवषावनवलेवजावनससधा
सोभाको सुरटासकीभलीभनीहैगजी
गाउंग्रकपौ ८० गागमारंग धोरोनीवन

सू.सा.
४२
42

बहुतनभारौ कियौनसंतसमागमकबहूं
लियौननामनहमारौ अतिउन्मत्तमोहमा·
यावसनहीकफबातविचारौ करतउपाव
नपूछतकबहूंगनतनघाटौघारौ इंद्रीवि
वसनिसवासरआपअपनपौहारौ जल·
उन्मत्तमीनज्यौंवपुरौपाउंऊहारौमारौ बां
धीमोटपसारत्रिविधिगुनकहूंनीवीचउ·
तारौ दैष्यौसूरविचारसीसपरीतबतम
सरनपुकारौ ८५ रागधनासिरी अब·
मैनाचौबहुतगोपाल कामक्रोधकाप
हरिचोलनकंठविषयकीमाल महामो
केनूपुरबाजतनिंदासबदरसाल भरम

भयेंमनभयोंपषावजनचलतजसंगतचा ।
ल तिश्रानांटकैंचैटभीतरनानाविधटे
नाल मायाकोकटफैंदाबांधोलोभति·
लकटियोभाल कोटिकलाकाकोछिटि
घराईजलथलमाथिनहिकाल सूरदास
कीसवैंश्रविधाहूरकरोनेटलाल ९९ रा
गधनाश्री ऐसीकरतअनेकजनमग·
येमनसंतोषनपायो दिनदिनअधिक
दुराशालाग्यो सकललोकभरमायो सु
नसुनस्वर्गरसातलभूतलतहांतहांउठि·
धायो कामक्रोधमदलोभअगनतेकाहू
नजरतबुझायो सूरकबैंनंदनंदनविना

सु॰
सा
४३

43

रसघयहनरनरनिवलायौ मैश्रतानग्र
कैलाश्रधिकलैनरतमोहिहृतनायौ
भ्रमभ्रमहौँहालौँहियश्रपनैदेषिश्रनल·
नलछायौ सुरदासप्रभुतमरीकृपावि·
नकैनातननसायौ ८० रागधनासिरी वा
रहीननमसायोसिराइ हरिसिमरननही
शरकीसेवामधुवनवस्योनजाइ ग्रवकी
बेरमनुष्यजनोनवरभजौंनश्रानउपाइ भट
कतफिरौंस्वानकीन्याईनेककठकीवा
इ कवहूनविकयोमरनगोपालहिविम·
लविमलजसगाइ प्रेमसहितपगवांधघू
घरूकौंनश्रंगनचाइ श्रीभागौतसुन्यौ

नहीं सुवनन निनै कहूं कहवउपजाई ॥ सुनन्यभ
क्रिनहरि भक्तन कोक वहूं नहीं थोपपाइ
कहं कहं जनो सुन सुरट सुनहहे कै मै किहों व
नाइ ॥ भवंसुं वोधनाम निजनो कासह रहि
लेहु वढाई ॥ ८८ रागगौरी माधवजूक·
मक तिनि यविमल्यौं ॥ ज्ञानत मवंसुतर
कीकरनी जो मै करमकल्यौं ॥ पतितमंसू
हमवै नमनारे हुतोज्ञलोक भल्यौं ॥ होउन
नै ग्यानै करि झल्यो इहि दुघनात मल्यौ ॥ १
फिरि फिरि जो नसुनेंन भरम्यो सुवमह
मरनपल्यौं ॥ इहि सुभसरक नवोंरि कुउाव
वतरहउरसुधिकरल्यौ ॥ हौपापीनमप १

𑆱𑇀𑆮𑆫 𑆩𑆳 𑇘𑇘

94

𑆠𑆴𑆤𑆼𑆇𑆡𑆳𑆫𑆤𑆯𑆾𑆫𑆼𑆲𑇀𑆪𑆾𑆑𑆤𑆛𑆼𑆤 𑆘𑇀𑆪𑆾𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤𑆾𑆪𑆢
𑆱𑇀𑆮𑆫𑆥𑆠𑆴𑆠𑆤𑆲𑇀𑆪𑆵𑆤𑆾𑆤𑆳𑆤𑆾𑆤𑆴𑆘𑆲𑇀𑆪𑆼𑆤 𑇘𑇙 𑆓
𑆓𑆑𑆼𑆫𑆳𑆓 𑆘𑇀𑆪𑆾𑆥𑆽𑆤𑆩𑆁𑆲𑇀𑆪𑆵𑆮𑆴𑆫𑆛𑇀𑆮𑆴𑆩𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾 𑆤𑆾
𑆑𑆲𑇀𑆪𑆿𑆑𑆲𑇀𑆪𑆳𑆘𑇀𑆚𑆳𑆇𑆁𑆑𑆑𑆟𑆳𑆩𑆪𑆲𑇀𑆫𑆷𑆥𑆤𑆑𑆫𑇀𑆩𑆑𑆾
𑆩𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾 𑆢𑆵𑆤𑆢𑆪𑆳𑆬𑆥𑆠𑆴𑆠𑆥𑆳𑆮𑆤𑆘𑆤𑆱𑆼𑆮𑆼𑆛𑆮
𑆔𑆳𑆤𑆠𑆮𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾𑆁 𑆱𑇀𑆠𑆤𑆴𑆪𑆤𑆑𑆡𑆳𑆥𑇀𑆫𑆳𑆠𑆤𑆤𑆳
𑆑𑆳𑆁𑆒𑇀𑆪𑆳𑆪𑆓𑇀𑆫𑆘𑇀𑆚𑆳𑆩𑆴𑆬𑆤𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾 𑆫𑆳𑆓𑆢𑇀𑆮𑆼𑆰𑆮𑆴𑆣𑆴
𑆓𑇀𑆫𑆮𑆴𑆣𑆴𑆓𑇀𑆫𑆱𑇀𑆠𑆮𑆱𑇀𑆠𑆮𑆁𑆘𑆲𑆴𑆁𑆓𑇀𑆫𑆨𑆶𑆘𑇀𑆚𑆲𑇀𑆪𑆵𑆱𑆁𑆨𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾
𑆑𑆴𑆪𑆾𑆑𑆴𑆪𑆿𑆤𑆑𑆲𑆷𑆁𑆮𑆴𑆬𑆁𑆮𑆑𑇀𑆫𑆷𑆥𑆳𑆤𑆴𑆣𑆴𑆩𑆳
𑆛𑆮𑆩𑆾𑆮𑆤𑆴𑆮𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾 𑆱𑇀𑆮𑆫𑆢𑆳𑆱𑆥𑇀𑆫𑆨𑆶𑆮𑆴𑆠𑆮𑆠
𑆑𑆳𑆁𑆢𑆼𑆤𑆑𑆫𑆤𑆑𑆫𑆤𑆯𑇀𑆫𑆩𑆱𑇀𑆠𑆳𑆲𑇀𑆪𑆾𑆁 𑇙𑇐 𑆓𑆓
𑆩𑆳𑆁𑆫𑆓 𑆤𑆼𑆩𑆼𑆪𑆾𑆫𑆮𑆢𑇀𑆣𑆠𑆔𑆬𑆤𑆳𑆮𑆼 𑆖𑆫𑆤𑆥

सू.र
सा
५५
45

कालसमरतच्छिनभीतरतहोतहीतहीउठ
धाये गोपग्वालगोसतनजलजासतगोव
रधनकरिधायौ सनिपतदीनमहाप्रप
गाधीकैहैसुरविसायौ ९३ रागनट वज्र
रकीकृपाहूंकहोकृपाल विचमानज.
नउषितजगालमैतमप्रभुदीनदयाल
जीवतजावतकनकगिरधररटतवेहा
ल तनकूटीतेधरमनहीकछुजदीजैम
नमाल कहाहानजोइवैनदिनकौदेषि
उषितकलकाल सूरस्यामकोकहानि.
होरोवलनवेरकीवाल ९४ रागकेदा
रा कौनमनैरहवानहूमारी समरथप्रभु

रनदेषौंनमविनुकामोंकहौंविषयावन·
वारी नमअवगतिअनाथकेस्वामीरी·
नटपालनिकुंजनविहारी सदासहाइकरी
दासनकोंजोउरथरथरीसोईअतिपारी
अवकहिंसरनजोवजाटवपतिराषिले·
ह्वलत्रासनिवारी सूरदासचरननिपर
वलवलिकौंनगुसांतैंकृपाविसारी ९३
रागकल्यान जैसैंराषोतैसेंहीरहौं जान
तहौंसुषदुषसवजननकेमुषकरकहाक·
हौं कवहूंकौंभोजनलहौंकृपानिधक·
वहूंकभूषसहौं कवहूंकचढौंतुरंगमहा
गजकवहूंकभारवहौं कमलनैनघन

सूर स्याममनोहरश्रुत्रवरभूपौरहौं सूरदास·
सा प्रभुभक्तकृपानिधितुमसौंचरनगहौं ४६
४८ रागधनासिरी कबलौंफिरिहैंदीनभयौ
46 सुरतसरितभ्रमभौरपर्यौंतनमनपरबत
नलह्यौं बातबक्रविश्याप्रकितमिलहौं·
त्रिनतकृगह्यौं उरझौविवसकर्मनतकै
तरग्रमसहघवरनमह्यौं विनतीकरतउ
रातकृपानिधिनाहीपरतरह्यौं सूरकर
नवरखौतनिजकरसोकरनाहिगह्यौ
४७ रागधनासिरी नेऊवाहतकृपानिधा
सी नैंहिकेवमश्रुत्रुमिषश्रनेकगरुश्रुत्रु·
वरघुनाकारी कहतपवनभरमनतरिन

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सूर
सा
८१
47

दामादिवौश्रमे पदहाऊं कामधेनविंता
मनदीनौकलपवृक्षनफलाऊं भवसमुद्र
श्रतिदेषिभयानकमनमेश्रधिकउराऊं
कीजेकृपामममिरश्रपनोश्रनसूरदासव
लनाऊं ८१ रागमारू मेरीतोगतिपति
तमश्रनतहिंदुषपाऊं तिहारोहौकहाउ
कैवकोनकोकहाऊं कामधेनुछाडकै
कहाश्रजाजादुहाऊं हयगयंदउतरकहा
गरधवंचढिधाऊं कंचनमनषोलडाव
कांचगरवधाऊं कुंकुमकोतिलकमेट
कानवकल्पलाऊं पाटंवरश्रंवरतजगूदर
पहिराऊं श्रंवकोफलछाडकहासेमरकैं

धाऊँ सागरकीलहरहजारहजारकनसु·
न्हाऊँ सरंकारग्रांथपोहैहांरपसोगाऊँ
९८ रागआसावरी स्यामवलनामसगुनस
दागाऊँ स्यामवलरामविनहूमरेटेवकों
खमहूमादिहूटयलाऊँ यहैंजपयहैंत·
पममनेमहूतयहैयहैममप्रेमफलयहै
पाऊँ यहैममतानयहूध्यानममरनयहै
सरप्रभुटेढ़ेमैयहैपाऊँ ९९ रागमाहू मे
रेनीश्रैमीयेनवनी छाडिगुपालश्रोरजो
नावौनौलाजैजननी कहांकेवकोमैग्र
हेकीजैन्यारिग्रमोलमनी विसकोमैह·
कहांलैकीजैप्रमूतएककनी मनवव

सू॰ सा॰ ४८ 48

कममनभावकरहुतहोमेरोस्यामधनी

सूरदासप्रभुतमरीभक्तिलगितजेमात·

प्रपनी ८०० रागदेवगंधार मेरोमनअ

नतकहांसचुपावै जैसेउडिजहाजकोपं

छीफिरजहाजपैआवै कमलनैनको·

छाडिमहातमऔरदेवकोध्यावै परमगं

गाहितछाडपियासोडुरमतिकूपखनावै

जिनजिनमधुपअंबरसचाख्योकोकरी

रफलभावै सूरदासप्रभुकामधेनतजे

छेरीकोनदुहावै ८०१ तमरेभक्तरूमावै

मान कूटगयेकेसेजननीवतन्योपानी

विनपान जैसेमगननाटसनम्यारोगव·

धकबधतननवान स्यौविनवैससग्रोर
बकोरीदेषतहैसबमान जैसैकमलहो
तपरफूलतदेषतदरसनभान सूरदास
प्रभुहरिगुनमीटेनितप्रितसनियतको
न १२ रागधनासिरी मोहमभलेबुरे।
मैतेरे तम्हैहमारीलाजबडाईविनद्र
नोप्रभुमेरे सबतजिहमसरनागतआ·
यौनिजकरचरनगहेरे तमप्रतापबल
बदतनकाहूनिडरभएघरचेरे ओरदेव
सबरंकविषारीत्यागेबहुतसुनेरे सूर·
दासप्रभुतमरीकृपातेपायेसुषसुचने·
रे १३ रागबिलावल हमनेंदनमोल

सू.र. सा ४४ ५१

लिये जमकी बेटकाटसकराये ग्रभैग्र·
मातकिये भालतिलकश्रवनितलसी
दलमेदेश्रेकविये मूश्रोमृडकेदवनमा
लामहावक्रदिये सभकोऊकदहनगुल
मस्पामकोसनननमिनानहिये सूरदास
कोश्रीरवडोमृषजूटनषाइजिये १०४

रागबिलावलचाली हरिहरिहरिहरि।
सुमरनकरौ हरिचरनारविंदउरधरौ
हरिकेकथाहोइजबैजहां गंगाहूबलि
आवैतहां जमनासिंधसरस्वतीआवै
गोदावरीबिलंबनलावै सर्वतीरथको
वासातहां सूरहरिकथाहोवैजहां १०५

श्रीभागौतवर्णने रागमारेग श्रीमदषवा

निश्मोकरहियेब्रह्माकोमम्मकार ब्रह्मा

नारदसौंकही नारदव्याससनाय व्यास

कहीसुकदेवसौंहाटसमस्केदवनार सूर

दाससौरकहैपदभाषाकरगार ९९ व्या

सशुकसंवाद रागविलावल व्यासक

हौंजैौंसुकसौंगार कहौमनोमनत

विनलार व्यासपुत्रहरिनवज्ञनपकियो

नवनारायणायदहरवरहियो हैहैपुत्रम

किश्रतिसानी नाकेजगामैवलैकहानी

यहहरिरहैहरिकीयोउपार नारदमनमे

मेउपजार नवनारदगिरजायैगाय नि

रा
मा
५०
50

निसोरहिविधिपूछनभए हेउमालषि·
वेगीवाजैसे मोसौवरणा सुनावौनेसे
उमाकहौमैनौनहीजानी शौरसिवहे·
मोसौनवषानी नारदकहीउवपूछौजा
इ विनपूछैनहीदेवनाइ उमाजाइसि
वकोसरनाइ कहोसुनोविननीसुरना
इ मेउमालकैसेनमग्रीवा नोकीसोहि
वनावौसीवा सिवनववोलेवचनरसा
ल उमाग्राहियदसुनहेउमाल नव·
नवननसननमागोभयो नवनवहेउमा·
लमैलयौ उमाकहौसिवननमग्रविना
सी मैनमगीवरननिकेदासी मेरेहित·

इननोउ्घभरन मोहि्घमांकहिनंहीक
रन नवसिवउमागापनाहैर जहांनहीउ
नीयाकोऊश्रोर महेमनामनहोनिनैह
नायो नातैंश्रापश्रमरपद्पायो नहोंड्·
नोइकमनककोंश्रेउ निनयहमनोमक
लपरमेन नाकौंसिवमारनकोंधायो
निनउउश्रपनोश्रापवचायो उउनउउन।
मकपहूचोनहो नारीयामकोवैठेनहो
शिवहूँनाकेपाछेधाए पैनाकोमारनन
हीपाये यामनारिनवहीमघनायो न·
वेननननिमघमहिमायो हाहमवर
घगरवमेरथों यामभागावननिहिंमो

सू.र सोकसौं वङ्गैं जिनवजउपतिसमस्काथौ
सा तैरीमातावङ्कडखपाथौ नृजिहिहितवा
पा. हरनहीआवत सोहमसोकहिकौंनस्मना
वत प्रभुतवमायामोहसेनावत नांनैहीं
वाहरनहीआवत हरिकहौंग्रवनवाव
हैमाया तववहिगरवछाडिजगाआया
मायामोहिनाहिनहिगहौं सन्योंज्ञान
सोसुमिरनरहौं जैसेसकसोव्यासप॰
ढायौं सूरदासतैसेकहिगायौ १०१ श्री
भागौतसर्वथवरनन रागबिलावल
व्यासदेवजबसुकहिपढायौ सुनकैसु
कसौंहदैवमायौ सुकसोंनृपतपरीछि

नैहन्यौ तिनभुवनभलीभांतकरिराख्यौ
सुतसौंनकनिसौंपुनिकह्यौ विदुरसौंठे
यसौंपुनलह्यौ सुनिभागौतसमनसु·
घपायौ सूरदाससोवरनसुनायौ १०८
सुकसंवाद रागबिलावल सुनव्यास
सोहरिगुनसुने बहुतैतिनतिनसनि·
सैगुनैं बहुतौंनीमघारसैआयौ तहांरि
घनकोदरसनपायौ रिषनकह्यौहरि·
कथासुनावहु भलीभांतहरिकेगुन·
गावहु प्रथमकह्यौतिनव्यासअवता
र सुनोसुरसोअवतिनधार १०९ श्रीव्या
सअवतारवर्णनं रागबिलावल हरिह

सू॰र
सा
५२

S2

रिहरिहरिस्मरनकरौ हरिचरनारविं
दउरधरौ व्यासजन्मभयोजापरकार
कहौसोंकथासुनोचितधारि सत्यवती
मछोदरीनारी गंगातटठाडीसुकवारी
पारासरिषितहांचलआए विवसहोइ
तिनपारलेवाए रिषकह्यौनारिहिदान.
रतिदेहु मेंवरहीनोनोहिसुलीहु तब
कमारकावडहोरोहोइ नोकोनावधरेन
हीकोइ मेरोकह्योनोनतूकरिहै देउ
सरापमहाहाउुषभरिहै सत्यवतीसरा
पभयमान रिषकोवचनकियोपरमान
व्यासदेवतांकोसुतभए होतजनमवड

तेवनमाये जोजनगंधामाताकरी सत्य·
वासमताकीसबहरी देषोकामप्रतापप्र
विकार वसकियौपारासररिषराइ प्रव
लसत्रआहिपदमार यातैंसनौंवलोसे।
भार यावियिभयौव्यासअवतार सूरक
लौंभागौतअवतार ॥११॥ श्रीभागवतश्रा
दिवर्णनं रागबिलावल भयोभागवत·
चरिपरकार कहौंसुनौंसोअवचितधा·
रि सतजुगलाषवरषकीआई त्रेतादस
सहसकहेगाई द्वापरसहसपकहीभप
कलिजुगमतसंवतरहिगाप सोईकहन
मननकेभाई कलमतजाटकरीनहि·

सूर
सा
प३
53

नाइ तातेहरिकरिव्यासअवतार करी·
सेहिताबेदबिचार बहुरपुराननअठार
हिंगाए पैतौऊनबिनसांतनपाइ तबना·
रदतिनकेढिगआए चारश्लोककहेसम
झाए ब्रह्मासोकहेभगवान ब्रह्मासो
सोकहेवषान सोईमैश्रवनतमसोभाषे क
हौभागवतयहिलीलागै श्रीभागोतसुनै
जोकोइ ताकोहरिपदप्रापतिहोइ ऊधवनी
दस्यौहारवहाई ताकीसाखीमैसुनभाइ
मेमेलोहाकंचनहोइ व्यासभइमेरीगति
सोई हासीसुननैनारदमुखतै होयदासप
नकोमिटगयो व्याससुदेवनवकरिहरि·

ध्यान कियो भागवत को व्याख्यान सु
नै भागवत जो चित लाइ सूरसहरि भज
भवतरि जाइ ॥१॥ रागसारंग कह्यौ सुक
श्रीभागौत विचार जातपात कोऊ पूछ।
तनाहीं श्रीपति के दरबार श्रीभागौत सु
नै जौ हित करि चितै सु भवजल पार सूर
सुमिर गुन रटनि सवासर रामनाम सनिज
सार ॥२॥ रागकान्हड़ा नाम महातम वर
णौं वडौ है नाम नाम को ओट सरनग
ये प्रभु काढै तेन नहिं कर लि कृपा के को
ट वैठत सवै सभा हरिजू की कौन वडौ
के छूट सूरदास पारस के परसे मिटत

सूर सा ५४

लोहकेघोट ॥३ रागधनासिरी सोईभ
लोजुरामहिगावै स्वपचपरसिहोइवड
सेवकबिनगोपालद्विजजनमनभावै
वादविवादजग्यव्रतसाधेकतहूंजाइजन
मडहकावै होइअटलजगदीसभजन
सेसेवानासवारिफलपावै कहूंठौरन
हीचरनकमलविनुभृंगीज्योंदसहूंदिसि
धावै सूरदासप्रभुसंतनसमागमआनंद
अभयनिसानवजावै ॥४ रागसारंग
काहूकेवेरकहामै तोकेसरवरकरैसु
करौजोहरिगुपालवसैकरै सासिसन
मुखजोधूरउडावैउलटनाहीकेमुखपरै

बिरिथाकहोससउलीवैपवनकहाप
वैनटै जाकीकृपापतितहोइपावनप
गपरसनपाहनतै सरकेमनहिंडौरि।
सकैकोऊटांतपीसजोजनामै ॥५ सा
गकेटाग हैहरिभजनकोपरवान नी
चपावैऊंचपदवीवाजन्तीनिसान भजन
कोपरवानश्रैसोजनलतैपाषान ग्रजा·
मेलभीलश्रूद्रगनकावछेज्ञानविमान·
चलतनारैसकलमंडलचलनसमसिश्रूर
भान भक्तधूवकौंश्रटलपदवीरामकी
दिवान निगमनाकोसुजससगावतना
नतसंतसुजान सरहरिकेसरनग्रायो

सूर
सा
५५
55

राषलैभगवान ॥६॥ श्रीभगवानविदु
रगेहभोजनकरन रागबिलावल ह॰
रिहरिहरिसुमरोसबकोई ऊचनीचहरि
गनतनहोई बिदुरगेहहरिभोजनपाय
कौरवपतिकोमननहिलाय कहौसो॰
कथासुनोचितलाइ सूरस्यामभक्तनिम
नभाइ ॥७॥ रागबिलावल भयपंडवनि
केहरिहित गयजहांकौरवपतिहित उन
सोजोहरिवचनसुनाय सुनतकहतसुन
नोमनलाय ॥८॥ रागबिलावल सुनरा
जाउग्रसेनोयनाहसुनतुमपैआये पंडवसुत
नीवनमिलैहैकृस्नसालनपठाए बेसकुस

लग्रहरीननारेंशैनस्मनाइं कारिनोरेवि
ननैकरैडरवलस्मघदाइं पंवगावपांवो
जनाकिरणाकारिदीजै पंवमरेजलवंसं
सहैहमरेस्मनलीजै उनकीहमसोंदीन
नाकोझकरहनस्मनावो पोंडवस्मनश्रोर
शैपदीकोमारकडावो राजनीनजानोन
गोस्मनचरवारे पीवङ्काञ्चश्रावाइकेक
वकेरेवारे गइंगोवकेवदलामेरेश्रादस
हाइ इहिकीहमजानदीनमगाजवश
इं भीषमशेनकरनस्मनैकोझमघड्जन
वोलै येपांडवकोंकाढीयेंयरनीड्गा
शेलै हमकजलैतनदेनहैपवीरनिरा

सूर
सा
५८
56

रे सूरप्रभुउठिचलैकौरवहतहारे ११९
रागधनाश्री ऊधौचलोविदुरकेजाइये
दुरयोधनकोकौनकाजजहांआदरभा·
वनपाइयै गुरुमदधनहीबडौअभिमानी
कापैसेवककराइयै टूटेछांनमेघजलब
रषतटूटौपलंगबिछाइयै चरनधोइच
रनोदकलीनोतियाकहैप्रभुआइयै स
कुचतफिरतनबदनछिपाइयै भोजन·
करहामनभाइयै तुमनोतिहूंलोककेठा
कुरतुमसोंकहादुराइयै हमसोप्रेमश्री
नकेमारकभाजीसागषवाइयै हंसिह
सिवातकरतनमघमटेयाप्रेमप्रीतसुधि

काईयै सूरदासप्रभुभक्तिनकेवसमक्त
नप्रेमवछाईयै ११॰ रागधनासिरी ॥
बिराछेहैवथवछेहारे नमहारकथागेहे
हेखोमक्तभवनकियेप्रभुनननमिथारे ग
निसदरिउदजनवरदीनोकोरवसनक॰
छकाजेहकारे नहंग्राईनतुपतिकाहि॰
यतहेकमलनेनहरिहितहमारे निन
केमिलनगायोमेरोपतिनोहाक्रदहैप्रभु
पियारे सूरजप्रभुमननसंभ्रमथापप्रेम
मगनतनवमनबिसारे १२॰ रागधना॰
सिरी प्रभुनतमहोस्वंतरजामी नमला
रकभोजननंहोवरमेप्रकनाहीग्रहस्था

सू.र
सा
५५
57

सो हरिकहैंसोमागोपुत्रमोहिक्षिप्रयुग्रेसुत
यासमनाहीं बारंवारमनाहसूरप्रभुसाग
विडरवरबाहीं ॥११॥ भगवानदुरजोधन
संवाद रागसोरठा कौरोसौसतकेपांड
धारे भीषमकरनद्रोणमंदिरनतिनमम·
गहितनिसबाते सुनिधनहीनहीनहूप।
लीसतनअंतपानतेन्यारे तिनकैजाइकि
योतमभोजननउवेसीतमलाजनमारे
हरिनकहैसनौदुरजोधनसमसवचनर
मारे सोइनिरधनसोईकृपनहीनहैजि
नमसवरनविसारे वेईभगतभागवते
वेईरागहेषतेन्यारे सूरदासप्रभुनंदनंद

नेकहिहमरवालनजाडिहारे ॥२३॥ सारा-
सारंग हमतैबिडरकराहैनीको जंके।
रुवसौंभोजनकीनोकहियनमैदासीको
हैबिधिभोजनकीजैराजाबिपतकरैके।
प्रीत नैरेष्ठतनमोहग्राङदावहैवडीबि-
परीति ऊंचेमंदरकोनकामकेकनक
कलसजठरारे भक्तनमैहोजुवसतहो
जहपितणकरिकाय श्रेनरजामीनाम
हमारोहोश्रेनरकीजानो नहपिसुरभक्त
वत्सलहोभक्तनहाथबिकानो ॥२४॥ रा-
गसारंग हरितुमकोनहमारेस्राये छ-
टरसकंजनलखाडिहमोंऊंसागबिदुरघर।

सूर
सा
५८

58

घाई ताकी कैगिया मैंनमैं वैहै कौनवड
पलपाधो जातपानकुलहूंनैन्यारोहेदा
सीकोनायो मैनहिमत्यकहौंनइरजो घ
नहनमनैवातहमारी विडरहमारोश·
नपियारोनविषयाश्रयिकारी जोनपो·
तिहैंसवकीजानोवारवह्मकमगाई
ग्वालनकेसंगभोजनकीनोंकुलकोले
जलगाई जहांअभिमानतहांमैंनाहीय
हभोजनविषलागे मन्यकृष्णवैटेवट·
हीमैंअभिमानीकोंत्यागो जहांनहांभीर
पैभक्तनिकौनहांनहांउविधाऊं भक्त·
निकैहौंसंगफिरतहौंभक्तनिहाथविका

ॐ भक्तबछलहैबिरदहमारोबेदसुम्रि।
तेहूँगावे सूरदासप्रभुयहनिजमहिमा
भक्तनिहाथबिकावे १२५ द्रौपदीसहाय
करन रागबिलावल हरिहरिहरिसुम-
रोसबकोइ नारीपुरुषहरिगनतनदोइ
दुपदसुताकीराखीलाज कौरवपतिको
पाइउलाज कहोसुकवणकोनीबिनलाइ
सूरसुपासभक्तनसुखदाइ १२६ रागबिला
वल कौरवपासाकपटबनाए धर्मपुत्र
कोसकलाषिलाए तिहिहास्यौसबभोंन
भोंडार हारिबहुरदुपदीनारि नाकोप।
करसभामेंल्याये दुहसासनकरिवस-

सूर
सा
५५

59

नक्लुराये नववहिहरिमोरोउपकारी
गाषिलेहुसमगोजमराती १२७ रागसा·
रंग प्रवकल्लुनाहीनाथरह्यौ सकलस
भामैवैठिउःसासनप्रेवरग्रानगह्यौ ह्रा
ह्यौसववभंडारभोमप्रहउपवनवासल·
ह्यौ पकैचीरङ्गतोमेरेपरमोउनरह्नव
ह्यौ हाजगाहीसकौनउहिंग्रोसरप्रगट·
प्रकारकह्यौ सूरदासउमगोहोऊनेना·
वसनप्रवाह्ववह्यौ १२८ रागविलावल
जिनैलालगोपालहिसेवी तिननीनही
वहंहौतिनकीप्रेंवरहरतनसवननननहेरी
पतिप्रतिनोसमारमनमहियांभीघमटरै

वेदविधछेरी ह्माजगरीसह्मारिकावासी
भैरवनाथकरुनदैदेरी वसनप्रवाहव
छौंजनवजान्यौसाधसाधसमुद्रनिमत·
फेरी स्वरदासस्वामीजगप्रगसौजानी·
जनमजनमकीचेरी १२९ रागदेवगंधा
र निवहौंबोहगहेकीलाज दुपदसुता
कहिहौंनेंदनेंदनकदिनभरदैग्राज भी
षमकरनद्रोनउरजोधनवैदेसभाविरा
ज तेहिदेषितमेरोपटकाढनलीकल
गैनमकाज थंभकाविदिरनाऊसमा·
यौंफवनृपधस्यौनिवाज जनकसुता
हितहस्यौलंकपतिबाध्यौसाउरगाज ग

ह्रा
मा
८०
60

द्रपदह्मरिग्रानरतनगुलकनतैननिनी
रसमाज्ञ दुषितद्रौपदीजानीग्रानपति
श्रापद्धरापतिमाज्ञ धूरेवीरफेरतननतः·
सानाकोभैरनह्मान काठकाठका·
स्यौडुःसासनह्राथनउपजीघाज्ञ विक
लमानिकहियोकौरवपतिपाशेमिर
कोनाज्ञ ह्रग्नप्रगुपद्दीनस्त्राईभक्त
हैनमहाराज १३० गगकानुरा गाढी
कृसकृसयोंबोलै जेसैकोकृविपरेत·
परेनेद्दुरयस्योधनबोलै पकस्योचीरउ
ध्रुडुःसासनविलषवहनमईझोलै जेसैं
गहनीचवरग्राघेवंदकिरनफ्रककोलै

नाकेमिचहैनंदनंदनमेछकलईपीनप
रोलै सूरदासनाकोउरकाकोहरितिरि
वरकैश्रोलै ।२। गगाधनासिरी नमरीक्र
पाविन्नकौनउवारै श्रनेनभीमनायिहूर
सहदेवसमतिनक्रलवलभारै केसपक्र
रल्पायोउंःसानगरांछोलाननमगरै ना·
नांवसनवश्राउदियोप्रभुवलवलनंदउरा
रै नगननरोनवकिनभयोरान्नासीसफ
नैंकरमारै नापरक्रपाकरैककरणामय
कोनाकीदिसमकैनिहारै नौनैजननि
श्रीकरिमेवेहरिप्रभुप्रपनोविरदसंभारै
सूरदासप्रभुप्रपनेजननिकोंकवहूउर।

सूर
सा
८१
61

नैनेकृनदौरै ।३२ रागबिलावल हरि
हरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरणार
बिंदउरधरौ हरिपंडुनकोंमोहियोराज
शरणगयेराजकोंमाज बहुरोभएपरी
छितराजा तिनकोंप्रापविशुमतराजा
सुनिहरिकथासुकसोंभयौ सुतसौनक
नसौसौकह्यौ कहौसोकथासुनोचित
धारि सूरकहैभागौतअनुसार ।३३
राजापरीछितकीकथा रागबिलावल
हरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरणा
रबिंदउरधरौ भारथजुद्धहोइजबबीता
भयोजुधिष्ठिरनृपतिभयभीता उतरजल

हत्यामोनेमर्इ ग्रवयोकेमैकविहृटर्इ क
रौंतपस्यापापनिवारौं रान्छुरनाहीसि
रथारौं लोगनिनिहिवहूविधिसमफा॰
यौ पैनिहिंमनमेनोषनप्राथौ नवहरि॰
कलौटेकपरहरौ भीषमपितामहकह
लौकरौं हरिपांडवरणभूमसियाघे भी
षमटेषिवदृतनहषपायौ हरिकलौरा॰
जनकरनधरमस्तन कहनहतैमेथात
थातपुत ग्रहहत्योमोतैहूैस्थार्इ कहौस
हृटैकौनउपार्इ गन्यधरमभीषमनव॰
गायौ रानछुपरछुनिमोक्षमनासौ पैन
पकोसंटेहनगायौ नवभीषमनूपमोयो

स० सा० ८२

62

कह्यौ परपुत्र नहै पिविकार कारनकर
नलावकरतार वरकेकियेकछुनहीहो
इ तातातैं रनाज्ञापदईमोई नाकोभ्रम
वतताह मकै अहंकारविनतैपरिह·
रै अहंकारकिसेलाभनयाप हहस्मा
मभतभिरैहेनाप ।३८ रागधनासिरी
करीतेमनकीमनहोइ जोप्रभुनोपह
चारथ्यमाननतभलिकरतोहैसोइ सायन·
मेइतेरसमलनपभभडारायोइ जोक
छुलिटसवीनरनंदनभिटसकननदी·
कोइ सबसबलाभभलाभमसकनम
करतिंगातदोसेय ससरामसचामीकद·

गागमधस्यामेवरनमनपोय १३५ गाग
कानुश होतनमनोवकनाथदरी पव.
पवरहेमिहस्मद्धमवनमवडीनहरी
नोवीनोमथरनमनत्रपनैबौसिरमरन
ही ध्यानयरनमहादेवनमचलमिननहूने
नवरी नपीनपीनपमनवधनवारोवे
हरवी नरमभनवेनमभनवनकमे
रेषनकदी १३६ गगमगवेग भावीका
हूमोरनरे करोवहूगाहकहवरविस
सिमानिमेनोगपरे मनिचालिहपेउन.
स्वतलानीरचिपवलगनयरे नतमरन
सियहरवनमभनवडपविचिपतनारे

सू सा ८३ गवनतीनकोटतेतीसोत्रिभुवनराजक
है सुतहिंवोधकूपमैराषैभावीवसस॰
मै अरजुनकेहरिहूतीसारथीनेऊन्व॰
वननिकै उपदसनाकैराजसभाउ॰सा
63 मनवीरहहै हरिचंदसोकोजगदातासो
धरनीचमभै नोगूहलडाडिदेसवद्धथावैन
ऊवदसंगफिरै भावीकेवसनीनलोकहै
सुरनरदेहधरै सूरदासप्रभुरचैसुहोहै॰
कोकरमेवमरै ९३० रागकान्हरा तातै
सेइयैनरुराय संपतिविपतिविपततेसं
पतिदेहधरोकोघरैसभाउ तरवरफूलै
फलैपरहरैअपनेकालहिपाइ सरवरनी

रभरैफिरउमटैमषैषेहउराउ उतिपवे
रवाठनहीवाठैवटतयटनयटनाउ
सूरदासमसंपदाश्रापरसजिनकोऊपति॰
पाउ ॥१३८॥ रागमलार रहिविधकहाउ
टैगोतेरो नेटनेटनकरयरकोठाकर।
श्रापुनहूँरहोवेरो कहाभयोजोसंपनवा
ठीकियोवडुतयररवेरो कहूँहरिकथा॰
कहूँहरिपूजाकहूँसंततनकोडेरो जोवनि
तासुततत्रघमकेलेहययगयरथानेवनेरो
सवतनसमरोसरस्यामतनघरसांवो॰
मतिमेरो ॥१३९॥ मारुसमपद्रननं रा
गमारंग मक्कवलभ्रीजादवराउ भी

सार
मा॰
६५
64

धर्मकीपरतन्त्रताग्रीस्वपनोवचनाफि
राउ भारतमांहिकथायहविस्तारकह॰
तहोउविस्तार सुरभक्तवत्सलतावरनो
सर्वकथाकौसार ॥८०॥ रामायणमें भ॰
क्तवत्सलताप्रगटकरी सम्यकेकलपवे॰
दकीप्रणालिनकेकाजप्रभुहूरकधरी
भारतादिउरनोयतप्रजननभेटनतायेहा॰
रकाशरी कमलनैननपोढेमहाविलावै
देपारघणाउतरी प्रभुजागेप्रजननतन॰
वितयोकवण्ायेतमकृमलवरी नाया
लैउरनोयतनभेजोसिरदरिमतेमननवं॰
धरी उहूंमनोरथप्रणनोआलोनतवाप्रीव

नेवानीउवरी नह्वनकोमह्वनाहिपक
गैंपकश्रोरमेनासिगारी हरिश्रभावराजा
नहीजामोकल्पोटेइमोरमेनहरी श्रजे
नकल्पोजानमरनागातिकपाकगैजो
पूरवकरी निजपुरश्राइराइभीषममौक
हीजवीनेहरिउवरी मरदामभीषममार
तिसामसलिवाऊँपेनकरी ॥८॥ उमजो
धनवचनभीषमम्रवन रागधनासिरी
मैनहिपूछोभूतलराइ मनोपितामह॰
भीषममममगकीजैकीनउपाइ उतम्र
जैनमूकभीमपंडुम्रतगाहेकरवारगंभी
र इहिकरनहोनभूविश्रवातममैनाप

सर
मा
६५
65

तिथीर नेजेज्ञानपवननेभूनलज्योज्ञा
लागतिवीर कौनमहाइज्ञानिइननाही
होनवीरनरवीर जवनोसोमम्रफाइक
हीन्रूपनवैनेनकरीनकान पावकाकि
रवहनमवहीटलननलम्रमेरममान
श्रवगातिश्रवनामीप्ररमोनमहाकनर॰
घकिकांन श्रवजैकहापारघ्यजोवेधे॰
नीनलोकरकवान श्रजहूंममफकहों
कविमेनोकहनपमारेंवाह कहोनाहिकें
मरवरघून्ज्येप्रभपारघ्यहोऊमोहि श्रव॰
नोमरमरननश्राथोकमोरज्ञायमहीज्ञे
नैहिनेंरहैनविग्रयनिमैरोवहैमनोकिछु

कीजै ॥२॥ भीषमप्रतिज्ञा रागमलार
श्रीजदौहरिहीनमसबगाहाऊं गौलाजौ॰
गंगाजलनीनीकौसोननमननकहाऊं
संदनषंडिमहारथिषंडौकपिध्वजसहि
तेहुलाऊं इतनीममसोहिहरिकोंछ्यौ
गतहिनपाऊं पंडुवदलसनमषहैंध्या
ऊं सलिलाक्रुधिरवहाऊं सूरदासरनभू
मविजयविजजयतनपीठदिषाऊं ॥२॥
रागमारू सूरमसीमनजनरनभूमआए
वानवरषालगीकरनप्रतिकोधहैपारथ
श्रेसाननवसनवभूलाये कल्यौंकरकोप
प्रभुप्रवप्रतिज्ञानजौनहीनोसामवनथह

सूर
सा
९९

66

सहाय सूरप्रभु भक्तवत्सल बिरद्धा·
निउरनाहिंपाविधिवचनकहितनाय
१८४ श्रीभगवानवचनअर्जुनप्रति रा
गबिलावल हमभक्तनिकेभक्तहमारे
सुनिअर्जुनपरतिज्ञामेरीयहव्रतटरतन
टारे भक्तनकाजलाजहियधरिकेंपाउ
पयादेधाऊं जहांजहांभीरपरेभक्तनकोंत
हांतहांउहिंधाऊं जोभक्तनसोंवैरकरत
हैसोनिजवैरीमेरो देखिविचारभक्तहित
कारनरथहांकरतहोंतेरो जीतेंजीतनभ·
क्तअपनेकेंहारेंहारिविचारों सूरदासस
नभक्तविरोधीचक्रसुदरसनमारों १८५

रागेस्तारेग गोविंदकोपवक्ककरिलीनो
खाउस्रापनोग्रनजाटवपानिज्ञनकोभा
योकीनो रघनेउनरस्रवनग्रानरहैवले
वरनस्रनिभाघे मत्रसेकिनभवभारउ॰
नारनवपलभपग्रकलाप कल्लकस्रे
गनेउउनपीनपटउज्ञनवाङविसाल से
टस्रवननननसोभाकनल्लनिज्ञनवरघनि
मत्रलाल सरसभनासमेतमरटवसन
टेघेविविंविग्रम्यों गानौस्रानसृष्टिकरिवे
कोस्रंभजननामजम्यो ९८९ रागमलार
वरमेसीपवनिताजाउ इनपावघकोग्यो
हेहमपरउनभीघभमटवाउ रघनेउनर

सा
सा
८९
67

वक्ककरथरिग्रभ्रम्हमभटहिमनम्हघग्रा।
थे ग्यौंकेटस्वैंनिकस्यौंसिगक्रकराज
नोघनथरिथाय ग्राइनिकटग्रीनाघ।
विवारीयरीनिलकपरपरटीढि सीन।
लभइंवक्ककीज्वालाह्रविह्रसिटीनिपी
ढि नयजयजयविंनामनस्वामीस्वान
नम्हनयोभाथै नमविनथ्रैसोकौंनह्म
योजोमेयोप्रनयाथै साफसाफम्हरमरी
म्हवननमसैप्रनलागड़राकें ह्रांज्रटा
मभक्कटोक्रहिम्हकागरवक्कवलाऊं ।४।
ग्रन्नंनभीघमसंवाद् गगायनाम्हिरी क
टेयिनमोमौमोइंमनभाव नोंतेडरज्नो।

रतनहलजीलौकिहिबिधिकौनउपाउ
जबलगनिपजैनरम्रिटमेरेकोमरवर
करिपावै विरंनीवजोलौउरजोधनति
यतननपकरहिआवै कौरवझाइभूमि
परकैमैभवरपरभूपकहावै नौहमक
ह्रनवसाइपावग्रजोधीपतितोहनिवा॰
वै श्रवमैसरननोह्नकसाठैमोहिमेउ
कछुदीजै नानाउंटवसैनसंवरकरकौं
नकानकौंनीजै ड्डपटऊमनाहोउतम।
श्रागैंपत्रघगाहौनमपान कजावैटिहउ
मंतकलमानैउभुहांकैकिकपान केत
कजीवक्रूपनलमवपुगोतजैकालहूप्रा

सूर
सा
८८

ने सूरपकहीबानविसारैश्रीगुपालकी
ध्यान १६८ श्रीधमदेहमावा रागसारंग
पारथश्रीधमसौंमनपाइ कियौसारथी
सिखंडीआइ श्रीधमनाहिदेखिमनफेलौ
पारथन्नधरेहनरथफेलौ कियौजन्हहुत्र
नहीविकराइ लागीचलनकुरथकोधा·
१ श्रीधमसरमन्यापरपलौ पैहरिविना:
यनलषिनहिमनचौ हरिपांडवसमेनन
हेश्राए सूरनप्रभुश्रीधमसमनभाए १६९
रागसारंग हरिसौंश्रीधमबिनयकरनाइ
कृपाकरीनसनाइववाइ भारतमैमेरा
प्रनराष्यौं अपनौकह्यौंदूरकरनाष्यौ

नमविनप्रभुश्रीमोकौंकरै ज्नोभकनके
वसप्रभुमरे नंदरामवनस्यानरामविदु
रलभ मोकौंभयौंसुखतनहीसुलभ दूर
नंहीगोविंदवलहकाल सुरकृपाकी
नैगोपाल ॥५॥ रागसारंग गोविंदसुव
नंद्रवद्धकाल देवनाथदेवकीनंदन
भक्तवछलगोपाल मैभीचमनमकृस
मारघीकिवेपीतपटलाल वद्धनसना
हममरवुववेधेकनककेलिगोनाल
नमरेचरनकमलनमेमैंमनकनकनना
कौसरनाल सुरदासमनंनजानग्राप.
नोदेहुप्रभयकीलाल ॥५॥ रागमलार

सूर
सा·
९९
69

बापटपीतकीफहरान करधरचक्रचर·
नकीधावबनहीमरतनबहूवान रथतैउ
तरश्रवनश्रानरहैकचरजकीलपटान
मानोसिंघसैलतैनिकस्योमहामतगज
जान जिनगोपालमेरोप्रनराख्योमेटि
वेदकीकान सोईसूरसहाइहमारैनिक
टभयेहैश्रानि १५२ रागमारंग भीषम·
धरिहरिकोउरध्यान हरिकेदेषनतनजे
चियान तासोंक्रियाकरिसबबहरधाय
राजासिंघासनवैठाय हरिपुनिहस्तनाव·
तीसिधाय सूरदासहरिकेगुनगाये १५३
रागकान्हरा धर्मपुत्रकोदेहरिराज नि

जेग्रहबलवेकोकियौसाज नवकेंनावि
नतीउद्धारी स्त्रनोकृपाकरिकुलसमतारी
जवजनवह्मकोविपदटारी नवनवनम
महाप्रभुकरी नमतेंविमषराजकेहिं·
काम सुरविमारोहमेंनस्याम १५८ राग
कान्हरा प्रभुजीविपदाभलीविचारी धि
गयहराजविमषवरननिनेकरहनपंडुकी
नारी लाषामंदरकोरवरविपोनदहाराषी
वनवारी दुरजोधनकीसभाद्रौपदीअंव
रहपउवारी स्रुतिपसहितरिषश्रापनसा
यौसोकभयोजिपभारी सल्पसागनेंन·
पनकियेसवकटिनग्रपदटारी परतिता

प्रह्लादकीराषीश्रीनरहरिवपुधारी सो
इसोवमहाउहमारोमेंननकोहितकारी
।१५५ राजायुधिष्ठिरकोवैराग राजाविला
वल ऊरपतिसौंवनगावनकियौ धरम
सवनविरक्तयौभयौ वरनिसुनाऊता
श्रवसार सुनकहीजैसैंपरकार भार।
नादिऊरपतिकोगाथा वलीपांडवन॰
कीजवकथा विदुरकह्यौमतिकरौश्र
माय देहपांडवनराजवैठाउ ऊरपति
कह्यौंधानसममधाउ पेउसुतनकीकर
नमहाउ धाकोल्यौतेदेउनिकार वहर
नसावैमेरेद्वार विदुरसमसमवतहीउता

स्वरा
मा
७१
71

कहौंथाभाई करीह्रमारीवड्डनमहाउ
लाषाग्रूहतैंजरवनउवारे ग्रकवालापन·
नेशनिपारे कौनकौननीरथफिवृत्राप
विडुरमकलह्रनोनमह्रनाप वड्रवक।
यौहरिमथिपाई कहौंनकलूरत्यौं·
सिरनाई वड्डौंकौरवपनिछिगग्राई
समाचारपूछौंमहाउ कहौंज्ञथिषि·
रमेवाकरन मातेवड्डनग्रानेहनरहन
कहौंपञ्चथिग्रावनकवही कहौंभा
तिरकैवननवही विडुरकहौंमनपुत्र
नमारे पंडुमननमवहीमंघारे तिन·
केहरनमभोननकरन ग्रकपुनिकह·

नतषोहमरहन यिगनमयिगयाकहि
वेऊपर नीवनरहिहौकौलगिभूपर सर्व
ननल्पहैवुयनसारी न्दनकाजसाहिन
दुःखभारी दुपरीकेनमवमनछराप य
हिनमरानवङ्नडषपाये रनकेयरहनम
वङ्मषमानन प्रनिनिलजकौलाज
नप्रानन नीवनप्रासप्रवलनमलेषी
साछुनसोनममैटेषी कालप्रगनिमवदी
नगजारन नमकैसेजीवननविचारन
प्रारनमारीसर्वमिवार वनचलिमजोडा
रकाार ऊरपनिकयौग्रंपरनमतोर व
नमैभजननकौनविधिपहोर निरुरकयौ

सु॰ सेवामैकरिहौं सेवाकरननैकनंहीटर॰
मा हौं श्रर्थनिसातिनकोलैगयो शानभये॰
७२ नृपविसैभयो तूरिसयेकैकहूंउहिगय
तिनकोतापनृपनवडूतगे उहांसाश्क
रपतिवलसोग दियौछाउननकेसंसो
ग गोथारीसहगामिनिकियो विदुरम
कनीरथसगालियो उहित्रंलरनारदरु॰
हंश्राया नृपकोसवहूलोतसहनायो नृ
पकेमनउपज्योवैराग सजोसहरयधुथ
रसवस्तारा १५८ पांडवउनवगावनहरि
वियोग मगासारेग हरिहरिहरिहरिस
मरनकरी हरववनारविंदउरधरो हरि

वियोगपंडवनजराज गयेवनकियौ॰
परीछितराज कहौसुकथासुनौचित
धार सुकहैभागौतग्रंथसार ॥५७॥ रा
गबिलावल राजासोअरजनसिरनाइ
कह्यौसुनौबिनतीसुरराइ बहुदिनभ
येहरिसुधिनईपाइ आतुरहोइतौदेषौ
जाइ यहकहिपारथहरिपुरगए सुन्यो
सकलजादवक्षयभये अरजनसुनतै॰
नैनजलधार पस्यौधरनिपरषाइपछार
नवदारकसंदेससुनायौ कह्यौहरि
जजोगीनागायौ सोसरूपससहिरदै॰
आनि रहिओसदाकरतससध्यान त

सर
सा
७३
73

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नकौकहतसनावनमोह काहूश्रमन
कारनकियौ कैकहिंदाननहिंडको
दियौ कैसरनागनकौनहिंराख्यौ कै·
नोसौंकाहूकटुभाष्यौ कैहरिजुभयो।
श्रेनरध्यान मोसौंकहितेप्रगटवषान
नवश्रवननैननिजलधार राजासो·
कह्यौंवचनउचार सुरजप्रभुवैकुंठसि
धारै तिहिदिनकोममकारनसारै ५ ८
रागधनाश्री हरिदिनकोप्रावैमेरो
स्वारथ मृंदुफननसीसकरमारनक·
टनकरतनृपप्यारथ छकेदमनवरन·
निगनिध्याकोंग्रकृथाकोपरुषारथ ।

सूर
सा
७८

74

पंचबाणसंकरमोहहीनेनेऊगायेसुका
रथ नाकेसंगमेतवंधकीनोनीमो।
महाभारथ गोपीहरीसूरकेप्रभुविन
घटतनमानपद्ठारथ ॥७८॥ रागविला·
वल यहसनराजारोउपुकारे भीमा·
दिकरोयेपुनमारे गोवनसनकेनात।
हाथाई कलौकमलनाटवनउगाई
श्रवननकलौंसवैलरमाप हरिविनह
मघ्रनाष्ठमवडूप ॐनाप्रानतेजयथर्थ्यो
न नीवनमरनउनहिमलनान राज
परीखितकोनृपटीनो वज्रनाभमथु
रापतिकीनो डुपदसुतानामसेनसभभा

ई उत्तरदिसागएहरिध्याई जोगपंथ
करउनननतजे सुरसवैतेहरिपदम
जे १९० श्रीभगवानपरीछितगरभर
छकरन रागबिलावल हरिहरिहरि
हरिसुमरनकरौ हरिचरनारविंदउर·
धरौ हरिपरीछितकोगर्भमेंजार रा
षिलियौनिजक्रुपाअपार कहौंसु·
कथासुनोचितधार जोहरिभजैतेरैभ·
वपार भारथजुद्धबितीततवभयौ दुर
जोधनअकेलौरहिगयौ अस्वथामा
तापैजाइ ऐसीभांतकह्यौंसमझाइ ह
मसौंतुमसौंबालमिताइ हमसौंकह्यौ·

१क्षर
१मा
७५ 75

नभईक्षिवाई श्रवनोश्रात्तामोकोहोर
छारिविलेवकरोश्रवसोर रात्नगयेर्के
डुषनसोर पोंडवरात्नभयेनोहोर नान
कीमूतकेहीसुषहोर नोकरसकोक·
रोश्रवसोर हरिसरवतवानयहनान
पोंडुसननसीकर्यौंवषानि श्रात्नसर।
सलीनटरहैसोर्ड पैयहवाननजानै।
कोर पोंडवहरिकीश्रात्तापार ननिश्·
हवसेसरसवनीनार काहूसोंयहकर·
नमनार्ड नहोंनाउनवैरेनविनार श्रष
स्थामानवरहोंश्राप डुपरासननसोव
नेपाप उनकेमिरलैगयोउनारि कहौं

उरज्जोयनग्राप्योमार विनदेषौन्नाकौम्ह·
घमयौ देषैनैहूनौडुषलप्तौं येवालक
नैहूष्यान्नमारे प्रनक्रूरपनितन्नपानसि
सिधारे प्रष्ठम्यामाभयंकरभगपौ इह्वों·
लोगमवामोवनन्नगपौ डुपदादेषिम्हन·
नम्हघडुघपायौ प्ररन्ननम्हौयहूववन·
म्हनायौ प्रष्ठम्यामाजवलौमारो नवल
गप्रननम्हघमैडारो हूरिप्ररन्ननरघपै·
विछिग्राप प्रष्ठम्यामापैवलग्राप प्र
ष्ठम्यामाप्रम्हवलाबो प्ररन्ननहूनव्रम्ह
·म्हवलायो उनडुहूंनम्होभईलगाई नव
प्ररन्ननद्दोक्रूलियेवुलाई प्रष्ठम्यामा·

स्र
मा
७८
78

कोगतिल्याई द्रुपदासीममृछमकाप
थोकोमारेहत्याहोइ मस्यौंनियतनहीटे
थ्योकोई प्रभुम्यामावद्वरषिस्याइ ब्रह्म
अस्त्रकोंदिथोवलाइ गरवपरीछितजार
नगयो नवहरिनाइजरननहीटयौं हूप
वतर्भजनगरवमैंकार नाकोनासोलियो
उवार जन्मपरीछितकोजवभयो कहौ
वतर्भजग्रवकहोगयौ मुनिजवहरिको
कोटेष्योजोइ पाइसंतोषसुषीसोहोइ
राजाजननसमसेकोटेष मनमैंपायोहर
षविसेष गरवपरीछितरछ्याकरी सोई
कथासकलविस्तरी श्रीभगवानकृपा

त्रिदिकै सुरसमारेकाकेमारे ४८। राजा
परीक्षितकथा रागबिलावल हरिहरि
भक्तनकोसिरनाऊं हरिहरिभक्तनकोशि
रनाऊं हरिहरिभक्तपकनहीसोउ पैयह
ज्ञाननविरलाकोउ भक्तिपरीक्षतहरिके
प्यारे गर्भमाहिहोतोनवबारो ब्रह्मअ·
स्त्रतेमाहिबचायो जगजगविप्ररहैबलि
श्रायो बड़रायजताकोनवभयो मिसदि
गविजयबहूंदिसलयो परजासकलध
रमरतिदेखी ताकोमनभयोहरषविसे·
षी ऊकछेदनैपुनजनवसायो गाउरूष।
भतहांउछितपायो तासहूषभकेपगाहै

सुर
सा
११

नाहि रोवतगाउदेषकैंनाहि हृषभभयरम·
पृथ्वीसोगाउ हृषभकह्यौंनाह्यपाभाउ मे
रैहेतउषातेंहोत कैंग्रथमैंनोऊपरहोत
गोकह्यौंहरिवैकुंठसिधारे समदमउनहीं
संगपधारे दयाकृतपसैनोषहूगयौ ला·
नेजमादिकसवलैभयौ जनमराधनकों
ऊकै कोईथरममनमैंधरै श्रोकृनोकोः
विनपाउनदेषि मोहिहोतहैदुषविसेषि
इहिभांतरराजासहदुकयायौ हृषभगाउ·
कौंपाऊंवलायौ नाहिपीछिनषउगाउठा
ई वहुगोवचनकह्यौपाभाउ नकोकौन
हैसहैनेगे कैंछलगायौराजनसवमेरो या

विधियन्नृपतिपरीक्षितकर्णौ पैउनक
क्षुउमरनहीटयौ कर्णौह्रषभसौंकोउष
दाइ नासनाममममटेङवनाइ इंदहोइ॰
नाहृकोमारौं नमरोहोसँनापनिवारौं
हृषभकर्णौनमश्रैमोगव पैमैलेङकौ
नकौंनाउ कोऊकवैहृहरिउक्षाउषहो॰
ई उतियाउषहायकनंहीकोई कोऊ॰
कहैउमैषकनेकेदाना काहृउषनहो॰
देनविधाना कोऊकदैमत्रहोइउषदाइ
सनोमेनकीनीमत्राइ काकौंनाऊंवना
ऊंतमसौं उषदाउकश्रदिहममसकौं
लहतश्रपनेउष्यादानार नमंदीदेष्यौ॰

स्व
मा
७८
78

करौविचारनवविचारकरिराजाहैष्यौ
सहनृपतिकलसनगकरलिष्यौ हृष
भयरामचक्रपृथ्वीमाइ इहिकौंभयोउ
हैउघटाइ ताहिकर्यौंनवशैयुयरमी
नोलमाननहींशैरऊकरमी ब्रमाट॰
यानवपनतैकाल्सौं छाडिदेममभउ॰
हिकहिशर्यौं तिनकहीमोमैपकम
लाई नमसौंकहीमनोवितलाई धर
मविचारनमनमैहोई मनमापापन१
लागनकोई राजानमारीहैसवटौर
नमविनन्नृपतिनउतियाश्रौर जौनटौ
रमोहियाजाहोर ताहीठौरवहीमेजोउ

हरिवेसमघ्ररूवेस्यानहो सहापानवा
ढकगृहतहो नवाजषेलतनहोनवारी
पपावौहैटारतमारी पांवोहोहिंनृपतिप
नहो मोकोटौरवनावौंनहो नवनृप·
नेकोकनकवनाथौ कनकमझटल
षिसोलपटायौ इकदिनरावझषेटक·
गयौ नावनमाहिगियासोभयौ विषम
भेककेश्राश्रमन्नायौ विषहरिपदहोइ·
ध्यानलगायौ रानाजलतानिषसोमा·
गयौ ताकोमनहरिपदसोंलागयो राना
कोऊमरनहिदियौ नवमनमाहिक्रोध
धुनकियौ यहसवकलनगपरभाव

भा
ला
२५
79

जोनृपकोभयौऊसाव रिषकेकपटस·
माधविचार दियौभुजंगगहनकगरडार
रिषसमाधमैनयोंहीरह्यौ सिंगीरिषसोंल
रकनकह्यौ सिंगीरिषतवकियोविचार
प्रनाउषितकैनृपतिगह्यार नृपतिऊ·
षिकिदियैकहिंजाउ दियोसरापजनतछ
कथाउ देकरिश्रापपितापैआयो देष्यौ
सरापपितागारनायौ गेवललगयोसम
तिनकजान रुदनसुननलछ्योरिषध्या
न सुतसोंकह्योंकहाभयोतोहि कौन
सनावतनितउषमोहि सिंगीरिषतव
कहिसबकाथों नृपभुजंगमसोग्रीवाला

यौ यह्रुपगायवडेउनकीनो नखक॰
उसनक्षापमैटीनो नममसगापतेमरिहै
सोइ यह्रुपगायमोह्मिसवहोइ सबसो
वसतगाजउनकेसव उषपैहैसोमक॰
लषुजाश्रव नाकीरखाहरिन्नकरी ह॰
रिश्रवत्तायहननमषुनुमरी यहागजाम
नमैपछलाइ मैयहकियोवछाश्रन्याइ
जाकोहूटैहुयियहश्राचै नांकोफलसों
भलोनपावै रिबक्षिषकोंपटयोंममफाइ
नृपसोंकहैतनमषेसोजाइ ममसतथा॰
परियोयाभाइ ममसटिनतवततखकषा
इ सिंगीरिषयहकियोबिनजाने होतक

सु.रा
मा
८०
80

हांश्रवकेपछुनाते नातैन्नमउपाइसौंक
रैं नातेभवसागरकौंनरी नृपसुनिला
गपीकरनिर्विचार ससमहिनमरवौनिर·
धार नसटानकरिस्तरगुरजैथे नहान्ना
थकैसुषवञ्जलैथे वञ्जरकलौंसुरगुरक
लुनांही पुंन्यछिननैंहिंदौरगिरांही न्या
नैंसुनकलिजुमनन्याग गहैापकहरि·
परसुजगग वञ्जरिकलौंश्रवकौंकह्
याग घोइंजनमविषयसुषलागि सुरा
नहरिपरमौंचितलायौ इनउनदेषनज·
नमगमायौ १८२ गगधनासिरी इनउन
देषतिननमगायौ धामाधाकेफदेलाल·

वडह्नेंहगग्रेथभयौ ज्ञनमकष्टमैपापड
षितभपञ्ञतिडषञ्ञनसत्यौ वेत्रिभव
नपतिसरगयेनोहिसमिवतकौनरत्यौ
श्रीभागौनसम्यौनहीकवह्नेंवीवहीभट
कमत्यौ सुरदासकहिसवनगह्येंज्ञ
गज्ञगभक्तिजियौ ९३ रागनट ज्ञनम
सिरानौंग्रटकैंग्रटकें रागकाज्ञसतवि
नकेदौरैविनविवेकफिरयौभटके कटि
नज्ञग्रेग्यपरीमायाकीनोराज्ञातनफटके
नाहहविभज्ञनसाफसमागमरत्यौंवावरी
लटके ज्यौंवहकलानावदिषरानैलोभ
नच्चोरतनकें सुरदासमोंभाकौंपावै

स्वा पियविहीनधनमटके ।५४। रागसारंग
मा जन्मसिरानोंऐसेंहिंसे केवरवरभरम·
८१ लनउपतिनिरउकेसोवनकेंवसे केकहूं
पानपानरसनादिककैकहूंवादश्रनेसे
कैकहूंरंककहूंईसरतानटवाजीगर·
जैसें वेम्योंनहीगयोटरश्रोसरमीनवि।
लालजैसे घहगातभईसरकोग्रेसी
स्वासमिलेयोंकैसे ।५५। रागदेवगंधार
विरचानन्मलिखोसंस्कार करीनकबहूं
भक्त्हरिकीमारीजननीभार जनतप
नहींकियोञ्जलपमतिविस्तार प्रगटव्र
लाइस्योंनहीनेरेघिनेनिपमार प्रबल·

ग्रबियाहरयोसवजगजनमसञूवाहार

सूरहरिकोसजनसगावडूनाहिसिरभव·

भार १८८ रागसोरठ कायाहरिकाकाम

निधाई भावभक्तिजहांहरिजसमसनिय

नहांत्यातग्रलसाई लोभानरहैकामस

नोरथनहासनतउठधाप चरनकमल

सेरजनहांहरिकेकौहूंनजातनिवाई

जेवलोस्यामसंग्रंगंनहिपरमतत्राग्रेनोम

रमाई सूरदासमभगवंनभजननतजिविष

यपरमविषखाई १८९ रागधनासिरी

सबैदिनगयेविषेकेहेत तीनोपनग्रैसे

हीबेतेकेसभयेसिरसेत श्रांषिनग्रंध·

सू सा ८२ श्रवनन हरि सिमरनि यत याके वरन समेत
लोगान लतन पीयत कूप जल हरि तज्य प्र
ज्ञतश्रेत रामनाम बिन कौ भूतो गोवे द्रा
हैम्यौ केन सूरदास कछु घर वला गनवा
मनाम मषलेत १५८ राग सारंग म्यौतू
रामनाम बिन घरनौ श्रवकोनन मस्राग
लौते रोदोनन मसुघरनौ नमकोग्राम·
सैवैमिटनाभक्तनाम नेरोपरनौ नेडूलहू
नसंवारिहरिन्नैकौसंनपरौंमोकरनौ हो
रोनफामान्यकौसंगनमूलगोटतेनटर
नौ सूरदास बैकुंठपंथमेकोऊनफेरप।
रनौ १५९ राग मलार हैमैपकोहोनभई
82

नाहरिभजेनगृहसुषपायोवृथाविहाउ·
गइ हानीइतनीश्रौरकलुमनमेंश्रौरेश्रान
दइ अविगतगतिकलुसमझपरैनहो·
नोकलुकरनदइ सतसनेहनियमक
लकंटेवमिलिनिसदिनहोतषइ पटन
षवंटचकोरविसषमनषानश्रेगारमइ
विषयविकारदवानलउपजीमोहवप
रवइ भ्रमतभ्रमतवहुतैदुषपायोग्रज·
हूंनटेवगइ कहाहोतश्रवकेपछिताइ
होनीसिरनिवइ सुरदासमेपेनकृपा।
निधिजोसुषसकलमइ ७० रागसारं
ग यहमवमेरेघैजमति अपनेहीश्रभि

83

[illegible]

कालनआयौ १७२ रागकान्हरा जगमैजी
वनहीकोनातो मनविछुरैननठारहोइ
गोकोऊनवातपुछातो मैमेरीकव्हेन।
हीकीजैकीजैपंचमहातो विषयग्रसकि
रहतनिसवासरमहषसिरोदुषनातो सांव
फटिकरिमायाजोरीआपनहषषातो ह
रहासकछुविरनरहाईजोआयौसोजातो
१७३ रागधनासिरी कहालाईतेहरिसोतो
री हरिसौंतोरकौनसोंजोरी राजपाटसिं
घासनवैठी नीलपटमहंसोकहैथोरी
मैमेरीकरजनमगवायो जवलौंनाहिप
रनजमडोरी धनजोवनअभिमानअलप

सू सा ८८ गलकाहेकरत्राणुनीतोरी हमलीटेखिव
इतमनगरववनतामूरषकेमतिहैथोरी
सूरदासभगवंतभजनविनुचलेखेलफा
गुनकीहोरी १७८ रागधनासिरी बिचार
नहीलागेदिनजान सजलदेहकागदतें
कोमलकिंहिविधिराषेप्रान जोगनज·
नध्याननहीसेवासंगनहिज्ञान जिह्वा·
स्वादइंद्रियकारनआणुवरतिदिनमान
सौफउपाउनहीदेवौटेमननंदयहदेकान
सूरदासप्रवहोनविश्रुवनभजलैसारंग·
पान १७९ रागधनासिरी सुवमैजानी·
देहवउानी सीसपांवधरकस्योंनमानत

नकीटसा सिरानी ग्यानकहतग्यानैकहि
ग्यावतनाकनैनवहैपानी मिटगईवम·
कटमकंश्रेगश्रेगकीटहिहमतिन्नहिरा
नी नारीगारीविनंनहींविनंनहीबोलैहू·
नेकैरैकिलकानी वरमैश्रादरकादरको
सोषीफतैरैनविहानी नाहिरहीकहुस·
यितनमनकीभईश्रतिवातप्रानी सर·
दासंग्रवहोतविगूवनमन्नलैसारंगपानी
१२९ मनन्नहुकोमेंबाट रागदेवगंधार
वकईरीवलिवरनमसोवरजहांनश्रेमवि
योग नहांप्रमनिमाहोतनहीकवहूंसो·
साथरसमजोग जहांमनकसेहंसमीन

85

हिं श्रुतिमगनमह्रामफारारमरमरमन॰
मध्यमसमोहिं परमवामसहगंधसीतल॰
लेनपापनमाहिं बितप्रफलितरहैज।
लबिननिमषनहिक्रमीलोहि मघनग्रे
नलवैदिउनपरमोरहैबिरमोहि मरकौ
नहिंउडिनहैग्रववद्रीउउवोनोहि ७८
गागामकली नेंगीरीभजिवरनकम
लएट्जनह्रांननिसकोडाम जिहिविथ
भाज्ञसमानप्रभानबमोंवारिजसघवा।
म जिहिकिंजिल्कभक्तनवल्लनकाम
लानवमणक निगामसनकसकमारट
नारदसनिजनभृंगाग्रनेक मिवविरंब

सुरा षंजनमनरंजनखिनखिनकरतप्रवेस
सा ग्रथिलकोसतहांवसतसकुतजलग्रा
८८ टतस्यामरहिनेस सनमफकरभ्रमतजि
86
क्रमरहिनकोजीववरकोग्रास सुरसुप्र·
भसिंधफैसप्रफुलिततहंचलिकरोनिवा·
स १२४ रागदेवगंधार सुवाचलितावन
कोरसपीजै जावनरामनामप्रसुतरस
प्रवनपात्रभरिलीजै कोतेरोपुत्रपितात्र
काकाकोवरनीचरकोतेरो कागकरा
नस्वानकोभोजननतकहैमेरोमेरो वन·
तानारससकिलेहैचलितोकोजतरिछाके
सरदासससाधनकीसंगतेनतवडेभागजो।

पाके १८० रागदेवगंधार रेमनसमिरिह
रिहरिहरी सतजनतनाहीनामसरपरती।
करिकरिकरी हरिनामहिरनाकसविस
रयौउसौवरिवरिवरी प्रहलादहितजनन्न
हरमासौनाहिउरउरउरी गजगोधगनर
काष्याथकेन्नहगयेगरगरिगरी वरनन्न
सतन्नुहुभोजनलेइभरिभरिभरी द्रोपदी।
कीलाजकारनहाउपरिपरिपरी करनउ
रजोधनउसामनसकनन्नरिन्नरिन्नरी स
नहितन्नजामिलनामलीनोगयोनरितरि
तरी चारफलिकेटनिहैप्रभुरहेफरिफरि
फरी सूरश्रीगोपालकेजनहृदयपरिथ

स्वर
मा
८७

87

त्रिपदी ।८। रागकेदारा भजिमननेदनेद
नवरन परमपंकजश्रुतिमनोहरसकल
त्रषकेकरन सनकसेकरध्यानध्यावत
निगमस्रवरनवरन सेससारदविषीन्नर
दसेननविंननसरन पदश्रनापपरागड
रलभरमालोकहितकरन परिसगनका
मउणवननिहूंग्वरयरयरन विनवेजन
करतनमस्रवहरननतारननरन गणनी
लेनामकेनेणनिनहरिगुरवरन नासप
ररनपरमसीनमनाविगनउद्धरन नास
मोहिमायुगटषेनद्धोईंपगासिवयरन कु
लपटमकरंदणननश्रीरनन्दीसरवरन

सुरभजवरनागविंदनस्मितैन्तामनमरन ९२
सगकेशग कटिसननेंदनेंदनध्यान से
बबरनसरोजसीनलक्ष्नविचैरसपान नें
त्रनेवत्रिभंगसुंदरकलितकंबनदेउ ।
काञ्चनीकटिपीतपट्टेनकमलकेसर·
घेउ मक्षोमफपमरालश्रौनाकिंकनीक
लगव नाभिनलिनरूमावलीत्रिलिवले
सहजस्वभाव कंटस्नकामालसलयज·
उरवनीवनमाल स्फारीमसितीरमानो
लतास्पामनमाल वाहुपानसरोजपल·
वपरैस्कघस्तुवैन प्रतिविराजनवदन·
विफपरस्नराभिमंडितवैन स्रुपरदसनक

सूर
सा
८८

88

गोलकासापरमसुंदरनैन चलतकुंडल
गंडमंडलमनोनिरतनमैन कुटिलभ्रू:
परतिलकरेषासीससिषीसिषंड मदन
धनुमनोसरसंधानेदेषवनकोवंड सूर
श्रीगोपालकीछबिदृष्टिभरिभरिलेहु
प्रानपतिकीनिरषसोभापलकपननदे॰
हु १८३ रागकेदारा रेमनसमझसोच॰
विचार भक्तिबिनुभगवंतदुरलभकह
तनिगमपुकार छाडपासासाफसंगत॰
फेरिरमनामसार दावप्रवकैपरयौपूरोक
मतगिकुलीहारि गाधिसतृरिमनग्राहा
रहिवोपरगंकोमारि हरिदीनुनीनका।

नैवलचौकनिहारि कामक्रोधमदलो।
भमोत्यौंपयोनागरिनारि सूरश्रीगोविंद
भजनविनुवलेहोऊकरिफारि ।८। राग
सारंग होमनरामनामकोगाहक चौग॰
सीलघनीयातेंनमैमटकनफिरतग्रना
हक भक्तनिहारवैश्रस्थिरहैहरिनिगति
रमललेहु कामक्रोधमदमोहलोभतेंस
कलदलालीदेहु करहिपाउतेंसौजनलद
यहहरिकेपुरलैजाहि बाटवाटकहूघट
कहोउनदिमवकोऊदेहिनिवाहि श्रीरभ
जनमैनाहीलाहाहोतमूलमैहानि सूर॰
स्यामकोमोदामांचोकल्यौंहमारोमानि ।८। ५

सूर सा ८५

89

रागकानूडा रेमनरामसौंकरिहेत हरि
भजनकीबारकरलैऊबैरनेरोघेत मन
सुवाननपीजरानिहिमोहिंराष्योचेत का
लफिरतबिलारतनधरिसुववरीतोहिले
त सकलविषयविकारतजनतूतरेसाग
रसेत सूरभजिगोपालकेगुनगुरबताये
हेत १८८ रागकानूडा मनवचक्रममन
गोविंदसुथकरि सुवकछवमहजसमाध
साजमहिहीनवेंधककछणामघउरधरि
मिथ्यावादविवादछाडिदेकामक्रोधम·
दलोभविपरिहरि चरनप्रतापआनउर·
धंनरश्रीरामकलसुघपासुघतरिहरि वे

रंकलौं सुमिरत हूं भाषौ पावन पतितना
म निज जन रहु हरि जाको सुजस सुनत सुख
गावत पाप हूं दैनै है भजि भरि हरि परम
उदार स्याम घन सुंदर सुख दायक संतन
हितकरि हरि दीन दयाल गोपाल गो
पति गावन गुन आवत छिगाठरि हरि सु
न भय भीर रनि रष भव सागर तन ज्यौं हौं
सरल्यौं हटचरहु हरि जव जम नाल यमार
पैगौ हरि विनु कौ सौ धरि हरि जव हूं वे
न सु छव हूं रिस ते काल ग्रसिन फक श्राव
न फर हरि सुर काल वल व्याल ग्रसत है
श्रीपति सरन परत किन फर हरि ॥१८०॥

सूर
सा
१८०

40

गकेदारा निद्रारोक्रुमसकरहनकद्यानात
प्रानलियेजमजातमूछमनदेषतजननी
नात छिनश्कमोहिकोटज्ञगवीननर
कीकेनकवात ३हिज्ञगश्रीतमवासेव·
रज्योंवाघतउडिज्ञात जमकेफंदहिना·
हिनैपरिवैवरननिधिमलगात सूरदा।
सहृधायहदेहीश्नोकद्याश्नरात १८८
रागकेदारा हिनदसलेङ्गगोविंदगाउ ।
छिननवेननचरनश्रुतजनचादनज्ञीवनज्ञा
न हरिजवलोंजरारोगफवलतिश्रीमा·
३ श्रापनोकल्यानकरिलैमानुषाननपा
३ रूपनोवनसकलमिथ्यादेषिजिनगा

रवाउ श्रैसीहीश्रभमानश्रालसकालश्र
सहैस्राउ कृपिघनकतन्नाउरेनरजरत।
भवनवुन्नाउ सुरहरिकोभजननकरिलै
जनममरननसाउ ।१८। रागधनासिरी
मननोहिकनीकहीममकाई नेदनेदन
केचरनकमलभजितजिपाषंडचतराई
सुघसंपतिदारासहितहयगयफदसवै
ममदाई छिनभंगुरपसवैस्पामविनुषे·
ननहीसंगजाई जनमनमरनबद्धतजग
वीनैश्रनहूलाननश्राई सुरदासभगवंत
भजनविनुजैहैजननमगवाउ ।१९। रागम
लार श्रवमनमानधोंरामउहाउ मनवव

सर
सा
॥१॥
91

क्रमहरिनामहृदयधरिओंगुरकेबटव
नाई महाकुसटममामसगर्भवमस्रधो
मघमीमरहाइ इतनीकटिनमहीनै॰
निकसैंभ्रमनहूंननोममफाइ मिटगए
रागद्वेषसवतिनकेजिनहरिप्रीतलगा
ई मरदामप्रभुकीमेहिमापतिनपरम
गतिपाई ॥१॥ रागगौरी बौरमनरहन॰
घटलकरिनाना धनदारामृतऊटेवऊ
लिनिरषनिरबौराना नीवननननमय॰
लपमनमैंममफटेषमनमाही बाट
रखांदसूपधोगाटरनैमैंपिरनरहाइ नव
लगीलननबोलननविननवननधनदाराहूतेर

निकसतनहंसप्रेमहिंतनजिहैंकोऊनभाव
नेनेरे सूरषमसपसत्तानसूठमतिनाही
कोऊनेरे नोकोऊनिरोहिनकारीसोक
हिकाठमवेरे वेरीपकमजननमिलवैहै
हटनविलापकराही जैसेकागकागके
सुधेकांकाकरिउडिजांही क्रमपावकते
रोतनभषिहैममफटेषमनमोही दीन
दयालसराहरिभजलेयहत्रोमरफिरना·
ही ४२ रागगौरी नेदिनविसरगायेतहां
श्रायें श्रुतिउनससमोहमटखाकोफिरत
केसवगगायें जिनदिवसनतेंजननीज·
दोमेरहतवइतउषणायें श्रुतिसंकटव

सू.र सभरतमटालौमलमैमूडगाड़ायें बुधिवि
सा वेकबलहीनछीननतनसबहोहाथपराये
४२ निहिनकरतचितश्रधमश्रनड़लोजीवन·
नोकेस्पोयें कहिधौंकौनसाधहोतेरेघान
पानपद्रवायें सूरसूगन्योवानसहनसिर
विषयव्याधकेगायें ४३ रागकेदार देम
निपटनिलजअनीत जियनकीकहुको
वलावैमरतविषयाधीन स्वानज्यवजहु·
पंगुकानोश्रवनपुंछाहीन भगानभोजन
केंटकूमसिरकामिनीआधीन निकटस्रु
धुधधैद्याधाकरततीछनधार स्नाना·
नायकमगनकीडनवढनवारंवार देह

92

छिनछिनहोतछीनीहरिहदेषतलोग सुर·
स्वामीसौविमुषयेसतीकैसेभोग ॥४॥ राग
गौरी गौरेमनसमुककुकुचेत इतनोजन·
मध्रकारघषोघोस्यामविऊरभयेसेत नव
लौंसेवाकरिनिहचैसोजनवलोहरूवाषेत
सुरन्नरासभरमन्निरघ्यघोघोस्यामविऊर
भयेसेत नवलोसेवाकरिनिहचैसोंजनवले
हरूवाषेत सुरन्नरासभरमज्निनभूलोक
रिविधनासौहेत ॥५॥ रागधनासिरी रेसव
विनुगोविंदसुषनाही नेरोरोषहूरकरिवे·
कौरिहसिद्धफिरनाही सिवविरंचसनका
दिमनीजनन्उनकीगतमुवगाही जगतः

सूर सा ९२ पिताजगदीससरनबिनुसुषनीनोंपुरनाहीं
औरसकलमैदेषफटैवादरकैसीछांहीं सू
93 रदासभगवंतभजनदुषकहूंनहीजांहीं ५९
रागकान्हरा मननोंसोकोटिकवारकही
समझनवरनगाहेगोविंदकेउरचमूलसही
सुमिरनध्यानकथाहरिजूकीयहएकोनभ
ई लोभीलंपटविषयनमोंहितयहमेरीनि
वेही छांडिकनककमनिरतनअमोलकको
वकीकिरचगाही श्रैमोनहूंचनरविवेकीपं
तजपीयतनमही छलादिककहादिकरवि
ससिदेषसरसवही सूरदासभगवंतभज
नविनुसषतिहूंलोकनहीं ५८ रागपरज

मनारेमायवसोकरिप्रीत कामक्रोधमद
लोभमोहतन्छाड़ैविपरीत भौराभोगी·
वनभ्रमैमोहनमानैताप सबकुसमनिमि
लरसकैकैकमलबंधावैआप सुनिपरमि
तपियप्रेमकीचातककहिनवनचारि घनः
श्यामाउघसहैसवत्रनननजावैवार देषो·
करनीकमलकीजलमोंकीनोंहेत श्यान
तजैप्रेमननजैमनूकयोंमरहिमसमेत दीपक
पीरननानईपावकपरतपतंग तनतौति·
ह्निंन्वालाजसौंचितनभयोरसभंग मीन·
वियोगननसहसकैनीरनछूकैवात देषित
तनाकोगतहिरतिनवटैतनजात प्रीतप

स्रा सा २६

94

रेबाकेगनौवाहतनवठनप्रकाम नहिंव
छितियहिनदेषियैपरतछ्ठाडुउरस्वाम
समितमनेहक्षरंकोष्मवननिगचौगग
मरनसकतपगपिछमत्रुमरमन्मषउरला
ग देषतनरनतडनारिकेनरनप्रेतकेसं
ग विनानविनफीकौमभयौरचोनगपीयके
रंग लोकवेदवरनतसवैनेननिदेषतत्रा
स वौरननियचौरीतनैमरवसमहैविनास
मवरमकौरमप्रेमहैविषयीषैलेमार तन
मनधननोवनवटेतऊनमानेहार नैंनर
ननपायौंभलानान्यौमायसमान प्रेमको
पाग्रनदेनमनीतऊनउपनीलान सदा

संघातेस्रापनोजीयकौजीवनप्रान सुतै·
विसार्यौमहूजनहीहरिईस्वरभगवान वे
दस्रुरानसमतिसवैसुरनरसेवतजाहि म
हामूढस्रुजानमतिकौनसंभारनाहि ख
गमृगलीनपतेगलौमोमोथेसवदौर ज·
लथलजीवजेतेतितेकहूंकहांलोस्रोर
प्रभुपूरनपावनसुखाप्रानतिहूंकोनाथ
परमकृपालदयालप्रभुजीवनजाकेहा
थ गर्भवासस्रुतिस्राममैजहांनपकोसंग
सनतिरोनहांप्रानपतिनैऊनछाड्यौसंग
दिनरातीघोघनरह्यौजैसेबोलीपान वा·
रुयतैनोहिकाउकैलैदीनोयेपान जि·

सु.र
सा
९५

95

नन्दइतैंचैतननकिपौरन्नग्गनननविधान
वरनविक्रमकरनषट्पनैननासिकाका
न श्रमनवसनवङ्कविधियेश्रौसरश्रौसर
श्रान मातपिताभैयामिलेनईहवनईपरि
वात सज्जनक्रटेवपरन्ननवढेमनदाराध
नधाम महाम्रषविषयेभयौवितश्राकर·
षौकाम षानपानपरधानरमजोवन·
गयौवितीत जौविटपरिपरतीयवमभो
रभयौंभयौभीत जैमेमषहीयनवछौंतै
मेश्रनतश्रनंग धूमवछौंलोचनगयौंम
षानमफौंमंग जमनायौंमवन्नगाम·
मौवाछौश्रजमश्रपार वीचनकाहूनव

किधौंहृतनिंदीनीमार कहांतानौकईवा
रमधौंश्रुसैकमतजमीव हरिमौंहेतविसं
रकैमघवाहृतहैनीव जौपेजियलजान॰
नहीकहाकहौसौवार पकइंग्रंकनहरि
भजेरेसबसूछगवार ११८ रागकल्यान
धौंषैंदीधौंषैडहकाधौ समझनपरीविष
परसमीधौहरिहीरावरमोहिंगवाधौं ज्यो
केरेगजलहेषिमुवनकौप्यासनगईवहू
रिसधाधौ जनमजनमबहुकर्मकियै·
हैतिनमैंश्रापुनश्रापवंधाधौ ज्यौंसकसे
वरसेवश्रामलाितिनिसवारदितविमलगा
धौ रागोपहौजवेफलवाधौंउंडिगधौते

म्हर ललनोवसैम्रायौ ज्यौंकपिडोरवांयवाज्नीग
सा रकनकनकौंचौंहृदैनचायौ म्हरद्दासभ
९९ गवंतभन्ननविनकालम्यालपैम्रापडुम्हायौ
96 १११ रागधनासिरी जननमगवायौऊम्नावा
३ भजेनवरनकमलनडुपतिकेरसौंवि १
लोकतम्बाइ धनजीवनमटम्रोंरेनाकत
नारपराइ लालवलवम्हानफूदिनम्योंसे
ऊंद्दायनम्राइ रेककोवम्हषलागिमूछि
मनकोवनरामयावाइ म्हरद्दासप्रभुम्बाडि
म्यारसविषयपरमविषयाइ २०० राग
धनासिरी भक्तकविकरहोजननमसिया
नो वालापनषेलनद्दीघोयोनकनापैगव

गरबानौ बहुतप्रपंच किये माया कौ नकु
नपतितस्रवानौ जतनजतनकरमाया ।
गोरीलैगयौरंकनगानौ सतवितवनतामो
हलगायौफूटैभरमभुलानौ लोभमोहमै
बेस्यौनाहीसपनेस्यौंउहकानौं हउभय
कफकंठबिराप्यौसिरधुनधुनपछुतानौं
सूरदासभगवंतभजनबिनुजमकेहाथ·
बिकानौं २०१ रागधनासिरी रामनामस
सिरनबिनुजनमबादखोयौ रंचकसुखके
कारनेतैं ग्रंतकालविगोयौ साधसंगतभ
जविनातनऋकारथजनाइ ज्यारीनैपोहाथ
कारवालैकूटकाउ सतदागाटेहगोहसंपि

सुर
सा
५७

97

तसुघराई उनमैंकोउनाहिनेरोकालसुव
धुआई कामक्रोधलोभमोहत्रिष्णामनपी
यौ गोविंदकौविनविसारकौननीटसोयौ
सुरकहैमनविचारभ्रमभूल्यौंग्रंथा रामना
मलैतनिकैश्रीरसकलधंधा ४२ रागक
ल्यान भक्तविनवैलविरानीहूहो पाहिपा
उसिरसींवधुंगमनवितवकैसैगुनगोहौं वा
रपाहिरदिनदिरतफिरतवननरूनपेटखे
लैहौं हूटेकंटसफूटेनाकनिकौंलोयौभु
सधैहौ लाटतजौननलउटवाजहैतव१
कहौसुरड्डेहौ सीतघामसानविपतवऊ
तविविधभारवहतमरजैहौं हरिसंतनकौ

कह्यौंनमाननकियौआपनौंपैहौ स्वरदा·
सभगवंतभजनविनुमिथ्याजनमगवैहौ
१०३ रागसारंग छांडिमनहरिविमुषन१
कौंसंग जिनकेसंगकुवुद्धउपजतहैपरत·
भजनमैंभंग कहांहोतपयपानपियायेंवि
षनहींतजतभवंग कागहिकहाकपूरचु·
गायेंस्वानन्हवायेंगंग षरकौंकहाअरगजै
लेपनमरकटभूषनअंग गजकौंकहान्·
वायेंसरितावहुरिधरैवहैढंग पाहनप·
तितवाननहींवेधतरीतौकरतनिषंग सू
रदासषलकारीकामरिचढतनदूजौरंग
१०४ रागसोरठ रेमनजनमअकारथषोईस

सू. हरिकीभक्तकबहूनहीकीनीउदरभरेपर
सा सोइस निसदिनरहतफिरतमुखबायेंस्व
५८ हेकारकरिजनमविगोइस गोउपमारिप
98 स्योदोऊनीकैंश्रवकेकहेकियेंकहांहोइस
कालजनमनिसोग्रानवनैहेटेषिटेषमुष
तेइस सूरस्यामविनकौनक्रुडावैचलेजा·
इभयपोइस २०५ रागसारंग नवनैसोविं
टकौनसंभारे भूमिपरैतसोवनलागयोम
होकटनउघभारे अपनेपिउयोषवेकारन
कोटिमहरमनियभारे उहिपापिननैकयोउ
वगोगोदामनमीरतभारे श्रापलोभलालव
केकारनकहूनपापनैहारे सूरदासजनमकं

दुगहेतैंनिकसतपानउधारे २०९ रागधना
सिरी रेमननम्रराघजनमगावायौ करिग्र॰
भिमानविषैरसगीधौस्पामसरननहिंग्रा
यौं यहसंसारसुवासैंवरज्यौंसुंदरदेषिल
भायौ चाषनलागयौकईउडगईहाथकछु
नंहीआयौ कहाहोनअबकेपछुतायेंजब
केपापकमायौ सुरदासभगवनभजनन॰
विनुसरफनफनपछुतायौ २१० रागमा
रू श्रीसरहाल्यौरेतैंहाल्यौं माउधजन॰
मपाउनरवौरेहरिकौभजनविसाल्यौ रू
पिरनेंदतेसाजकियौतनसंदररूपसंवा॰
ल्यौं जटरअग्निग्रंतराऊरयमसषजिनदसा॰

सू
मा
४४

९९

मामउवाह्मौं नवनेजननमलियोन्नगामी
नरनवनेप्रभुप्रतिपाह्मो ग्रंथग्रचेनमूठ
मनवौरेमोप्रभुकौननमभाह्मो मद्विरपटं
वरकरमुरुंवरयहननकूटमिगाह्मो कं
मक्रोधमटलोभनियारनिवड्वविधिकाम
विगाह्मौं मरनभूलिलीवनस्थिरजान्यो
वड्उहमजियथाह्मो ननदागकेमोहग्र
वैविषहरिग्रमननफलउाह्मो कूदिमोव
करिमायाजोरीरविपविभवनउमाह्मो
कालग्रवधिपूरनभईजादिननननहूंम्पाग
सिधाह्मो श्रेनश्रेननेरोनावपह्मौंजवजेव
रीवांधनिमाह्मो जिरमननहिननेमघघो

विंदतेप्रथमतिनहिसषन्नासौं भाइबंधु
कुटुंबसहोदरसबमिलयहैंविवासौं जै
सैकर्मलहैफलजैसोतिनकानोउवासौं
सतगुरकोउपदेससिद्धिदैथरज्ञनभ्रमसक
लनिवासौ हरिभजनविलंबछाडिसर
नप्रभुकंवेदेरप्रकासौ १८ रागविला·
वल याविधिराजाकैविवादि राजसाज
सवहूंकोडारि जीरनपटरूपीनतिनधा।
रि चल्योसुरसरीसीसउघारि पुत्रकलत्र
देषिसवरोवैं राजातिनकोधीरनजोवै
राजाचलतनचलेसबलोग उपितभयेसव
नृपतिवियोग नृपतिसुरसरीकेतटआर

सूर
सा
१००

कियो अस्नान मृतकाला इ करि संकल्प
अन्न जल त्यागौ केवल हरि पद सों अनुरा-
गौ [illegible] ष्टादिक नहीं आए नारदादि
[illegible] तथा ये ऊमा आसन दै तिहि वैठा
यौ पुनि कह्यौ तिन कौं सिर नायौ यन
भागन मरस मन पा[illegible] समउ द्वार कारन-
नम आप नम दिष्ट तहरि सुमरन होइ श्री
रघु संग वलेन ही कोइ आता होइ करो अव
सोइ जाने मेरे मद गति होइ को कहे तीर
घ सेवन करौ को कहै दान जज्ञ विस्ता
रौ काहू कह्यौ मैं जप करना काहू कहु
काहू कह्यौ व्रत ना राजा कहौं सम मति न सों-

होतउहिकोमहिमूकतनाहि इहिसंतर
सुषदेवतहांआउ राजादेषितुरितउदिथा
इ करिदंडौतकृसासनदीनौ पुनसनमा
नविधनसवकीनौ सुककोअस्तुपकर्यौ
नहीनाइ सुकहियरल्यौकृस्नरमछाइ
सुककीमहिमासुकहीजानै सूरदासक
हिकहावषानै २५ रागबिलावल हरि
कीजनकीप्रतिटकराइ महाराजरिषरा
जमनिदेषनरहेलजाइ निरभयदेसराज
करिताकोकनिमनउनमाहि कामको
धमदलोभमोहपभयेचोरतैंसाह हरि
विसासकियौसिंघासननतापरवैठैभूप र

सूर रिजसविमलछबिसिरऊपरराजतपरम
सा अनूप हरिपदपंकजप्रेमप्रियावरनाहीं
१०१ केरंगराती मैत्रीज्ञाननश्रीसरपावनकद
नवातसऊवाती अर्थकामसोऊहूरहेउ
रधर्ममोछसिरनावैं बुधविवेकवलयोर
योरियासमानकवहूंपावै अष्टसिद्धिनव
निधिद्वारेठाढीकरजोरेभलीती छबीदा
रवैरागविनोदीफरिकवाहरिकीनी सा०
याघलनदीव्यापैनांकोजोघट्टिरीतहिता
नैं सूरदासघटवातअरपदीगुरुप्रतापपा
हिवानै १०० रागविलावल सकन्नूपश्री०
रकृपाकरिदेषौ धनभागतिनश्रपनो

लेष्यौ विनतीकरीचरनसिरनाई सम·
दिवससवमेरीआर नर्फकुटेवमोहनही
जात पुनधनलोभआइलपटात जान·
वफमैहोतअज्ञान उपजतनाहींमनमै
जान अहतनछूटतवडउषहोइ नाते·
सोवरहतनहिंकोइ विनाबवासिमरन
कौंहोइ अत्ताहोइकरौअवसोइ सकक
लौंतनधनकूटेवविहाइ हरिपदभजौ·
नऔरउपाइ आयुभग्नघटजलज्यौंछी।
जै अहिनिसहरिहरिसुमरनकीजैन
पंषक्षेगापूर्वयकमयौ सोतौहैहरीमैतर
गयौ तेरीतौहैसमदिनाआइ कहौभा·

सु.रा
मा
१०२

नमनोवितलाइ सुनिहरिकथायपौहरि
ध्यान जगमवजानौरूपनसमान या
विधिनौरूपदउरधरिहौ निसदिहसुरत
वतरिहौ ॥१॥ राजाषट्वांगकीकथा राग
विलावल हरिजसकथासुनोवितलाइ
ज्यौंषट्वांगनसौगुनगाइ नृपषट्वांगभयौ
भुवमांहीं ताकेसमनृतियाजगनाहीं
इकदिनतासइंद्रवरआयौ राजाउठिकें
सीसनिवायौ धनममरह्रथनआगइमा
रे नौतमवरनक्रपाकरिधारे सुवमो
कौंनोसुनताहोइ आपसमानकरोसुवसो
इ इंद्रकह्योममकरोसहाइ असुरनसौं

हैसोहलवाइ इंद्रग्रीषह्वांगसिथारे नाम
सनतसोसकलपगाप सवपतिसौन्तप।
श्रात्तासोगी उनकल्यौलेङकह्लवरसोगी
नृपतिकल्यौंकङमेरीश्राय वरलेह्यौंप॰
नसीसवङाइ दोइमहूरतश्राइवताइ न्
पवोल्यौंतवसीसवछाइ नरतदेङमोड़
थरपड्वाइ नवोन्नाइनहोहरिगुनगाइ
पकमहूरतमैफिरश्रायौ पकमहूरतह
रिगुनगायौ हरिगुनगाइपरमपदलयौं
सरन्नृपतसनततथीरजगल्यौ ११२ गागमा
रेग नोसघहोतगुपालहिगाये सोनहो।
तनपतपकेकीनोंकोटिकतीरथन्हाये

सूर सा १०३ 103

दियेलेतनहीवारपदारथचरनकमलवि
वितलाये तीनलोकतनसमकरलेखत
नेरनेरतनउरखाये वेसीवरहेरावनतम
नातववैकुंठनताये सूरदासहरिकोस
मिरनकरिवहुरनभववलिआये ॥ २७
इतिश्रीभागवतेमहापुरानेप्रथमस्कंधः
समाप्तः ॥
ॐनमोनारायणाय रागविलावल हु
रिहरिहरिहरिसुमिरनकरो हरिचरना
रविंदउरधरो सकदेवहरिचरनिचितला
इ राजापरीक्षितोसुनायाभाइ तजसकलसं
सारदुखममसगाउ करोहरिकथासुनो

विनलाइ विनाछाडिभजैौजडराइ सूर·
नरोहरिकेगुनगाइ १ रागकेदारा सोई
रसनाजोहरिगुनगावै नैननिकीछवियि
हैचनुरनाजौमकंदवरननविनलावै नि
रमलविननौसोईसोचौकुसविनाजिय १
श्रोरनभावै श्रवननिकीजयहैइधिकाई
सुनरसंकथासुधारसप्पावै करनेईजो १
स्यामसेहिसेवैचरननिचलवृंदावनजावै
सूरदाससैसैधवलनाकैंजोहरिजूसोप्रीतल
वै २ रागसारंग जवनैरसनारामकसौं
मानोयरमसाथसवैसौंपठवौंमैंधक।
हारत्यौं श्रगटप्रनापत्तानगुरूगमतिनें·

सू॰ सा॰ १०६

104

इथिमथ्यहृतजौमल्यौं सारकौंसारसकल

सृषकौसृषहृनुमानसिवज्ञानगर्यौं ना॰

मश्रजीनभईनाजनकैलैश्रानंदउषहृरिकि

यौ सृरद्दासथनिथनिवहिश्रानीज्ञोहरि॰

कौंश्रनलैनिवायौ ३ रागमारंग गोविंद॰

सोपतिपाइकहामनश्रनतलगावै गोपा॰

लभजनविनसृषनहीज्ञोवहूंहिसथावै

पतिकोव्रतजथंरैनियासोसोभापावै श्रान

पुरुषकोनामलेतज्ञियपतहीलजावै ग

नकातेउपजैपूतकहौकाकोकहावै वस

नसारमरीतीरमेंटमनिकूपषनावै जैसें॰

स्वानकुलालकैपाछैपाछैउठिधावै श्रान

देवहरितजिजिनभजैसोजनमगंवावै फल
कीआसाविनधरिसोहूढवढावै महामू
ढसोमूलतनजसाषाजलनावै सहतभजैं
नंदलालकौसोसभसुषपावै सूरदास
हरिनामलैदुषनिकटनआवै ६ रागक
न्हरा जोकोमनलाग्यौनंदलालहिंताहि
औरकौंभावैहो जौलैमीनदूधिंमैंडारैज
लविनुसचुनहीपावैहो जौसोगाडेलैरण
भीतरपीरनकाहूजनावैहो जौगूंगोगुर·
षाइअधिकरससुषसवादनिवतावैहो
जैसेसलतामिलतसिंधकोवहुरप्रवाह।
नआवैहो ऐसेसूरकमललोचननेंचित

सू॰ सा॰ १०५ 105

नहींश्रनतिलगावैहो ५ रागविहागरा जो
मनकबहूंनहरिकोनावै श्रानप्रसंगउपा
सनाडिकैमनवचक्रमग्रपनेउरसावै
निसदिनस्वासिरजस्पगावैकलपनमेटप्रे
[illegible]रसपावै यहब्रतधरैलोककैमेविचरैस·
मकरिरागनैमहामतिकावै सीतउस्नसुष
दुषनहिमानैहानिभयेकछुसोचनरावै
जाइसमाइसूरवानिधमैबहुरनिउलटिज
गतमैनावै ६ रागसारंग कहाँसुकश्री
भागौनविचार हरिकैभक्तविरहहैत्वरा
नगाग्रानधरमरिनचारि विनातत्नोपरी
छितनातामहनिमिषमाषिहमारि कमल

नैनकीलीलागावतनकटतम्रनेकविका·
र सततजुगसतत्रेतातपकीनोद्वापरपूजा
चार सूरभजनकलकेवलकीजैलजा १
कानानिवारि २ रागबिलावल गोविंद
भजनकेरोइहिवारा संकरपारवतीउप
देसततारकमेंत्रलिखौऊतसारा अष्टमे
धंजोकीजैगेपावनारमझ्रुकेदारा रा·
मनामसरतऊनपूजैजोननगारोजाइदि
वारा सहंसवारजोवेनीपरसोचंद्रायनसों
वारा सूरदासभगवंतभजनविनजमके
द्वतघरेहैद्वारा ८ रागकेदारा हैहरिना
मकोआधार औरइहिकलकालनाहीर

सूर
सा
१०८

सौं बिधि गयौ हार नारदादि सनकादि मुनि-
मिलि किये बहुत बिचार सकल श्रुति द-
धि मथि तनक घीउ नहिं लहत सार सूर सो दस
नैक भयो कौ मीन कौ ज्यौं जनार सूर हरि-
कौ सुजस गावत जाहि मिटत भव भार ४

नाम महिमा राग बिलावल हरि हरि हरि
सुमरो सब कोइ हरि हरि सुमिरत सब सु-
ख होइ हरि समान दूजौ नहिं कोइ हरि
चरन निराश्यौ बिनतौ कोइ श्रुति स्मृति देख्यौ
सब जोइ हरि हरि सुमिरत दोइ सुद्धोइ बि-
न हरि सुमिरन सुकृत न होइ कोटि उपाइ क-
रैजो कोइ सतु सुमिरन हरि गनत न दोइ जोम

मैरेनाकीगतिहोइ हरिहरिहरिसमरौस
वकोइ गावैकहरिगनननदोइ हरिह
रिहरिसमरोजिननहो हरितिहिदरसन
दीनौंनहो हरिविज्ञमघनंदीयोंइकग्रई
हरिहरिहरिसमरोजहोंनहो हरिहरिह·
रिसमरोदिनराति नांनरजनमअकारथ
जाति सौवातनकीपकैवाति सुरसमिर
हरिहरिदिनराति ९ रागबिलावल जन
मजनमजनवजनवजिनिहिं·नेहिंजगजहांज·
होजननजाई नहांनहांहरिवरनकमल·
रतिमोहछहोतरहाइ अवनसजनममारं·
गनाटविधिधिवातकविधिमघनाम नैन

सा
मा
१०७ वकोरस्रनतसंततसमिकरथ्रवेनश्रभिगा·
म स्रमतिसरूपसचैसरघालौउरथ्रेउज·
श्रउराग नितप्रतिश्रलिजिमसंजनमनोहरि
श्रवनप्रेमपराग श्रौरौसकलसहूतनश्रीप
तिरहितननमनरहतसुपीन नाकनिरेस
खेडखेसुरजनश्रभुजिनकेभजनप्रवीन ११
हरिविसरपनिंदा रागमारंग श्रंवभोउन
लोगनकोश्रावै छाडैस्यामसुग्रीरसफल
कौमायाविषफलभावै निरतसुठमल
घवंदनकौरापश्रेगलपटावै मानसरोव
रछाडहंसतटकागसरोवरन्हावै पगतर
नरतननलानैमरघरघरनतजिघोरवुफावै वौ

गामीलषंन्यौनखोंगाथविभ्रमभ्रमहैहंसा
वै मृगतृस्नाश्रावाअनगनजलनासंगम·
नललचावै कहतसूरदासहरीसंतनमि
लहरिजनसकाहिनगावै ५२ रागसारंग
भजनविनकूकरसूकरजैसौं जैसेघर·
विलावकेमोसारहतउंदीवसवैसो वकव
गलाग्रकगीधगीधनीग्राउजनमलियोते
सो उनहूकेघरसूतदारायहैउनेभेदकाहिकै
सो जीवमारकैउदरभरतहैंतिनकोलेषौं
ऐसौं सूरदासभगवंतभजनविनुजौवऊं
टघरभैसो ५३ रागसारंग भजनविननी
वतजैसेप्रेत मलिनमंदमतडोलतघरा

सु।
मा
१०८

108

उदउदरभरनकेहेत सुषकहुवचननि।
ग्यपरनिदासगुनसजनससुषलेत कवहूं
पापकरतपावतधनगोरधूततहोटेत ग्र
न्थाभ्यासनसंतसजनजनकेकवहूंनजा
नतिकेत सेवानहिंभगवंतनचरनकीभ
वनीलकोषेत कथानहींगुनगीतसज
सहरिसाधतदेवस्त्रनेत नाकीकहाकहो
सनसरजहूडनक्रूदेवससेत १५ रागसा
रंग निर्हितनहरिभजनेनानकियो सोतन
सकरस्थानमीनज्यौ३हिसुषकहाजियो
नैननागरीमइससवहूनकौनानविनदियौ
पगटनानजतुनाथविसारेपापामामटन्नी

यौ चारपदारथकीप्रभुदानीतिनैनमि·
ल्यौहियौ सूरदासमसनावसमुपनैटेरि
ननामलियौ ॥ १८ सतसंगमहिमा राग
केदारा नाहिनसंतापाइनैभावत तीर
थकोटसस्नानकरैफलजैसोटरसनपा
वत नेहनयौदिनदिनप्रतिउनकैचरन
कमलचितलावत मनवचकर्मश्रौरन
हीनानतसमरतश्रौसहिमिरावत मिथ्या
वादउपाधरहतहैविमलविमलजसगा
वत वंधनकर्मकठनजोपहिलेसोऊ·
काटवहावत संगतरहैसाधकीनिस·
दिनवहदुखहरनसावत सूरदासप्रज

स्रा
मा
१०५
109

नमसरननैत्रवनपरमगतिपावत ९६ म
नसाधन रागधनासिरी हरिरसनैव।
कहूंजाइलहीये रायेसोवश्रायैंनहीश्रानं
दसैसोमारगगहीये कोमलबवनदीन·
तासरसौंसदाश्राननेतिरहिये बादविवा·
दहरषश्राननराताइनोदंडनिवसहिये श्रे
सीनोश्रावैयामनमैइहसबकहालौंक·
हिये श्रसिद्धनवनिद्धसुरप्रभुपदवे·
नोसबबहिये १७ रागधनासिरी नोलो
मनकाममानलूटै तौकहानोगजनगढ
नकीनेविनकननसकोकूटै कहाश्र
स्नानकियेतीरथकेश्रंगभस्मजटजूटै

कहा भगान पड़ेन ग्रादारह रूर्ध्यम के छूटै
नगमो भाकी मकलव डाई इरिते कछूना
छूटै करनी ग्रोर कहै कछु थोरे मन दमहूं
दिमल छूटै कामक्रोध मद लोभ मनु है नोउ
ननन मौ छूटै मूरदास तन वहीन मना मेता
न ग्रागिनि कर छूटै १८ रागु बिलावल
भकंपथ को नो ग्रउमरै मतन कलि ऊमो॰
दितपार हूरै मूमनव मनकी चिंतन करै
विसंभर मभनगा को भरै पमया केहारे॰
परहोउ नांको पाथतम हूनिममो उ नोप
भुकी मरना गत ग्रावै नाको प्रभु कै मेवि
मनावै मानत उदर मैरमर दवावन वडरि

सूर
सा
११०
110

हथिरतैंछीरवनावन सुसनकानप्रभुव
नफलकरे तृषाहेतजलफरेनाफरे पा
त्रस्थानहूाधपरिरीने वसनकानवलस
कलप्रभुकीने सत्नापृथ्वीकरीविस्तार
गृहगिरकेंदरकरेउपार नानेचिंतासकल
तियागि सूरकरेहरिपदउनुराग ॥५॥
रागधनासिरी सबैदिनएकैसेनहीजात
सुमरध्यानकियोकरहरिकौंजवलगदि
नकुसलात कबहूकमलाचपलपाइकै
टेढेटेढेनात कबहूकमगमगधूरटा
टौरतभोजनकोविधलात यादेहकेगर्व
वावरेनदाफिरतउनयात वातविवाद

सवैदिनबीतेषेलतहीऔरषात होवइ।
होवइवहुतकहावतसूधकहतनवात
जोगाजुगतध्याननहिंहूलाहूहमयेपछता
त वालापनषेलतहीषोयोतरुनापैग्रल·
सान सूरदासऔसरकेवीतेरहिवोपछतन।
पछतान ३० रागसारंग भक्तिपंथकोजो
अनुसरै सोअष्टांगजोगकोकरैअनुसरै
जमनियमआसनप्राणायाम करैअभ्या
सहोइनिहकाम प्रत्याहारधारनाध्या·
न कैलेकाइवासनाध्यान क्रमक्रम
करिपुनकरैसमाध सूरस्यामभजमिटै
उपाध ३१ रागसारंग सरवगोविंदहिभा

सा
१११

वननाही कैसेकरीहरिनकपसौंप्रगट·
होइछुनमांही जगजीनैकरनेतकेसकी
नरकासुरमारसौंफलमांही ब्रह्माउरुद्र
दिकपछुतानेगरवधारिमनमाही जो·
वनरूपराजधनधरनीजानजलदकीर्ति
ही सुरदासप्रभुहरिभजोगर्वतजविस·
यसुगतकोनाही २२ रागकान्हडा विष
याजानहरिबिषोगान दैसेंत्र्यधजानतेसु
रघुजेपरतियलपरान वरजिरहेसव
कहौंनमानसकारिकारिजतनउजान प
रेब्रवानकसौंरसलेपरतननजमजान
यहनोसनेव्यासकेमधमोपरदारागउध

दान हृथिरमत्रमलमेटकदिनञबउट
रगेथरंथान ननधननोबननाहितघो
बननरककीपाहैवान मौनरभलोबट
नतौसौनजिस्तरग्रभ्रुनगान २३ गगन
ट मौलौसनसस्हूपनस्हूफन नौलोस्हग
मटनाभविसारेफिरनसकलबनहूफन
ग्रुपनोहीमनमलिनमंट्मतिदेषनदर्पं
नमाही नाकालमामेटिवेकारनपवन
विष्पारनवाही नेलनूलपावकग्रुटभरि
धरिबैनविनाशकामन कटनबनाउटी
पकीबतियांककैसेकैनमनामन स्हर·
दामघट्मनग्रायेविग्रुमबदिनगायेग्रले·

सूर सा ११२ है कहांनानैदिनकरकीमहिमाग्रंथनैन·
विनदेषै २७ रागधनासिरी अपनपौआ
112 पनहीविसर्यौ जैसैस्वानकांचमंदरमैंभ्र
मभ्रमसमर्यौ हरिसौरभमृगनाभवस
तहैद्रुमतनसोंधिसर्यौ ज्यौंसपनेमैंरंक
भूपभयोतसकरअरिपकर्यौं ज्यौंकेहरि·
प्रतिबिंबदेषिकैआपुनकूपपर्यौं जैसैंगज
लषिफटकसिलामैंदसननिजारउर्यौं म
रकटमूठीछाडिनदीरीनीघरघरद्वारफि·
र्यौं सूरदासनलनीकोसुवाकहिकौनै
पकर्यौं बिराटरूपबननं रागकेदारा
हैननिनिरषस्यामसरूप रह्यौघटघट ।

आपसोऽइतोनह्रूपश्चनूप वरनसमपना·
लनाकेंसीसहैंश्राकास सूरवंइनछ्रउपा
वसमर्वनासश्रकास २९ गगधनासिरी
ह्रिन्नकोश्रारतीवनी श्रतिविविश्ररवना
रचिराषीपरतिनगिरागनी कछपश्रयश्रा
सनश्रन्नूपश्रतिशंशीसेसफनी महीसग
३समसागरह्नूनवानीसैलधनी रविससि
जोतनजगनपरह्नूरनहरततिमररजनी ३३
नफूलउउगननभश्रंतरश्रंजननघटाघनी
नारदादिसनकादिप्रजापतिसुरनरअस
रश्रनी कालकरमगुनश्रोरनअंतकछ्र·
प्रभुउछारवनी यहरूपनापटेषनसुनिरंत

सूर सा ११३

113

रलोकसकलभजनी नाकेउदितनवत·
नानाविधिगतिग्रपनी ग्रपनी सूरदास·
सवप्रकृतिधातमयश्रुतिविचित्रसजनी
२२ नृपतविचार रागसारंग श्रीसकके
सनवचननृपलागपौकरनविचार कूटे
नातेजगतकेसतकलत्रपरवार चलत·
नकोऊसंगचलैमोरिरहेसबनारि श्राव·
तयाछेकामदारिदेष्योसूरविचारि २८
रागगूजरी हरिबिनकोऊकामनग्रायो
ग्रामफूटमायाग्रपंचलगिरतनजनम
गंवायो कंचनकलसविचित्रचित्रकरि·
रचिपचिभवनवनायो तामैतेतेडारि·

नहींकाथौपलभरिरहितनपायौ होने
रैसंगजनसौयहैकहिनियाभूतधनिघायौ
बलनरहींविनचोरमोरमखपकनपगाप
इचायौ बोलिबोलिसबबोलिमित्रजिन
लीनोमोजेहिभायौ पहौंकाग्रग्रंतकी·
वरियांनिनहींग्रानवेधायौ ग्रामाकरिक
रिजननीजायौकोटकलाउलउायौ नोर
लियौकटिहूंकौओरानापरवदनजायौ
पतिनउधारनगानकानारनसोमैसदवि
सगायौ लियौननामनैकहूंयोषैंसूरदास
पतितनायौ २९ रागदेवगंधार सकलत
जिभजनमनवरनमसावि श्रुतिस्मृतिस

सू.र
सा
११४
114

निजनसवभाषतमैंहूंकहतनुकारि जैसो·
सपनोसोघटेपियततैसो·यहसंसार जात·
विलयहैंछिनकमात्रमैंउचरतनैंनकिवार
वारंवारकहतमैंतासौंजनमनन्नवाह्यारि
पीछैभईसमभईस्वरुपभुग्रनहूंस्वरनसंभार ३·
रागसूनरी ग्रनहूंसावधानकिनहोई मा
याविषमभवंगानिकोविषउतस्यौंनाहीनो
ई क्रूसमसमंत्रसनीवनमरीजिनजनमर
नेजिवायो वारंवारनिकरश्रवननिहैगु·
रुगारुडुसनायो भौतकटेहूजीयग्रभिमा
नीरेघतरीउघलायो कोऊकोऊउवस्यौ
सायमंजिननामसजीवनपायो जांकोमा

मेहग्रनिलूटैसतनसगीतकेगोये स्तरमिटै

ग्रज्ञानसूरकज्ञाज्ञानसूरकेषांये ३१ रागा

केदारा नमोनमोकरुणानिधान चितव

नकृपाकटाक्षनिहारीमिटगयोतमग्रज्ञान

मोहनिसाकौलेसरह्यौंनहीभयोविवेकवि

ज्ञान आत्मरूपसकलपटदरसौउदयकि

योरविज्ञान मैमेरीग्रवरहीनमनमेंरूयौ

देहग्रभिमान भावैपरौग्राजुहीयहतन १

भावैरहौग्रमान मेरैनिधग्रवयहैलीला

मालीलाश्रीभगवान श्रवनकरौनिस ।

वासरहितसोसुरनिहारीग्रान ३२ रागसा

रंग कहौंसकमनोपरीछितराउ ग्रलग्र

सूर गोचरमनवांनीतैअगमअनंतप्रभाव भक्त
सा निहितअवतारधारजोकरीलीलासंसार क
११५ हौनाहिनौसुनौचितदैकैसूरतरैसोपार ३३
114 रागबिलावल नारदब्रह्माकौंसिरनाइ क
ह्यौसुनौत्रिभुवनपतिराइ सकलसृष्टियह
तुमतैंहोइ तुमसमदूतियाऔरनकोइ तु
महूंधरतकौंनकौध्यान यहतुमसोंसोक
हौंवषान कह्योकर्नीहूनौभगवान सदा
करतमैंतिनकौध्यान नारदसोंकह्योंवि
धिनाभाइ सूरकह्योंत्यौंहीसुकगाय ३४
बनतिसौंमनिअवतारवरननै रागधनाश्री
री जोहरिकरैसोहोइकरतानामहरीज्यौं।

इरपत अति निविंब मौं सब सृष्टि करी आदि।
निरंजन निरंकार को ऊ इतो न दूसर रचौ
सृष्टि विस्तार भई इच्छा इक औसर त्रिगुन अ
रूपते महत्तत्व महंतत्व ते अहंकार मन रु
द्री सब्दादि पंच तनातैं केये विस्तार सब्दादिक
तै पंच भूत सुंदर प्रगटाय पुनि सब कों र
चि ब्रह्मंड आप मैं आप समाय तीन लोक नि
ज देह मैं राषै करि विस्तार आदि पुरुष सोई
भयौ जो प्रभु अगम अपार नाभ कमल तें
आदि पुरुष मो कौं प्रगटाइउ षोजत जतन ग
गप बीत नाल के अंत न पायौ तिन मो कौं
अस्तार दई रच सब सृष्टि उपाइ स्थावर जंगम

सुरा
सा
११८

116

सुरभ्रमतरवेसवसैग्राइ मछकछुवराह॰
वइनरसिंघरूपधरि वामनवड़ेपरस
राममुनिरामरूपधरि वासुदेवसोईभयौवौ
धसुनभयौसुसोई सोइकल्कीहोइगोश्री
रनइतियाकोई पहृदसहूंअवनारकहौंग
नश्रीरवतरदस भक्तवछलभगवानधै
वसुभक्तनकेवस अजअविनासीअमरअ
भुननमैममैरेनसोई नटवटकालाकैरस
कनवूफैविरलाकोई सनकादिकच्या॰
सवद्वारभयेहंसरूपहरि मुनिनारायनविष
वरेदेववद्रीरूपधन्वंतर दत्तात्रेयमुनिजत
पुरुषवड़ेरोंपृथुवपुधरि कपिलमोहनी

हयग्रीवह्वैकियोफवअवतरि भूमरैनको·
ऊरानैश्रौनछुतनसुनावौ कल्यौबहेअवता
रश्वेतमसोऊनहीपावै सूरकहौकोकरिस·
कैजनमकरमअवतार कहेकछुकगुरू·
कृपातेंघौभागौतनुसार ३५ रागविलाव
ल ब्रह्मायौनारदसौकह्यौं जवमैनामक·
मलतेंभयौ षोजततनालकितोजगभयो
तौहूमैंकछुमरमनलयौ भईअकासवानी
तिहिंवार तूयेचारसलोककैविचार इन्हैंविर्च
रहूहैहैंज्ञान श्रेसीभांतकह्यौंभगवान ब्रह्मा
ज्ञनारदसौंकही व्याससोईनारदसोंलही
व्याससोकहीयेमोसोविस्तार भयोभागव

सूर तथापरकार सोईमैअवधनमसोभाघो तैरा
सा हृदयनसेसपराधौ मूलभागवनकोपई
११३ वारि सूरविधिभलीइनैविचारि ३८ चतर

स्रोकीलघवाका रागकानूरा पहिलैहो
हीहोतवपक अमलअकलअनभेदविव
र्जितसनविधिविमलविवेक सोपंकअते
कविधिसोभतनानाभेष पाछेइनगुनगर्थ
तैहोरहिहोअवसेष फटीसाचीसीलगैम
ममायासोनान रविससिराहसंजोगवि
स्यौंलतितममगानि मैमैगंजिवसिफट
कमथपंचधपंचअभूत मैमैमैसवाहिनसौं
न्याफैंमानिग्रंथितस्यौंसतन पहिलैतानवि

ज्ञानप्रवृत्तिपरमभक्तकोभाव सूरदाससो
इसमप्रकरिव्याप्तिहृदिविमलाव ३१ ३।
तिश्रीभागवतेमहापुराणेसूरदासकृतौ·
द्वितीयस्कंधःसमाप्तः २
ॐनमोकृष्णाय ॐरागविलावल हरिह·
रिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरणारविंद
उरधरौ सुकदेवहरिचरननिचितलाइ रा
जासौंवोल्यौयाभाइ कहौहरिकथासुनो
चितलाइ सुनतनौहरिकेगुनगाइ १ विदु
रमैत्रीयसंवाद रागविलावल तवतह·
रिभयैंसुतनरध्यान कहिकृयौसौंनतववित्ता
न कह्यौमैत्रेसौंसमुझाइ प्रहतमविदुर

सू.सा ११८

118

हिकहियौनाउ बदरकाश्रमसोऊमिल॰
श्राप तीरथकरतगापश्रऊलाप उथौवि
उरतहोमिलगाप सोऊकुमसप्रेमवसमप
उथौकर्योंहहरिकार्योंनतान कहिहोत।
म्हमैत्रेयान पहिकहिऊथौश्रागौवले
विदुरमैत्रेयवडुरौंमि तोकहिहरिसोस॰
नियौतान कर्योंमैत्रेयताहिवषान सो
रमोहिदियौव्यासममनफाउ करोंसुस्र
सनोविततलाउ २ विदुरजन्मवरनन रा
गविलावल विदुरधर्मराउप्रवनार ज्यों॰
भयोकहोसुनोवितथार मांडिवरषजव॰
सुनीदियौ तवमोकाटहस्योंहूंगयो मां

उपरसगाइगाइपैआयौ कोपवंतयहवच·
नसुनायौ कौनपापमैंश्रेसोंकियौ ज्ञाते·
मोकोंसूलीदियौ धरमजनकह्यौंसुनोरिष·
राइ छमाकरौतोदेहुवताइ बालअवस्था·
मैंतुमथाइ उडनभंभीरीपकरीताइ ता·
हिसूलपरसूलीदियौ तोकोंवदलौतुम·
सोंलियौ रिषकह्यौंवालदसाअज्ञान भ·
योपापमोतेंविज्ञान बालापनकोलग
तनपाप तोतेमैतुमैदेहंसराप दासीसुत
होइतुनाइ सूरविदुरभयौसोयाभाइ र
सनकादिकब्रह्मतारवनंनं ब्रह्मावलरु
पउरधार सनसोप्रगटकियेसनतचार स

सूर नकसनंदनसनातनकुमार बहुरसना।
सा तनसयेवारि पचारोनवब्रह्माकियेहरि
११९ कोध्यानपस्यौंनिहिहियो ब्रह्माकह्योसु·
119
हिविस्तास्यौ उनयहवचनहृदयनहिया·
स्यौ कस्यौंयहहमनहमसौंकह्यौ पांचवरष
केनितंहीरहैं ब्रह्मानिहिंसोउहवरपाउ
हरिवरननिविनयाच्योलाउ सकदेवकह्यौ
जैसेपरकार सूरकहैतैसीअनुसार ॥ ८ ॥ रा
इउत्पत्ति रागबिलावल सनकादिकन·
कह्यौंनहिमान्यौ ब्रह्माकोधबहुतमन·
विधिथ्रान्यौ नवपकपुरुषभोंरहनेभयौं
होनसमैंनहिहोवनहायौ तासनामविधि

तदस्वराध्यौ नाकोसृष्टिकरनकौभाध्यौ
तिनवङ्सृष्टिनामसीकरी सोनासमक
रिमनस्रुगुसारी ब्रह्मामनसोमलीनभाउ
सुरसृष्टिनवड्यौरउपाउ ५ समरिखवारि
सनिउत्पात रागविलावल ब्रह्मासमर
नकरिह्ररिनाम प्रगटकियेरिखसभि·
राम भृगमरीचअंगिरावसिष्ट अत्रिपुल
ह्रपुनभयेपुलस्त पुनदक्षयौरप्रजापति
भए स्वयंभूआदिवारिसनिजप १नतेउ
पजासृष्टिउपार सुरकहेलोकहैविस्त
र ९ सुरसुसुरउत्पति रागविलावल
ब्रह्मारिखमरीचनिरमाध्यौ रिखमरीचक

सू सूपउपजायौ सूरश्रुतसूरकसूपकेउ
सा इ भांतिविमानआपमैसउ सूरहरिभक्तउ
१२० 120 सूरहरिद्रोही सूरसुतलछमीसुसूरसुतनकोद्रो
उनमैनितहोइवढाइ कौसूरनकीकुलसम
हाइ तिहिहितिजोजोकियेसुवनार कहो
सूरभागौतसुनुसार २ वाराहसुवनारवर
नन रागविलावल ब्रह्मातैंस्वयंभूमन·
भयौ तासोसृष्टकरनसौकह्यौं तिनव·
ह्मासौकह्योसिरनाइ सृष्टिकरौसुरहैकि
हिंभाइ ब्रह्माहरिपदध्यानलगायौ नव
हरिवपुवाराहधरिआयौ ह्वैवाराहपिरथी
ल्यौंल्यायौ सूरदाससुकन्योंहीगायौ ८

नारायनासिरी हरिगुणकथाअपारपारन

हिपाईयै हरिसेवतसुषहोइहरिगुनगाई

यै ब्रह्मपुत्रसनकादिगयेवैकुंठएकदिन

द्वारपालजयविजयइनतेवरज्योतिहिकों·

पनि श्रापदियौतवकोपहैअसुरहोहुसं

सार हरिहरसनकौंजानतहैगोरोकौंविना

विचार हरितिनसौंकह्यौंआइभलीसिक्षा

तुमदीनी वरज्यआवततमैअसुरहुहिर

नहैकानी तिनैकह्यौंसंसारमैंअसुरहो·

ह्वैवजाइ तौजैजनमविरुद्धकरिमोकैं

मिलियौआइ कस्यपकीदितनारिगर्वता

कौदोऊआय तिनहींतेजप्रतापदेवनन।

स्त। वड्डउथपाप गर्भमांहिमनवर्षरहिउगट
मा। भणउनिआउ निनदोऊवनकोदृषिकैस॰
१२। रमवगायेउआउ हिरन्यातउकभयोहिरन।
121
कसुपपभयोहतो निनकेवलकोइदवक
नकोऊनहिंहृतो हिरणपाळनवपृथ्वी॰
कौंलैगयोंपाताल ब्रह्माविनतीकरिक॰
त्यौंदीनवंधगोपाल नमविनउनियाश्रोर
कोननोब्रह्मरसंवारे नमविनुककहनासि
फकोनपृथ्वीउधारे नवहरिथरिवारारूह
पल्पायेपृथ्वीउदाउ हिरणपाळकविगद
गदानवनदीपडवोआउ ब्रह्मकोपहुँक
लौंवङ्डतनमब्रह्मरसंवारे ब्रवलेहूवोवद।

रावनआइहैनहीविप्रमारे यहिकहिकैर्म
ग्रीगहाहरिजनताहिसंभार गदाजहतासो·
किधौब्रम्हरनमानीहार नवब्रम्हलोकरवि
नयकल्यौंहरिताहिसंघारो नमनलीला·
करनम्हरनमनपल्यौंदुषारौ मास्यौताहि
पवारहरिस्मरनमनभयौविलास सूरदास
केप्रभुवह्मरिकियौवैकुंठहिवास ९ श्रीक
पिलदेवअवतारवरनन रागविलावल
हरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरनार
विंदउरधरौ ज्यौभयौकपलदेवअवतार
कहौसोकथासुनोचितधार कर्दमपुत्रदे
ननपकियौ तासनारिहूवडतनलियौ

सू.र
सा
१२२

122

हरिसोपुत्रहमसैंहोइ औरजनगतमुषहूंपुनि
सोइ नारायनतिहिंकौंवरदियौ मोसौंश्री
रनहीकोऊवियौं मैलेहैंतमग्रहम्रवनार
नपतनिकरौभोगसंसार उड्डतवनीरथ्या
मोहिसुनायौ सुंदररूपउहूंजननपायौ भो
गसमग्रीमोरीसुपार विचरनलागेमुषसं
सार तिनाकेदेवकपिलसुतभए परम·
भागिभामिनितिनलए कर्दमकल्यौति·
नैमिरनाइ सुताहोइकरौंतपजाइ सुभेट
सुखेरूपममजान सभघटनोहैएकम
मान मिथ्यातनकोमोहविसार जाउरही
भावैगृहद्वार ममसरूपतमजानोमोइ

करतइंद्रियनचेतनजोउ तनअभिमानजा

कौनसिनाउ सोनररहैसदासुषपाउ जा।

वसमरूपदेहनजिनाइं तवसवइंद्रीसकि

नसाइं नाकौजानमगानह्वैरहै देहअभि·

माननाहिनहिदहै औरजोश्रेसोजानैनाहि

रहैससदाकामभयमोहि यहसनिकट·

भवनहिसिधाय उहांजाइहरिपदचितला

य हरिसरूपसववघुमैजान्यौं रूपमोहि।

जोरसहैसान्यौं जोयोतनरसग्रातमसार

ग्रैसीविधिजान्यौनिरधार घौंलषिगहिह

रिपरस्वत्रराग मिथ्यातनकौंकीनोत्याग

तनहित्यागकैहरिपदपायो नृपमनहरि

स्ता
मा
१२३
123

सहूपवितलायौ इहोकपिलसोंमानाक
है प्रभुमेयैप्रतानतमसहहौ आमतानदे
इसमफाई मातेजनममरनतुषनाई क
पिलकयौंकहौनमसोजान मक्रहोइन
रतांकोनान मक्रनरनिकेलजनकहैं
नेरेमवसंदेहेदहैं ममसरूपनोमवचट
नान मगारहैनिजउहमशान प्रहतुषम
षकजुमनहिनल्यावे मानासोनरमक्र
कहावे श्रीरनोमेरोहूपनजानै ऊटंवहेत
निजउहमहावै जोकोइहिवियजनमसी
गाइ सोनरनरकैंनरकैनाइ जानीसंगत
उपनेतान प्रपानीसंगहोइप्रतान नातें

साधसंगतिनितकरना तातेमिटैजनममृत·
मरना थावरजंगममैमहिमानैं देषासी।
लसौंहितमानैं सतसंतोषदृढकरैसमाध
मातानाकोकहियैसाध कामक्रोधलोभ·
परहरै द्वंदरहितउहमनिनकरै ऐसैल·
लछनहैजिहिंमांही मातातिनकौंसाधक
हाही तांकोकामक्रोधनिनव्यापै अरुष·
नलोभसदासंतापै ताहिसाधकहतस
वकोई साधभेषधरसाधनहोई संतसदा
हरिकिगुनगावैं सनसनलोकभक्तकौं
पावै भक्तपाइपावैहरिलोक तिनैनव्यापै
हर्षशुकसोक देवहूतनकरौंभक्तसोकहि

सूर
सा
१२४

124

यै नातैहरिगुरवामालहियै ग्रहसहभक्त।
कीजैकिहिंभाइ सोऊसोकोटेऊवनाइ सा
नाभक्तवारपारकार सनतरजतनसगुनइनकैं
सार भक्तपकपुनवहुविधिहोई ज्यौंजल
रंगमिलरंगसमोई भक्तसाविकीवाहन॰
सक्त रजगुनीधनऊटेवग्रगुरक्त नसोगु॰
नीवाहैयाभाइ समवैरीवैंगाहूंमविज्ञाइ नि
रगुनभक्तमोक्षकोवाहै भक्तहूंकोपुनन
हिसुवगाहै मनवचक्रमममसेवाकरै
मनतेसवश्रासापरहरै ग्रेसोभक्तसदामो॰
हिप्यारो इकछिनतासोंरहौनन्यारो ताकैं
मैहितममहितमोई तासममोरेग्रोरनको

ई त्रिविधभक्तहैमेरोजोइ जोमोगैमैलि।
हिरिङ्कैसोइ भक्तिअनन्यकहूनहिंमागै
नोतैमोहमसरूपअतलागै ऐसोभक्तजा·
नीहैसोइ जाकोशत्रुमित्रनहिहोइ हरि·
मायासबजगमैंनापै नोकोमायामोहन
व्यापै कपिलकह्योहरिकोनिजरूप अरु
पुनमायाकोनसरूप देवहूतजबयावि
धिकहौं कपिलदेवमनअतिसुषलह्यौं
कह्यौंहरिकेभयरविससिउरै वाइवेगि
अतिसैनहिकरै अगिरहैजाकेभयसोंरहि
मोहरिमायाजावसनाहिं मायाकोंत्रिगु
णातमतान सतरजतमताकेगुनमा·

सुरा मा १२५ न तिनग्रथमहिंमहतनवउपायौ नातेग्रदं
कारग्रगटायौ ग्रहंकारकियेतीनप्रकार
सततैंरिषमञुसातहवार रनञुनतेइंद्रीवि
स्तारी नमञुनतैंनममात्रासारी तिनतेपं
चतनवग्रगटाये इनमवकोइकग्रेउवनाये
ग्रेउहूनउचेतननहींहोइ नवहरिपटमा
यामनपोइ ग्रैसीविधिविनतीग्रञुसारी
महागानविनमक्कनम्हारी यहग्रेगचेत
ननहिंहोइ करोउपाउचेतनहोइसोइ ना॰
मैसक्कग्रपनीहरियरी वज्ञादिकइंद्रीवि॰
स्तारी सौरहिलोकभयेनामोहि तानीति॰
हिंवनाटकहोरि ग्रादिप्रकषचेतनकोंकर

त नोहैनिहुंश्रनतैंरहत नउसरूपमवमा
थानानो श्रैसोरूपहृदैमैंश्रानो नवलोहै ।
त्रियकेश्रतान चितनकौंसोमकैनन्नान
सतकलितकोश्रपनोंमानै श्रकतनसौंमम
ववहृदानै नोकोकृमषहेवश्रपनैनोई
सत्यमानलैतिनकौंसोई नवनागेतवमि ।
ध्यानानै तानभयेंसोहीजगमानै वेतनव
देवटहैयाभाइ न्योंवटवटरविश्रभालधाइ
वटउपनैवहृदेनमसनाइ रविनितरहैपक ।
हीभाइ नउतनकौंहैतन्मश्रकमरना वेत·
नषरूषिश्रमरश्रनवरूना नाकोंश्रैसोना·
नैनोइ नोकौंतिनसौंमोदनहोइ नवलोश्रै

सूर
सा
१२८

126

सोज्ञाननहोइ वरनधरमकोतजैनसोइ
संतनकीसंगतिनितकरै पापकर्ममनतें
परहरै अकभोजनसोयहिविधकरै आधो
उदरअन्नसोंभरै आधेमेंजलवायसमावै त
बतिहिआलसकबहुनआवै औरजोपरा
लहसोंआवै नाहीकोंसबसोंविनोवै बऊ
तेकोउदमपरहरै निरभयहोरवसेरोकरै
नीरथहूमेंनोभयहोइ नाहूकोंअन्नपरहरैसो
इ वहरोंथरेहृदयमेंध्यान रूपचतुर्भुजस्या
मसुजान प्रथमहीचरनकमलकोंध्यावै
नामसमहातममनमेंल्यावै गंगापरसउन
हिंकोंभइ सिवसिवनाइनहीसोलई लक्ष्मी

इहिकौं सदा पलोवै बारंबार शीतकरि नो·
वै नेंचनकौं कदलीसम जानै श्रयवाक
नकलेषंभसम मानैं उरुश्ररुग्रीववहरि·
हियथारै नापरकौं सभमनिनिवारै रै
गुकौ ललनाशीतहांजान नाभकमलवि
नथारैध्यान सुषसुडहासदेषिसुषपावै
नासौं प्रेमसहितमनलावै नैनकमलद·
लसेंग्रनयारे दरसनतिनैकदैंउषभारे
नासाकोरपरमश्रुतिसंदर दरसनतनादि
मिटैंदुषदुंदर कूपसमानश्रोत्रदोऊजानै
सुषकोध्यानप्रेमसीविधिश्रानै केसरति
लकरेषश्रुतिसोहै तांकेपटतरकौंजग

स्र कोहै मृगमदविंदानामैंराजै निरषतना
मा द्रिकाममतलाजैं मोरमकुटपीतांवरसो
१२२ है नोटेषैताकोमनमोहै श्रवनकुंडल
127
परममनोहर नषसिषध्यानकरैपंउरथ
रि कमकमकरिपद्धध्यानवढावै मनको
ढूंनाउफेरततहांल्यावै श्रेमेकरतमगनह्वो
इसोई वहुरौंध्यानमहनहीसोई चितवा
नचलतनचितनैटरै सतनिपयनकीसृद
नविसरै नवघ्रातमखदखदरमावै मग
नह्वोउतनमाथैविसरावै भूषध्यासतांको
नहीध्यावै उघरमुपतनकोतिहिंनसंताये
नीवनमकरहैयाभार नौनलकमलश्र

लिमरहाउ देवहूतपहमनपुनकलौं दे
हूममनवचेरपुमहूनरह्यौं कर्दममोहन
मनतैंनाई तातैंकहियैसगमउपाई क
पिलकह्यौंतोहिभक्तसनाऊं श्रवनाको
ध्यौसमसम्राऊं मेरीभक्तचतुरविधकै
सनेसनेतेसवनिस्तै जोकोऊरचरलन
कौंकै क्रमक्रमकरिउगउगपगिधरै
इकदिनसोउहांपहुचैनाई स्योममभक्त
मिलैमहिमाइ चलतपंथकोऊथाकौ
सोइ कहेंहूरउरमरहैसोई जोकोऊता·
कोनिकटवनावै धीरजधरिसटकानै।
ध्यावै नमगुनीरिपुमारिवोवाहे रजोग

सार
सा
१२८ 128

नीधनक्रदेववगाहै भक्तमातवकीसेवासं
त लषैतवैहिसूरतभगावेत मक्तमनोर
थमनमैल्यावै ममप्रसादतैसोवहूपावै
निरगुनमक्तिहैकोंनहिचहै ममदरसन
हीतेमषलहै ऐसोभक्तसोमक्तकहावै
सोवहतैंभवजलयनश्रावै क्रमक्रमक
रिसवकीगतहोई मेरोभक्तनमैनहिंसोई
हरितेविमषहोरनरजोई मरकैनरकप
रतहैसोई नाहोंनातनावहूविधिपावै
वहूरीवोरासीमैंश्रावै वौरासीभ्रमनरन
नपावैं प्रकृवजेंमिलतिषगर्भेश्रावै
मिलिरजवीजेंपीयमीहोई इतिधमास

सिरधरैसोई जीजैमामहल्लपगहोवै मा
सवनरकटिग्रेग्रीसोहै प्रानवायुप्रनि॰
श्रानसमावै नाकोइनउनपवनदुलावै पं
वममामहाइवलपावै छुटैमामसंईहीप्र॰
गरावै समसवेननतालहैसोई ब्रह्ममा
ससंपूरनहोई जीवैसिरब्रह्मकवैपाइ ज
टरअगनकोव्यापैनाइ कष्टवहुतसोपा
वैउहां पूरंजनमसथ्रावैजहां नवसमा
सपुनविनतीकरै महाराजयहदुषम॰
मकरै त्यांतेनोमैंवाहरपरौ अहनिसिम
कनम्हारीकरौं अकमोपरप्रभुकिरपा
कीजै भक्तप्रननप्रापनीदीजै अकयह

सू.र त्रानन विन तें दै वारवार यौं विनती करै
सा दसम मास पुनि वाहर आवै नव यह त्रान
१२९ सकल विसरावै वालापन दुष बहु विधि·
129
पावै नीभ विना कहु कह्यौ सुनावै कवहूं
विष्टा मैं रहि जाई कवहूं माषी लागै आई
कवहूं जो वैठहिं दुष भारी तिन कौं सो नहि
सकै निवारी पुनि जव षट वरष को होइ
इत उत षेल्यौ चाहै सोइ माता पिता निवारै
जवही मन मैं दुष पावै सो तवही माता·
पिता पुत्र हित जानै वह हूं तिन सों नातो
मानै वर्ष दसम विनीत जव होई वहुर१
कि सो रहो इ पुनि सोई संदर नारी ताहि वि·

वाहै भ्रमनवसनवङ्गविधिमोंवाहै विना
भागस्तकहंतनेभ्रावै तववहमनमैवङ्ग॰
षपावै भ्रनिलछमीहितउहिमकरै भ्र।
हजवउहिमषालीकरै तववहरहैवङ्गत॰
उषपाइ कहंलीकहौंकयौंनहिनाइ
वङ्गौंनाहितुहापोभ्रावै इंहींसक्कसक॰
लमिटजावै काननस्तनैभ्रांषिनहींसूफै
वातकहैतेकलूनहूफै षैवैहूंकोंजवन
हिपावै तवविङ्गविधिमनमैंपछनावै
भ्रनउषपाइपाइसोमरै विनहरिभक्कन॰
रकमैपरै नरकनाइभ्रनवङ्गउषपावै
भ्रनिभ्रनियोंहीभ्रावैनावै तौहूहरिसम

सा.र रननहीकरै नातैंवारवारदुषभरै भक्त·
सा सकामीहूंजोहोइ कमक्रमकरिकैउधरै·
१३० सोइ सनैसनैविधिपाषैनाइ ब्रह्मासंग·
130 हरिपदहिंसमाइ निहकामीवैकुंठसिधा
वै जनममरनसोवहुरनआवै त्रिविधि
भक्तिश्रवनहूंसोई नातेहरिपदप्रापत
होई एककरमजोगकोंकरै वर्नआश्र·
मधरमविस्तरै ग्रहधर्मकवहूंनहिंकरै
तेनरयाहीविधिविस्तरै एकभक्तजोग·
कोंकरै हरिसुमरनपूजाविस्तरै हरिप
दपंकजप्रीतलगावै तौहरिपदकोंयावि
धिपावै कमक्रमकरहरिपदहिंसमावै

नेहरिपदकौंयाविधिपावै एकत्ताननोग
विस्तै ब्रह्मज्ञानसबकौंहितकरै कपि
लदेवबहुरोंयौंकह्यौं हमैंतुमैंसंवादतुम·
ह्यौं कलतुगमैंयहग्यानहैसोई सोनरहरि
पदप्रापतिहोई देवहूतज्ञानकौंपाइ कपि
लदेवकौंकह्यौसिरनाइ प्रागैमैंतुमको·
सुतमान्यौ अबमैंतुमकोंईस्वरमान्यौं तु
मरीकृपाभयोमोहतज्ञान अबनव्यापहै
मोहअज्ञान पुनिवननाइदेउतननमाग
गहिकैहरिपदसौंअनुराग कपिलदेव १
सांख्यजोगगायौ सोराजामैंतुमहिसुनायौ
याहसमझिजतरहैसोलाइ सबबमैमोह

सू॰ रिधुरनाइ ९० इतिश्रीभागवतेमहापुराणे
सा॰ सूरदासकृतेतृतीयस्कंधः समाप्तम् ३
१३।

131

अथदत्तात्रेयअवतारवर्ननं रागविलावल
गैंहरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरना
रविंदउरधरौं कहौअवदत्तात्रेयअवतार
गनामनोनाहविनधारि अत्रिपुत्रहितबहु
तपकियौ तासनारिहृदयहरिव्रतलियौ तौ
नौटेवनहौंमिलश्राप तिनसौंरिषियेवचन
सुनाय मैंतौएकपुरुषकौंध्यायौं अरुअ
कहीसोमैंविनलायौ अपनीश्रावनकोक
होकारन तुमहोसकलजगतविस्तारन

कल्यौंतमपकपूकसषकौंध्यायौ नाकोट

रसनकाहूनपायौ नाकीसस्कपाइह्म

करैं प्रतिपालौंबहुरौंसंघरैं हमतीनोहैं

नगाकरनार मागलेहुह्मसौंवरसार

कल्यौंविनयमेरीसुनलीजै ज्ञानवानगु

रमोहिदीजै विसुश्रंसरनश्रवनारे हरि

श्रंसरुवीसाधारे ब्रह्माश्रंसवेदमाभयौ

श्रुश्रुत्रस्याकौंसषटयौ थौंभयोदमाते

षश्रवनार स्तकल्यौंभागौनश्रुत्रसार १

रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसिमरन

करौ हरिचरनारबिंदउरधरौ सकदेवह

रिवननिविनलाइ गजासौंबोल्यौयाभाइ

सूर कहौंहरिकथासुनोचितलाइ सूरतरोह
सा रिकेगुनगाइ २ रागबिलावल दक्षकैउ
१३२ पनीपुत्रीसाठ तिनमैसतीनामविष्यात
132 महादेवकोंसौंपनदाई पुनदक्षकैमन
मैसोभई नहाकियोहरिजनतश्रवनाइ
सबकसौंभागगनिगुनसाइ ३ अथजनतपु
रुषश्रवनाइवरननं रागबिलावल हरिह
रिहरिसुमरनकरौ हरिचरनारविंदउरध
रौ कहौंश्रवनजनतपुरुषश्रवनाइ राजासु
नोताहिचितधारि सतीदक्षकीपुत्रीभई
दक्षसोमहादेवकोंदई ब्रह्मामहादेवादि
कसारे एकदिनबैठेसभामंझारे दक्षपु

नापतिहूंनहोंग्राप करिसनमानसवनवै·
ठाये काहूसमाचारकछपूछे काहूंसोंवड़
रौउनपूछे शिवकेलागीहरिपदनारी नोते
सिवनहोंआंषिउघारी महादेववैठेरहिगाप
दछदेषकेवड़ेदुषभप महादेवकोंभाषत
साधु मैंनोदेष्योंवड़तप्रसाधु नतभागतो
कोंनहिदीनै मेरोकत्योंमानकैलीनै नै
रीहृदयभयोमुनिनाप दियोब्राह्मणकोंति
नश्राप फतपटिकैतमनदिउडरहो वि·
धावेवनीवकाकरिहो भूगुनवकोपहोर·
तिहिकल्यौ तैंसरापसवकोंकयोंदयों महा
देवहितन्योतपकरिहै सोऊभवजलतैंन·

स्र ह्रीनविहे दक्षप्रजापतिनन्तरवायौ महादे
सा वकौनहीङुलायौ म्हयगंधर्वमवस्यौतवुला
१३३ ये तेमववंधुनसहितनहेश्राय मतीमवनि
133 नवश्रावनदेष सिवसौवोलीम्हनोमहेम
वलियेरवुगेहहमनोहि नहपिहमैंवुला
यौनाहिं मोकौंतोयहश्रवनेश्रायौ उनहम
कौंकैसौंविसरायौ गुरूपितगृहविनवोलै
नेंये हेयहनीतनहीमऊवेये सिवकसौं
तमभलीनीनम्हनाईं येहममाननहैसत्राईं
नहांगायैजोहोउअपमान तौयहभलावात
ननैहीनान उठनववनम्हनतंउषजैसौं
वानलगोंऊषहोतनवेसौं ममममत्राईहैश्रा

नि करिहैतेरोहूअपमानि भयैअपमानउ
होनहूमरिहै जोममवचनहिदैनहिंयरिहै
सतीकलौममभगनीसाट सवैवुलाईहै·
हैंमात मोहूकौंअववअताटीजै महाराजअ
वविलमनकीजै वारंवारसतीजवकह्यौं
तवसिवअंतरगतियौंलह्यौं सतीसटाम·
मअताकारी करतनजयाविधिवारंवारी
देषतिहैकछुहोवनहारी सोकाहूपैजात
नटारी गननसमेतसतीतहांगई तासों·
दछजानननहीकही सतीनानअपनोंअप·
मान सिवकोवचनकियोअपमान कह्यौं
उहांअवजायोनजाउ वैटिगईसिरनीवैना:

स.रा.
मा
१३४
134

ई सिवघातकौवेरनवआई विप्रनदछ
नछुडियौजाई सिवनिंदाकहितिनसौंभा
ष्यौ मैंतौहिपहिलैंहीकहिराष्यौ मेरोव
चनमानकैलेहु सिवनिमित्तआहुतमति
देहु नवहैकोपसतीतिहिंकही तौसि
वकीमहिमानहींलखी महादेवईस्वरभ
गवान सत्रुमित्रउहांएकसमान तैसुरा
नसौंकरीसत्राउ उनकीमिहिमातैंनहिं
पाई पितामातनतौकौंनहिमारौं सुपनौ
हीमैंपानसैमारौं जोगधारनाकरतिनम
रयौं सिवपदकमलमाहित्रुतलागौ वऊ
लहिमालयकैअवतरी ससयंतरहौवि

इष्टौंवरी त्यांसिवगननउपद्रवकियौ ना।
वभृगुरिषिउपाध्यहलियौ स्राइतजनतकें
उमैश्वरी कल्यौंपुरुषउपजैवलभारी पुरु
षकेंउतेंप्रगटभय भृगुकेनिकटसमव।
चलिगये भृगुकल्यौंकरतपनस्नकोनास
उहिकौंल्यांतेदेइनिकास सिवकेगणनि
हिंवडूतैमारे तेगणसिवपैनाइपुकारे
सिवकोकोपभइकन्नटाउपारी वीरभद्रउ·
पजौवलिभारी वीरभद्रकौंनाहांपठायौ
नासौयहिंविधिकहिसमुझायौ दक्षसिर
काटकेंउमैश्वर आवौवेगनकरौस्रवार वी
रभद्रदक्षकोमारयौं पुरुभृगुरिषकोकेस

स्व उपासौं हाथ्यपाउवङ्गतिनकेकाटि ग्राउ·
मा निवायौसिवहिलिलाटि नवग्रहरोषिब्रला
१३५ पैनाउ दियौसकलहूमोनसुनाउ कहौंव
त्मासिवनिंदानहो ब्रुरौकियौनमवैठतहो
ब्रह्मातिहिंलैसिवपैग्राउ सिवप्रणामक·
रिछिगवैठाये सिवकौंसवनिकियोपरिना
म भोलानाथकियोसोनाम ब्रह्मासिव।
कौंवचनसुनायौ दछनमारौसुरमनपायौ
नैसोकियौउननैसोपायौ ग्रवनमवाकौ·
फिरिनवायौ सिवकह्यौमेरीनहिसत्राउ
सतीमरेउघरमनमैंग्राउ ग्रवनतमरीग्राता
होउ ब्राहिविलंबकीनिधेसोउ ब्रह्माविस

135

करनत्संग्राए भृगुरिषकेसग्रापनेपाए
बाउलसवनीकेहृगये सुरिषसवकेभा
पभए रखुसीमझंडमैडाल्यौं नाकेवटलै
शनसिरथाल्यौ महादेवतिहिंफेरिनिवाये
रखुनानियहसेमनिवायै विप्रनत्तवङ्गर
विस्तास्यौं वेटभलीविधिसौउच्चाल्यौं न·
तपुरुषतवपमत्रभए निकसझंडतेदर·
सनदए संदरस्यामवतरभुजहूप ग्रीवा
कौस्तभमालश्रनूप उदिकैसवङ्गनमाथो
नाथौ रखुवङ्गरहूविनयमुनाथो मैश्रमा·
नेकरकौकियौ नवममन्तसांगनहिंम
यौ श्रवमहिंकृपाकीजियैमोर फिरिडर

स्त्र
मा
१३८
136

बुद्धिनमैसीहोइ बङ्गौभूगुरिषगुस्तनकी
नी महाराजममनुथिभईहीनी दियौको
यकरिसिविहिसराप करौकृपाजमिटैय
हराप पुनिसिवब्रह्माग्रस्तनकरी नतपु
रुषवानीउच्चरी टब्बैनैकिनोसिवग्रपमान
नातैभईजनकोहान विसरूरुद्रविधियपक
सरूप इनैजानमतिभिन्नसरूप जानेप
गटभयौग्राइ नोकौनेमनमोहियपाइ
यौकहिपुनिवैकुंटसिधारे सिवविधिग
येगंधवपुनिसारे याविधिभयोजनतप्रव
नाइ सरकहौंभागौनत्रगुसाइ ५ संक्षि
मतनतपुकषधकथावर्नेन गागमाहु जन

पुरुषश्रगाटदरमनदिषायै विस्रविपुरु

इममहपपतीनहूंदखकोंयहववनक॥

हिमनायै दखरिसमानिजवनतश्रारे॰

भकियौसवनिकौंसहितपत्नीहकासौ

कुदउपमानकियौसतीनवतियदियौकु॰

हकेगननताकोंसंघासौ वदरविधिना

इखमवाइकैंकुदकोविसविधिकुदतदो

नरनश्राप सकलमतकजियेदखसिर॰

श्रनरवौवाइसवसिदेभृगुविकुरपाप

कुंडतैंनिकसिकैंपुरुषदरसनदियौसो

सबनरभुजमसारी सुरपभुनिरषदेउव॰

नमवहनिकरीसरविघनसवनिश्रनत

सू॰ उचारी ५ श्रीपार्वतीविवाहवर्नेन राग॰
सा॰ विलावल सतीहिंयेधरिसिवकोंध्यान
१३७ देखयतमैछाडेप्रान बहुरिहिमालयके
सभयरी नामपार्वतीह्वैअवतरी पार्वती
वरप्रापतिभई तवैहिमाचलनासौंकही
तेरोकासौंकीजैव्याहि तिनकह्यौसेरो॰
सिवपतिप्राहि कह्यौहिमाचलसिवश्र॰
भ्रैंस हमसोंउनसौंकेसीरीस पारवती
सिवहितनतपकर्यौ तवसिवप्राइतंदा
तिहिंवर्यौ पारवतीविवाहज्योंहोर सू
रकर्यौंभागौनप्रसार ६ ध्रुववरदेव
प्रवनारवर्नेन स्वयंभूमनकेसुतभये

137

रोइ तिनकेकथाकहौंसुनिसोऊ उत्तान
पादएककोनाम दुतियप्रियव्रतसुनित्र
भिराम उत्तानपादकेध्रुवसुतभयो हरि
सुनींकोदरसनदयौ बहुरिदियौनींकोसु
स्थान जहांप्रलैहूनाहैंससिभानु कहौंसु
कथासुनोचितधारि सूरकह्यौंभागौतअ
नुसार २ ध्रुवकथा रागबिलावल हरि
हरिसुमरनकरौ हरिचरनारविंदउरधरौ
कहौंसुध्रुवकथावरदैनसुवतार रानासुनो·
ताहिचितधारि उत्तानपादपृथ्वीपतिभयौ
तोकोनसुनीतोपरव्हयौ नामसुनीतवडी
तिहिंदार सुरुवडूसरीतांकीनार: भयोसु

मा.र
मा
१३८
138

हवनैउममझमार सनाननाविकेथफव·
झमार रानाकोंमसहवसोंनेडू सनीत
सवसैहमसेरगोह इकदिननृपतिसहवश्रू
हसायो उममझमारगोद्वैहायो फवध
लनषेलननहोंसाये गोथवैद्वेकोनहांथ
ये रानातियउरगोधनलीनो फवसझ·
मारगोइनवहीनो नवैसहवथफवकोंस
सफायो तैगोविंदचरननहिध्यायो नो
हरिकोसमरनननकरनो मेरेगरभग्रानि·
श्रवनरनो रानानोकोलेनोमोद नवैगो
इसेंकरनोमोर श्रनहूनेहरिपदचितला·
इ होरिश्रमननोहिनड़गाइ ववनसहव

केवानसमलागो अवध्रापमानापैभागो
मानाअवकौरोवनदेखि दुखपायोमनमेँ
हिविसेषि कह्यौंपुत्रनोकौंकिनमार्यौं
अवध्रनिदुखतनवचनउचार्यौं मानाना
कोकंदलगायो नवअवसवह्रनोंनस·
नायो कह्यौंसुतसुअवसमनोहिकह्यौं
विनहरिभक्तपुत्रसमभयो प्रत्रहूँनोतद
रिपटलैहै सकलमनोरथमनकेपैहै
जिनजिनहरिचरननिचितलायो तिन·
तिनसकलमनोरथपायो पित्रापितानव
वलानपकियो हरिप्रसन्नहूँतिहिंवरदि
यो तिहिंकोसर्वजगतविस्तार जाकोना

ध्रु॰ सा॰ १३९
139

हैंपारावार वहरसवयंभूमञ्जुतपकीनो
ताहूंकोहरिनूवरदीनो ताकेभयोवहुत
परवार तरपसकोटगनततनहिंपार त
हूंन्योहरिहिततपकारिहै सकलमनोर
थमनकेपूरिहै ध्रुववरहसनवनकोउठि
चले पंथमाहितेंहिनारदमिले देषोंपां
चवरसकोवाल वचनसुनवनसक्यो॰
संभाल ध्रुवमैहूंयाकोहदुदेषों देषिवि
श्यामवहरिउपदेसौं ध्रुवसोंकह्योंकोय
परहरौं मैंतोकहोंसोचितमैधरौ मेरेसं
गराजापैंशावौ याकेंतोहिराजधनगाऊ
भक्तिभावकीनोनोहिचाहि तोसोनहिं

हैहैनिरवाह बहुतकतपसीपचिपचिम
रे पैतेहरिहररसमनहिभए मेहरिभक्तना
ममसनारद मोसोकहौसब्रग्रपनोहारद
राजापामकहौजोजाई लैहैमाननृपति·
सतभाई फबविचारनपमनमैकियौ ह
मिरननारदरसमनदियौ नवमैभक्तस्यां
मकीकैहौं नहिजानज्ञकहामैपैहौं क १
ल्यौंनारदसौंकल्योसहाई करौंभक्तहरिके
चितलाइ तमनारायणाभक्तकहावत
कहेकारेकौतमसमोहिफिरावत नवनार
दफ़वकोहृद्धिदेषि कल्यौंदेऊंमैतमैउप
देस मछ्रानाइसमसमरनकयौ प्रकहरि

सार
सा
१८०
148

नामहृदयमैथयौं ह्यादशमंग्रछुरमेत्रमना
यौ ओरवनर्भनहृपवनायौ मच्छराजाउ
मोउउनकल्यौं नवनारायणादरमनदि।
यौ फवप्रतनकोनीवडूमाउ नवहृदि।
शावोलेमसकाउ फवनोनेरीउछाहोउ
मोगिलेडूमोसोंप्रवमोउ प्रभुमैनमरोद
मनलयौं मोगनकोंपाछैंकहारयौं हा
विकयौंरानाहेननपकियो फवप्रमत्रै
मैनोहिदियौ श्रफनेरेहितकियोस्यान
देहिंश्रुश्रछिनानहंमसिभान शहनछ्उ
हृम्योंहीफिर नेभयौग्रटलनकैंयांहृटलै
श्रफपुनिमहाप्रलयनवहोउ मक्रिस्यान

पाइहैसोइ यहकहहरिनिजलोकसिधा
रे भवनिजपुरकौंपुनिपगधारे जवभ
वपुरकेवाहरआये लोगनिनृपकौंकहि
समझाए उनकेकहैंनमनमैंआए नव
नारदकह्यौंनृपसौंजाइ भवआयोहरि १
सोवरपाइ राजाजाइताहिमिलोधाइ नृ
पसुनिमनआनंदवढायौ अंतहिपुरमैं
जाइसुनायौ पुनिनृपकुटंवसहततनदो
आये नागरलोगसवसुनउदिधाए भव·
राजाकेचरननपरयौ राजाकेंदलाउदि
नेकह्यौं पुनसमझवकेचरननपरयौ तौ
सौंवचनभवउच्चह्यौं नवउपदेसमैंहरि

सूर सा १४१ हिपिपायौ यहउपकारनजाननिटायौ
पुनिमातनकेपाइनपर्यौ मातनाध्रुवकौंसु
कमैमहौं ध्रुवनृपसिंहासनवैठाय नृ
पनपकारनववनहिसिथाप समहीपराज
ध्रुवकियौ सीतलभयौमातनकोहियौ यौ
भयौध्रुववरदैनप्रवनार सूरकहौंभाग
नअनुसार ८ रागआसावरी ध्रुवविनीत
ववनसनसनविसायौ दीनकोयालगो
पालकरुणामईमानसोसुनिनिरतसर
णायौ वहरिजववनवल्यौपंथनारदमि
ल्यौकृसनिजधाममग्रावनायौ सकर
मियौमनमालकौलभगौवनभुजम

मसेंटरायियायौ भयघ्रनकूलहरिदियौ
तिन्हिंनरनवरनगतिकरराजपटघ्रटलयौं
यौ हूरकेप्रभुकीसरनश्रायौजनरकारि।
जगतभोगवैकुंठसियायौ ५ पृथघ्रवतार
वेनेन रागविलावल धारिपृथरूपहरि
राजकियौ विस्वकेभक्तपरवर्तजगमैंक
रीप्रजाकौंसुषसकलभांतिदियौ वेनन्
पभयौवलवंतजवपृथ्वीपररिषनसौंक
हौंजपतपनिवारौ होइतिन्हिंकोपतवश्रा
पनाकौंटयौंमारिकैंताहिजगदोषटारयौं
भयौघ्रराजनवमवरिषनमेंचकरिवीनुके
नंवकौंमथनकीनो नंवकेमथनतेपृ

म्रा
मा
१८२
142

हषपरगटभयौस्यामतिहिभीलकोराजा
दीनो वङ्गीनिनवरिषत्रुभुजरछनकौमथ
नकरिलछमीसहितप्रघुटरसदीनो प॰
हिरश्राभरनगुनिराजलागेकरनश्रानम॰
वप्रनाटेडवनकीनो वङ्गरवेदीजननश्रा
इश्रस्तनकरीडेद्रप्रवकननवनल्यनाहीं
कत्यौनृपविनाशक्रमनप्रस्ततकरोवि॰
नाकियेमृछमनहरषिनाही करौभगः
वानकौनमसदागुनीजननजोजगतसिंध
नेपारवाये किधेनरकेप्रस्ततिकौनका
रनमैरकरैसोश्रापनोजननमहारे कछौ
तिननतमेरमसत्रुघनानननंहीजगतापि

नरेंद्रथाह्यौं करौगोकाजजोकियेनका
हूंनृपतिकियेंजसजाइद्दमदोषसारौ वड़
रसवसनामिलश्राइनृपसौंकह्यौंविनाश्रा॰
जीवकामरतसारी नृपधनुषवानधरिपृ
थ्वीपरकोपकियौतिनगऊरूपविनतीउ
चारी वेनकेराजमैंश्रौषधीगिलगाईहोइदे
सकलकिरपाजसारी पर्वतनिजहांतहां
रोकमोकौंलियौदेडुकरिक्रपाइकदिसारा
री धनुषसौंटारिपर्वतकियेपकदिसपृथी
समकरिग्रनामसववसाई सरनृपतिरिष
यौंपृथ्वीदोहनकरीश्रापनीजीवकासवनि
पाई वड़ीरिनृपजततनिवाणवैकरिंसनम

सू॰ मा॰ १४३ नतकोनवहिंश्यारंभकीनो इंद्रभयमानद
यगाहनसतसोंकर्योसोनलैसकौनवश्याप
143 लीनो नृपतिसतसोंकर्योनायहयल्याउ॰
श्वइंद्रतिहिंदेषिहयल्याउदीनो नृपकर्यो
सरनकेहेतमैंजग्यकरतइंद्रममयश्यकिहिं
काजलीनो तिषनकर्योतमसतमजज्ञश्य
रंभलषिइंद्रकोगजहितकेंप्योहियो नृप
कर्योइंद्रप्रकीनइंद्वामोहितिषनतवपूर्ण
श्चाहुतदियो पुरुषकर्योकंउतेनिकसपूर॰
नभयोइंद्रजिमिवरकलुमोगिलीजे पृथक
कर्योनायमेरेनेंइल्याकलुप्रूनकलुकामि
नाभकदीजे जज्ञपुरुषगयवैकुंठधामजव

ज्यौंतिपृथकप्रजाकौंतवहूंकाढ्यौ तिनैसंतो
षकल्यौटेहूमांगेमोहिविस्सकीभक्तसवति
नधारै सनतनयहूवातसनकादिप्रापतहौं
मानटैकल्यौमहित्नानदीजै कल्यौंयहज्ञा
नयहूध्यानसमिरनयहैनिरषहरिरूपम
घनामलीजै पुनिकल्यौंटेहुज्ञासीसमम॰
प्रजाकोसवैहरिभक्तनिजविनधारै कृपा
नमकरीमैंवहुनकोमनधरीनहींकछुव
नश्रैमीहमारै वहुरसनकादिगपप्रापते
धामकौंनृपतिहरिभक्तसवलोकलाप
करप्रभुचरितप्रागनितनगानेनाउकछुज
धामतिप्रापुनीकरिमनाप ९ पुरंजन॰

हरा
मा
१४४
144

कीकथा रागविलावल हरिहरिहरिहरिसुमि-
रिनकरौ हरिचरनारविंदउरधरौ कथाउ
रेजनकीस्रवकहौं तेरेसवसंदेहदहौ श्रा
वीनवर्हस्रुपरकभये आउप्रजेतनजन्नतिन
ठये ताकीमनउपजीकल्यान मैकीनी
वहुजीयकीहान यहममरोषकौंनविधि
टरै ऐसीभांतसोचमनकरै इहिंप्रेतरना
रदनारदनहांआए नृपसोंपकहिवचनस
नाए मैंग्रवहीसरगरहतेंआयौ मगमे
अद्भुतचरतलषायौ जन्नमाहितमपसुजै
मारे तेसवहाटेसस्त्रनिधारे जोहतेहैवैं
घातमारो तमस्रवष्रपनोआपसंभारो तु

पकर्यौमैंअैसोईकियौ जतनकाजमैंनितिउ
घटियौ रसनाहीकोकारजसार्यौ मैयो।
अपनौंकाजबिगार्यौं अबमैंयहैबिनैउच·
रौं जोकछुअग्याहोइसौंकरौं कयोकहोइ
कन्नृपकीकथा उनज्ञाकियौकरियौनम
जथा नाहिंसनोतनमभलैंप्रकार श्रुनिम
नमैंदेषौविचार नान्नृपकोपरमानमभित्र
इकछिनरहैनहींसोअब षानपानसोसब
पहेंचावै पैनृपनासौंहितनलगावै नृप·
वौगासीलछुफिरआयौ नवपहुपरमञ·
ष्पतनपायौ भुह्नटकौंदेषिपरमसषल। १
लौं गनीसौंमिलापनहांभयौ तिनपूछौ

ना॰
सा
१४५

145

तेंकाकोग्रह्यौ उनकह्यौनहींमहिरनमंदि
रह्यौ पुनिकह्यौंनामकहाहैतेरो कह्यौन·
ग्रावैनाममममेरो तनग्ररजीवपुरेजनरा·
उ क्रमनितिनासरानीकोनाउ ग्रोकिषनाक
मषमूलहिहार तरग्राउनवपुरकेवार
लिंगरेहनृपकोनिजगेह दसंइंद्रीदासी·
सोंनेह कारननतनसोंसैनस्यान तहांग्र·
विद्यानारिप्रधान कामादिकपांचोप्रति·
हार रहैंसदाहादेदरवार संतोषादिनग्रा
वैपावै विषयभोगग्राइहांविषावै जाहांपै
परइक्षाहोइ रानीसहितजाइनृपसोइ उ
हांतहांकोकोतकरेषि मनमैपावैहरष·

विसेषि इंद्रीदासीसेवाकरै तमनहोइव

ड़ीविस्तरै इहिइंद्रीकोंयहैसुभाइ तम

नहोइकितेकोऊषाइ निद्रावसकवहूं।

जोसोवै मिलिश्रवियासौसुधितुयिषावै

उन्मतज्योसुषदुषनहिजानै जागैवहेरी

तष्ठनिद्रानै सेतटरसकवहूंजोहोइ ज

गसुषमिथ्याजानैसोइ पैऊवुद्धिदहतान

नदेह राजाकोंश्रंकनभरिलेह राजात·

वष्ठनिकीशकरै छिनभरहूंश्रंतरनहिय

रै जवश्रांषेकपरइछाहोइ तवरथसाज

चलैनृपसोइ जाहारैपरइछाकरै ताही।

हारहोइनिसतै वछ्रादिकइंद्रीटरजानो

स्त
मा
१४८
146

हृणादिकमवबनममममानो मनमंत्रीमोई
रथहृंकवैया रथमैपुन्मपापहोऊपहृया
मषपांवज्ञानैंझीपांव विषयग्रषेटकनृप
मनगाव राजामंत्रीमोहितमानै नाकीह
षडुषडुषमहषज्ञानै नृपतिवलग्रेममहष·
हृप मनमिलपमौउुःखवकेह्रूप ज्ञानी·
संगतउपनैज्ञान ग्राज्ञानीसंगहृोरश्रज्ञा
न मंत्रीकहृग्रषेटकमोंकरे विषभोग।
जीवनमंहरे निमिभयंगनीपफिरिग्रावे
मोवनमोनिहिंवातमहनावै ग्राज्नकहृाउ
यमकारिग्राप कहैविघाग्रमग्रमरुषपा
प कालृनारग्रमउहिमकरीं नेरेमवमं।

ज्ञारनिभरौं सवनियाहीभांतविहाइ दिन
भयैंबड़रामपेटकजाइ तहांजीवनाना
संहहै विषभोगतिनकौंहूनकरै विषय
भोगकवहूंनअघाइ यौंयौंहीनृपतितसा·
वैजाइ इकदिननृपनिजमंदिरआयौ रा
नीसौंअहिनिसिमनलायौ ताकेपुत्रसुता
वहुभये विषयवासनानानारूप कारन
लागकेसकलौजाइ जराकालकेंनपुर
जाइ कह्यौंप्रियाअवकीजैसोइ देषौंन
पतिकहाथौंहोइ नगरद्वारतासवैगिराइ
लोगननृपसौंआनसुनाये कह्यौंप्रियाअ
वकीजैसोइ देषौंनृपतिकहांथौंहोइ

काननसुनैश्रोपिनहींसूकै कहियैश्रोरवै
रहीहूजै कहौप्रियाश्रवकीजैसोई देषौ·
नृपतिकहांथोंहोइ नृस्नाकरकियोवाहे।
भोग भोगनहोइवढैनहांरोग कहौप्रिया
श्रवकीजैसोई देषौंनृपतिकहांथोंहोइ दे
हसिथलभईउमौनजाइ मानोटीनोको
टगिराइ कहौप्रियाश्रवकीजैसोई देषौ·
नृपतिकहांथोहोइ धनजवरहीनीदौपर·
लाई नरनलेगसवलोगलगाइ कहौप्रि
याश्रवकीजैसोई देषौंनृपतिकहांथोंहोइ
मरनश्रवस्याकोनृपजानि नोहूंधरैमन
नमैंतान ममकूटेवकीकहागतिहोइ

शुनिशुनिसुरघसुवैसोइ कालभयेंतिहिप
करिनिकालौ सषाखानपतितजनसभा
सौं रानीहीमैमनरहिगयौं सरिविदर्भ ।
कीकंन्याभयौं वड्डरौंतिनसतसंगतपाइ
कह्योसकथासुनोविनलाइ मेवधजसो·
भयोविवाह विस्नुभक्तिकौंतिहिंउत्साह
तासंगतनवसुनतनिनजाप श्रवनादिकसि
लेहरिगुनगाये याविधितिहिनिजपाप
विनाइ पूर्वपापसवगापविलाइ मरनसु
वस्यानवनिपराइं इंससषाकेमनयहस्ना
इ वड्डतजन्मइहिंभ्रमभ्रमकीनों पैइनमो
कौंकैसोहूंनवीनो नवदयालहुहैदरनदीनो

सूर
सा
१४८

कबहूंमोछितेमोद्दिबीनो विषैभोगाहीमै
पशैरत्यौं ज्यामैंमोहश्रौरकहूंगयो मैनैं
निकहासहाहीरहौ तेरैसकलडुषनकोट
हौ यहसुनिकैतिहिंउपजोज्ञान पायौगु
नितिनपदनिरवान यहकहिनारदनृप
सौंकहौ तेरीहूतैसीगतिभई मैजकह्यौ
मोदेषिविचारि विनहरिभजननहिंविस्त
रि हरिकीकथामनुषतनपावै सूरषवि
षयदेहनसोगवावै तिनश्रेगिनकोसुनोवि
वेक षरबीलाषमिलैनहीएक नैनदर
मरेषनिकोंदिये सुष्टिदेषिपरनारीजिय
श्रवनकथासुनवेकोंदीनें सूरषपरनिंदा

हितकीने हाथहियेहरिहुजाहेत तिहि·
करमूरषपरधनलेत पगाहियेतीरथव·
लवेकाज तिनसोंचलनितकरतसुकाज
रसनाहरिसुमरनकोंकरी ताकारिपरनि
रउच्चरी यहसुननृपकीनोअनुमान मैं
सोइनृपतिनहसमरथान नारदजनमकि।
योउपकार बूडितमोहउनासोंपार नृप·
तिपारथनिश्चात्मज्ञान राजछाडिकैगयो
उद्यान यहलीलाजोसुनैसुनावे सोहरि·
कृपाज्ञानकोंपावे शुकज्योंराजाकहिस
मझायौ सूरदासत्योंहीकहिगायौ ॥ रा
गनट सुपनयोआपुनहीमैंपायो सबहि

दा शत्रुभयौउज्जियारौसन्तगृहवैरवनायौ जै
सा सेहुंगनाभकस्तूरीछूंछतफिरतभुलायौ
१८५ फिरैवेमैंजनवचेतनहूंआपुनहीनतन्हायौ
149 गनाजैवारकेटमणिभूषणाभ्रमभयौक
हूंगवायौ ८ दियौवनाइश्रीरमाषियनतनवत
नकौतापनसायौ स्वपनैमांहिंनारिकौंभ्र
मिभयौवालककहूंहिरायौ जागिलख्यौ
ज्यौंकोत्यौंहीहैनकहूंगयौनआयौ सूरदा
ससमसकैकौयरगतिमनहींमनसमसिका
यौ कहीनजातयासुषकीमिहिमाज्यौंगूं
गेगुरषायौ १२ इतिश्रीभागवतेमहापुरा
णेसूरदासकृतौंवनर्थस्कंधःसमाप्तम ४

रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसुमरन।
करौ हरिचरनारबिंदउरधरौ हरिचरन·
निसुकदेवसिरनाइ राजासोंबल्योयाभा
इ कहाहरिकथासुनोचितधारि जातेंतरौ
उदधिसंसार जौंभयोरिषभदेवअवतार
करौंसुनोंसुवअवचितधारि सुकबरन्यौं
जैसेपरकार सूरकह्यौंताहीअनुसार १
श्रीरिषभदेवअवतारबरनन रागबिलाव·
ल ब्रह्मस्वयंभूमनउपजायौ तातेजनम·
प्रियव्रतपायौ प्रियव्रतकेअग्नीध्रसुतभ
यौ नाभजनमनाहीकौंलयौ नाभनृपत
सुतहितजगकियौं जज्ञपुरुषतबदरस

स्त्र
सा
१५०
150

नहींयो विप्रनअन्नतिवेदम्हनाई मुनि
कहौंमनिये त्रिभुवननाई नमममगुर·
नाभकेहोइ कहौंमोसमनगमोरनकोई
मैदृनीकनोसंसार मैलेहौंनृपघरअवता
र रिषभदेवजनवजननमेआइ राजाकेम
नभईवधाई वहुरौंरिषववदेजनवभये
नाभराजदेवनकोंगये रिषभराजपरजा
म्हषपायो नमनेकोंसवजगमैंछायो इं
द्रदेषईर्षामननल्यायो करिकैक्रोधनजल
वरषायो रिषभदेवननवंहीयदृज्ञानी कं
हौंइंद्रघटकरामनआनी निजवलजोग
नीरवरमायौं प्रजालोकसवनहीमषपायौं

रिषभराजसबमनउनमाहि कियोजगयंनी

सौंउनिव्याहि तासोंस्नतनिमानवैभए

भरतआदिसभहरिरंगरए तिनमैंनववनव

षंडअधिकारी नवजोगीस्वरब्रह्मविचारी

असीअरुइकविप्रकर्मलियो रिषबसुतानस

बहुनकौदियौ हृहमानविनासमवहोर

साक्षीव्यापकनमैनसोई ताहीसौंतमविन

लगावै तांकोसीयपरमगतपावै तानी

संगतउपजैस्तान स्नतानसंगवढैअस्तान

तांतेसंतनसंगनितकरना मनसंगसेवोर

विचरना बहुरोटैकरिभरतहिराज रिषभ

समनदेहकोत्याग उन्मतकीन्यौविचरन

सूर
सा
१५१

151

लागे असनवसनकीसरननिपागे कोऊ
षवावैनौकछुषांही नातरवैदेहीरहिजांही
सउपुरीषश्रेगलपटांही सुगंधवासदसजो·
जनजांही अष्टसिद्धिवद्दौंतहांआई विषम
देवतिहिंसहदनलगाई राजारहतइनोतरहो
एक भयोसरावगीविषकोंदेषि वेदपुरान·
हितजिनअन्हावै अजासकलकोयहैसि·
षावै अवहूंसरावगअैसोकरै नाहीकेमार
गअरुसरै अनरक्रियारहितनहिंजानै वा
गरहकपादेषिमनमानैं वरन्यौरिषभदेवअ
वतार सूरदासभागौतअनुसार २ जडभर
तकथावर्नंन रागविलावल हरिहरिहरि

हरिसुमरनकरौ हरिचरनारविंदउरधरौ
रिषभदेवजनवचनिकोंगयें नवसुतनवोषं
उनूपभए भरतभरतषंडकोराव करैसदा
हीधर्मअरुन्याउ पालैप्रजासुतनिनकीन्या
ई पुत्रनवसैसदासुषपाई भरतदैपुत्र·
निकौंराज गयौवनकोंतजराजसमाज
तहांकरीतपहरिकेसेव भएप्रसन्नदेवन
केदेव एकदिवसगंडकनदजाइ करन·
लगौसुमरनचितलाइ गर्भवतीहरनीतहां
ई पानीसोंपीवननहिंपाई सुनकैसिंहभ
यमानअवाज मारिफलांगचलीबहुभा।
ज करततांकोतनछूटगयौ ताकैछौना

सूर
सा
१५२

152

संदरभयौ भरतदयाताकृपरआई ल्यापश्रा
श्रमताहिलिवाई पोषैंताहिशत्रुकीनाई षो
रुश्रापतवताहिषवाई सोवैतवजवताहिस्र
वावैं तासैंकीउतिश्रुतिसुषपावै सुमिर·
नभजनविसरसवगयो इकदिनसुगाढो
ताकहूंगयो ताकेमोहभरतवसभयो स
वदिनविरहश्रगिनश्रुतितयो संध्यासम·
यनिकरतनवश्रायौ ताकेहूछनहितउदि·
धायौ पगकोविनूपृथ्वीपरदेषि कलौप्र
श्रीधनिजहांपगरेषि वड्रौंदेष्योसमिकौ
श्रोर तामेदेषिस्यामसताकोर कहूनलगेपा
समसतसमसिगोट ताहीकोसमसिकरत।

विनोद छुटन छुटन वड्डभ्रम पायौ पैम्ह
गछौनानहीदरसायौ मृगकोध्यानहृदय
रहिगयो भरतदेहतजिकैमृगभयो पूर्व।
जनमनाहिम्रथरही आपआपसौतवयोक
ही मैंमृगछौनामैंमनदयौ तातेमैंमृग॰
छौनाभयो अवकाहूसौंसंगनकरौं वैरहि
रनारविंदउरधरौ संगमृगनहूंकोनहिंक
रै हरिसौंधामहूसौनहिचरै सूषीपातअरै।
वीनषाइ याविधिउरासौंजनमविनाइ मृग
तनतजनब्राम्हनतनपायौ पूर्वजन्मतहांसु
धिआयौ मनमैंयहैवातदहराई होइअसंग
भनौंनउराइ पिनापछावैसोनहिपढै

स्रा
सा
१५३
153

मनमैरामनामसनितरहै पितानामसकालव
समधौ भ्रातनहूंश्रमवहुविधिकियौ पैसें
हरिहरिसमिरतरहै शोरकछुवियानहिग
है जउसहूपसनहोनहोफिरै श्रमनवस
नकीसाधिनहिंथरै जैसोदेहिसनेसोधार
नानरभूषोहीरहिनाई कूपरछकभाइनन
वकीनो उननहूहरिचरननचिनहीनो न
हईश्रवनदेहिपदचार ज्यौनदेहिंभूषोरहिजा
इ भीलगावनिजलोगनकल्यौं मैकाली
मौयदूश्रगागल्यौं नवश्रमारममगृहसन
होइ नरवलदैवभयोनरमोई नमकाहूय
नदैलैश्रावइ मेरमनकोश्रामसुनावइ

तेषोजनतषोजनततह्रोग्राप जहेंजनउभरत।
क्रुषीमैत्राप दृषौभरततकनग्रतसंदर
ग्रस्थूलशरीररहतसवडुंदर निजनृपप
संपकरलैग्राय नृपतिहिदृषिवडतसष·
पाये विप्रनकसौंनाहिग्रनूवावड वाके
श्रेगसंगंधलगावड़ तिहिंदेवीमंदरलैगये
घउगराउकैकरतिहिदृथे जवराजातिहिं।
मारनलगपौं देवीकालीमनधगधपौ ह
तिजनमासौहनाहोई ज्यौनहीमरैकरौंग्र
वसोई देवीनिकसगवकौमासौ धरनहिं
घहसौंवचनउचासौ जानेविनाहूकयह·
भई मेउनसौंपसीनंहीकही विप्रनवेदय

सूर सा १५४ मैंनहीजान्यौ तौंतेउनप्रेमसौवलहान्यौ य
हूसनहूंतेभरतसिधायौ राजासौंनृपक
154 हिसमकायौ सूरदासन्यौहीकहिगायौ ३
नउभरतरहूगुनगोष्ट रागविलावल दू
रिहरिहरिहरिसमरनकरौ हरिवरनारवि
दउवधरौ नृपतिरहूगुनकेमनआइ सनि
वैतानकपिलसौंजाइ चढिसषआसनन्
पतिसिधायौ तहांकहारपकउघपायौ भ
रतपंथपरदेष्यौघरौं वाकेवदलैनाकोथ·
रौं तिनसौंभरतकछुनहीकह्यौं सषआ·
सनकायेपरगह्यौ भरतवल्योनहांजीवनि
हार वलैलरहीज्योंवलैकहार नृपनकह्यौं

मारगसमश्रादि वलतनकौंतमसधेरादि
कत्यौंकहारनहिमैनषोर नयौकहारवलै
पराफोर कत्यौनृपतमोहोनश्रादि वङ्कत·
पंथहूश्रायोनांहिं नृजोटेछोटेछोवलन
मरवेकोभयमनननहियरनि घेसीभांतनृ
पतिवड्भाषी सनजउभरनहिदैमैराषी
मनमनलागयौंकरणविचार हरषसोकन
नकोब्यौहार जैसोकैरसनैसोलहिं सदा·
श्रातमान्यारोरहि नृपकत्यौंमैउन्नरनहीपा
यो मैरोकत्यौंनमनमैल्यायौं नृपननटेषि
भरनससकाप वड्रोंघाविधिकहिसस·
कायै नसकत्यौंनहिंवङ्कनसदायौ सक।

स्व॰ सा १५५ वद्धमारगगहूनहींआघौ देह्योदेह्योतूकोज

त स्वनोनूपतमोसोयहूवात नियकारक

मंजन्मवद्धपावैं फिरतफिरतवद्धतैअम

पावै अरूपजन्हूंनकर्मपरहैं जातैयांको

फिरिवौटै तनस्थूलअरुहूवरहोई पर

मात्मकौंपनहींहोई तनमिथ्याछिनमंग

रजान्यौ चेतनजीवसदाथिरमानो जीय

कौंउपतनसंगकोहोइ जोरवजोरतनकै

संगसोइ देहअभिमानीजीवहिजानौ ज

नीजीवअलपकरिमानो तमकहौंसव

कौतोहिंयादि सवकाहूकौंहैयहयादि

करिजानतममोमौंकहौं यहसनदि।

सहूपनृपलसौं नजनमषपालरहौंगहि·
पाइ मैजनम्मौनमहोरिषराइ भृगुकीडवो
मानमहोइ कपिलकैदिनकहौनममो ९
हि कवहूंस्रकवहूंनरहोई कवहूंरावरं
कजियसोई जीवकर्मकरवडेंडषपावै
अज्ञानीनिहिंदृषिलभावै ज्ञानीसदापक
रमजानै ननकेभेदभेदनहीमानै आनम
सदाजन्मअविनासी तोकोमोहिदेहवड
फांसी दिषवपुत्रभरतममनाम रानका
डिलियौवनविश्राम तहांमृगकोंनामेंहि
तभयौ नरतननतजिकैमृगतनलयौ अव
मैंजन्मविप्रकोंपायौं सवतजिहरिवरन

सू॰ सा॰ १५८

156

निचितलायौ तौतैं ज्ञानीमोहनकै तन
ऊर्द्धेवसौंहितपरहैं जवलौभजैनचरनम
गि तवलौंहाइनभवजलपारि भवजल·
मैंनरवहडूबमहै पैवैगागतऊनहिंलहैं म
नकलिवउरवचनमभाषैं तिनैमोहवस·
मननहिराषै जोवैवचनश्रीरकोउकहै
तिनसौंमनिकैमनिनहिरहै प्रवश्रन्याइ·
कैवडतेरो पिमापकश्रीगुननहिंहेहेरो
श्रीरन्नपककैश्रन्याइ तिहिवडश्रीगुनदे
इलगाइ इकमनश्रीरज्ञानैहीपांच नरकों
मद्यानचावैनांच जौमंगवलनचौरधनह
है सौंपमकूतधनहिपरहैं नमकरन्म

कृतयनलेहिं प्रभुहरिभजनकरननदिहैं·
हिं लानीइनकोंसंगनकै नसकरज्ञान·
हरपरहै नृपयहसुनभरनहिंसिरनाइ
वहुरकलौंपाभांतसुनाइ नरसरीरसुरऊ
परआहि लहैज्ञानकहियेकहानाहि तातैं
नमकोंकरनदेडौत प्रभुसवनरहूपरणौ॰
न सुककलौंसुनयहनृपतिसुज्ञान लेइ
ताननजिदेहअभिमान जोयहलीसुनैसुनै
वै सोऊज्ञानभक्तिकोंपावै सुकदियोज्ञान
रपनहिसुनाइ सूरदासकलौंनाहीभाइ ५
इतिश्रीभागवतेसूरदासकृतोपंचमस्कंधः
समाप्तम् ५ ॥

सूर
सा
१८३

157

रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसुमरनक
रौ श्राथपलकहूंजिनबिसरौ सुकहरिब
रननिकौंसिरनाइ राजासौंबोल्यौंयाभाइ
कहौहरिकथासुनौचितलाइ सुरतरौहरि
केगुनगाइ १ अजामिलउधारबर्नन बिला
वल हरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिच
नारविंदउरधरौ हरिहरिकहतअजामिलत
र्यौं नाकौंजमसबजगविस्तरौ कहौसुक
थासुनौचितलाइ कहैसुनेसोंभवतरजाइ
अजामिलविप्रकनौजनिवासी सोभयौद
घलीकेगृहवासी जांतपांततिनसबबिस
राइ भक्षअभक्षमिलैसोषाई नाहूघलीकैं

दसमहनमई पहिलेगुत्रभूलतिहिगाइ ल

कमहननामनरायनधहौं नामोहेतग्रथि

ककरधहौं कालग्रवधनवहूंवीग्राइ त

वनवदीनेहूनपदाइ नारायनमहननामउ

वाहौं नमहूननिहूरिगननिनिवाहौ नू

ननिकहौंवड़ोघहूपापी इनतौपापकि॰

योहूधापी विप्रजन्मइनजूवेहाहौ काहें

तेनमहूमैनिवाहौ गननिकहौंइनना॰

मउवाहौं नाममहानमनमनविवाहौ

नानग्रनानिनामननोलेई निहिहरिवैकुंठ

वामारेही विननानेकोकग्रौघदघाइ ना

कोरोगमकलननमनाइ मौंनोहूरिविना॰

हर
मा
१५८

158

जानैकहै सोसबसुपनेपायनदहै सुजान
बिनाजानेजोगृहै जानकालसोताकोंदहै
दोइपुरुषकोनामइकहोइ इकपुरुषकै
बोलैसोइ दोऊताकीओरनिहारै हरिहूंपै
सोभावबिचारै हासीमैंकोनामउचारै ह
रिनताकोसत्यबिचारै भयहूकरिकोऊ
लहैजुनाम हरिजूदेहैंताहूनिजधाम जा
बनमैंहरिसहूपावै तावनतैंसुगताजोंहिम
नावै नामसुनतयोंपापपरातहि पापीहूवै
कैटसिधाय उहसुनिहूतबलेषिसपाउ
कहैंतनिहिंयमैंसोंनाउ सबलोंहमतमंदी
कोजानत तमंदीकोंदेउदानामानत श्री

जेगल्यौंहमषापीपक निनभयमान्योंहम
कोंदेषि नारायणाह्नहेतउचाल्यौं पुरुष
वनभुजनहमैनिवाल्यौं उनसोहमरोकछु
नभसाई नानेनमकोंग्रानसनाई श्रीरोट
उदासनाकोऊग्राहि हमसोंकौंनवनावत॰
नाहि धर्मराजकारिहरिकोध्यान निजह
नेनसोंकल्यौंबषान नारायणसवकेकर॰
नार पालनग्रहणुनिकरतसंचार नास॰
मश्रीरनडुनियाकोई जवचाहैपुनमाजैसो
इ नाकोजवउननामउचाल्यौं नवहरिहन
निनमैनिवाल्यौं हरिकेहतनहांतहांरहै
हमनमउनकोंसाथिनहिल जोजोहरिम

सूर सा १५९

159

षहरिनामउचारै हरिगुननितिहितिहितवरन
उचारै नाममहातमतमनहीजान्यो नाम
महातमसुनोवषानो ज्योंस्योंकोऊहरिना·
मउचारै निसैकरिसुनरैपतैरै जाकेहृहमै
हरिजननजाइ नामकीरतनकरैसुगाइ ज
हृपिवैंहरिनामनलेइ नहपिहारितिहिनि
जपटदेइ कैसोउपापीकौनहिहोइ नाम·
नाममुषउचारैसोइ नमरोनहीनाहौरशुचि
कार मैतममोयहकहीपुकार सुनामि·
लहरिभक्तनकोंदेषि मनमैकीनोहरष·
विसेषि नमहतनिकोइनहींनिवास्यौं व
भयतेमुदिरइनहीसुवास्यौं नवमनमाहि

ग्यानबैराग पुत्रकलित्रमोहसबत्याग हृ
रिपदसोंउनध्यानलगायौ नानकालबैकुं
ठसिधायौ श्रेनकालजननामउचारै सोस
वसुपनेपापनिहारै ग्यानबैरागनरननि
हिंहोइ सुरविसुपदपावैसोइ २ श्रीगुरु
महिमाबरनन रागबिलावल हरिहरि
हरिहरिसिमरनकरौ हरिचरनारबिंदउर
धरौ हरिगुरुरूपकरूपनूपजानि नामेक
छुसंदेहनआननि गुरुप्रसनहरिप्रसन्न
होई गुरुकेदुषितदुषितनोई कहोसक
ध्यावितधारि कहैसुनैसतरैभवपार इक
दिनइंदनिजसभामैकारि बैठ्योइनोसिं।

सूर
मा
१९०
160

वामनगारिंसूरशिषमवगंधर्वनहाशायै ७
निजमेरहूंनहांमिधाय सूकृगुकृहूनैंहिशौ
सरश्रायौ रेंदउहिननिहिंसीमनिवायौ नहे
निफिरिनिजेश्राश्रमगायौ सूरपतिनवला
यौपक्षनान मैयहककहाकियौशसान ७
निनिजगुरुश्राश्रमवलिगयौ पैनिहिंसरञ
हटसेनदियौ यहसनिश्रसररेंदश्ररश्राई
कियौरेंदसैंजडवनाई सूरपतिनवलायौ
पक्षनान मैयहककहाकियौशसान ७न
निजगुरुश्राश्रमवलगायौ पैनिहिंसर
गुरुटरमनरयौ रेंदसहिननवमवसरभा
रो श्राश्रमश्रपनेमवङ्गनस्यागो ७निमवस

देवसायपेनाव कल्यौँह्मोंनसकलसिरना
व ब्रस्माकल्यौंब्रुरौँनसकियौ निनगुरु ।
कौँआरदरनह्रीदियौ ब्रवनसविषहूपगुरु
करो नाथसाटपाडुषतेंदरौं सरपतिविष्ठ।
हूपयैनाव दोऊकरनोरकल्यौंसिरनाव
हूपाकरौनसशोदितह्रोइ कियौहूस्पति
मोपरकोऊ कल्यौंपुरोदिनह्रोननभलौ
नानतेननपकोनससकलौ येनसविन।
लीवद्वविधिकरी नोतेसेसनसैंयहूथरी
व्रूहकदिरेंदहिनस्पकरायौ गयैरानब्रप।
नोतिदिपायौ ब्रहरनिविषहूपसौंकल्यौं
भलीभईतेंसरगुरुभयौ नेननसालसो ।

सू.
सा.
९८

161

हिममग्राही श्राड्तरहमैदैतनकौनाही नि-
हिनिमंतनिहिश्राड्तरदेइ स्वरपानिवातना
नथहलदै करकैक्रोधनरनतिंहिंमाहीं ह
ल्याहेतनमंत्रविवाहीं वारिश्रेसहल्याकेकि
ये वारोश्रेसवोइरपुनिदिये पकश्रेसथर-
नीकोदयो कमरमाहीग्रन्ननभयो पकश्रे
सह्वकोदीनो गौरहोरप्रकासतिनकी
नो पकश्रेसनलकोपुनिदयो हैकविका
रनलकौंछयो पकश्रेससवनारनयायो
तिनकोहैरनस्वलाछ्रायो नष्टाविष्ठरूप
कोवाप उघितभयोसनिसतसेताप नि
नकरकोधरकनदाउपारी स्वजासरउप र

न्यौवलभारी सोमरपतिकौंमारनधायौ
मरपतिहूनासनमनग्राग्रौ नेतकमन
किंयेपरहर सोकतिलियेग्रमरग्राहार
नवमरपतिमनमैंभयमानि गयौनहांन
ह्रांश्रीभगवान नमस्कारकरिविनयम॰
नाइ गषिगषिग्रमरनमरनाइ कल्यौंभ।
गवानउपावनग्रान तिषिटधीवहाउलेहं
हान नाकोनंनिजवजवनाउ मरिहैग्रम
रलाहीकेचाउ नवमरपतिरिषकोठिग॰
ग्राइ करीविनयवद्दमीमनिवाइ वद्दर॰
कहीग्रपनीमवकथा हरिम्नोंकल्यौंक।
ल्यौंउनितथा तिनकलौंदेहमोहिग्रति।

सुर
सा
१६२

162

प्यारी सुरपतिते यह देषि विचारी यह न
नकोऊ है दिये न नावै औरदेत कछु मन न
हिआवै पैयह संतन रहि है भाई परहित दे
उतौ होइ भलाई तन देवै तैना ही मनौं जोग
धारनाकरियह तनौ गऊ वटाइ मम मनवाउ
पारी हाउ नकौ तमवन संवारी सुरपति रि
षकौ सु सतापाइ लियौ हाउ कियौ वज्र वना
इ गोम षष सवन वहीतैं भयौ रिषि सक
देवन्नृपति सौं कह्यौ ॥ रेर च्याइ तव श्र सुरपचं
ह्यौ कियौ न हपै श्र सुरनमारयौ ॥ रेर हाय
नेवन्न लखिनाइ मारयौ पैं गावनकौं धाइ पैं.
गावनघाउलहैं गयौ तव हृवाम सुरकौ सुष

भयौ पैरावतश्रमनकेलायैं भयेसवेनइं
द्रतवधाये हृत्रासरकौंवनप्रहास्यौं तित्र
येसुत्रइंद्रकोमास्यौं जगनत्रिसुलइंद्रपुर
कायौ करनैश्रपनैवज्रगिरायौ कल्यौंत्र-
सरसरपतिसंभारि लैकरिवज्रमोहिपरि
हारि जौमरिहौंतौसरपुरजैहौं जीतेजगत
मोहिजसपैहौं हारिजीतनहीजियकेहा-
य कारनकरनाग्रापहीनाथ इमतमेपु
नरीकेभाउ देषतकौतककिविविधनचाउ
नवसरपतिलैवज्रसंचास्यौ जयजयस-
बदसरनिउचास्यौ पेइंद्रहिसंतोषनभयौ
व्रजननइमारोषहितयौ मोरमानिहिं।

सूर सा १६३ लागीधाइ छिप्यौसकमलनालमैंजाइ

सुरगुरुजाइतहांतैंल्यायौ नासौंहरिहित

जतकरायौ जताकियेंहलागाइविलाइ यौं

नृपवङ्करिइंद्रपुरआइ नृपयहसुनिसक

सौंपुनिकही जानवृहिग्रसरहिकीयौंभर

सककरयौंसनोपरीछितराइ दैवतोहित

सोंतसजाइ विश्वगमहदिपतिराउ सतदि

नभयोनासचितचाउ नहिपराजीवरीश्वने

क पैतिननतैसतभयोनपक नागृहविश्व

रिवासिधाये श्रवासनदैनैहिवेहाये विप

सोंनृपनिजनविद्याससनाई कहोमोहसोक

रौउपाई विषकरयौंपुत्रनहीतैवेहोर होइ

कहूँनोउघदैसोइ नृपकलौंएकवारसत-
होइ पाछैंहोनीहोइसहोइ विषतानृपसौ
नत्तकरायौ दैप्रसादयहवचनसुनायौ
नारानीकौंनेंयहदैहै ताहीरानीसौंसुनहू
है जवरानीकौंनृपसौंदियौ तिनप्रनाम-
करिभोजनकियौ विषप्रसादतेसुततिन
नायौ सुतलड़ायदेपतिसुषपायौ विप्र-
नाचकनदीनौंदान कियोउत्साहवकहा
कहौवषान नारानीसौंनृपहितभयो श्री
रतिपकौमनउपनितयौ तिनसवहनक
रमेंउउपाइ नृपतिकुंवरकौंजहरपिला
इ वहनवैरभइकुंवरनजायौ दासीसौं

सूर
सा
१६४

164

रानीतवभाष्यौ स्याउकंवरकौंवेगलगाई
दूधप्यायकैवड्डरसवाई दासीकंवरलगा
वनग्राई देष्यौकंवरसनककीनाई दासी
बालकसनककनिहार परीधरनपरधाइप
छारि रानीतवतहांधाइआई सनमनदे·
षितिरीसरकार पुनिरानीतवसरनसें।
भारी रुदनकरनलागीग्रनभारी रुदन
सनतरानातहांआयौ देषिकंवरकौंग्र·
तिउषपायौ तवहीमूर्छितहूनृपगिरे
कवहूंसनकौंश्रेकनभरे विषनारदग्रेरि
रानहांआए रानासौंपककवचनसनाये
कौतकौयहदेषिविचार सवमनमपस·

कलसंसार सोयोहोइस्वइहिमनमानै जो
जानैसोमिथ्याजानै जानैमिथ्यामोहवि
सार श्रीभगवानचरनउरधार हमनम·
सोंपहिलैंहीकही नृपसोवातग्यानहुईम
ही नृपज्योमनउपज्योंबैराग वनकोंगए
राजसबत्याग वनमैंजाइतपस्याकरी म
निगोयवहिहिनिहियरी इकदिनसोकैला
ससिधायौ सिवकोदरसनहोंतिनपायौ
उमानयननदेषीतिनराइ दियौसरापनारि
निहिभाइ तेंअबअसुरदेहधरिजाइ मेरे
कह्योंनविरथाजाइ उमाश्रापनाकौंजब·
दयौ वृत्रासुरसोयाविधिभयौ हरिकोभ

सूर सा १८५ कृष्णानहिन्नाइ जनमजनमसोंप्रगटैश्रा
३ तातेहरिगुनसेवकरीजै सेरोवचनमा।
नयहलीजै ज्योंसुकनृपसोंकहिसमुझायौ
सूरदाससैंगोहीयहगायौ ३ रागसारंग गुरु
विनऐसीकौनकरै मालातिलकमनोहर
बानालैसिरछत्रधरै भवसागरतेंबूडतराखै
पकरहाथभरै सूरदासगुरुऐसीसमरथ
छिनमैलैउरधरै ४ इतिश्रीभागवतेमहा
पुराणेसूरदासकृतेषष्ठस्कंधःसमाप्त

165

रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसुमरनक
रौ नरहरिपदनितहिरदैधरौ नरहरिक

धरौंजिहिंभाइ कहौंसुकथासुनोचित
लाइ हरिजनवहिरन्याछुकौंमाहौं दसन
श्रग्रधीकौंधाहौं हिरनकशपुसौंटि
तेकहौंजाइ आनावैरलिहितं""इ हि
रनकसपुः सहतपकियौ ब्रह्माप्रइद
रसनवदियौ कछुनोहइच्छाजोहोइ सो
गिलेइवरदेउंश्रवसोइ गनदिवसनभय
रनिमरौं श्रस्त्रशस्त्रप्रहारनधरौं तेरी
लछिनहांलौंहोइ सोकोमारिसकैनहिंको
इ कहौंब्रह्माश्रुसैंहीहोइ पुनिहरिवाहेक
रिहेसोइ यहकहिब्रह्मानिजपुरप्राप हि
रन्यकशपुनिजभवनसिधाप भवनश्रा

स्वा
मा
१६६

166

इतिभवनपतिभई देहवहनसवहीभज
गये ताकेपुत्रभयोप्रह्लाद भयोप्रसिद्ध।
हरिभक्तप्रह्लाद पांचवरषकीजनभईआ
इ संडामकोलियेवुलाइ तिनकेसंगचट
सालपढायौ रामनामसोतिनचितलायौ
संडामकोरहेपचिहार राजनीतकहिवावं
वार कह्यौंप्रह्लादपढनमैंसार कह्यौप·
ढावनऔरजंजाल नवधांईश्वरउनकहूंग
ए वालकइकसवइकठौरभये कह्यौंय
ह्लानकहांतमपायौ नारदमातागर्भसु·
नायौ सवनकह्यौंदेहहहमैसिखाई सवकू
नकेमनऔसीआई कह्यौंसवनसोंतवसम

का३ सर्वतनभजौचरनरकगा३ रामहित
मंपछैरेभाई रामजहांतहांहोतसहा३ ३
हांकोउकाहूकोनांहि ध्यानसंवेधमिलत
नगमांहि कालश्रवधनवपडैवैश्रा३ व
लनवेरकोक्रसंगननजा३ सदासेवातीश्री॰
नडरा३ भजियैताहिसदालिवला३ कलौ
हलोश्राशुहिमो३ घटघटव्यापरह्योहैजो३
नांतेउतियाश्रीरनको३ जाकेभजेसदासुख
हो३ उलेभजननमसलमहीपा३ हरनभं
ननसोनरकहिजा३ यहजियजाननविष
हि
यपरहौं रामनामसदाउरधरौ सतसंव
नमनखकीश्रा३ श्राधीनोसोवतहीजा३ क

सूर सा १८७ छु बालापन ही मैं बीतै कछु तरुनापन माहि
वितीतै कछु नृपसेवा करत निवहारु कछु
इक विषय भोग मैं गारु प्रेम सहीं नो जनम वि
हारु विन हरि भजन नरक मैं गारु बालाप
नो गयो ग्यानी आवै वृद्ध भये सब थपकू तावै
नी नोपन प्रेम सी है गारु नो तै सब हरि भजनो जनउ
गई विष भोग सब तन मैं होरु विन नरज
न्म मुक्ति न हरि को रु नो न करै सो पसु सम हो
रु नोंते भक्ति करौं सब को रु जब लोकाल
न पंचवै श्रारु हरि के भक्ति करौं विन लारु ह
रि व्यापक है सब संसार नाहि भजो प्रेम सो वि
चार बाल किसोर वृद्ध तन होरु सदा एक र
167

सग्यानमसोइ प्रेमोतनघलमोहनमागो
हरिचरनारविंदभ्रुवागो मारीभैजोकेव
नपै सोहीग्यानमनवसंवै कोवननैजो·
मारीनजै सोननमोहब्बाउनहरिभजै नर
सेवानेजोसहघहोइ छिनभंगुरयियहैनसोइ
हरिकेभक्तिकरोचितलाइ होइपरमसुघक
वहुनजाइ जीवकेवहुरिगननननदोइ श्रम
रहोइभावैसुरहोइ जोहरिभजैपियारोसो
इ यहजियजानभजोसवकोइ रामहिरा·
मकहौहिनवान जानरजनमसुकारथ·
जान सौवाननहीपकहीवात सवजनभ·
जौहारकानाथ सववहनिप्रेमीवनिसाई

सूर
सा
१६८
168

रहेसबैहरिपदचितलाई हरिहरिनामस-
दाउचारै विषयौरनमनमैंधारै नवसंङ्गा
मकांसंकाइ कत्यौंग्रसरपतिसोयौंनाइ
नवसतकोंपढागइसदारै अपनपढेक
श्रीरविगारै रामनामनितरछबौकरै रा
ननीतनहींमनमैंधरै नांतेंकत्यौंतमेहम
ग्राइ करनोदोइमकरोउपाइ हिरनकसपु
नवसतदिउलायो कल्लुकपीनकल्लुउर-
दिवायो बद्रीनोरमोंकवैवार कत्योक
दापढविषयामाइ माइवेदवाणीकोजोई छ
होपुतमसाउनिमोई सर्वपुरानमदिजो
माइ रामनाममैपदौंमंभाइ कत्यौंपाकें

लैन्नाइउवार समिरतममसरिगुकोविनला
र मेरीश्रोरनकलुनिहारौ घाकोपावक।
भीनरउरौ नोत्रैसीकरतैंनहिंमैं उरिहे
ड्डगाजनमयमतननै परवनसोउहिंटेड्डगिरा
र मैनोनविधिमारोन्नार श्रमरवलेनव
ऊंवरलिवार हरिनुताकीकरीसहार क
वैउपाउसविरघ्यान्नोर नृपकीश्रज्ञालियो॰
उठार ऊंवरलियोहरिपरविनलार श्रम
रनिगिरनैंटियोगिरार राषिलियौनहांत्रि
भुवनगार श्रमरचकिनसवदेष्योंन्नार १
निगाजनमपमतश्रागेउरौं रामनामतव।
ऊंवरवारौं गजरोऊटेंनङ्गरिघरिपरौं

सूर
सा
१९५
169

दृषित्रसरयद्दग्रवरजउसौं बहुरौंनागादि

येलपद्दाउ जिनिकौंज्वालागिरिजरजाउ

हरिजूतहांहीकरीसहाउ नागरहैंसिरनी

चैंनाउ पुनपावकमैंदियोगिराउ हरिजू

नाकीकरीसहाउ कौरउपाउसोविरथाजै

उ तवसुरगुरररहेंषिसपाउ कहौंग्रस

रपतिसौंसवजाउ मरतनहींयहकियेउ

पाउ हमतोवहुतभांतपचिहारे यहतो

रामहीनामउवारे नृपकहौंमंत्रजंत्रक

छुपाढि कैछलकछूकयतंतादि नां

कोंकौंनववावतग्राउ सोजूमोकौंटेकव

नाउ मंत्रजंत्रमैंरहरिनाम हृटहृटमैंजा

𑆑𑆾𑆮𑆴𑆯𑇀𑆫𑆳𑆩 𑆘𑆲𑆳𑆁𑆠𑆲𑆳𑆁𑆱𑆾𑆅𑆑𑆫𑆠𑆱𑆢𑆳𑆆𑆁 𑆤𑆾
𑆱𑆾𑆠𑆼𑆫𑆾𑆑𑆗𑆷𑆤𑆮𑆱𑆳𑆅 𑆑𑆲𑇀𑆪𑆿𑆁𑆑𑆲𑆳𑆁𑆱𑆾𑆲𑆴𑆮𑆠𑆳
𑆅 𑆤𑆳𑆠𑆫𑆠𑆼𑆫𑆾𑆘𑆴𑆪𑆖𑆮𑆘𑆳𑆅 𑆘𑆿𑆁𑆱𑆮𑆜𑆿𑆫𑆓𑆁·
𑆨𑆲𑆷𑆲𑆾𑆅 𑆑𑆲𑇀𑆪𑆿𑆁𑆥𑇀𑆫𑆲𑇀𑆬𑆳𑆢𑆱𑇀𑆫𑆳𑆢𑆴𑆲𑆴𑆠𑆘𑆾𑆅 𑆲𑆴𑆫·
𑆤𑆼𑆑𑆱𑆥𑆑𑇀𑆫𑆾𑆣𑆩𑆤𑆡𑆳𑆬𑇀𑆪𑆿 𑆘𑆳𑆅𑆓𑆁𑆨𑆑𑆾𑆩·
𑆑𑆳𑆩𑆳𑆬𑇀𑆪𑆿 𑆦𑆛𑆴𑆠𑆮𑆓𑆁𑆨𑆨𑆪𑆾𑆲𑆽𑆦𑆳𑆫 𑆤𑆴𑆑
𑆱𑆼𑆤𑆫𑆲𑆫𑆴𑆲𑆫𑆴𑆮𑆥𑆶𑆣𑆳𑆫𑆴 𑆤𑆴𑆫𑆓𑆴𑆱𑆶𑆫𑆮𑆑
𑆠𑆲𑆽𑆒𑆪𑆾 𑆮𑆲𑇀𑆤𑆵𑆒𑆢𑆳𑆬𑆽𑆩𑆤𑇀𑆱𑆓𑆨𑆪𑆾 𑆲𑆫𑆴
𑆤𑆳𑆱𑆾𑆑𑆴𑆪𑆾𑆘𑆤𑇀𑆠𑆶𑆮𑆤𑆳𑆅 𑆤𑆮𑆱𑆶𑆫𑆩𑆤𑆩𑆽𑆒𑆪𑆼𑆇
𑆫𑆳𑆅 𑆱𑆁𑆣𑇀𑆪𑆳𑆱𑆩𑆽𑆁𑆨𑆪𑆾𑆤𑆮𑆘𑇀𑆚𑆳𑆅 𑆲𑆫𑆴𑆘𑆤𑆳𑆑𑆾
𑆥𑆑𑆲𑇀𑆪𑆿𑆁𑆣𑆳𑆅 𑆤𑆴𑆘𑆘𑆳𑆁𑆓𑆤𑆥𑆫𑆴𑆤𑆳𑆓𑆴𑆥𑆢𑇀𑆣𑆳𑆱𑆽𑆁
𑆤𑆓𑆤𑆴𑆱𑆳𑆣𑆤𑆮𑆇𑆢𑆫𑆮𑆴𑆢𑆳𑆫𑇀𑆪𑆿𑆁 𑆘𑆪𑆘𑆪𑆑𑆳

सु॰ रटसौंदिसभयौ अमरशाननजहरिगुरग
सा यौ ब्रह्मादिकरहेसवअरगाइ क्रोधदिष
१२० कोऊनिकटननाइ वहरिब्रह्मासुरनिसमे
170 त नरहरिजुकेनाइनिकेत करिदंडौतवि
नैउच्चारी नमअनंतशाकमवनवारी नम
हिकरननरकोनिस्तार उतपतवड्डुनिक
रतसंचार करौक्षमाकियौअमरसंचार
गयौनक्रोधभयौसौभार महादेवगुनिवि
नैउचारी नमौनमौभक्तनभयहारी सर्क
हेनतमअमरसंचारसौं श्रीनरहरितमक्रो
धनिवारौ क्रोधनगयौनवअसंकसौं छं
मौप्रलयकोसमयनभयौ नौहूक्रोधनग

यौविकार महादेवहूफिरेनिहार वद्धरे
रवसत्ततउत्तारी मासौग्रसरसरइवेसषा
री हूहैतगग्रवदेवमरारी क्षमिहैक्रोधम
रनिहितकारी प्रनिलक्षमीयोविनयस॰
नाइ उरौदेषियहरूपनवाई महाराजयह
रूपउरावद्ध रूपवतभुंजमोहदिषावद्ध व
रुनक्रमेरादिकप्रनग्राये करीविनयतिन
सौवद्धभाये नौहूक्रोधक्षमानहीभयो तव
सिवमिलग्रहलादहिंकयौं तमरेदितहरि
लियौग्रवनार तमग्रवजारकरोमउहार
तवग्रहलादहरिनिकटआर करतउौत
पसौगहिपार तवनारहरितनाहिउदार

स्र
मा
१७१

171

हैकृपालवोलैयाभाउ कहुनोमनोरथतैरै
होउ छाडिविलंवकरौअवमोउ दीननाथ
दयालमुरारि ममहितनमलीनोअवतार
अवतारअसवहैमेरीजात मोहमनाथकियौ
तमनाथ भक्तनमारीइछाकरै जैसेअसव
करैवैरागमैं भक्तनहितहितनमचारीटेह
नरिहैगाउगाउगुनपद जगप्रभुनप्रभुटेबौ
लोई सोतनमविनछिनभंगुरहोई इछाटिक
लोतेभयकरौं सोममपितामृतकदैपरौं
सायसंगप्रभुमोकोदीजै निहिंसंगातिनम
भक्तकरीजै जोरनमेरीइछाकोई भक्तग्र
नन्यतमारीहोउ अवमोपरपरहकृपाकरो

नौंसर्वज्ञावनकौंउद्दरौं मोकहौंकर्मभोग

गज्ञवकरहो नवपज्ञासकलनिस्तरहैं

ममक्तनइनकेवउलेलेइ इनकेकर्मस

कलमोहिदेइ मोकौंनरकमांहिलैउरो

पैप्रभुन्इनकौंनिस्तारौ पुनकलौंजीव

उषिनसंसार उपजतविनसतवारंवार

विनाकृपानिस्तारनहोइ करौकृपाभै·

मांगनसोइ प्रभुमैदेषतमैसवपावन पै

सवदेषिसकलउरपावत तोतेमहाभया

नेकरूप धेनरध्यानकरौसरूप हरि·

कह्यौमोहविर्दकीलाज करौमन्वंतरलौं

तमराज राजलक्ष्मीमदनहीहोइ ऊल

सू॰रा इकीसलौंउधरैसोइ जोममभक्तनरकमै
मा जाइ होइपवित्रताहिपैरसोइ जाकुलमहँ
१७२ भक्तममहोइ सप्तपुरुषलौंउधरैसोइ पुन

172 प्रह्लादराजनवैदोइ सवप्रसारमिलसीस
निवाइ नरहरिदेषहरषमनकीनो प्रभ·
वदानप्रह्लादहदीनो नवप्रसादविनती·
प्रउसारी महाराजनरसिंघसुरारी सक
लसुरनकोकाराजसरो अंतरध्यानहुएय
हकौ नवनरहरिभयेअंतरध्यान राजा
सोसुककलोवषान जोयहलीलासुनै·
सुनावै सुरसामहरिभक्तसुपावै २ राग
रामकली पदौ भैयाकुसलगोविंदसुरारि

कहैप्रहलादसुनोरेबालकलीजैजनम।
संवारि कोहैहरिनाऊसमश्रभिमानीजोरम
कैनमैंमारि राघनहारवहैकोऊश्रौरैस्याम
धरैभजनवारि कर्मस्वरूपदेवनारायननरहरि
रीजैसविसार स्वरदासजाहरिसेमीनाक·
वदननश्रावैहारि ३ रागकान्हड़ा जोमेरेभ·
कनदुघदाई सोमेरेइहलोकवमोजिनविशि।
भुवनस्वाउश्रननकहैजाई सिववरिंचना·
रदसनिरेषततिनहूंनमोंकोंसुपतिदवाई
वालकश्रवलश्रजानरहैवहदिनदिनश्रास
देनश्रधिकाई छंभफारिगलगाजमनबल
कोपवानलज्ञविवर्निनजाई नैनश्रकनवि·

सू॰
सा॰
१७३
173

कालमदनअलिनषमोहदोविदासौनाई
करनोरेप्रहलादनविनवैविनयमनोञा
सरनसरनाई अपनीविसानिवारितातमम
अपराधीसपरमगनपाई दीनदयालकृपा
निधिनरहरिअपनोजानिहियेलियोलगाई
सूरदासप्रभुअपनरदाऊरकलौंसकदीनमे
निधनाइ ४ रागमाहः प्रेमीकोसकेकविवि
नानमसमरारी करहतप्रहलादकेंधारिनरसिं
घवपुनिकमलापनरतषंभफारी हिरण
कस्यपपुनिकपनिरषचकनभयोवद्धरक
रतैगरदाप्रसरधायौ हरिगदानहुनासौंकि
यौभलीविधिवद्दरसंग्रामसमैहोनआयौ गा

सौषलयाइगुननाइनिजजंबपरनषनिसो
उटरगरासौविदारी देषियहसरनिवराषाक
रीघुद्धपकीसिद्धगंधर्वजनयधुनउवारी वड
रघुहलाटवद्वभाइगुसलनकरीजाहिदेराजः
वैकुंठसियाहै भक्तकेहेतहारीयसौनरासिं
ववगुसरजननजानियहसरनगुणो ५ रा
गयनासिरी नवलोहौवैकुंठनजेहौं सन।
रघुहलाटगुनिजामेरीजोलौंतवसिरधुउन।
देहौं मनवचकर्मजानिनिजपगुपनेजहांज
हांजननतहांतहांहिहिहेपहो निर्गुनसगुनहो
इसवटेषोतोसोभक्तकहूनहिंपैहो मोदेष
तेमेरोरामदुषितभयोयहकलंककहिक

सू.र
सा
१२५

174

होंगवैहो । हूँदेकहोरजूलसतनेमरोखवनंही
दीनयालकहैहोगहितनहिरनकाशिपुकों
वीरोफारउदरतनवकुथरप्रवैहों । इहिहितम
तिकहतसरनप्रभुयाहूतनकोमफलनरतनव
पैहो ८ श्रीभगवानशिवसहाइकवन रा
गबिलावल । हरिहरिहरिसुमरनकरौ । ह
रिचरनारविंदउरधरौ । हरिज्योंसिवकोंसरी
सहाइ । कहौंसुकथासुनोचितलाइ । एक
समैसुरअसुरअपार । लरेभएअसुरनकौ
हारि । तिनब्रह्माकेहितनपकियौ । ब्रह्म
प्रगटहमनिहिंदियौ । तवब्रह्मासौंकह्यौ
सिरनाइ । तपहमकीनौतवकेहिंभाइ । ब्रह्मा

तवंयहवचनऊचासौं मयमायाकोको·
टसंवासौ नामैवैटिहरानिजयकौ न·
मउनकेमारेनहींमरौ ब्रह्मानयहमयको
सम्रकाई नवमयदीनोकोटवनाइ लोह
नलेमयहपालाघौ नाकेऊपरकनकल·
गायौं नहांलेनाहितहांवहनावै त्रिपुरना
मसौकोटकहावै गढकेवलब्रह्मानजय
पाई लियोब्रह्मनसौंश्रमतन्छुनाई सहशिव
मिलगायेसिवसिरनाइ सिवतवकीनीति
नैसहाइ पैसिवजाकोमारैंथाई ब्रह्मतप
उनिहिलैहिंजिवाइ नवसिवकोनोहरिको
ध्यान प्रगटभयेतहांश्रीभगवान सिव·

सु.र हरिसौंसवकथासनाइ हरिकथौंस्रवसै·
सा कसौंसहाइ सेदवगऋसपहरिकीनो वब
१३५ गकरवसलासंगलीनो स्रमतकंडसैपेटेपाइ
175 कसौंस्रसवनमासैपाजाइ पकनकसौया
हिमतमासै पंकोसंदरसपनिहारो किन
कसमतपीवैइहिंभाइ हरिमतनिनकीटदै
भिइमाइ हरिस्रमतपियगायेस्रकाम स्रस
रदेषियदमयेस्रदाम कसौंइनहीहिनौव
मासौं हिरनकसिपुइनहीसिंवासौं या
सौदमसैकऌनभसाइ यदकाहिस्रसरदे
छिमपाइ सिवनवकीनोजहस्रपार पेस्र
सु रननहिमानीहार वानपकहरिसिवकौटि

यौ नासौ सब ब्रह्मानंद्र पकियौ याविधि
हरिजू करी सहाइ मैसौ तन मैसौ दईबनाइ
सकल मैं यौं नृपकौं कहि सम सकायौ सूरदास
तनमैं यौं हीयायौ १ श्रीनारदजनमकथा·
वरनं विलावल हरिहरिहरिहरि सुमर·
नकरै हरिवरनारविंद उरधरौ हरिभज·
नैसैं नारद भयौ नारदव्याससे देवसौं कह्यौं
कहौ सो कथा सुनो चितधारि नीच कुल दासी
केरे कुमार गंधर्व ब्रह्मा सभा मंझार हरियौं
रूपमताही रनिहार कह्यौं ब्रह्मा दासी सुन·
होही सकुचन करी देखि तैमौ हि भयौ दासी
सुतब्रह्मज्ञानगोइ नारतसाउकै गंधर्वदेह

सूर
सा
१२९

ग्वालनगृहहरिकेजनलागे दासीदाससे
वहितलागे हरिजनहरिविरवाजोकरैं दा
सीसुतसोहितहैंधरैं सुनतसुननतउपज्यौवै
राग करैंजोउकैंमानानान्यारा नाकीमा
नाघाइकावै सोमविगधेसोपकेमारैं दासी
सुतवनभीतरजाय कहीभक्तहरिपदवि·
तलाइ ग्वलपुत्रनननतजसोमयो नारदयौ
श्रापनैंमघकारैं हरिकीभक्तकरैंजोकोइ
सुरनीवतैंऊवसरोइ ८ इतिश्रीभागवते
सूरदासकृतौसममस्कंधःसमासम ९

रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसुमरन।

करौ हरिचरनारविंदउरधरौ हरिचरननि
सुकदेवसिरनाइ राज्यासौंबोल्योयाभाइ
कह्यौहरिकथासुनोचितलाइ सारदामहा
रिकैगुनगाइ १ गजमोचनसुवनारवर्नेन
रागविलावल राज्यामोचनन्यौंमयोश्रव
नार कहौंसुनौंसौंश्रवचितधारि गंधर्वएक
नदीमैन्नाइ देवलरिषकोपकर्यौपाइ दे
वलकह्यौंग्राहिन्हिहोइ कह्योगंधर्वदयाक
रिमोहि जवगजेंद्रकोपगतुगहिहै हरि॰
नेताकोआनछुटिहै मयेसपरमदेवतन
धरिहै मेरोकल्यौंतैऊनहिटरहै राजाइंद
उमत्तकिधौध्यान ध्यायौसुगालनहींतिनजं

सू॰
सा॰
१२२

177

न दीयोआपनजैंहतहोहि कहौंनृपट
याकरौरिषमोहि कहौंनोहिग्राहस्यानज·
वपरिहै तूनागायनसुमिरनकरिहै याही
विधितेरीगतिहोइ भयोविकटपर्वतगज
मोइ कालहिपाइग्राहगजगह्यौ गजवल
करिकरकेथकरह्यौ सतपतनीहूंवलक
रहै छूट्यौनहींग्राहकीगहे नेसवभूष
दुषितभये गजकोमोहछांडिदिये त·
वगजहरिकोसुमरनीआयौ सूरदासप्रभुता
हछुडायौ २ रागधनाश्री माधवजूगज
ग्राहितेछुडायौ निगमनिहूंमनवचनअ
गोचरप्रगटमहारूपदिखायौ सिवविरंचसव

देषनंदाछेवड्नदीनडषपायौ विनवद।
लैउपकारकरैकोकाहूकहनगयौ वि
नवनहीविनमैविंस्यामनवक्रलियेकरथा
यौ श्रनककरुणाश्राकरकरुणामयगरुड
हिंहूछुटकायौ सनियतमनसमनिनन
नकारनकहूंनगहरलगायौ नाजानोज।
सूरदहिंश्रीसरकौंनादोषविसरायौ र राग
विलावल हरिकरवक्रथरेकरियावत गा
रुडसमेतसकलसैनापतिपाछेलागेश्राव
त चलिनहिसकतगरुडमनउरपनबुधिव
लवलहिवढावत मनोपवनवसपत्रगुरा
ननश्रपनोवारनबलावन कौनानैश्रृक

स्रा
मा
१७८ हाचलेहैकाहूकलुनजनावत प्रतिपाऊ
लगतिदेषिदेवगतमोवसकलदुषपावत
गजहितधावनजनसककरावनवेदविमल
जसगावत स्रामसकसफावश्रनाथ·
नइहविधिनाथकुडवावत ५ गगासारंग
फाईनमिटनपाईश्रापहविश्रानरहैजवजा
मीगजगहलियेंजानजलमैं जादवपति
नइनाथपगपतीसाथजननजानीविहवल
नवलाशिटियोघलमैं नीरहूनेन्पासोकीनै
वकनक्रमीसहीनींदेवकीनेंदलालमैंवधू
नलमैं केदेवारासमदेवनेंनीलकौरिटेश्र
सक्रपाकीनीमोगीनाथश्राउगहेंपलमै ५

रागबिलावल ग्रवहौंसवदिसहेरसौं रा
घनमहिकोऊककरुणानिधिग्रतिबलग्रा
हमसौं स्वरनरसवस्वारथकेगाहककन
ग्रमग्रानकरै उउगनउदितनिमरनहिंना
सनबिनरवहूपधरै उतनीवातसनतक
रुनामयवक्रगहैंकरथायें हतिगजसउ
स्रकेस्वामीनाह्विनसघउपजाये ८ श्री
कृम्नग्रवनारवरनन बिलावल जैसेम
धीकृम्नग्रवनार कहोसनोसोग्रववितथ
रि नरहरिहिरन्यकसिपुनवमासौं ग्रस
उरुलारराजवैरासौं नांकेसनवैरोवन
मयो नांकेंवद्धरघुउवलजयो वलस्रा•

स्मर
सा
१२४

179

पतिकवज्रउषट्यौ नवस्मरपतिर्हरिस्मर·
नीरायौ हरिस्त्रुप्रणौविरटसंभास्यौ स्मर
नश्रुक्रमनननधास्यौ ॰ रागमाहू स्मर।
निहितहरिकल्पहृप्याश्यौ मथ्यनकव·
नलश्रमननिकास्यौ वनमेवविदिसित
ववनयहरिसौकरी वलश्रमस्मरसौस्मरनि
रुषपायौ दीनवंशुक्रणाकरनश्रमरनस
रनमेत्रयहतिनैनिजमथस्मनायौ वास्म·
कनेनीश्रुरुमेरागा वलरंकमटमैश्राप
नीपीटधारौ श्रमरसौहतनकरकरोसागय
मथ्यननदातश्रमनकौयोनिकरौ रत्नवौ
रहतदातेवज्रवश्रगटहौश्रमरकौस्मरानस

सम्हनंप्याऊं निनहोनवमहाग्रसरवलवे
नकौंमरैनहीदेवनायौजिवाऊं ईदृमिल।
मरनिवलिपामग्रायौवझरउनकलौंक॰
हौकहिंकाजग्राप त्रिटिसनवमसझकैम
यनकीवातजोझनीनिहिंसकलकहिकै॰
मनाप वलकलौंविलेवग्रवनैकनहिंकी
जियैमंटरावलग्रवलवलैयाई टोऊरकमे
रकविनाउपझवेनहांकहौग्रवलीजियैर॰
हिंउवाई मंटरावलउपारनमलौप्रमवझ
नवझरलैवलनकौंजवउटायौ मरग्रमर
वझननाटोरहीमरगाहदुझनकोगर्वयोंह॰
विनमायौ नवउहूंध्याननभगवाननकोपरि॰

स्मर कल्यौं विनततमारी कृपा गिरनज्ञाई नामकर
मा मौंपकरगरुडपररागषिहरिक्षीरकेजलयत
१८० ट्यल्यौंज्ञाई कल्यौं भगवानश्रववाम्सकोल्य
180
ईश्यैज्ञाइनिह्निवास्तकी सैंसम्नायौ मानभ
गवानश्रुतामस्याथौतहांनेतिकरिश्रवलकें
समस्त्पायौ मेंदगवलसंमदमाह्निंडनल
गौतववड्डरसववनश्रस्ततसनाई कूमेंको
रूपयवियविश्रवलपीटपरश्रस्मरसनूसकः
लमनभईवथाई मूक्षकौंततज्ञिश्रस्मरदोरवकैं
सघगल्यौं स्मरननवपूंछिकी श्रोरलीनी म
थ्यितभपक्षीननववझुरश्रक्तनकमीश्रीमः
हागज्ञनिज्ञमकरीनी भईहलाहलप्रगट

प्रथम ह्रीं मघा तन जनव रुद्र कौं दई तिन के रथा
गी वेद माम घि तन जनव वद्धर श्रा यौ निकसतो
ऊक रकृपादीनो सुरारी कामनाथे त्रुपति
सूरिष कौं दई लई उ नवड़ त श्रानंद कीने
श्रपमसांपार सातक थत्रु ष श्रस्व गाजसेतप।
पो चसरपन हिरीने सेषश्रक कौ स्व भमन
लई यह श्राप हरि वद्धर श्रुनि लछमी दई रिषा
ई परम सुंदर मनो नडि नहै दरसनी कमल
कीमाल कर लिये श्राई सकल भूषन मनी
केवने श्रंग श्रक्वसन श्रक न सुंदर सहाप
देष सर श्रसर सवरी रलागो गहन कलोंमे।
वरवैं श्रापमाये जो मो हि वहै नौ ताहि ना

म्रार ह्रीवहैं श्रम्रकौराज्ञथिरनाह्रिहैषीं नप·
मा सियनहैषिकलौक्कोयइनमैंवड्डरत्तानिय
१८। निमैनश्रावारपैषी स्वरनकौहैषिकलौंपप
181 गथीनसवहैषविथिकोकलौंवड्डवुठापै
विवंत्रीवनहैषिकलौंनिशनयेलोकनिह्रं·
माहिकोऊवितनश्रायौ वह्रीभगवानको
निखसंहरपरमकलौंइहिंमाहिसवहैमल
प पैनरख्खाइनैहैकाह्रवल्लकौश्रफनहौंटं·
षिकैंमहिलभाप कवहूंकियेंभक्तकेहूंन
परीफहैंकवहूंकैंवरपहीफहांही श्रीरगुन
वाहियैसोसकलहैंइनैगाविहैंमालगाहि·
गवैमाही हरिकसोसमहृदयमांहितवरऊ

दासरनमिलदेवडुभवनाइ धनधनक·
लौंपुनिलक्ष्मीकौंसबनिसिद्धगंधर्बजिय
धुनिसुनाइ बहुरधन्वंतरगयौसमुद्रतैंनिक
सन्यायअहयअमृतदोऊसंगल्यायौ भयौआ
नंदसुरअसुरकौंदेषिकैंअसुरकरिबलत
वैअमृतछिनायौ सुरनभगवानसौंआइ·
बिनतीकरीअसुरसबअमृतलैगयेछिना
इ कहौंभगवानबिनानकछुमनधरौमै
करौअबबनमारीसहाइ परमपरअसुरस।
बनहलागेकरनहोइबलवंतसोइलैछि
नाइ मोहनीरूपधरिस्यामसुधापतहांदेषि
सरअसुरसबरहेलुभाइ श्रीइअसुरनिक

स्रा
मा
१८२
182

त्यौंलेङ्ग्यहृग्रमृततमसमवनटेङ्गवांटमेटो·
लगाइ हेमिकत्यौंनह्लीहृमतमकल्लुमिश्रता
विनाविस्तामसवास्यौननाइ कत्यौंतमहृवांट
परहृमैवीस्यामहृ टेङ्गतमसवांटन्यौंथमेहो
इ कित्यौमहरग्रमहरमिलाकियौहृयिमघ्य·
नटेङ्गमववांटिहृथमेमोइ कत्यौंनोकरोमे
हृमैंपरवानहृग्रमहरमहरपांतिकरितववैटा
इ ग्रमहरटिमविनेमसमकाइमोहृमकलहृ
रनकौंरियौग्रमहतपिवाइ गाङ्गमसमिमहरकै
वीवमैपीटिकैमोहृनीमोग्रमहृतमांगल्लीनो
महरमसमिकत्यौंजवग्रमहरयहृकमलीजैम
ररमनमहृहृकाकियौ गाङ्गमिरकेतयरकैं

भयौंनवहिनैंसुरसमसिकोमदाउघदाई कर
नेभगवानरक्षाससीसुरकीहोतहैतवसट
रसननसहाई कौशिंब्रेनरथ्यानप्रभुमोहनीह
रूपकौंगरूड़ब्रह्मसवारहैतनहाब्राप ब्रह्मव
कितभयेकहांगईमोहनीसुरब्रसरन्नहरि
नेतहांधाप सुरंनिकौजीतमईब्रसुरमारे·
वरूननहांनहांगयेसोसबपाई सुरप्रभु
जिहिंकहैकृपाजीनैसोईविनकृपाजाईउ·
हिसह्याई ८ मोहनीरूपवर्नेन गागमा
हु कैहैकृपाहरिजीनैसोई वादस्राभिमान
करीजिनकोई पाईसुधमोहनीकीसदासि
वचलंजाई भगवानसोकहिसुनाई ब्रस·

स्मर रजितैं देषि मोहित भए रूप सो मोहि दीजै
मा दिषाइ हरि कह्यौ ब्रह्म व्यापक निरंकार सो
१८३ निर्गुन तैं सगुन लै कहा करिहौ पुन कह्यौ
183 विनती मान लीजै प्रभु उमा देख्यौ चहै कृपा क
रिहौ हंसि कह्यौ तैं मैं दिषाइहौ रूप वह क
रौ विस्राम इक ठौर जाइ बैठि एकांत मोहन
लगो पंथ सिव मोहनी रूप कवि दे दिषाइ हो
इ अंतरध्यान हरि मोहनी रूप धरि जाइ वन
मोहि टीनी दिषाइ स्मर ससि कियौं चपला
र म सुंदरी श्रृंगार भूषन निछवि कहि न जाइ
हाव भाव करि चलन चितवनि चितै करि कौ
न शिव सो जन मोहित न होइ उमा करि द्वाउ ग

हराति मृगचर्म कौं जाइ कैं रुद्र लौं निकट
नोइ रुद्र कौं देषि कर मोहनी लाज करि दि
यौं श्रवर रुद्र श्रयिक मोल्यौ उमा हूं देषि उ·
निना हि मोहित भई ना हि समरूप श्रप नोन
मोल्यौं रुद्र धीरज न ज्यौं जाइ ता कौं गल्यौं नि
कसकर नैनि हीं ढुनपराइ रुद्र कौं बीज छू
टकैं पल्यौं पर निपर मोहनी रूप श्रभलियौ इ
राइ देषकैं उमा कौं रुद्र लजत भये कल्यौं प
हकौं न मैं काम कीनो इंद्री जित कहांवत·
हतो श्राप कौं समरूफ कै रह्यो हूं श्राप षीनौं
वतथैं न रूप हरि श्राइ टारसन हिंयो कल्यौं सि
वमो वदी जैव दाइ समत मारैं न हीं हमरा·

स्रा
मा
१८४

जगतमैकछ्योतमसरूपजोतिघ्योतिघाई ना
रिकैसरूपकोतिघमोहैनजोसोनहीलोकनि
हमाहिजायो स्रसामीसरनिरहितमाया
सराकोजगतजोनकपिलोनचायो ५ राग
बिलावल स्रमरहैउतेवलवंतभारी सदंउ
पसेदवरस्राविहारी भगवतीनवेदीनीटि
घाई देषिसंदररोकरहेलभाई भगवतीक
हीतिनमोसनाई जहुजीतिसोमहिवैस्र
ई नवदीक्रजहकिनोलहोई करिमयेतर
तहीदोऊभाई देषिकैनारिमोहितजोहोई
श्रापनोमलघाविघिसघोई सघचुपतिणा
माजिहिविघिसनाई स्रजपोहीतिहीभान

गाई ९ श्रीवामनअवतारवरननं रागवि
लावल जैसेभयोवामनअवतार कहोंस॰
नोसोअववविततथार हरिजवअमतसरनोप
वायौ नववलअसुरवङ्नतडघपायौ सक
लाहिइनजनकरायौ सरजयराजविलो॰
कीपायौ तिन्यानवैजनतपुनिकिये नवड
घभयौआदितकेहिये हरिहितउननवव
डननपकसौ सुरस्यामवावनवपुधसौं
११ रागमलार हरिदाढेहैहिजवामन वा
ह्यौबेटपठनसुघआगारउतिसठंगासरा
गावन वानीसुनवलएबनलागेइहांवि
प्रकरोआवन वचिनवंदननीलकलेवर

सू॰ सा॰ १८५ बसतबृंदावनभावन चरनधोइचरनोदक

लीनोमांगदेवमनभावन तीनपैंडवसुधा

होयहैपरमकुटीकोछावन इतनौकहा

बिप्रनैमागेपाँवइनरतनदेउगावन सूरदा

सप्रभुबोलछलेबलधरयोपीटपटपावन

१२ रागसारंग राजाइकपंडितपौरतुमारी

चारौवेदकहैमुषआगरहैबावनवपुधारी

अपटंकुपदपसभाषाहूकैश्रवगतिसुल्पअ

हारी नगरसकलनरनारीमोहेसुरजनजो

तिनिमारी मनिआनंदचलेवलराजाआइ

नजतविसारी देषिसरूपसकलक्रमाकी

नकीनौचरननकहारी चलियेविप्रजहांजग

185

वैरीवङ्गनकरीमत्तुहारी जोमांगोसोदैउतर
नहींहीगरतनभंडारी रद्रुरद्रुराजायोंनही·
कहियेहूषनलागेमारी हूटपैउवसयाटैमो
कौंनहारचोंधर्मसारी सककहोंसनिद्रव
लेराजाभूमकोदाननिवारी पतौविप्रनहो·
वैराजाश्रापलछनसरारी कहयोंसकक
हाथोंकीजैश्रापुनिभयेविषारी जवहीउटक
दियौवलराजावावनदेहपसारी जयजयक
रभयौभुवमापतनीनपैउभईसारी श्रांपपैउ
रैवसधाराजानोंतरवलिसनहारी श्रवसन
कैयोंहारौंजगस्वामीमापौदेहहमारी सहदा·
सवलसरवसदीनोंपायोराजपतारी १२ श्री

रा मा १८९ 186

मल्लश्रवनारवनेन रागमाहू हरनिहितहरी

मल्लहूपधाल्यौ प्रभुसदाइमक्कमेकटनिवा

ल्यौ चनरमषकल्यौंक्षनिचनरमेषाश्रुस्र॰

लैगयौनवैपरलैदिषायौ मक्कवल्लरूपा

करनश्रमरनसरनमल्लकोहूपतहांयारश्रा

यौ स्वानकरिश्रेजलीजललजवैन्तृपलियौम

ल्लकौदेषिकल्यौंजुगतिरीजै मल्लकल्यौंमैरा॰

हीश्राइनमरीसरनकरिहूपामोहिश्रवरा॰

लीजै नृपमनननववनवक्कनश्रुणमहूरल्यौ

कल्यौमल्लववनकेहिंभांतिभाष्यौ प्रनिक

मेरलथल्यौंनरहासोवछिगयोक्रंमयरिवड्ड

प्रनिमाटराष्यौ प्रनियल्यौषाउनालामेंप्रनि

घल्यौंनदीमैवङ्कवतैंह्वाउाविटीनो वङ्कवज॰
वंवद्धिगयौसिंधुतटलैगयौतह्वांद्दविह्रुप
नृपवीनलीनो कल्यौंकविंविनयतमव्र।
लम्रनेनहोमछकोह्रुपकिहिंकाजकीनो
वेद्दविधिवद्दततमप्रलयदेषनकद्दततम
दोऊद्देनम्रवनावलीनो कवद्दूंवाराद्दनवसिं
वेकवद्दूभयौकवद्दंमैकछुह्रुपलीनो क॰
वद्दभयोगमवसदेवकवङ्कंभयौश्रोरवङ्कह्र
पहिनभक्तकीनो सातवैदिवसदिषगाउहो
प्रलयतहिंममसंषनावमैवेदिग्रावैं तोहि
वेदाउहेनाउमैंह्वाथगाहिवङ्कदिहमत्तानत॰
हिकहिमनावैं सर्वउकग्राउहेवङ्कवतम॰

सू.र
सा
१८०
187

रैनिकटनाहिसौंनोवममसूंगवोधो यहैः
कहिकैश्रेतरध्यानभयेमळुश्रभुनृपतनव
श्रापनैकर्मसाध्यो सानवैरिवसश्रायोनि
कटजलधजवनृपतिकर्यौंश्रवकहांनाव
पावै श्राइगईनावनवविघनितासौंकहींश्र
वहमनृपतितोकोववावै प्रुनिकर्यौंमळु
हरिश्रवकहांपाइयैरिघनकयौं ध्यानजि·
यमाहिथासौ मळुश्रक्मर्पनाटोरपरगट
भयनृपतियाविधिकहिकैउचार्यौं जोम
हाराजयाजलधतेपारकियौभवजलयहूपा
रकरोस्वामी प्रहंममतामोहिसहालागीव
हैमोहमदक्रोधजनमंदकामी कर्मसबहि

तेकरतनह्रोतनतह्रोउः खेतनवतनरूपरमूठना।
ह्रीसेभारत करनकारनमहाराजहैंश्रापही
ध्यानप्रभुकोनमननमोहियारत विनतमा·
रीह्रपागतिनहीनरतिकोंजानिमोहिश्राप
नेह्रपाकीजै जनमश्रकमरनमैंसदाउः
तिवनरहतदेहमोहितानजसदाजीजे मछ
भगवानप्रनतानकल्योंनृपतसोंभयोसप्र
गनसवजगतजान्यो लेहनृपतानकल्यों
श्रंषिध्रवसंट्तममछ्रनोकल्योंसोनृपतिमा
न्यो श्रंषिकोंसोलजवनृपतिदेख्योवद्गरक
ल्योहरिप्रलयमायादिषाई कल्योजतानभ
गवानसोंग्रानउरनृपतितिजग्रापुइहवि।

स्रा
सा
१८८

यिविनाई बहुरसंषासरमारिवेदस्रोनदिये

वनरमषविविथिग्रस्तनसनाई स्राकेग्र

भुकीनिमलीलामई सकैकहिकोनयदा

कलुकगाई ४८ इतिश्रीभागवतेमहापुरा

णेअष्टमस्कंधःसमाप्त ८ ॥

ग्रथरानाग्रहरवाकौसोनपैवेराग रागवि

लावल सकदेवकलौंसनोहोराव नारीना

मिनएकसभाव नागिनिकेकाटैविषहो

३ नारीविनवननररहोमोड नारीमोनर

प्रीनलगावै पैनारीनितिहमननहिंस्यावै

नारीसंगप्रीतजोकरै नारीनाहितरनपरहै

रै नृपतिएकसुहृत्रवाभयौ नारीसंगाहेत।
तिनलियौ नासौंउनकटुवचनसुनाये पै
ताकेमनउकछुनव्याप बढ्यौतैंहिउपज्यौं
वैराग भयोउरवसीकौंत्यागि हरिकौभक
करनगानपाई कहौंसुकथासुनौवितला
ई एकवारमहापरलयभयौ नारायणाश्र
सुहिरहिगयौ नारायणजलमैंरहेसोर
नाभिकल्यौंवढ्यौंजगहोइ नाभकमलतें
ब्रह्माभयौ तिनमनतेंमरीचकौंदयौ पुन॰
मरीचकस्यपउपजायौ कश्यपकौतियसू॰
र्यजायौ सूर्यजकेवैवस्वतभयौ सतहित॰
सोवसिष्ठपैगयौ ताकीनारिसुतनाहिनभा॰

सूर
सा
१८५
189

ध्यौ मनवसिष्टउपनैमनगाध्यौ रिषनृपसौं
जगविधकरवाई इलासुताताकैंगृहआई
नृपकह्यौंपुत्रहेतजगकियौ पुत्रीभईअबवर·
नसुजाभयौ रिषकह्यौगानीपुत्रीवह्नी मेरेम
नमैंसोइरह्नी तातेपुत्रीउपजीआइ कहिहैपु·
त्रताहिहरिराइ हरिनापुत्रीतैंसुनकह्यौं ना·
मसुद्युम्नताहिरिषधर्यौ एकदिवससुप्र·
षेटकगयौ जाइश्रवकावनतियभयौ सु·
थिकेश्रापसमसोपुनिआयौ तासोगंधर्वबिवा
हकरायौ बहुरौंएकपुत्रतिनजायौ नाम·
पुरूरवाताहिधरायौ पुनिसुद्युम्नवसिष्टसौं
कह्यौ अबवनमैंतियह्वैगयौ रिषसिवसौं

बहुबिनतीकरी नवसिवयहबानीउचरी
एकमासबहैहैनारी दूजैमासपुरुषआका
री नवसुद्युम्नअपनेगृहआयौ राजसमाज
मोहिसषपायौ तिनपुत्रीतिनओरउपये ट
छतराजकरनसंपदाये दूसरतनाकेउपजै
ओर भयौइछाकसबनसिरमौर सूर्यवंसी
सोकहवाए रामचंद्रतातीजलआए सोमवं
सपुरोरवातेंभयौं संकदेसनाकोंनृपदयौं
नाहीवंसलिषौकुसअवतार असरमारकि
यौसबनउधार पुरूरवागेहउरवसीआई त्रि
उबरूनतेंआपाहिपाई नृपतिदेषतिहिंमोहि
तभयौ तिनयहबचननृपतिसोंकह्यौं बिन

सू
सा
१९०

190

तिनकाल न गनत नहि हैहौ बड़ सम समेठनिकौं

कहूं नषोवड़ नवलैमैतमैरैसेगकरौ वव:

नभैगभयैनेपरहौं नृपतिकहौंतमकहौम

कोरहौ तमरीश्रुतामैंश्रनुमरहौं नासोमिल

नृपवड़सषमानै षष्टुउनासोउनपाने स्र

पुरसौंगंधर्वपुनिश्राये उरवसीसोयहवचन

स्रनाए श्रवनमेंइहलोककौंवलो तमवि

नस्रपुरलगाननभलो तिनैउरवसीकह्यौ

याभाउ ववलवलकारिमकौनोलोजाउ सम

वलिवेकोयहहैउपाउ ववलकरमेठनितनि

लैधाए सोवतनृपउरवसीजगाये समसें

ठनिकौंलैगधोकोइ देषौतमषोलषपति

हिजोई सूर्यनिसानृपतांकोधायौ पैमेंतन
कोंकहूनपायौ इनउनदेषनृपनिजवश्रा·
यौ नवउरवसीयहूववनमेनायौ राजाव·
वनतमारोटरसौं तांतेमैंतमकोंपरहसौं
यहकहकैसोवलीपराइ जैसेनडिनप्रकास
हिमाइ ताकेविरहनृपतवडूनायौ नगन
नगनतापाछैगाटसौं भ्रमतभ्रमतवडूभ्रम
नृपपायौ वडूरोंकरूतेउमैश्रायौ उहांउरव
सीसषिमसमेत श्राइंगाइंप्रगानकेहेत पैइ।
नकोंकोऊदेषेनांहि इनकोंसकललोगट
हसांहिं उरवसीसोंतिलोतमाकह्यौ कौन।
पुरूषनतमभूमेलसौं ताकीदिषनकीमोहि

रा
मा
१११
191

वाहि कसौंउक्रमषवहृष्टाठौश्राहि नृपको
टेहिसविसैभई कसौंविरहृतवनृपसुय
गाई वङ्गतङ्षितहृतेरेनेहृ एकवारहि
दरसनदेहृ तिनमायाश्राकरषनकरी त
ववहृरषिनृपतकेपरी राजानिरषवुझ
लितभयो मानोमृतकवङ्गरजिवलियो
उरवसीनिकटनृपतवलश्रायो करवि॰
नतीयहृवचनसुनायो तैमोकौंकाहेंवि॰
सरायो मैंतमतिनवङ्गतेदुषपायो तम
विनभूषनीरतंहीश्रावे पलपलजुगसम
मोहविहावे मेरेगृहहकिरपाकरिवलौ मा
रीविथमोमोहिलमिलो कहीनेहहम॰

कामसोंप्राह् विनाकामसहमसेनहिंवाह्
हमसोंसहंसवरषहितकै हमतिंहिंवि
नक्रमाहपरहरै विनग्रपरायपुरुषहम।
मौरै मायामोहनमनमैंधरै हमैकहोके·
नोकिनकोई वाहैकरनकहैहमसोर नृप
पुनविननीबह्वविधिकरी नवउरवसीवा·
नीउचरी वर्षसमवीतेंमैंप्रोहैं एकरातनो
कौंसघटैहैं वर्षसमवीतैसोप्राई नृपतासों
मिलरैनविनाइ प्रातहोनवलिवेकोंवलौं
नवराजानासोंयोकल्यौं हमकोंछाउंकन·
जान सोकोंनोविनुछिननविहान जवया·
भोंनिनृपतिनहुकल्यो नवउरवसीउनरायर

सा॰ दयौ । यहतोहोनहारहैनाही । हरगुरध्यावितु
मा॰ वैरहमाही । मोतममेरीइछाधरो । गंधर्वनि·
१५२ केहिततपकरौं । तपकीनेतेरहेत्याग । ताही·
172 मौतमकोजोजाग । जगकियेगंधर्वलोकसि
धैहो । तहांआईमोकोतमपैहो । नृपजतकर
तैंहिलोकसिधायौ । मिलउरवसीवहुतसुख·
पायौ । जवयाविधिवहुकालविनायौ । तवै·
वैरागनृपतिमनआयौ । वहुतैकालभोगमै
किये । पैमनतोषनआयोहिये । श्रीनारायण·
कौविसरायौ । तिहहेतमवजनमगवायौ
याविधिजनवरकनृपभयौ । छाडउरवसीव
नकोंगयौ । वनमैजाइतपस्याकरी । विषय·

वासनासबपरहरी हरिपदसौंनृपध्यानल
गायौ मिथ्यातनकौमोहिभुलायौ हरिब्य
पकसबजगमैंजान हरिप्रसादपायौनिरब
न नातैंत्रधनिसंगतितजें श्रीनारायणको
नितभजैं सकजैसैंनृपकोंसमझायौ सुर
दाससौंहौकहिगायौ १५ व्यासनरिषिकौक
थ्या विलावल सकदेवकह्योमनोहोराव
जैसेहैहरिभजनप्रभाव हरिकौभजनकरै
सोकोइ जगमसुषपाइसकलहैसोइ व्यासन
रिषीसरवद्रुतपकियौ नाससमेंओरजगतन
हिकियौ बांबीताकौलियौलुषपाइ तातैरिष
नहीरहेइरिषाइ ताप्रापसमसंजोतनृपगायौ

सूर
सा
१९३

193

तहांजाइकैडेराद्यौ छाडिनहींसवराजसमा
ज राजागयौअषेटककाज नृपकेंन्यातहां
षेलनगई रिषिदृगाचमकनदेषनगई पैति
हिंरिषिदृगजानेनाहि षेलनसूलट्येतामा
हि हयिरथाररिषआश्रषनठरी नृपकेंन्या
सोदेषनउरी सूलविष्यासवलोगनगई रा
नाकन्यौंकहाभयौवई तहांकेवासीनृपन
वुलाये सूपयौतववेहकन्यौंवुफाये व्यव
नरिषाश्रमस्योंहैराइ करौवेननीउनसोंजा
इ नृपधोजनरिषआश्रमआयौ रिषदृगाडे
षनबहूनउरायौ कन्यौंकियौकिनश्रमो
काज कन्याकन्यौंमनोमहाराज मोतेवि

नसानैघटभई विषकेहगनमूलमैंदई नृ
पमनहीमनवड़पछतायौ विषसोंभुनय·
हववनसुनायौ महाराजतमनोहोसाध
ममकंन्यातैभयोअपराध याकेंन्याकोंअभ
नमवौ कटकमूलकरपाकरिहौ लो।
कसकलनीकोजवभयौ नृपकंन्यादेशूह
कोगयौ विषसमाधहरिवरनलगाई कं·
न्याविषवरननिलवलाई सुरपतिताकेह
पलभायौ वहुरकुमेरतहांवलिआयौ पै
तिहिंहिसुतिनदेष्योनांहि गयविसमायरो·
कुमनमांह चौटहवरषभयेयाभांई तव
तिषदेष्योसीसउटाइ हाउवामतनपराहि

सू सा
१९४
194

गये कृपावंतरिषतापरभये स्रषनीकहत।
तिहिंश्रौसरश्रायौ करिश्रतापयहवचनक॰
नायौ जोकछुश्रनामोकौंहोइ छाडिविलं
वकरौंश्रवसोइ कह्यौंहगनिकोकरौंउपाइ
वरततेमश्रततिहियेवनाइ कह्यौमैजनभाग
वंहीपावत वैरनाविसहिरिषवहिरावन
रिषकह्यौमैकरहौंजहांजात देहौंतोहिश्र
वसकैभाग नृपकंन्यासौरिषयौकह्यौ तो॰
रूपरश्रसत्रमैभयौ जद्यपिनहिंइछाकछु।
मेरैं तद्यपिउपाइकरौंहिततेरे दोऊमिलत्नी
रथमोहिंश्रन्हाय मंटरकृपटोऊजनपाय
हासीमहंमश्रगटहसांमइ इहलोकरवना।

रिषदई तियकों स्पर्षरिषवद्धविधिदये ना
संमनोरथपूरनकिये नवग्रजातरानीसों
कही जवतेंकेन्यारिषकोंदई नवतीस्वध
कछुनहीपाई विनप्रसंगनहोंगयोनजाई
जनप्रवंभकरिनृपनहोंगयो देषिरिषाश्र
मविस्मैभयो कह्योंयहविभयकहांतेंआ
ई किनयहश्रेसीवनतवनाई यहिस्रेंतर
नृपननयात्राई पितादेषिमेलवेकोधाई
नृपनाकोंआदरनहींदियो तैयहकर्मको·
नंयहकियो हृहरिषीस्वरकोकहांभयो
कलंकलंककनैकिहिंमिलदयो कह्योंजो
गवलोरिषमवकोनो स्हिस्वपमकलभां

सुरा
मा
१९५
195

नकरिदीनौ नृपश्रमतहैरिषपैश्रायौ जन
श्रसंगभाषगृहल्यायौ रानीसुनताहैषिसुष
मान्यौ धन्यजनमश्रपनोकरजान्यौ च्याव
ननृपतिकौंजनकायौ श्रपनीसुनहित
भागउठायौ ईटकोपहैरिषसौकह्यौं बा
हिभागतमकाहेटयौ पुनमारनकौंवस्त्र
उठायौ पैरिषकौंमारननहिपायौ ईटा
थकुपरहिगह्यौ तिनकह्यौटईकहायह
भयौ कह्यौमरननभोरिषिहिसंतायौ ता
नैकरिरहिगयेउचायौ ईटविनिपरिषसौं
वहुकरी नवरिषकृपानाहिपरकी सुप
पतिकैरैजवनीवैश्रायौ श्रपनीसुनवलहि

रमैपायौ यैसोहैहरिभक्तप्रभाव वरनंक
त्यौमैंतमसोराउ हरिकौभक्तकैजोको
ई उहेलोककोसुषतैंहिलोर सकजोनृप
कोकहिसमझायौ सुरदासन्योहीकहिग
यौ १९ राजाअंबरीसकथावर्नन रागभैरो
हरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरनार
विंदउरधरौ हरिचरननअंबरीसचितला·
यौ विषसरापतैंताहिबचायौ विषकोता·
पैफेरपठयौ सकनृपसोयहकहिसम·
झायौ अंबरीसराजाहरिभक्त रहैसदाह·
रिपदअनुरक्त पावनकोरतनसुमरनक
रै परसेवनअर्चनउरधरै वटनदासापन

सू॰ सा १९८ 196 मौकौ भक्तनसुषहिभावश्रुजसौ काइनि
वेदनसदाउवारै प्रेमसहितनवधाविस्ता
रै नौमीनेमभलीविधिकरै दसमीकौसं
यमविस्तरै एकादसीकौरनिराहार द्वाद·
सियौपोषैलैआहार · पतिव्रतानानृपकी·
नारी अहनिसिपतिकीअज्ञाकारी इंद्रीस
सकौंरोकत्यागा धरैसदाहरिपदअनुराग
प्रेमसौंविधिपूजैहरिसदा हरिहितलावैस
वसंपदा राजकाजकछुमननहिंधरै व
हुदरमनरछ्याकरै द्वौहैकद्वादसीजा·
नि दिषआयौकियौनृपमनमान कल्यौं
भोजनकीजैदिषराउ दिषकत्यौंआवतहैं

मैन्हाइ यह्कद्कैंरिषगेश्रन्हान काल·
विनायोकरतश्रम्मान राजाकलोकह्राश्र
वकीजै विश्रकलोचरनोट्कलीजै राजा
तवकरिटैषैज्ञान याविधहोइनरिषश्रप·
मान लैचरनोट्कनिजव्रतसाध्यौ श्रैसी·
विधिहरिकोंश्रारध्यौं इहिश्रंतरउरवासा·
श्राप श्रंवरीषसोंवचनमनाये मनराजा·
तेरीव्रनटस्यौ कैंसोंकरतेरेभोजनकरौ क
स्यौंनृपतमनायेरिषराइ मैव्रतह्रितकि·
यौउपाइ चरनोट्कलैव्रतश्रतपास्यौ श्रव
लोश्रन्ननमषषमैउास्यौं रिषकरक्रोधयद·
जटाउपारी सोकन्याभईज्वालाभारी जव

स्व
मा
१५०
197

नृपऔरहठुनकरी चक्रसुदरसोसंहारी
पुनिरिषहूंकौंजारनलागयौ नवरिषआप
नजीलैभागयौ ब्रह्माहरलोकहूगयौ उन
हूनाहिअभयनहीनयौ वद्रुरौरिषवैकुंठ ।
सिधायौ करतप्रनामयहवचनसुनायौ
मैंअपराधभक्तकोकियौ चक्रसुदरसनअ
तिदुषदियौ औरकहूमैठौरनपायौ अस
रनसरनजानकैआयौ महाराजअवरछ्या
कीजै मोकोजरतराषअभुलीजै हरिजू
कह्यौंसुनोरिषराइ मोपैतहिराष्योनहिजा
इ तैअपराधभक्तकोकीनौं मैंनिजभक्त
निकेआधीनौं ममहितभक्तसकलसुषदान

जै श्रीरसकलतजमोकोभजै विनसमश्र
धेननउनकैश्रासा परमदयालसदासमा।
हासा उनकीमननाहींसद्याई नांतैंकहौंउ
नहींमोंजाइ ह्यांराजाश्रतिहींडघलयौ वि
षमसहारनैफिरगयौं विषमराजोहतवर
षविनायौ पैंभोजननौहूंनसिरायौ श्रृंवरी
षपैनवरिषश्रायौ हाथजोरतवसीसनिवा
यौ विषकोदेषनृपकह्योयाभाइ लेझस
दरसनघाहूवचाइ श्रालमएहरिहरिभक्तपि
यारै नांतैश्रवयाकोमनजारौ वकसदर·
सनसीतलभयौ श्रभयदानउरवासालयौं
पुननृपतिहिंभोजनकरवायौ विषनृप।

सूर सा १९८ 198

सोयह्ववनसहनायौ मैंनंहीभक्तमहानम:
जानौ अवमैंभलीभांतपहिचानौ सुक:
राजासौंयोसमझायौ सुरदासन्योहीकहगा
यौ जोयहलीलासुनेसुनावै सोहरिभक्त:
पाइसुषपावै ९ रागगूजरी फिरनफिरन
वलहीनभयौ कहाकरौंइहिजासकुपानि
धिजपतपकोअभिमानगयौं धायोदूरस:
नेसैलविटिमटिसतद्रोवक्रहूवाहिलियौ
जाच्यौंसिवविरंचसुरपतिसवकाहूनेउन
सरनदियौ भाज्योफिर्यौलोकलोकनमैं:
पत्रपुराननपवनदयौ सुरदासप्रभुदीनजन
नपुनतवनिजजनसरनमापनदयौ ९ सोम

भरिषकीकथावर्नन विलावल सकदे

वकस्यौंसुनोहोराव जैसोहैहरिभक्तप्रभाव

हरिकोभजनकरैजोकोई जगसुषपाइस·

कलहैसोई सोभरिरिषजमनानटगयो त·

होमवइकटैषतभयो सहतक्रटंवसकीरा

कैरै अतिउनसाहहहैमैंधरै ताहिदेषकेरिष

मनआई गृहस्थाश्रमहैश्रेतसुषदाई नपत१

त्रिकैगृहस्थाश्रमकरौं कन्यापकनृपतकी

वरौं कह्यौंमानधातासोजाइ पुत्रीएकदेहु

ममराइ नृपकह्योदेषहहुरिषदेह हैपंचा

सपुत्रीममगेहु अंतहपुरभीतरतमजाहु व

रतमैंमोदेहुविवाहु नवरिषमनमैंकियो·

सूर
सा
१५५

199

विचार वृंदपुहुपकोबैठेननार नयवलकि
यौंहपद्रतसेंदर गयोनहोंजहांनृपकोंसद
र सबकेंमोसोंभरकोंबकौं विद्यविवाहस
बहुनसोंकसौं विद्यतिनकेहितगोहवना
ये तिनकैभीनरवागलगाये भोगसमग्री
भरेभंडार दासीदासबानननहीपार विष
तिनमिलबहुसुघपाये सहेसपंचासपुत्रउ
पजाये तिनकेबहुतभईसेनान कहांलौं
तिनकौंकरोंबषान बहुतकालयाभांत
वितायौ पैरिषतनमसंतोषनआयौ कहौवि
षयंतेतृपतिनहोई केतोभोगकरोकिनकोई
र यादिचिजनवउपजीवैराग बनतपकों

किनेंजननमाता सुनारिनसहगामिनकि
यौ हरिजनताकौंनिजपददियौ तांतेंडुय।
हरिसेवाकरै हरिचरननितहींचितधरैं
सकनृपसौंज्यौंकहिसमझायौ सूरदास
ज्यौंहीकहिगायौ ५५ श्रीगंगाभूलोकआग
नकथा रागभैरौ सुकदेवकह्यौसुनोन
रनारि गंगाज्यौंआईभुवमाहि कहौंसुक
थासुनोचितलाइ सुनैसुभवतरहरिपुर
जाई सममजज्ञसगरजवठ्यौ इंद्रअस्व।
कौहरिलैगयौ कपिलाश्रमलैताकौराख्यौं
सगरसुतननवनृपसौंभाष्यौं हमसबलें
कमोहिफिरआये सोजअस्वकोनहिंपा

स्रा
सा
१००
200

ये अस्वा होइ जाहिं पाताल जाइ तहीं भाषे
भूपाल तिनके षोटे सागर भए कपिल आ
षाम तै मुनि गाये अस्व देष कलौं धावहु था
वहु भाग जाइ मत विलवन लावहु कपि
ल कहे लाहल सुन अकुलायो कोप दृष्टि कं
तिन हिं जरायो सागर नृपत जव यह सु
धपाई अंसमान कौं दियो पठाई तिनि कपि
ल स्तुति वहु विधि कीनी कपि ता हिय दह
अस्वा दीनी जग के हेत अस्व इह लेहु भ्रात
तमारे भये सुघेदु सुरसरी जव भू ऊपर आ
वै उनको अपनौं जल परसावै तव ही उन
सव की गति होइ ता विन औरउ पाइन कोई

सुखल्याइजगपूरनकियौ श्रेस्मानराजा·
पुनभयौ श्रेस्मानपुनराजविहार गंगा·
हितकियोनपजाइ याहीविधिदिलीपनप
कियौ पैगंगाजूवरनहीदियौ भागीरथज
बबहुतपकियौ तबगंगाजूदरसनदियौ
कह्यौमनोरथपूरनकरौ पैमैजवआकास
तेपरौ मोकोंकोनधारनाकरै नृपकह्यौ
संकरतमकोंधरै तबनृपसिवकीसेवा·
कीनी सिवप्रसन्नहोइप्रतनादीनी गंगासो
नृपप्राइस्तनाइ तबगंगाजूभूमैआइ साठ
सहस्रसगरकेपुत्र कीनेसरसरीसरतप·
वित्र गंगाप्रवाहिमोहिजोन्हाइ सोपवित्र

सू
सा
१०१
201

हैहरिगुरजाइ गंगाइहविधिभूपुरआई नृप
मैनमसोभाषसुनाइ सुनृपसोज्यौंकहिस
मझायौ सुररामस्यौंहीकहिगायौ २ श्रीगं
गाविमलपादोदकोअनूलनवनेन रागविला
वल हरिपदकमलकोमकरंद मलिनमत
मनमधुपपरिहरिविषयनीरसफंद परम
सीलजानिसंकरसिरधरीतजवंद नाकस
रवसुलैनवारौसुरसरीकोविंद अमृतहूतैं
अमलअतिगुनअवतनिधिआनंद सुरती
नौलोकपरसोसुरअसुरजसछंद ४ राग
भैरो जयजयजयजयजयमाधववेनी जगादि
नअगरकरीकरुणामयअगतनकोंगतदै

नी जानकटिनक लकालकटिन्पसंग·
सनीग्रहसैनी जनुनारगितरखारत्रिविक
मंथरकरकोपदुपैनी मेरुमूटवरखारिपा·
लखिनवडूनविसकेलैनी सोभितझेगनर
गत्रिसंगमधरीधारश्रतिपैनी टरसनहूना
मैजमसेनकजिमनहूगालकसैनी पक
हीनामलेनसवभाजैंपीरसभूमिरसैनी जा
मलनइनिरघसनमघहूसंदरसैनावैनी
सुरपरसपरकरनऊलाहूलगरसकपदृगा
वैनी २२ रागबिलावल गंगानरंगाविलो
कननैंन श्रतिगुनीनविसपाटोदकमदि·
मानिगामपढनगनवैन परमपवित्रमम

स्र
मा
१०२
202

कीरतनाभागीरथहिभईवरदैन द्वारसवर
षमेरनिसवासरतनवसेकरभाषीहैलैन त्रि
भुवनहारिसिंगारभगवतीसलिलवगावर·
नमकैपैन सूरजैंदासविधाताकेनपग्रगट
भपसंतनसुषदैन १३ श्रीपरसरामप्रव
नारवनैन रागविलावल ज्यौंभयोपरस·
रामप्रवतार कहौंसकथासनोचितधार
सहेसवाहुरवेवेसीभयो सरनागटरकरि
नसोगयो· निजभुजवलतेंहिसरनागही
पठिगयौजलनवगावनकही नृपनमद
ससोकरोलराई कह्यौंकरीमेध्यानविनाई
वहुरौक्रुधिवंतजड्लयो सहेसवाहुतव

नोकौंगह्यौं वद्रौंनृपकरिकैमध्यान री
नौनोकोल्ह्योड्डिनिदान फिरिनृपजामद·
ग्नश्राश्रमस्रायो कामधेनवलकरिलैयो·
यौ परसरामजववयहसुधपाई मासैनाहि
नरतहीधाई ताकीसुतनिजमदग्निमास्यौ
परसरामरैनकाहूकास्यौ मारेछत्रीइकई
सवार यौभयौपरसरामअवतार २८ राग
धनासिरी परसरामजमदग्निगेहलीनौअ
वतारा मातानाकेजमनजललैनगईइक·
वारा लागीतहांस्ववारनेहिरिषिकरिको
धअपार परसरामसोयोकह्यौमाताकौंवे
गिसंहारि श्रौरसुवननवकह्योंपितानि१

रा
मा
१०३
203

काजियैछैसी क्रोधवंतनिषिकलौंकरौश्रि
हिहुकौवैसी परमरामतिनिहिमवनिकौंमा
लौषउगाश्रिहारि निषिकलौंहोश्रमनवर
मोगोटेंउक्रमार परमरामनवकलौयहैव
रहैलौंनानश्रव जानीनाहीमपफेरकैंजी
वैपमव निषिकलौयहवरहियोमेंइनकौ
देइउटार परमरामउनकोटियोसोवतम
नोजगाय परमरामवननगयेलहोदिनवइ
नलगाय महमवाइनेंहिमसैजमरगान
श्राश्रमश्राप कामदेनजमरश्रकौलैगयो
नृपतिखिनार परमराममोवलविधिटियै
वमांनमनार परमराममनपिनावन

नोकोमेघास्यौ कामधेनुदईग्रानववन·
रिषिकोग्रुनिपास्यौं सहसवाहुकेहनन
ग्रुनजववराषीयातलगाइ परसरामजव·
वनगयेमाहयौंरिषिकौंधाइ रिषिकेपहग
निदेषिरेनिकारोइप्रकारी परसरामन·
मग्राइलगानकौनंह्रीगुहारी पहस्रनकै
ग्रायेनरनमास्यौतिनैप्रवार वहुरौंजिप
धरक्षोपहृतेक्षत्रीइकईसवार जगहराज
हैगयौरिषनतवग्रनतुषपायौ लैफिरिषी
केदानननाहिपुनवनहिपठायौ वहुरराज
दयोक्षत्रपतिभयौरिषनग्रानंद सूरदास·
पावनहरषगावतगुनगोविंद २५ रागवि

सूर लीवल हरिहरिहरिहरिसुमननरनकौ ह
सा रिवरनारविंदउरधरौं जयसुखहविजयपार
१०८ षदटोई विश्रमनापश्रमरभयेसोई एक
204 वागाहहूपधरिमासौं इकनरसिवहूपसे
वारौ रावनकेमकरनहोउभये रामजन·
मतिनकेहितलये दसरथनृपनअजोध्या
राव जाकेगृहकियौपराउभांव नृपसोसौं
सकटेवसनायौ सुरदामसौंहीकहिगा·
यौ २९ वालकांडश्रीरामचरितवर्नन राग
कान्हरा आजदसरथकेआंगनभीर भुव·
केभारउतारनकारनप्रगटेस्यामसरीर सु
लफिरनअजोध्यावासीगननतनत्यागतवीर

परिरंभनहृसिदेतपरमपरआनंदनैननि·
नीर त्रिदिसिनृपतिरिषिच्यौमविमाननि
देषतरहैहैनधीर त्रिभुवननाथदयालदर·
सदैहहीसवनिकेपीर देतदानराच्योनभू
पकल्हमहावडेनगहीर भयनिहालसूर·
सभजावकजेजावेरकवीर २० रागका
नृरा अजोध्यावाजतअजवधाई गार्भस
च्यौकौसिल्यामातारामवंदनिधिआई गा
वैसषीपरमपरमंगलरिषिअभिषेककरा
ई भीरभईदसरथकीआंगनसामवेदधुनि
गाई सूछिनरिषाहिअजोध्याकोपतिहिक
हियेजननमगगाई ओंसवारनौंमीतिथिनी

स्र कीबौटहभवनवडाई चारमुत्रदशारथके
सा उपजेतिनिहिंलोकठकुराई सदासर्वदाराज·
२०५ रामकोसूरदासनहिंपाई १८ रागकानूडा
एकअलमगटैहेरकबीर देसदेसतेछीका
आयेरतनकनकमणिहीर घरघरमंगा
लहोतवधाईअतिघरवासिनभीर आनंद
मगनमयेसवडोलतकछुनसोटसरीर
मागधवंदीसूतलुटायेगावगायेदहघहीर
देतअसीससूरचिरजीवोरामचंद्ररनधीर
रागविलावल करतलसोभितवानधनै
यां घेलतफिरतकनकमयअंगनपहिरैं
लालपनैहियां दसरथकोसल्याकेआगे।

लसतसुमनकीछैयां मानोबारहंससबब
रमैंवैठेश्रा३सिद्धियां रकक्रमदवंद्विता
मणिश्रगटेभूतलमहियां यदैहीनश्रा३रषु
कुलकौंश्रानंदनिधिसवगाहियां पसुघती
नलोकमैंनाहींसोपायेप्रभुपाहियां सूरदा
सप्रभुबालभक्तकोनिरवाहतदैवाहियां ३०
रागविलावल धनुहींबानलियेकरडोल।
न चारौंवीरसंगइकसोभितवचनमनोह
रवोलत कछुमनभरतशत्रुघनसंदरग
जीवलोचनराम श्रुतकमसमारपरमगुरु॰
धारषमत्तधर्मपथनधाम कटतटपीतपि
छौरीबांधेंकाकपच्छसिरसीस सरकीरा

206

तसीसनाइश्रासीसपठी भईदेहजोषेह·
कर्मवसन्योंनदीगंगाश्रुनलटठी स्नरट
सश्रुरिह्स्नधानियिमानोंफिरिवनाइ·
गठी ३३ सीतावचनसुषीअति रागमा
रेगा विनैरघुनाथवदनकोओर रकपत·
सेंश्रवनेमह्मारोविधिसोकरतनिहोर
यह्श्रातिउमहिपिनाकपिनाश्रनरायववै
साकिसोर अहिनेहीरघधनुषवढेकेयोंय
ह्सषीमंमसयमोर सीयश्रंदेमजानिसुस्न
श्रुलिषीकरजकोकोर हुटनधनुनृप·
लकेजहांतहांज्योंतारागनभोर ३४ राग
सांवेग महाराजदमरथतहांये वैदेनाइ

ह्र.र
सा
२०१
१०७

जनकमंदरमैंमोतिनचौकपुराये विपलगे
धुनिवेदउचारनजुवतिनमंगलगाये ह्र
गंधर्वगानकोटिकआयेगागानविवाननिछा
प रामलषमनभ्रतभरतनसत्रुघनव्याहति
रषसहषपाये स्वरमयोआनंदनृपतिमतुदि
वैडंउभीवजाय ३५ रागआसावरी करक
पैकंनकनंरीलूटै रामसपरसमयानभ
येकोतकनिरषसषीसषजूटै गावतना
रिगारिमवैहैंनानभातकीकोनवलावै
नवकरगोरलूटैरघुपतिजुजवकोंसिल्या
माउमुलावै धुंगीफलजुनजलनिर्मल
धरिआनिमतिकेंरीजनकनककी थेलन।

जूपजगलजवतिजुमैंद्वारेरघुपतजीतीज·
नककी थरैनिसानअजिरगृहमंगलवि
प्रवेरअभिषेककरायौ सूरअमितआनंद
क्रमलधरमोईसकदेवगुनगनिगायौ ३५
रागानर ललितगातिराजतअतिरकवीर
नृपतिसभामध्यभपदाढेजगलहंसमति
धीर अलषअनंतअमितमहिमावलिकटि
कसरषोतनीर लकयनुकाकपक्षसिर
सोभितइकहेहेनीर भूषिनविविधिविस·
दंषवरजतसंहरस्यामसरीर देषतमदित
चरनपसैसरषोमविमाननभीर प्रसटि
तजननिरषतसषप्रेजविगतनैनमन।

धीर नातकटिनप्रनमानिजालिनिजियजन
कस्तनाश्वाधीर करुणामयजववापलि॰
धोकरवांधिसहटकटचीर भवभूतसीस
नमितगार्भगतपावकसेश्योनीर तुलतमः
हीथरभवफणापतिचलिक्रूरमशलिस्कः
लीन दिग्गजवलनषलितस्तनश्राममनेड़ा
टिकभयमान रविमगातज्योतरफिनाकी
श्रुतिउनपथ्यगायेकिक्वांन स्विवाविरंवया
फलभयेथुनस्तनिजवतोस्योंभगवान भग
नमहूप्रगटतश्रुतिप्रजुतग्रहहिस्तानभगू
श्रवनहीनसनभणग्रहफलनागवगारभः
येहूर ग्रहश्रवनहूरनचलासनरानस्मः

रवउघर मोहनसकलसथानजानिजिय·
महाप्रलयकोसूर पानग्रहनरघुवरव·
रकीनोजनकसुनासुघटीन जयजयधु
निसानिकरतसुमरगानननरनारीलिवली·
न उछनउछसंतसंतनिकौंनृपअतछरन·
कीन रामचंदटसरथहिविदाकरिसुरटा
सअधीन ३७ रागसारंग दसरथवलेअ
वधआनंदन जनकराइवइटाइजटैकर·
वारवारपगावंदन ननयाजातनजसोंसम
दिननैननीरभरिआप सुरदासटसरथअ
नंदचलेनिसानवजाय ३८ रागसारंग प
रसरामनिःहिंश्रोसरआयो कठिननिपिनाक

सूर
सा
२०५
209

कसौंकिनतोसौंक्रोधवंतयहववनसूना
यौ विप्रजानरघुवीरधीरहोरुह्याघजोर॰
सिरनायौ वहुतदिननकोइनोउगातनह्
यखवतउदिग्रायौ ब्रमतोहिजकलपुञ्
ह्मारेहमब्रमकौनलराई क्रोधवंतकह्
सम्यौनहीलियौसायकधनुकवछाई न
वहुरकपतिक्रोधनकीनोधनुषवानसं।
भारौ स्वरसमप्रभूहृपसमकपुनिपरस
रामपगधासौं ३९ सारंग प्रवधिपुरद्राप
दसवयधाई रामलखमनरुक्रुभरतसत्रुघ
नसौंभनवावौंभई पुरनिनिमानसुरंग॰
मंगधुनिभेरकौंकसहनाई उमगेलोगन

गनकेनिरषतश्रुतसुषसवहिनपाई कौ
सल्याआदिकमहनारीआरतीकरनवना
ई यहसुषनिरषसुदिनसुरनरमनिहर·
हासबलजाई ५. रागसारंग महाराजदस
रथमनधारी अवधपुरीकोराजरामदेली·
जैवनवनचारी यहसुनिबोलेनारिकेकरै
प्रभुलीवचनसंभारो चौदहबरषरहैंवनरा
चवछत्रभरतसिरदारो यहसुननृपतम·
यौसुनिव्याकुलकहतकछूनहिआई सूर
रहेसमझफारवदनपैकेकईहटनईजाई ५२
रागकान्हरा महाराजदसरथपुनसोवत
हारकनाथलषनवैदेहीसमसरिसमसरिया

सूर
सा
२१०
210

नरोवत तियाचरितमयमनन समकितउ
दिग्रछालमसषधोवत महाविपरीनरीत।
कबुछो रैवारबारमसषजोवत परमऊतुद
कल्यौनहीमममफनरामलछनडुंकराय
कौसल्याभ्रतिपरमहीनहूनैननीरभरिग्र
य विह्वलतनमनचकितभईमनसाभ्रत
छमपनाय गारगारकेटमरकौसलपुर।
मोरमनननतुछपाये ८२ रामकानृप फिर
फिरनृपतवलावनवान कहोसममनक'
हामनलपटीश्रानजीवनकैसेंबनजात
हाहारामलछमनप्रकसीनाफलभोजनउ
उमावैपान हैविधीगामिरजरायथैंतुमव।

मेभसमझबगावत बिनरथहूढडेमहेड
षमारगाबिनपद्त्रानचलेदोऊभ्रात ३२।
बिधिसोबंकरतनश्रतहीनृपजानकीश्रोर·
दिषबिलषात इतनीसुननतसिमटसब।
श्रापश्रेमसमहितधाईश्रसपात नादिनसु:
रसहिरसबबाकिनसबलसनेहतज्योपि।
तेमात ४३ कैकईबबनघ्रीरामप्रति राग
सारंग सक्षबनिकहतनहीमहाराज बौ
दहबरषलमाहिबनदीनोममसुतकोंनिज
राज नबश्राघुमसिरधरिरकनाइककों·
सिल्पायेश्राये सीसनाइबनश्रतामागी·
सारसनतडषपाये ४४ रागसारंग रक

सूर
सा
२११

211

नाथपियारेआजरहोहोवारिजासविसराम
हमारेंछिनछिनमोहेवचनकहोहो तृषा
होइवरवचनहमारोकेकईजीयकलेस
होहो आवरहेंअवछाडिकमलघरआनजी
वनकतचलनकहेंहो विछुरनआनपयान
करेंगेंरहोआजपुनिपंथगहेंहो अवसूरज
दिनदरसनदुर्लभकलपकमलकरकंठग
हेंहो ४५ रागगूजरी नमजानकीजनक
पुरजावहु कहोआइहमसंगभरिमहोव
नउषसिंधुअथाहु नजिवरजनकराजभो
जनसुषकनतनननतवपविपनफलषेंहो
ग्रीषमवरनकमलकमलैंहेनजिसवति

कटहूरकतनैहौ जिनकछुहूयासोवम·
नकरिहोमातपितासुषदैहौ तमफिरहैं
संगमेरोतैजोवनसपछुतैहो होनहो३क
मेंकृतरेषाकरहौंनातवचननिरवाहु सुर
समजौपतिव्रनरापौसंगवलौजिनजाहु ५९
रागकेदारा श्रैसीजियजिनथयौरकरा३ त
मसोप्रभुतजिमोसीदासीव्रननकहूंसमा३
तमरोहूपव्रनूपभानुजैंजवनैननिभरिदे
षौ नाव्हिनहिदैकमलपरिफुलतजीवत
जनममफलकरिलेषौ तमरेवरनकम
लसुषसागरयहूव्रनहौंप्रतिपलिहौं सुर
सकलसुषछांडिश्रापनौवनविपदासंग

सूर
सा
२१२
212

बलिहौं ५७ रागगूजरी लछमननिज
प्रनहिसिधारौ बिछुरनभेंटहेंङलघुबंधु।
जियतनजैहैंसूलतमारौ यहभावीकछु।
औरकाजहैसबकोजयाकोमेटनहारौ लछ
मनकैसबवज्ञानृपकीयहदूषनतेआगेभा
रौ याकौकहायरेषौहूरषौमधुछीलरमा।
लनापतिषारौ सुरसमिसरामश्रेकरीजियो।
कौसल्यापरिनामहमारौ ५८ रागसारंग
लछमननैननीरभरिआये ऊमरकहतक
छुनंहीआवतरह्यौंबरनलपटाये श्रंतर।
नामीप्रीतजानकैलछमनलीनोसाथ सु
ररामरकनाथचलिवनपितावचनपरि।

सा॰घ॰ ४९ रागसारंग गंगातट आये श्रीराम
तहां पषान रूप पग परसी गौतम रिष की वा
म गई अकास देव तन धरि कै अति सुंदर अ॰
भिराम सूरदास प्रभु पतित उधारन विरद ।
कित कद्रहूं काम ५० रागमारू लै भैया षे
वट लैउ तराई रघुपति महाराज इत ठाढे तै
कत नांउ उड़ाई अबहिं सिला ते भई देव ना ।
निज वंदौ चरन छुवाई होकहुं वकै से प्रति
पारौ वसी पहहै जाई जाके चरनै रीन के म॰
हिमा सानि यत अथिक वड़ाई सूरदास प्रभु
अगनित महिमा वेद पुरानन गाई ५१ राग
कान्हरा नवका नाही होलौ आऊं प्रगट प्र

सू॰ सा॰ २१३ 213

तापचरनकौंदेष्यौनाहिंकहालौंगाऊं कृपा
सिंधपैषेवटग्रासौकंपनकरनसुवान चर
नपरसिपाषानउडनहैंमनवैरीउडिजात जो
यहवपुहोईकाहूकौदासमहूपधरै छूटन।
देहजाइमलतानजिपगासोपरसकौं मेरी
सकलजीवकायामेरकपतिमंत्रनकीजै
सूरदासजौवछौप्रभुपाछैचरनपषारनदी
जै ५२ रागरामकली मेरीनवकाजिनबा
ढौंत्रिभुवनपतिराइं मोटेषतथाहूनउडेमे
रीकाटकीनाइ मैंषीवीहीपारकौंनमउल
टमगाई मेरीजिपयौंहीउरैमतिहोइसिल
होई मैंनिरवलमैंरवलनहींजोंप्रौरगाठ

ॐ ममऊटंबयाहीलगयोश्रेमीकहोपाऊं
मेनिरधनमेरेंधननहीपरवारघनेरा सेम
लढाकपलासमकीदिनमवांधोवेरा वारवा
रथीपतिकहैंथीवरानहिंमानैं मनपरती
ननश्रावहीउडनोहीजानैं मेरीहीजलया॰
दिहैचलोतमैवनाऊ सूरदासकीविनतीना
कैंपहचाऊं ५३ रागकेदारा सखीरीकोन
निहारीजातराजवनैनधनुषकरलीनैंवट
नमनोहरगात लजतरहीपुरवधूपहतमें
गश्रेगामसकान श्रुतिमृडुवरनपंथवन
विहरतसनियतश्रडुतवात सुंदरनैनऊ
मारसुंदरदोऊसरकिरनऊमलात देषि

सूर
सा
२१५
214

मनोहरतीनोमूरतित्रिविधितापतनजात।
मोहै परमसलछनसमीलेजोरीविधुकी
रचीनहोई काकीघांकौंउपमादीजैदेहधरै।
घोंकोई इहिभैकोपतितिघातसहारोपुरजन
पूछैधाई राजिवनैनमैनकीमूरतसैनति
सोहिवनाई गपसकलमिलसंगहरलोम
ननफिरतपुरवास सूरदासस्वामीकेवि।
छुरैभरिभरिलेतस्वास ५५ रागमारंग ना
नवचनरकनाथजेवैवनगवनकियो मैत्री
चल्योफिरावनरथलैरकवरहियो भुजाप
सारलोरतनजौंहितकरिप्रभुनिदूरहियो
सरनमानोंत्वालाउरभैनरज्योंपावकदि।

पियो यहसुनभूपतरनतनमागोविसुरत
नातवियो इहिविधिविकलसकलपुरवा
सीनाहीवहितजियो पसुपंछीतृनकनन
सोग्रसवालकपयनलियौं सूरदासप्रीना
थबोलहितनपतिव्रतसुषकियो ५८ रागा
मारंग राजालेतसोनमैंउरे सातदिवसमा
रगामैंवैरतनेटैषभरतपियारे जाइनिकटउर
लाइदोऊसिसुनैंनउवाजलढारे ऊसलछि
मनुजनकोशल्याराजाऊसलनमारे ऊस
लरामलछमनवैदेहीनेहेंशानहमारे ऊ॰
सलछमनबवायकेपुरजनदासीदासमुत॰
हारे ऊशालरामलछमनवैदेहीतमहित

सूर
सा
२१५

215

काजहेकारे सूरसमेतजानेजानाथिपम॰
हिमासमयविचारे ५७ रागगूजरी रामहि॰
राषौकोऊजाइ जबलगिभरतग्रजोध्याक
हिनकौमिल्यामाइ पठयौहूतभरतकोस॰
ल्यावचनवचनकहौमिरनाइ दसरथमर
नरामबनगोनीइहकहिपोग्ररचाइ ग्राये
भरतदीनह्वैबोलेकहाकियौकैकेयामाइ
हमसेवककवात्रिभुवनपतिकोसिंहबलहि
कौवाकौंषाइ ग्राजग्रयोध्याजलनहीग्रच
वौंनामषदेषोंमाइ सूरदासरामचंद्रविछुरे॰
लेमरेभवनदीलाइ ५८ रागकेदारा नैके
कैईऊमंत्रकियो ग्रपनेमपकरकालहै।

किलौ हरिकाननृपश्रपराधलियौ श्रीपति
चलनरबौंकहूकैसेतेरोपाहनकोदिनदियौ
मोश्रपराधीकाहितकारनतैंरामहिवनवास
दियौ कौनकाजयहराजहमारैइहिंपावक
परिकौनजियौ लोटनसूरथरनिरोऊवंधू॰
मनोनपनविषविषमपियौ ५९ रागकेदारा
गुरुवसिष्टभरतिहिंसमझायौ राजाकोपर
लोकसंवारौजगजगयहवलश्रायौ चेतन।
श्रगरुसुगंधश्रोरसववविधिकरविनावनायौ
चलेविमानसंगगुरुपुरजनतापरराजपेठ
यौ दिनवसलौंजलऊंभसाजसवदीपदान
करवायौ भस्मश्रंततिलश्रंजलदीनीदेव।

सु.रा
मा
२१९

216

विमानवतायो ज्ञानप्रकाशसविस्तलाये
भोजनबहुतकरायो दीनोदानबहुतनाना
विधिइहिंविधिकर्मप्रजायो सवग्रपराके
कथासिराजनऋभिलाषपुरायो इहिंविधि
सुरग्रयोध्यावासीदिनदिनकालगवायो ९८
रागसोरठ रामकहागायेरीमाना सुनोभ
वनसिंघासनसुनैनाहीदसरथनाना पि
गतेरोजनमजीवनथिगनेरीकहीकपटम
षवाना सेवकराजसाहवनपठयेयहकावि
लिषीविधाता माषग्रकविंदेदेषहुमजीव
तज्योचकोरससिनाना सुरदासकोमल्यानं
दविनकराग्रजोध्यानाना ९९ रागसारंग

रामपेमभरतचलेभ्रुतराउ मनहीमनमारग
सोचतहैंदुईफिरैकोराघवराउ देषिदरस
चरननिलपटानोगदगदकंठकछुककहि
ग्राई लीनोहृदयलगायसुप्रभुपूछतभर
भईकौभाई ८२ रागकेदारा भरतमषानिर
षिरामविलषानें मंडतकेसमीसविहव
लटोऊउमगीकेदलपटाने नातमरनसन
श्रवनकृपानिधिधरनपरेमरफाई मोहम
गनलोचनजलधाराविपतिहृदयनसमाई
लोटतधरनपरीसनसीतामसफतनहिस
मफाई सवरनवामविकलवेदवलहीवि
कलतकूकसुनाई डुर्लभमघोटरमदमर

सूर
सा
२१२
217

थकोभौअपराधहमारें सूरदासस्वामीक·
रुणामयनैननिजातउचारें ९३ रागमारू·
केदारा तुमतैंविमुषरकनाथकौंनविधिजी
वनकहांवनैं चरनसरोजविनाअवलोकें·
कोसुषधनिरानैं हटिकरिरहौंवरननहीं
छांडैनाथतजौनिठुराई परमदुषीकोसि·
ल्याजननीवलैमदनरकराइ वौरद्ववरष
तातकीआज्ञासोपैमेटीनजाइ सूरदासपां
वरीमीसधरभरतचलेविलषाइ ९४ रागा·
मारू वंधुकरियोराजसंभारें राजनीतअ
रुगुरुकीसेवागाइविप्रप्रतिपारें कौसल्या
केकयीसुमित्रादरसनसांझसवारें गुरुव

सिद्धश्रममिलसम्मेतसौंपरजाहेतनविचारैं
भरतमातसीतलहूश्रापयौंनैनइमराजलधारैं
सुरदासघुसंदईपावरीश्रवणघुरीपगधारैं
रामस्नेहमगज्यौभरतवडुनसम्मकायौ कौ
सिल्याकेकईसुमित्राकौंपुनिपुनिसिरना·
यौ गुरुवसिष्ठश्रममिनसम्मेतसौंप्रतिहीये
मवछायौ बालकप्रतिपालकतनमटीकूट·
सरघलाइलडायौ भरतसत्रुघनकरिप्रण
मरकवरहिकेंठलगायौ गटगटगिरासज
लप्रतिलोचनहियेमनेह्रजलछायौ कौ·
सैयहैविचारपरमपरराजनीतसम्मकायौ
चित्रकूटतेवलेतिहैंछिनमनविसरामन

सूर पायौ सूरदासबलरायौरामकेनिगमनेन·
सा जिहिंगायौ ९९ रागमारू वनकांड टेडकब
२१८ नआईरघुराई कामविवसव्याकुलउरअंतर
218
सछसीरकतहाँआई हँसकैरामकह्यौंसीता
सौंइहिलछमनकेनिकटपठाई भृकुटीकु
टिलअरुननअतिलोचनआगानिसिखासमषक
ह्यौफिराई रीवौरीसट भईमटनवसमरेथ्य
नवरनरककाई विरहविघातननराईलाजक्षु
टवारंवारउदीअकुलाई रकपतिकह्यौंनि
लजानिपटतेंनारिराछसीह्यांनेजाई सूरज
प्रभुवेनीफनवाकोछेयौंनाककाईषिसिया
ई ९७ रागमारंग धरहूघनयनसूनउटथा

प तिहिंकेसंगाग्रनेकनिसाचररकपतिश्रा
ग्रमश्राए श्रीरकनाथलषनतेंमारेकोऊर
कगयेपराए सूपनषाएसमाचारसवले।
काजाइसुनाए दसकंधरमारीचनिसाचर
घहुसुनकैग्रकुलाए देडकवनश्रापकुल
केहितसुरलयोरकुकाई ९८ रागकेदार
सीताचद्रूपचारिकालाई सुंदरमानोकंच
नकीहैनानाभांतलनाजवनाई वारवार।
सोकादिककेतहुदेमंत्रीतसीचेरकाई
संक्रमूलभएसोएघेकर्मभोगफललागे
श्राई मृगरूपमारीचधर्योंतवफिरिव।
सेंमारराजरिषाई श्रीरकनाथधनुषक

सूर
सा
२९९

219

रलीनोलागतवानदेवगातपाई हालछम
नसुनिदेरजानकीविकलभई आतुरउठि
धाई देषौषैविविवारवेधनमैहारकवीरक
हाहोमाइ रावनतुरतविभूतलगायेकहत
हुलभिछादेमाई हरीसियाउतेचल्योलेमा
नोरंकमहानिधिपाई दीनजानसुधिआनि
ववनकीप्रेमप्रेतपहिचानीनाइ सूरसंताप
छुताइयहैकहिकमंदासामेरीनहीजाई ९९
रागमारेरा रामकरलियेधनुषश्रकसाइक
सांधे सियहितउठिधापमृगपाछेवसनव
हुतहटकवांधे नववननीलसरोजवरनव
पुविपुलवाहुडलवीगनकांधे इंडवदनग

जीवैनैनवरसीसजटासिवसमसिरवांधे पा
लनहृजनसंघारनसंतनश्रेडश्रनेकश्ररधप
लश्रांधे स्तुरभजनमहिमादिषरावनदमश्र
निस्तृगमचरनश्रराधें २॰ रागमाहृ रहिवि॰
धिवसेवनरकरा३ उासकेतृगाभूमसेवत
डुमनिकीफलषा३ जगतजननीकरीगारी
मृगाविविरिजा३ कोपकैप्रभुवानलीनोत॰
वहिंधनुषवठा३ जनकतनपाथविश्रगान
मैछायाहृपवना३ यहकोऊनहीभेदजाने
विनाश्रीरकरा३ कहीप्रभुजसैरहहीतं॰
छाडिकहूजिननजा३ कनकमृगमारीवमा
सौंगासौंलछनसना३ वोरुदईसरेषसीता

सू.र
सा
२२०

कहौसुककहौंनजाइ नवहिनिहिचराकियौ
यहहुललईसीइबुवाइ गीधनाकौटैषिथा
यौलसौसुरवनाइ कटैपंषगिसौग्रसूरत।
वगयौलेकाथाइ ७१ रागमारंग वनग्रसोक
मैंजनकसुताकौंरावनराष्योजाइ भूषरण्प
सनीरदनहीग्रावैगाईवङ्गतमुरकाई रघवीरी
कौंवङ्गतनिस्रवीदीनीनुरतपडाई सूरदास।
सीतानिहिंनिरषतमनहीमनसकुचाइ ७२
रागकेदारा रक्षपतिकहिप्रियनामपुकार
ते हाथ्यधनुषलिंयंसुकतमगाहिकिधंवकि
नभयेदिसविदिसनिहारति निरषतसुन।
भवनजनइहैरहेषिनलोदनयरिवपुनसंभा

220

रत ह्वासीतासीताकहिश्रीपतिउमगनैंन
जलभरिभरिढारत लागिमेषउरविल॰
षितजगतगुरुसुहृतगतहीपरनविचारत
चेतनविननसूरसीतापतिमोहिमेकहुषट
रतननटारत ७२ रागकेदारा सुनोअनुजर
ह्विवनइननमिलिजानकीप्रियाहरी कहु
इकअंगनकीसहदानीमेरीदृष्टपरी कटि
केहरिकोकिलबानीसुरुसासिमुषप्रभाध
री मृगमोसीनैननिकीसोभाजातनगुम॰
करी चंपकवरनवरनकरकमलनिदाडि
मनमनलरी गतिमरालसुतिबिंबसुधर॰
छविविसुदहिसुरूपकवरी सुतिककणागरक

सू.र
मा
२२१
221

नाथगुसाईंजगवविजानतचरी सूरदासप्र।
भुप्रेमप्रियावसजिमिहिमाविसरी ।१५। रा
गकेदारा फिरतप्रभुपूछतकुसमवनवेली
ग्रहोवंधुकाहूअवलोकीइहिमगवधूअके
ली ग्रहोविहंगग्रहोपन्नगनृपप्याकिंदरके
राई अवकैमेरीविपतमिटावोसीतादेकुव
ताई चंपकवरनपङ्गपतनहंदरमनोविव
अवरेषी होरकनापनिमावरकेसंगवली
नातदृमटेषी यहमसमधावनयरनवरन·
कीप्रतिमाघरीपंथमैपाई नैननीरकर्न
धमानकैसिवजोगातचढाई कहूंहिय·
दारकहूकरकंकनकहूभ्रंजनकहूवीर

सूरदासभवनवनअवलोकतविलषवद:
नरकवीर १५ रागकेदारा तुमलछमन
याअंजकुटीमैदेषहुनैननिहार कोऊरक
जीवनाममममलैलैउठतपुकारपुकार ३।
तनीकहितकेधनैकरगहिलीनोधनुषसे।
भार कृपानिधाननामहितधापछपनीवि
पतविसार सुहोविहंगहोंसुपनोउषपूछत
जवजनमगारि किहिमतमगपहरौंनततेरो
कियोविछोहीनारि श्रीरकनाथरमनज
गजजननीजनकरैसकुमारि तोकोहरन।
कियोदसकंधरहोजोलगपोगहारि ३ तनीस
नकृपालकोमलप्रभुदियोधनककरला

सूर सा २२२

रि मानो सूरश्रानलैरावनगयोदेहकौंडार १८

रागकेदारा रघुपतिनिरघगीधसिरनायो

कहिकैबातसकलसीताकीतनतजिचर·

नकमलचितलायो श्रीरघुनाथजानजं·

नअपनोअपनेकररघुनाहिजरायो सूर

दासप्रभुदरसपरसकरिहरिकेलोकसिधा

यो ११ रागसारंग सिवरीआश्रमरघुपति

आये अर्धासनदेप्रभुवैठाए षाटेतजिफ·

लमीठेल्याई जूठेभएसुसहजसुभाई अंत

रजामीअजिहिहितजानै भोजनकीनेस्वा

दबषानै जातिनकाहूकीप्रभुजानत भा·

क्तिभावहरिजगजगमानत करिदंडौतभ

ईवलहारी भुवननननतजिहदिलोकसिधा·
री सरज्ञप्रभुककणामयभय निजकर·
कीतिनिलखेज्ञलदद्ये १८ रागमारंग रिषि
मूकपर्वततविषाना एकदिनसुत्रजमहि·
ततहांआपसीतापतिरघुनाथा कपिसु·
ग्रीवबालकेभयतेवसोउहतोनहांआइ ता
समाननवपवनपुत्रकोंटीनोतरनपठाइ
कोईविप्रफेरिवनभीतरकेहकारनइहां·
आए सरज्ञप्रभुकेनिकटआइकपिहाथ
जोरसिरनाए १९ रागमारू मिलेहनूप्रका
प्रभुबात महामधुरप्रियवानीबोलतसा
धामुगकौनकेतात अंजनीकेसुतकेमर

सुं सा २२३

223

केकुलपवनगावनउपजायोगात नमको
वीरनीरभरिलोचनमीहीनजलज्यौंमुरझा
त दशरथकुलकौसलपुरवासीनिपाहरी
यातेपुकुलात पगिरिपतिकपिपतिहौंनि
यतहैवालव्रामकेमेटिनजात महादीन·
वलक्षीनविकलप्रतिपवनपूतदेषतविल
षात सुरसुनतसुग्रीववलेउदिवरनगाहै
पूछेकुसलात ८ रागमारू भागवडेइहि
मारगआये राटराटकेंदसोंगसौंरोवतवा·
रिविलोचनछाये महाधीरगंभीरवचन·
सुनिजामवंतसमझाए वड़ीपरमपरप्री·
तरीततवभूषनसिषाटिषाए सुमनारस

सोयिबालहतिमनअभिलाषउजाए सूर
दासप्रभुजिनकेवलिवलिविमलविमल
जसगाए ८१ रागसारंग राजदियोसुग्रीव·
कौजिनहरिजसगायो पुनिअंगदकोवो·
लिछियायाविधिसमझायो होनहारसोई
होतहोनहरिजानमिटायो सूरदासप्रभुवत
रमासनाहोरविनायो ८२ रागसारंग श्री
रकपतिसुग्रीवकौंनिजनिकटबुलायो
लीजैसुधिसबसीयहकहिसमझायो जां
मवंतअंगदहनूउहिमाथोनायो हाथम
द्रकारईप्रभुसंदेससुनायो आपतीरसम
द्रकैकलूसोधनपायो संपातीनेहातमिलौ

स्त्रा
मा
२२८

224

स्रवयहूवचनस्नायौ ८३ रागस्त्रारंग विलु
रीमनोसंगतिहिरनी चिनवतिरहवारौंदिस
उपजिविरहवारौंदिसउपज्ञैविरहतनजरनी
नरवारसूलउकेलराफोडुचितवामकीव
रनी वसनऊबोलविरह्ज़लपरानीदेहपी
तोवरवरनी लेतउसासनैनजलधरिभरि
फकिजरपरीधरधरनी स्नरमोचजियलो·
चनिमाचरवामनामकीसरनी ८४ रागके
दारा संदराकोउ नवंश्रगटरकवचनकलौं
कोतीरसिंधुसियासथिल्यावैकिहिवलय·
उनोलत्वौ उननोवचनश्रवनसुनिहरखौ·
रमिवोल्यौजसवंत याटलमध्यप्रगटके·

सरिसुतनजाहिनामसहसुमंत वहैलखाईहैसी
यसुयविछिमैस्रौरुस्रौरुस्राइहैतरंत उनग
नापत्रिभुवनकोपायौवाकेवलहिनस्रंत
जोमनकैरुपकवासरमैंछिनस्रावैछिनजं
३ स्वर्गपतालमहीगतिताकोकहियेक॰
हावनार केतकलेकउपाटवामकरले॰
स्रावैउवकार पवनपुत्रवलवंतवज्रतन
काकेहीयेसमार लियौतुलाइसदितवि
तहैकरिवछतंवोलहिलेऊ ल्यावहुजार
जनकतनयासुधिरकपतिकौसपटेऊ
पौरपौरप्रतिफिरैविलोकतगिरिकंदरव
नगेह समैविचारसहकीदीजैसनौमंत्र

सुर सुतपङ्ग लियैंतेबोलमाष्योंधरिहनुमंत·
सा कियोवतरगुनगात वाठिगिरिसिषरस·
२२५ हुरकउवसौगगनउडौंञ्राघात कंपतक
225 मठमेसवसुथानभरवरथभयोउतपात मा
नोप्रलयसमेरहिलागेउयौंछ्रकासहिजात
वक्रितसकलपरसपरवोटवीजकरीकिल
कार तहेंरकसुदहनतेंषिनिस्मरीसुरसाम
षविस्तार पवनपुत्रमुषपैठिपिधारेतहां
लगीकछुवीर सुरदासस्वामीप्रतापवलि
उतस्यौजलनिधिपार ८५ रागधनासिरी
निरषपुरजनसोचैहनुमान वहुरिंदिसउगं
लेकरावानलकैसेपांऊजान सोजोजन

बिस्तारकनकग्रचकरीजोजनबीस मानो

बिस्वकर्माकरअपनेरचिराखीगिरिसीस ग

रजनरहतसमगजबडेदिसछत्रजावड़ा·

दीस भरमतसयोदेषिमाफतस्तनटेसमहा·

बलईस उडिहुत्रमंतगयोग्राकासमहियडबो

नअरमंकार बनउपबनगामअगामअगोव·

रमंदिरफिसौनिहारि पटकिहंखिमाथोधु

नलोटेलषीनराचबनारि कहांकरौंकितर·

जाअबलोकौंप्रतिसंदरसकवारि नानाह·

पानमाचरअद्भुतसदाकरतमटपान दौरदौ

रअभ्यासमहामलनटपेषनेपुरान जियजि

यसोचकरतमाफतस्तजियतनमेरेजान

सा
मा
२२९
226

कैवरहभाजसमग्रटमैंहूडीकैउननजेपिरान कै
सेनाथवटनदिषराऊंजोविनदेषेनाऊ वा॰
नरवीरहमैंतेमोकौंतेतोकौपितुनाऊं तेस
वनरकिबोलिहैमाकैनेतेवड्डनउराऊं भली
रामकोसियामिलाईजीतकनकपुरगाऊं
जवमतिहिंग्रगटऊसिलपाछिहैकहांकहागो
वाहि याजीवननेमरनभलोहैमैरेषोग्रव॰
गाहि मारौंग्राजलेकारिपलैदिषराऊंनाहि
चौरहमरहंमंग्रतहपुरतेंलेहैगावववाहि व
हरवीरतवगापौग्रवासहिजहांवसेदसकंध
कनकजटितमनषंभवनापपुरनवासक॰
गंध मेतलुउफरातसीमपरमनोलकुको

वेष दससिरमुकुकटौविराजतमनकुन
भोंनउदेदससेष वीणानादपवावजश्रोर
राजकोभोग पङ्कपञ्जंकपरेतवजोवन।
मृषपरमलवसजोग जियजियगाठैकैरवि
स्वासहिजानैलेकालोग इहिंसषसीजप॰
रीहैसीनाराहवविपतिवियोग वैसोजाउ
एकतरवरतरजोकीसीतलछाकें प्रति॰
श्रायोसीनातहांवैटीवनश्रसोककेमांदं
वहुनिसाचरीमध्यजानकीमलिनवसन॰
ननमोहि वहुंश्रोरनिसचरीहैरैनरजिहिदे १
षिरताहि वारंवारविसरसरउषजपतनाम
रघुनाह मलिनञ्जर्धपटदेषवदनपरवंदग

सुर हौंजैसौंराजु ८८ गगमाहु गयौकहुदद्दहृज।
सा मेत्तजवसिंधुपारा सोमकेमीमलागेक॰
२२२ मटपीरपरथमैगिरिवरसँवेनासभारा सें
227 वलागपोकरनयहैयौंजानकीकेकोउश्री
रमहिनहिंविन्हारा लेकगाढमोहिस्त्रका
समारगगायौवहुंदिसवजलागोकिवारा
पौलसवदेषत्रासोकवनमैगयोनिरषसी
तालखिप्योहृल्लडारा स्तरश्रकासवानीभईत
वनहांहैंयहैहैयहैहैकरिजन्हारा ८९ राग
धनासिरी समफस्त्रवनिराषिजानकीमो॰
हि वैरेभागगउनस्त्रगनरमाननासिववरटी
नौनौहि केतकरामक्रूपनताकीपितमाने

बटाईकान नैतेपिताजनकजानकीकी
रतकहौँवषानि विधिसंजोगटरतनहीटा
स्यौँवनदैडुषदेष्योश्रान श्रवगावनवरविल
संसहजसषकस्यौँहमारेमान इतनोवव
नसुननसिरधुनकैवोलीमियारिसाथ श्र
हौछीटमतिसुगयनिश्रीसनसुषवैटीश्रा
३ नवगावनकोवटनदेषिहोटंससिराश्र।
नितन्हा३ कैननमध्यदेऊपावककैवि
लसैरकरा३ जौपैपतिव्रतंव्रततेजीवत।
विछुरीका३ नवकिनसुईकहोंतममोसों
भनागाईजवराय श्रवकठौश्रभिमानकर
तहैकककतिहमारीना३ सुषहीरहसिसि।

स्र सा २२८ लैगावनसौंअपनेसहजसमाइ जोहैराम
हिरदेमलगावैकैरैशानकोघात नमरैजल
कैंवेरनलागैहोतभसमसंघात उनकेकौथ
जैरैलेकापतितेरेहृदयसमाइ तोपेस्तप
तिव्रतसांचोजोटेषौंरकुराइ ८॰ गगधनासि
री होवुधवलच्छलकारिकारिहारीदेष्योनसी
सउदाइ डोलैगगनस्नरपातिसहितव्रकुष॰
इसपलद्धिजगजाइ नसैधर्मसनववचनि
काइकरिसंभ्रमैवेभकराइ ग्रवलावलैव
लतपुनघाकैविरंजीवसोमराइ ध्रीरकना
घ्रनाणपतिव्रतसीतासतयनटराइ ध्रैसीति
याहरतकौधाईनाकैयरदसतभाइ मनवव

228

कर्मश्रोरनहीहूजोतजरकनेटनराउ उनके
क्रोधभस्महूजैहोकरइनसीनावाउ श्रवन
मकाकोमरनउवरहीसोवलमोहवनाउ
जोसीनामतनैविवलैतोश्रीपतिकाहिसंभा
रै मोसेमगयमहापापीकोकोनक्रोधकरि
नारै यहजननीवैप्रभुरकनेटनहमसेवक
प्रतिहारि सीनारामसहरसंगमविनकोनउ॰
तारैपार ८। रागमाहजनकसुतातसमफ
विनमेनिरषमोहतननहेरी वोटहमहसनाग
किन्नरजीतेसवहासीतेरी कहैतजनकगोह
हैपटवोग्रर्थलंककोराज तोहिदेषिवनरा॰
ननमोहैतंसंदवसिरनाज क्वाडिरामतपसी

सूर सा २२९ 229

कैसेमोहेउहिआभूषनसाज वौरहहसहंसतिया
मैंतोकोंपटावंधाऊंआज कठिनवचनसुन
श्रवनजानकीसकोनवचनसंभार त्वनसे
नरौटेहरिप्रीतिसोंयोदईनैनजलधार पापीजा
ऊंजीभगरतेरीअजगनवानविचारी सिंग
भखश्रगालपावेहोंसमरथकीनारी वौट·
हहंसउहषरहूषनरकानिपकहीवान लं·
ख्रमनरामधनुषसनमुषकारिकोकेरहिहै·
प्रान तेरीअवधिकरहतसवकोऊनातेंक।
हियतवान विनविस्रामसमारहैतोकोश्रा·
जौनेनकेपान मेरोहरनमरनहैतेरोंस्यांऊंटे
वसेनाउ जौनेहैलेककनेकपुरनेतोउटत·

रकभाउ यहराकसकीजातिहमारीमो।
हनउपजैगात पातिपरमैंधर्मकहाजानै
शेलतमानसषात मनमैंडरीकानिजिन
नौरैम्रहिश्रवलाजियजान नषसिषवस·
नसंभारिमक्रतनक्रचकपोलगाहिपान
रैटसकेथश्रंयमननेरीश्राघतलानीश्रान
स्वरगमकीकरीश्रवनाउरैसवभुजभान
६९· रागमाहू त्रिजटासीतापहिवलिश्राप
मनमैस्रचनकरतमातायहकहकैसम।
फाई नलकूवरकोश्रापरावनकोंतोपर·
वलनवसाई स्वरदासमजरीमजीवन·
श्रीरकनाथपदाई ७१ रागकान्हरा सोदि·

स्रा
मा
२३०
230

नतिजराकहूंकबैहैहै जातिनचरनकम
लरकपतिकेहराघजानकीहूदयलगेहै
कवहूकलक्ष्मनपाइस्नमिज्ञमाइमाइकहि
मोहिस्नैहै कवहूककृपावंतकोसिल्या
वधूवधूकहिमोहिवुलैहै जातिनरामराव
नहिंमोरेईसहिलैटससीसचढैहै जातिन
जनमसफलकरिलेषोंमेरीहूदैकीकाल
माजैहै जातिनकोचनप्रग्रभुश्रेहैविमल
फजारथपरहैरैहै जातिनस्नरामपरसी
तासरवसवारवधाईदेहै ५२ रागमारू मै
रामकेचरननचितदीनो मनसावाचाग्रौर
कर्मनावङ्करमिलनकोग्रामकीनो तुलै

सुमेरसेसखिरकैंपैपश्चिमउटकैरैवासर·
पति सुनित्रिजटातोहूनह्रींज्ञाडैमथरम
तेरकनाथगानरति सीताकरतविचारम
नैमनकालूक्रमलपतिश्चावै सुरदामखि
मीककणणमैंसुह्रिकेसैविमरावै ९३ राग
धनासिरी सुनसीतासुपनेकेवाता राम
वंदलछमनमैदेषेसीविधिपरभाता ॐ
सुमविमानवैटिवेदेहीदेषीराघवपास सी
तलछरकनासीमधीरदिनकरकिरनप१
काम भयोपलाइमानदानवकुलव्याकु
लसायकचाम प्रजारतिधुजापताकछत्र
रथमनिमयकनकश्रवाम रावनसीम

सु॰
का॰
२३१

231

पुहमि परलोटत मंदोदरी बिलषाई ॥ कुंभक
रन तन पंक लगाई लेक बिभीषण पाई ॥ पु
गस्यौ आइ लंक दल कप को फिरी रकनाथ
डहाई ॥ यह सपने को भाव सषी री कौंहूं वृथ
न जाई ॥ त्रिजटा वचन सुनत वैदेही अति डष
लेन उस्वास ॥ हा हा राम वैदेहा लछमन हा
कौसिल्या मास ॥ त्रिभुवन नाथ नाहिं जो पा
यौ सु कौ रहे वन वास ॥ हा किकई सुमित्रा
रानी कदन निसो वर आस ॥ कौन पाप मैं पाप
न को नो अग सोहै सहि वार ॥ पिया पिया जीव
न है सब वर हि जग कौं नहिं उजारि छार ॥ है सुप
राय मैरे .... लागे सुग को हित टीनो दछया

र जाम्यौनहीनिसावरकोछलनाचीपउष

प्रकार पीकीपकसहृदज्ञानतहीकलौनि

सावरमेग नोनेविरमवहेरकनेदनकरमन

सामनपेग इननोकहृननैनभुजफरकेस

गनजनायोंग्रेग ग्राजलहोरकनाथसंदेसै

सिटैविरहदुषसेग निहिंछिनपवनपूननेहैं

प्रगटयोसियाप्रकेलीजान प्रीदसरथकुमा

रदोऊवंधूधरेधनुषदोऊपान त्रियाविधोग

फिरतमनमारेपरेसिंधुतटआन तासंदर

हितमोहिपठायोमकौनहीपहिचान वारे

वारनिरषतरवरनरकरमीउनपछनार दे

वजीवपसपंक्षीकोन्हलेतनामरकार

सुरा
सा
२३१
232

बोलैनहीरह्योउरबांदरतुममैमेटेहुछिपाईकैं
अपराधश्रीउडिअबमेरोकौनदेहुदिषाई। नर
बरनागचपलसाषामृगमनन्हषबैसोआई
मानाअजानिदैउनरकछूकिहिबिधिबि·
लषाई किंनरनागदेवसुरकेन्यासोहित·
उपजाई कैतंजनककुमारजानकीरामवि
योगनआई राममनामसुनउनरहीनोपिता
बेधृतहोहि मैसीतारावनहरिल्यायोश्राम
दिषावनमोहि अबमैमरौंसिंधुमैबूडौंवि
नमैआवैकोह हनोवछजीवनथिरमेरो·
लछमनरामविछोह कुसलजानकीजूर
कनेरनकुसललछमनहैंभाई नमहित·

नाथकदिनव्रतकीनोनहिजलभोजनषा
ई मैनअंगकोऊजोकादैनिसवासरसम
जाई न्रमखटस्पानटैषियतसीताविनाशान
रकराई बांधरवीरवहूंदिसथापछूंढैगारि
वनवारि न्रभटस्वनेकसवलदलसाजेपरे
सिंधुकेपारि उहिमसेरोसफलमयोग्रवमैं
देष्योनमस्राई श्रवरकनाथमिलाऊनम:
कौसेदरिमोगासिराई यहमनसियमनसे
काउपजीरावनहूतविवारि लछनपरैजा
स्योनिसचरकौनानारूपनधारि श्रवनमें:
रत्नवरमषढांघ्योयुरेनिसावरवीर कारे
कौंखलकरिकरिग्रावतधर्मविनासनमोर

सु॰१ पावकजरौसिंधुमैंबूडैंनहिमघटैषोंनोर
सा पापीकौनपीठदैमोकौपाहनसरसकठोर
२३३ जियमैंडरस्योमोहिमतिन्यायैब्याकुलबवन·
233
कहत गोवलदैयौसकलदेवनिमहिनाम
धस्योहनुमंत सुग्रीवनोषनारिकामिलाई
वध्योवालमधमंत प्रेजनिकुमाररामकोपं
रकनाकेवलगारजेन लेडमानसहिकानि
मानीटईप्रीतकरनाथ सावधानहैसोकनि
वारीश्रीओटदिनराष्यि षिनमहरीषिनहीद
उमनसौंकहतविसरविसर कहेमहिका·
करहैलाउमेरीजीवनमूर कहियोवडसंदे
सोरतनोजवहमधकनष्यान सोवतकाग·

छुपैतननसेरोवहेहिकीनोबान फोसैनैन
कागनहिछाथौसरपतिकेविद्मान ग्रबव
हकोपकहारहूनेंदनदसासिरकेंटविगन
छिगवैबाइञुलाइनिरषमषश्रेंवललेनव॰
लाइ चिरजीयौसझमारपवनसनगाहिन॰
हीनहैपाई वञ्जतभुजनवलहोइतमारोप
ग्रमृतफलपाइ ग्रवकीवेरसरग्रमिल
वोवझरिग्रनकिनजाइ १४ गगमाह ज
ननीहोंग्रजवरककपतिको मतिमातक
रकोथिमिगपैनहिंदानवथिगमतिकोग्र
साहोइहैंइकतिमहदीकहींसंदेसोवतको
मतिहीविलषकौमियरञुवरवाथिहैजन

स्व
सा
२३४

2 3 4

दैयतको कहोनलेकउघारद्वारदैउजहोपि·
नासंपतिकौं कहोनमारिसिंगारनिसावर
रावनकरौंश्रुगतिकौं सायरनीरभीरवनचर
कोदेषकटकरक्षपतिकौं लैमिलऊमैश्रव
हीसुरश्रुभुरामरोषउरश्रुतिकौं ५५ रागमा
रू श्रुतुवरारकनाथनेवेटरसकाजञायो प
वनसूतकपमृहूपभगाननिमैंगायौं नपनी
जदेंनपनकरैंसोइवनमैफाकौं जाकीतम
खांटवैरीसोईंदुमराष्यो प्राघुसजोहोइजन
निसकलश्रमसरमारौ लैकेसरवांधरामव
रननिनरद्यारौ चाढवलोजोपीटमैरीश्रव·
द्दलैमिलाऊं सरश्रीरकनाथजूकीलीला

निनगाऊं ४८ रागमाह नमपहिवाननना
हिनवीर रहनेननिकवहूनहीदेष्योराम॰
चेरकीनीर लंकवसननदैनग्रहदानववहि
केग्रगमसरीर नोंदेषनमेरोजीउरपननेन॰
निग्रावननीर जवकरकाढि अंग्रूरीदेनी॰
नोजयउपजोधीर सूरदासग्रभुलेकाकार
नग्रायोसायपरनीर ४९ रागसारंग जननी
हौंरकनाथ्यपहायो रामवंदग्रापकीनम॰
कौंदेनवधाईग्रायो हौंहनुमंनकपटजिन
समफौवानकहनसननभाई सुदरीहवध
रीलैग्रागैनवग्रनीनजियग्राई ग्रनिसवपा
उउहारलईनववारवारउरभेंटन सोमन

म॰र घागरपाइआपनीनापितहूँदेकीमेटन लख
मा मनपालागनकहिपढयौहेतवङ्कनकलम
२३५ ना दईअसीसनरनिसनमषह्नौविरजीयो॰
235
दोऊभाना विछुरनकोंसंनापहमारोंनमद
रमननेकासौं ज्यौंरविनेजपाइदमहूँदिस
दोषऊहरकोंफासौ हाछोविनतीकरतप
वनसुतअवजोअज्ञापाऊं अपनेदेषिवले॰
कोयहमषउनहूँजारमनाऊं कलपसमा
नपकछिनराघवकरमकरमकरविनव॰
त नांतेहोअऊलातकृपानिधहूँहैपेडोवि
नवत रावनरतलेवलोसाछ्हीलेकथयौ
अपूदी यांतेंजियमऊवातकृपानिधिक॰

प्रतिज्ञाकरी ऊहांकोसबदसाहमारीहरासो
कहियोजाई विनतीबहुतकहाकहौरकप
तिजिहियविथिदेषौपाई ५८ रागमलार ब
नचरकौनदेसतेआयौ कहांवेरामकहांवे
लछमननमनकैसेमदरापायौ होंहनुमंतरा
मकौसेवकतवसाथिलैनपठायौ रावनम
रतमैलेजातोरामसुनानहिंल्यायौ तमउ
रयोजिमेरीमातारामजोरदलल्यायौ सूर
दासरावनकुलषोवनसोवतसिंघजगायौ
५९ रागमारंग कहोकपिकैसैंउतरेपार
उस्तरसुतिगंभीरवारनिधिसतजोजनवि
स्तार रनउनदेतकोपकरिमारनमदाश्र

सूर
सा
२३८
236

तुथअपिकार हाटकपुरीकहिनपाथिवेंधर
आपकौनअधार रामप्रतापसत्यसीताको·
यहैनाउकेंधार विनअधारछिनमैअवले·
यौंआवनभईनवार हृहिभागिवाछिजन·
कनेदनीपैरषदेषिहमार सूरदासलैजा·
उनहांजहांरकपतिकेनकुमार १०० राग·
मारू हनुवंतभलीकरीतुमआये वारंवार
कहतवैदेहीदुषसेनापमिटाये श्रीरकर्न
अश्रीरलछमनकेसमाचारसवपाये अव
प्रतीतभईजियमेरेमंगामहूकाल्याये कै
मैंसिंधुपारतुमउतरेकैमेलेकाजाए स्व
ररामरकनाथजानजियतोवलिइहापर्द

ये ९१ रागकान्हड़ा सनकपिवैरकनाथन
ही जेहिरकनाथफेरिभृगुपतिगतिडारी॰
कारनही जैहिरकनाथहाथषरहुषनहै
धानसगही कैरकनाथतज्ञोपनअपनो।
जागिनट्सागाही कैरकनाथदुषितकान
नकेनृपभपरकऊलही कैरकनाथअन
लराकुसवलदसकंधरडुरही ध्याडीनारि
विचारपवनसुतलेकावागवसही कियो
ऊचीलसरूपऊदरसननौकंनहिवही स
रदासस्वामीसोकहियैअववविरमियोनही
९२ रागमारू देषेघरद्यातजातसंदेसोकैसे॰
कैजोकहौं सनिकपिईनशननकौंफेरो

सुर
सा
२३७
237

कवलगिरदेतरहौं पघ्रनवपलवलसौवाहत
हैकरतनकल्हूविचार कहियौप्रानकहौलै
राधौरोकरोकमुषहार अपनीवातजनाव·
नैनमसौंसऊँवतहोहजुवंत नाहीसुरस·
सौसुषकवहूंप्रभुककनामयकेत १०३ रा
रामाहृ कहियौकपिरकनाथराजसौंघरहूं
कविनतीमेरी नाहिनमहीपरतयहमोपै
दाकनवामतनिसावरकेरी यहतोप्रेमवीस
हूंलोचनछलवलप्रानकरतसुषहेरी प्रा
इमिपारसिंहभषमागतयहमरजादजात
प्रभुतेरी जिहिभुजपरसरामवलकरषेडो
तेभुजकौनसंभारतफेरी सुरसनेहजा·

निकरुगालयलिह्छिडाइजानकेचेरी ९
रागमारू मेपरदेसननारसुकेली विरहक
नाथश्रौरनहीकोऊमातापितानसहेली रा
वनमेषथह्यौतपसीकोकतमैभिछ्यामेली
सुनिसुसानमूठमतिमेरीरामरेषपाइनमें।
पेली विरहतापतनसुधिकजवरातेजैसेदी
डुमवेली सूरदासप्रभुवेगमिलावोप्रानजा
हिंगेषेली ९५ रागसारंग तूजननीडुषजि
यजिनमानहि रामचंदकहैहूरनगुनिभूल·
हैंचितचिंतामतिसानहिं सुवहिलिवाइजोव
सवरिपुहतिउरपतिह्रौसुतासुपमानहिं रा
घ्यौसफलसंवारिसांनदैकैसेनिफलकरौं।

रा
मा
२३८
238

वावोनहि हैकेनकपटहानिमिरानिसावचउ·
दितपकरागुजलकेभानहि कारनदेदम·
ममरामषश्रपनोहतषेकाविमानहि देहद
रससमनेननिकटनिजविप्रकोंनासमहि·
तमेतानहि स्वरसमममहिइनहिंदिननमैले
जग्राइहौंकृपानिधानहिं ९९ रामसाह ह·
उमेतवलप्रगटभयोसीताजबपाई जनक
सुताचरनवेदफूल्योनममाई श्रीग्निनकम
लसगंधमधकरमिहषाटे मनसाकविपश्र
हिश्रपभोजनकोडाटे ङमगाहिउतपाढि
लियदेहेकिलिकारी दानवविनष्ठानभये
दृषिवविनमारी विरवलमतिहीनगयेजो

रैसवह्लाया वेदरावनविवनकियोत्रिभुव
नकेनाथ्या हैनिसंकश्रतिह्लाडीटविउरैन·
ह्लीभाजै मानोवनकदलीमथिउनगजगा
जै भानैमदह्रूपवायमरवरकोपानी गौर
केनपूजनजह्लांनूंतनदलश्रानी कोप्योस·
नश्रद्धरवैनसाषाम्हगजाम्यो मानोजलजी
वसिमदजालमैंसमाम्यो नरवरइकश्रति
श्रपारहूउवेनकरहिलीनौ किन्नरकरप
करवंनलीनछेडकीनो जोजनविस्तार·
सिलापवनसुतउपाटी। किन्नरकारिलछ
वांनखेंतरिछकारी श्रागरइकलोहूजटि·
नलीनोवलवेड उहूंकरनिश्रसरहयोम

सुरा
सा
२३९
239

यौमासपिंड उरधरपरहल्लसैंनआईसंगभा
री पवनपूतदानवदलवारेलवलचारी
रोमरोमरामहनूंवललबुलकलमान जहां
तहांदेषतकपिकरतरामग्रान मैत्रीसुत
पांवसैंनग्रधुजवरसुर धीरसहितसवैद
तेकपटकैलेगूर वतराननवलसैंभारमै
घनाटप्राथौ मानघनपावससैंनरापतिदे
छाथौ देष्यौजवरहठवाननिग्रकरनासौं
छायौंनवसुरहनूंवसलतेजमान्यौ ९०
रामाहु सीतापतिसेवकनहिदेषनकौं
प्राथौ काकेवलवैरनैवरामसौंवढायौ
जेजेतवसुरसमरकीरसमानलेषौं तेरै

दसकेंयछेंयछाननिविनदेषों नषसिष।
मैोमीनजारजसौछेंगछेंगा छजङ्नाहिंसे
कथनेवनवरमतिभंगा जाईसोईसषहि।
कहनमरननिजनजाने जैसेनरमन्नपात
हियेंवुथवषाने नवतंगयोमनभवनभः
समछेंगपोतो करनोविनशाननतोहिलछम
नवरहोतो पाछेतेसीयहरीविथमजादः
गषी जोपेदमकेंथवलेरेषकोननाषी
शनहूंसियमैंपनातरवीसभुजाभानहि
रकपतियहपेजकरीभूतलधरपानहि
वलवानकानकरीवलकारिनहिंवाधौ
कैसेपरनापचटेरकपतिश्रावाधौ देषत

सु.रा
सा
२४०
240

कपिवाहुदंडउतनप्रस्वेदछूटे जयजयकारक
नाथनाथकहतवंदछूटे देषतवलहरीक
हौंमेघनादहारौं आगनभयौसकछुवलरावे
धनतेन्यारौं १८ रावणमाह मंदेनिनीकोमे
उविचास्यौ राजनकहूंहूनकाहूकोकौनन्
पतिहैमास्यौ इतनीसुननतविभीषनवोले
वेधूपाउपरौं यहिंबंनरीनमुनीनहीप्राव
ननप्रवपैकहाकरौं नेलनलपावकव
पुधरिकैदेषननमेजरौं प्रवमेरेजियधरे
वसीहैरकपतिकाजकरौं हूलीविधाताउ
धमवनकीप्रतिप्रानरहैधाए छंतप्रकल
नवीरपाटवरलैलैंगूरवधाये वंधननोर

मोरमखश्रमहरनिज्वालाप्रगटकरी रघुप·
तिचरनश्रुतापमहरश्रुलंकासकलजरी १९
लागयनासिरी सोवजियपवनपूतपछुनाइ
श्रगामश्रपारसिंधडुलनरतिकहाकियोमैं र
श्राइ सेवककौंसेवकपनयतनोश्रज्ञाकारी
होइ याभयभीनटैखलंकामैसीयजरीमति
होइ विनश्रज्ञामैभवनश्रजारेश्रपजसकरि
हैलोइ वैरकनाथवतरकहियतहुंश्रंतर
जामीसोइ रतनीकहूतगायानवानीभईहनू
सोवकनकरिहै विरंजीवसीतानरवरतर
श्रटलनकवहूंटरिहै फिरिश्रवलोकसर
सघलीजैभूमैतेमनपरिहै जाकेहियश्रंत

सूर
मा
२४१

241

ररकनेंदनसोकेंगेपावकजारिहे ॥१०॥ रागमा-
रू लंकाहनूमानसवजारी रामकाजसीत
कीसुधिलागेगदशीनविचारी जारावनकी
सकतितिहूंपुरकिनहूंनप्रत्नाटारी नाराव-
नकीप्रलिखतग्रहोसुतपालकसुहिपछारी
हूलुकाइगयेसाइरतटहांनहांसीतावारी
करिदंडवतप्रेमपुलकिनहूंसुनरावकी-
प्यारी नमहीनेजप्रतापरहेहैनमरीयहेप्र-
टारी सूरदासस्वामीकैआगेजाइकहेसुध
भारी ॥११॥ रागमारु मेरेश्रीरत्नीविनतीक
रनी पहिलेकविप्रनामपाइनपरिमनुरघु
नाथहाथलैयरनी मंदाकिननटफलकि

लमिलापरसुषसुषजोरितिलककेकरनी
कहाकहौंकपिकहतनआवैसुमिरतिशीत
होइउरधरनी तमहतुमैंतपवित्रपवनसु·
तकहियोजाइजोईमैवरनी सूरदासप्रभुश्र
नमिलावहुसूरतदुःसहदुःखभयहरनी ॥ १
रागमारू हनूमानअंगदकेआगेलंकाक·
थासवभाषी अंगदकहौंभलीतमकीनी
हमसकीपतिराषी हर्षवंतहैवलेतहांतेम
गमैविलंवनलाई पहुचेआइनिकटरका·
पतिकेसुग्रीवआगेधाई सवनप्रनामकि
योरकवरकोंअंगदवचनसुनायो सूरदास
प्रभुपदप्रनापकरिहनूसीयसुधलायो ॥२

सूर
सा
१४२
242

रागमारू हनूमैंनसवकोकाजसंभार्यौ वा
रवारश्रंगदयौंभाषौमेरोप्रानउबार्यौ लंकन
हिंगवनकियौसापरतैंवीचहींबागउजार्यौ
कियौमधुवनकौंचौरचहूंदिसमालीजारउ
कार्यौं धनिहनुवंतसुग्रीवकहतहैरावन
कोदलमार्यौं सूरसुननरकनाथभयौसु
षकाजश्रापनेसार्यौ ११४ रागधनासिरी
कहौकपिजनकसुताकुसलात श्रावागव
नसुनावहुश्रपनोदेहदहैंमेसुषतात सुनो
पिताजलवंतहैकैरोकौमगराइकनाति ध
तिश्रंबरधनहपनिसावरगारजीवदनपर्स
र नवमैरउरापिकियौननक्षौंसपेल्यौउ८

रमकार घरभरपरेदेवश्रानेदेजोत्योपदि
लीनार गिरिमैनाकउदधिमैश्रद्धतश्रागे·
रोकयौजात पवनपिताकोमित्रनजान्यो॥
धोषेमारीलात नवहीश्रोरवल्योंमलनापश्रु
रोजोजनसात नमश्रनापपैहिलीदिमिप·
इव्यौकौनवदावैबात लंकापोरपोरमेंढेरी
श्रफुवनउपवनजाइ नरवरनरश्रवलोक
जानकीनवमेरहीलंकाइ रावनकयोंश्र
कयोंनजाइक्रोधरयोंश्रनिकाइ नवहीश्र
वधिजानकेराक्षोमंदोदरीसमझाइ नव
हीगयौश्रफलवारीमेंदेवीदृष्टिपसारि श्र·
मीसहंसाकिंकारदलजिहिकैदौरेमोहनि।

सूर
सा
२४३
243

द्वार नमश्रतापदानवछिनभीनरजकनम
ईनवार तिनकोमारत्नवरनहीकीनीमैवना
दसोराति ब्रह्मफांसजवलईहाथकरिमैवे॰
सौकरिजोरि नजैकोपमरजादाराषीवयौ
श्रापुहीमोर रावनपैलैगएसकलमिलजोल
हूकपमजाल कहबौवचनश्रवनसुनमेरो
नवरिसगहीभुवाल श्रापुनहीमहरटरलेयं
योकरलोचनविकराल वहूहिमसूरसोर॰
कयिथापर्ज्यौकेहरिहीश्रगाल ॥५॥ रागमारू
कैसेपुरीजरीकपराइ वडेदैतकैसेंकरिमारे
ईसरतनमहिमहाई प्रगटकपारवडेटीनेहै
वहूजोधारघवारे नेनीसकोटदेववसकी

तेतेनसपैकौंहारे तीनलोकउरजोकेके
पैतसहनूमाननपेषे तसरेक्रोधश्रापसी
नाकेहूरजरतहसटेषे होजगटीसकहाक
हौंनोसौतसवरतेजसराधी सराजहासस
नोसवसंतोश्रविगतकीगतमारी ११८ गा·
गमाह सियसथिसतरकबीरधाये बले
तवलछनसग्रीवश्रंगटहनूजासवेतनी·
लनलसवैश्राये भूमश्रातिउगमसगीजोग·
नीसनजगीसहसफणासीसकोसीसकां
पैं कटकश्रगानितजसौंलंकषरभरप
सौसरकोतेजयरपूरढांप्यौ जलटतटश्र
३रकगारहाढेभईसीढकपिगारजकैधुन

कह्यौतुपरवतचापिचरनतरनीरषारमैगारौ ५+

सूर सुनायौ सुररकराइविनयेहनूमाननन ।
सा ग्राइतिननतरतहीसीसुनायौ ११७ रागके:
२४४ दारा राघवजूकितकवाननजिचिंत केत
244 करावनकंभकरनदलसुनहोदेवभ्रनंत
कह्यौतलेकलऊटज्यौफेरौंकहूलैलैगलौं
कह्यौतग्रसरलेगूरलपेरौंकह्यौतनघनवि
दारौं कह्यौतमैलउपारपेडनैदेसुमेरसोंमा
रौं जैनकमैलसुमेरथरनिमैभुजभरिग्रा
नमिलाऊं सससससदूदेवछानीनरिपतक
देहूवछाऊं चलेजाइमैनासवमोपरधरे
चरनरकवीर मोहिप्रमीसजगातजनती
कीतवतननवजसरीर जितकनोलवोलौं

नमश्रीसैतामसुतापनमारें सुरदामसुभुके
सवसोचेजिनकेपैजसुकारे ॥८ गगमाहू
रावनसेगाहिकोटिकमारें जेनमसुत्तादेऊ
कृपानिधनौयहृपरहसमारो कहौतजन
निजानकील्यावैकहौतौलंकउदारें कहौ
नसुवहीपैटिसमटहृनिसुनलसकालप
टजारें कहौतमनिवसवेधसकलसुरि
पकहृगकपछारो कहौततमसुतापसी
रकवरउटधिपषाननितारें कहौतदसौ
सीसवीसभुजकाटिछिनकमैंडारें क
हौतनाकौतृनगराइकेजीवनपाइनपा
रें कहौतसेनाकातिरचौकपिपरनीओ

स्वर
सा
२४५
245

मपनारो मैलसिलान्तुमवरघण्टोमवडिस
तुसमत्तसंघारो वारवारपगापरसकदृतदैं
होकवट्टनदीहारैं स्वरदासग्रभत्तमरेवव॰
ननिकोटारैं ११९ रागमाल होरकवरको
श्रागुसपाऊं ग्रवहीजाइउपारलेकगाटउट
यपारलैश्राऊं ग्रवहीजवूदीपरहानैलैलं
कापड्डचाऊं सोघसमदउनारौंकापिटल॰
छिनकविलैवनलाऊं ग्रवश्रावैरकवीर
जीनटलतोरदउमंतकहाऊं स्वरदासस॰
भगुरीग्रजोध्यागावबसवसवसाऊं १२॰
रागमारंग रकपतिवेगजननग्रवकी॰
नै वांधेसिंधुसकलमैनामिलश्रागुनश्रा

यसदीजै नवलगातरतनपकनोवोथोडुम·
पाषाननिहारइ डुतियसिंफमियनैननीर
हैजवलौमिलैनषाइ यहविनतीहौंकरौं·
कृपानिधिवारवारयुगलाइ स्वरजदासयु
कासफलयप्रभुमेटोदरसदिषाइ ।३। राग
माहू लंकापतिकोयुंजसीसनायो पर
मगंभीररणधीरदसरथतनैकोपकरिसि
धकीनीरखायो सीयकोंलैमिलौयहम·
नोहैवलौकृपाकरममवचनमानलीजै
इसकोईसकरनारककणामईनासपट·
कमलपरसीसदीजै कलोंलंकेसदैसीस
पगनासकेजातिमातिमूढकायरउगानो

सुर
सा
२४९
246

ज्ञानप्रसरनसरनसुरकेप्रभुकोनवरनहीजा
घद्वारैतुलानो ॥२२॥ रागमारंग आसुविभीष
नसोमनिवायो देषनहीरकवीरधीरगहिलं
कपनीतिहिनामतुलायो कह्योसुवहीरक
ह्योनहीरकवरघहैविरद्चलिआयो भक्त
वलककृणामयप्रभुकोसुहृदरामजेगायो
॥२३॥ रागमारु तवहीनगारवुजेधाजैहों प
कवानसुनानिसुमेरीगावनराजविभीषनदै
हो कपिदलजोविडोरसुवसैनासागरसेत
वंधेहों कटटमोंमिरवीसप्रभुजानवरसुव
घसुनजकर्हैहों छिनरकमांहिलंकगढ
तोरोंकंचनकोटढहैहों सरशमसप्रभुकर

तेविभीषनरिपुहतमीनालेहैं १२४ राग
मारू वैदेहिश्रापतामराजा जलकेनिक।
टश्रावठाढेभयेदीसतविमलधुजा सोवत
कहाचेतहोरावनिमैजकहतकतघातट।
गा कहतमैदोदरिसतपियारावनमेरौव
तश्रगा तूनदसननामिलैमिलदसकंधरकं
टहिमेलपगा सुरदासप्रभुरकपतिश्राप
पटदहपनहोइलंका १२५ रागधनासिरी
सरनपरिमनवनकमैविचार श्रेसोश्रोर।
कौनत्रिभुवनमैजोश्रवलेइउवारि सनि
सिषकंतदंततनधरकेंसोपरवारसिधा
रौ परमपुनीतजानकीसंगलैकुलकलं

सुर
सा
२४०
243

कोकिनटारी परमसीमवरनतरगांधोमे·
टोमवस्रपराध महाप्रभुक्रुपालरकनेटन
मीरनगाहैंपलिसाधि नोरयत्रुघमघमोर
वृपनकोसिपासृयेवरकोनें लिनपकमै
भृगुपतिप्रतापबलकरघहृदयधरिली·
नो लीलाकरनकनकमृगमारीचबधोर्व
लप्रभिमानी मोर्ईदमरघक्रुलवेरप्रमित
वलश्रायेमारंगपानी जाकेदलसुग्रीवस
मंत्रीप्रबलजनुघपतिभारी महामसभटर·
णजीतपवनसुतवजैवज्रवपुधारी करि
हैलेकंपकलिनभोतरवज्रसिलालैथावैं
जलरुकंरंवपारिवारमारिनतोहिबांधनिवि

लछमनलावै ग्रजहूंजिनवलकरसंकरको
मानिवचनहितमेरो ज्याइमिल्योकोसलन
रेसकोभाईविभीषनतेरो कटकसोरघुति
हूरहूसोंरिसदेखियतनवनचरंभीर सूरसम
रकवंसतिलकदोऊउनरेसायरतीर ११९
तातमाहू काहेकोपरतिघहूंदिखानी घट
सीताजूजनककीसंन्यारमह्युपनरकनेट·
नरानी रावनमन्नयकमेकेहूनीजनकस
नातैतियकरमानी जाकेकोधभूमिजलपा
रकैकहाकरैजूसिंधुजपानी सूरषसपटि
नौरनहिग्रावैलैहैलंककीसभुजभानी स
रनमिटनमालकोरेषाग्रल्यभुपतेरीग्राइ

रा
मा
१४८
248

नलानी ॥२३॥ रागमारू तोहिकौनमतदाव
नआई आजकालहिनवारपांवमेलंकाहो
नपाई लंकाकोटदेषमनिगारवैओरसम
द्रसीषाई जाकीनारिसदाबजोबनसोकैं
हौपाई जोकेहितसीतापतिआयेरामल
छमनदोऊभाई सूरदासप्रभुलंकानीरकेव
रामदुहाई ॥२४॥ रागमारू आयैरकनाथव·
लेसीषसुनोमेरी सीतालैजाइमिलोपति·
जरहैतेरी तैजगुरोकमैकियोसीताहरिल्यौ
यौ परबैटदैवरकियोकोपरामआयौ विन
नकौनाहिमठपकवानमेरी सुजहैसिंधु
नाहिवंधौलंकाहैतेरी सायरकोपाजवां

यपावउनरग्रावै मैनाकळुग्रेंननादिइन॰
नोटललमावै टेषिग्रियाकरोकैसीवलकर
टिषवाऊं विछवटरवासिकातिसभहीगादि॰
ल्याऊं नानिनहोवलीवालसैनछूटपाइं न
मैंकह्लोटोमदीजैकालश्रवधग्राइं वलजव
वटजनकियेइं टमनसकायौ छलकार
लइंछीनमहीवावनहूँधायौ हिरनकस
पुग्रनिपवंडुवस्मावरणायौ नृसिंहरूपदे
हथरोछिननविलमायौ याहनसोंवांधसिं
धलंकागाढलोवै सूरदासमिलविभीषन
गमहोहीफैवै १२९ रागधनासिरी १कपा
पतिवंहविचारकसों नानोमानिसगर॰

सूर सा १५५

249

सागरमैंऊसमसोथ्यरेपसौं तीनजामसत्रकवा।
सखीतेसिंधुगमानभसौं कीनोकपऊंवर
कौसलपतिनवकरधनुषधसौ ब्रलभेषर्ष
धौभ्रतिमालदेष्योवानरसौं डुमपषानध्र
भुवेगमसगावोरचनामेतकसौ नरश्रकनी।
लसनविश्वकर्माकेछुवतपषाननसौ सूर
दासस्वामीप्रतापतैसबसंतापदहसौं ५०
रागमारू लंकाकांड आभ्रनननिरिषोर।
नेतारत भसम्रचेतपषानप्रगटपानीमेवन
चरतारत इहिंविधिउपजीमनरपातजोंजट
पिसैनप्रतिभारत हुडिनमकतमेतरचना
रचिरामप्रतापविचारत जिहिजलतनपष

बारहूदिस्रपनेमैंगसैरनबोरत तिहिजल।
गाजनबीरसबनरनश्रेगनहिमोरत रकप·
तिचरनप्रगटप्रनापसुरव्योमविमाननगा·
वत सुरदासकौंहूइतकलऊंनामनहूइन
पावन ॥३॥ गगगमागेग सकमारनदैहूतप·
हाये बनचरभेषफिरतमैंनामैंजानिविभीष
नबरनवेधाप बीबहीमारघरीनहांभारीराम
लछननबटरामनपाये दीनदयालबिहाल।
दिषिकैंछोरीभुजाकहातेंआए हमलंकेमह
नप्रन्नहारीसमरतीरकोजातश्रन्नाये सुर
कृपालभयेकरुणामैश्रापुनहाथहूतपादि
गाये ॥३२॥ गगाधनामिरी रकपतिजवैसिंधु

सूर सा
२५०
250

नरख्याये ऊसमाधरैवैदिइकथ्यामनवासर

तीनविताये सागरगरवधस्यौंउरअंजनरक

पतिनरकरजाम्यौ नवरकवीरधरेग्रपनेक

रग्रगानिवानगहिताम्यौं नवजलधरघर।

भस्यौत्रासगहिजेनउठेग्रफलाई कह्यौंना

थवानमोहिजारनसरनपस्योहौंआई सुना।

होइएकछिनभीतरजलटिसटिसकौविजारैं

ग्रेतरमारगाहोइसवनकौंइहिविधिपारउता

रैं औरमंत्रजोकरैंदेवमनवेधोसीनविचारि

धीनजानिधरिह्योपविहसकैरियोकंदनेंरा

र यहैमंत्रसवहीमनभायोसीनवंधुप्रभ।

कीजै सवदलउतिहोइपारंगतज्योंनकौ।

ऊ३कल्हीजे यहमनहूतगयौलेकामैसन·
तनगारसुऊलानौ रामवेद्रपरतापदसोंदि·
सजलपरलरतपषानो दसमिरवोलनिक
टवैटासौंकहिथावनसतभाव उहिमक·
हाहोतलेकाकोकौनेकियौउपाव जामवं
तस्रेगरदवंधूमिलकैसेयहदुनश्रेदै मोटेष
तजानकीनैनभरिकैदेषतपैहै होसतभा
वकहोंलेकापतिजोजयउनममानो सक
लकहौथ्योहारकटककौकपिउमहैसोजा
नौ वारवारयौंकहतसकतनहिंतवदति
लैहैसान मेरोजानकनकपुरिफिरहैराम
वेदकीस्रान ऊंभकरनदसकलौंसभा

स्रा मैमृनौघाटउतपात पकसमैहमब्रलसभा
सा मैंवलनसनीयहवात कामक्रोधहैसवऊटे
१५१ वधनघोवैपकहीवार सोघ्रवसन्पहोनरहिं
25) घोसरकोनजमेटनहार घौरमंत्रकलुउर
जिनघ्रानोघ्राजसकपिनमांउहि गहैचाप
रकपतिकेसन्मघहैकरयहतनलांउहि
यहजमजीतपरमपटपावऊंघ्रकस्पेमैसव
घोर सरमऊचवितसरनसभ्भारोलुजीय।
मेनहोर १३३ गगधनासिरी सिंधुनटउनर
तगमउदार गघेविघमकोनोरकनेदनस
रविपरीतविचार सागरपरीतारविगरपरञ्चं
वरकपयनकीआकार गरजाकिरकत्र

बानउ हतन मञुहासि निपावकजार पवन·
फिराउ पयोनिधि भीतर सलिलनाउ लटिवई
ई मञुरकपति भयभीत सिंधु पतनी प्योसा
रपहाई बाला विरहिउस्महि सवङनकोज
मौराजकमावि बानछहशोनि तकाविसर
नक्षाहतलगीनवार प्रवननिकनकक
लसश्राभूषन मनिसकनागनहार सेत·
वंथकर तिलकसोर घ्रभुरकपति उतरेपा
र १३५ रामधनासिरी दूषिरेवहसारंगाय
रश्रायो सायरलीर भीरववनचरकीसिर
परछुत्रवनायो संघकलाहलमनिघन
लागेलीलासिंधुवधायो सोपोकहालंक

सु॰रा
मा
२५२
252

गढभीनरक्षाधिकोकोपठिवायो पटमको
टजाकीसैनासुनिघनजेतनजपकपठायो
सुरदासरकनाथविमुषजेतिहिकेनकसु॰
षपायो १३५ रागमारू मेरीज्ञानसुजनहूंजा
नकीदीजे लेकापतिनिपकहनपियासों
मैकहनकीजे पाहनमारेमापरवांधोंना
मैचरननभीजे वनचरपकलंकजिहिंजा
सीताकीसरकैकीजे चरनटेकदोऊहाथ
जोरकैविनतीकहीनलीजे वैत्रिभुवनप
तिकरहिंकृपायतिऊंवसहितसुषजीजे
श्रावनदेषिबानरकपतिकेतेरोमननपती
जै सुरदासप्रभुलंकजीनकेराजविभीष॰

नटीजै ॥२९॥ रागमारू कहातेंकहतितिय
वारवारी कोटतेतीसस्रसरसेवप्रहिनिसक
रनरामस्रकलछमनहैकहारी मस्तकोवा
धमैंनाषियोकृपमैटेहिआवनकहाउरत·
नारी कहनमंदोदरीमैटकोसकैतिहिंजो
रवीस्तरभ्रभ्रहोनहारी ॥१॥ लंकपतिपास
श्रेगटपहायो स्तनश्रेश्रंयदसकंधलैसी
घमिलसीनकरवंधुरकवीरस्रायो यदस
नतपरजस्योंववननहिमनधस्योकहाते·
रामसोंसहिउगायों सरस्रसरजीतमैंसव
कियेश्रापवससरममसजसतिहूंलोक॥
गायो ॥३०॥ रागमारू रावनतवलोहरीन·

सूर सा १५३ गाजत जवलोंकरसारंगपानकैंनाहिन।
वानविराजत जमकुवेरइंद्रहैजानतरविर
विकैरथसाजत रकपालिरवप्रकाससोंदे
षतउडगनज्योंतहिभाजत ज्योंसवगावन
सुंदरीकेसंगवद्भवाजनहैवाजत तेसेस
रश्रसरश्रादिकसवसंगनतैरहैलाजत ॥२४॥
रागमारू जानहौंवलतेरोगावन पटवौऊ
टेंवसहितजमश्रागैनेकटेहिमोकोंधौश्रा
वन टारुनकौससमभटवरसनसुषलेहौंसं
गतिदिसवलपावन श्रगिनपुंजसितवं
नयजुषधरितोदिश्रसरकेलसहितजरा।
वन काहेनामसवलपमेंतिकोंपूजा

253

विपिकौतुककदिषरावन ब्रम्हारम्हषछेदस
पकनवफलजौब्रुह्मसंकरदससीसवठ
वन देहोराजविभीछनजनकोलंकाछर
कश्रानवलावन ह्वरदासनिस्तरहैइहिज
सकृपनदीनजनगावन ५४ रागमारु
मोकौंरामसजाइसनाही नातरहनदसके
धनिसाचरप्रलयकरौछिनमाही पलटय
रौंनवघंडप्रहूणपरजौवलभुजासंभारौं रा
घौमेलभंडारहूरससिनभकागदजौंफा
रौं जागोलंकछेददसमलकस्हरसंकोव
निवारौं श्रीरकनाथप्रतापवरनतैउरतेभ
जाउपारौं वैरेवपलसहूपठीदस्वोलत

सू० सा० २५७ 254

वचनश्रनेरौं चितवैकहापानपलवछुटिपा नप्रहारीतेरौं तीनलोकविष्यातविसदज सघलचनामहैमेरो रैरेश्रेधवीसहैलोचन: परतिचहरनविकारी सूनेभवनगवनतै कीनोसघरेषनहीदारी श्रजहैकसौकैरे जोमेरोश्रायेनिकटमगारी जनकसुताले पाइनिपरिश्रीरकनाथपियारी सेकटय रैजसरनप्रकारीतोकुवीनकहाऊं जनम हितैनाममत्राराध्यौकेसेहितउपजाऊं श्र वतोसुरयहैवनश्राईहरिकोनिजपदपा ऊं परमसीमरईमनिरमाइलकेसेवरन कुवाऊं ॥८॥ रागमारु सुरघरछुपतस

ग्रुकहावत जाकेनामध्यानसुमरनतैंका
कोटिजगफलपावत नारदादिसनका॰
दिमहामुनिसुमिरतमनसुखपावत ग्रं॰
वरीषप्रह्लादममवलीगामनेतजिद्दि॰
गावत जाकीचरनिहदरीछुलवलकरतांते
विलमनलावत दूसग्रहग्राटसंषवनव
रलैलीलासिंधुवंधावत जाइमिलोकोम
लनेनेसकोमनप्रभिलाषवढावत दैसी
नालंकेसपाइपरितवलंकेसकहावत
तेंभ्रल्योटसमीसवीसभुजमोहिगुमानदि
षावत कंपउपाविझानिभूतलसैसरमकै
लेउठपावत १४२ रागमारू रेकविकौ॰

सू.र
मा
२५५
255

पितवैरविसारयौ नोसमझलकंन्याकौंन
उपजीजोझलसझुनमारयौ श्रेसोसभटन
नहीइहिंमंडुलदेष्यौवालसमान नासोकि
योवैरमैंहारयौकीनोपैजप्रमान नाकोवढ
नकियौइहिंरकपतिकोदेषतविदमान
नाकोसरनरह्यौंकौंभावैसवदसनैदेका
न रेटसकंधश्रेपमतिसूरषकौभूल्यौंइ॰
हिरूप सोकतनहींवीसहूंलोचनयरयौ॰
तिसरकीरूप धन्यापितापरपिताप्रफल
तिगाववभुजाग्रनूप वाप्रतापकीसधुरवि
लोकतगाहिवारोंसतनभूप जौतहिनाहि॰
वाहुवलपैाकषग्रर्थगाजदेवुलंक सोसभे

नपसकलनिसाचरलरतनमानैसेक
जवरघसाजचढौंरनसनमुषजियहिन
स्त्रानौंटेक रावचसैंनसमेतसंग्रामरौंकरौ।
हथिरमयपंक श्रीरघुनाथचरनन्रनतउर
धरकौंनहिंलागतपाइ सवकोईसपरम
करुणामयसवहींकोंसुषदाई होजकर
नलैचलोजानकीछाडौंसवैविराग सन
मुषहोइमूरकेस्वामीभगवतनिरूपानिधा।
न १८३ रागमारु लंकपतिदेइजितकोंत्र
लायौं कहयौंतिहिंजाइरनभूमिदलसाज
जकैंकहाभयौरामकपिजोविल्लायौ को
पितुंगारकहयौंधरौधरचरनमैंनाहिंजोस।

स्रा कैकोऊ उदाई तौ बिनाज्ञ ह्वजियै नाहिं रखु
मा वीरफिरयहस्नननउदैजोथारिसाई रहैपवि
१५८ हारिनहिपारकोऊसकौंउसौनवस्रापराव
286
नरिसाई कलैांश्रंगटकहामममचरनकोग
हनदैवरनरक्कवीरकिनगहैनजाई स्नन
नयहस्नऊवकियैागवननिजभवनमैंवा
लस्नतहूतहांतेसिधायौं स्नरकेप्रभुकोपाइ
परयौकलौंश्रयदसकेथकोकालस्रायौ
१८८ रागमाहृ वालनेदनस्राईसीसनायौ
श्रेंयदसकेथकौंकालस्रफननप्रभुमैवढ़
नभेटविधिकहस्ननायौ ईद्रजीनवछौंनि
जमैंनकौंमाजिकैगावरीमैनहमाकीजै स्र

रग्रभुमारदसकेधधापिवेधुनिहिजानको
नजसजगतलीजै १८५ रारामाह रघुप।
निजौनइंद्रजितमारौं तौनहूंउचरननिको
वेरोजोनप्रतिज्ञापारौं जोदिढवातजानिये
मेरीधरमगायकहिवाननिवारौं सत्रराम
परतापतस्मारीघंडघंडकरिडारौं कुंभकर
नदससीवीसभुजदानवदलहिं विडारौं न
वैसत्ररसेधानसफलहोरिपुकोसीसउपा।
रौं १८९ रारामाह लछमनदलसंगालियें
ज़ायलेकचेरी वसुमतीप्रपेश्रकृस्रपेश्रा।
कासभपदिसिविदिसिकोऊनदिजातहै
री रेछपलवंगाकिलकारलागेकरनस्रा

सू॰र
मा
२५७
257

निरखुनाथकेनाथफेरी पाटगयेहूनटप
रेलूटमवनगारमैंसूरदरवानकहौंजाइरे
री १५७ रागमारू रावनउहाँनिरषिदेषि
आजलंकघेरी कोटिजननकोरिरहीनही
सोषमानीमेरी गहिगहातकिलकिला
तअंधकारछायौ रविकोरथसूकतनहि
थरनिगगनछायौ तोरपाटलूटपरीभागे
दरबाना लंकामैंसोरपर्यौंग्रजहूँतैनर्ज
ना फोरफारतोरनारगगनहोतगाजै सू
रदासलंकापरचक्रसंषवाजे १५८ रागम
रू लंकाफिरगईरामदुहाई [illegible] कहित
मंदोदरिसुनापियरावननैंकहाकुमतिक

माई दसमस्तकमेरेवीसभुजाहैंसोजोज
नकीषाई मेघनादसिपुत्रमहावलिकुंभ
करनसेभाई रछ्रारछ्रषवलावोलनवोलौंउ
नकीकरनवढाई तीनलोकतेपकरमं
गाऊंवैतपसीदोऊभाई तमैमारिमहारा
वनमारेदेइविभीषनराई सुग्रीवनिधूतमहा
वलजोधाछिनमैलेकराई जनकसुता
पतिहेरकवरसेसंगलछमनसेभाई सु
रदासप्रभुकोजसपुगासौंदेवनवंधछुडा
ई १५८ रागमाह मेघनादब्रह्मावरपायो
भाइतषुगिनजमाइसंतोषीनिकस्योरथ
वहुरतननवनायो आयुधधरेसमेतकव

सरमा १५८ वसजिगरजिवद्यौं रणभूमैं त्रायौ मानो
मेघनायकरितपावसवानहूहूकरिसैन·
षपायौ कीनोकोपञ्जवरकोसलपतिपथ
श्रकामसाध्यनिछ्वायौ हेमहेसिनागफास
रसायनवंधमसेनवथायौ नारदस्वामीक
ह्यौंनिकटहेगरुडमनकाहिविसरायौ
भयौनोषटमरथकेसनकौंसनिनादको
ज्ञानलषायौ स्मिरनध्यानज्ञानिश्रवुनो
श्रभुनागफांसतेसेनलुडायौं १५· रामम
ह् लंकपतिश्रज्जसोवनगायौ लंकवु
रथाररसचुगारङ्गेराद्योतियाज्ञांकेसियामै
लैसायौ नैवुरीवद्गतकीनीकहातह्कि

258

हौंछाडिजमजगतअपजसवढायो सुर
अवडरानिकरिजुद्धकोसाजकरिहोइहैसो
इजोइटईभायो ॥१५॥ रागमारू लछमनक
सौंकरवारसंभारों कुंभकरनअरुइंद्रजी
तकोंहूंकहूककरिडारों महाबलीरावन-
जिहबोलतपलमैंसीससंघारों सवराछ-
सरकवीरकृपातैंपकहिवाननिवारों हसि
हसिकहतविभीषनसोंप्रभुमहाबलीरन
भारों सुरसननतरावनउठिधायोक्रोधअ-
नलजलधारो ॥१६॥ रागमारू रावनवल्यो
गुमानभस्यों श्रीरकनाथअनाथवंधमों
सनमषकहतषरों कोपकस्यौंरकवीर

सर
मा
१५९
259

धीरनवलजुमननपाउपसौं नमरेतेजप
नापनाथजनुमैकरिधनुषधसौं सौंसार॰
धीश्रमरवड्मारेरावनक्रोधजसौं ईदृजी
तलीनीजवसेघीटेवनह्माह्माकसौं कूटी
वीजरामवद्दमानोभूतलवेधुपसौं करुः
णाकरनकेंवरकौमलपतिनेंननिनीरक
सौ सररामसहजवेंनदीनहैंग्रंजलजोरघ
रैं श्राजाटेङसंजीवनल्याकेंगिरउवाइमि
गरौ १५३ रागमारु निरषमषराचवधर
ननधीर भपत्रातिप्रकुनविमालकमल
दललोचनमोचननीर वारहवरसनीट
हीमाधीनानेविकलसरीर वोलननदी

मौनकह्योगहिरहौंविपनवतावनवीर
दसरथमरनहरनसीताकोरनवैरिनको
भीर ह्वैगोकोहुरमित्रासुनविनकौनधरा·
वैधीर १५८ रागमारू अवहौंकौनकोसुष
ह्वैगो विधुसैनासमूहजलउमडेकाहिसंग
लैफेरौं उघसमुद्रनिहिंवारपारनाहिनामै·
नावबलाई षेवटषक्यौंरहौंग्रथवीवको
नम्रापदाप्राई नाहिनैभरतसत्रुघनसंट
रजासौविमलगायौं वीवहीभईग्रोरको
ग्रोरभयोसत्रुकोभायो मैंनिजप्रानतजौ
गोसुनिकपितजहैजानकेसुनकै हूहै
कहाविभीषनकीगनयहैसोवजियग

सूर नकेबारबारसिरलैलछमनकोनिरषिगो
सा टपरराषै सूरदासप्रभुदीनवचनश्रुनिहनू
१६० मानसौंभाषै १५५ रागमारू कहांगयौमरु
260 तनपुत्रकुमार ह्वैअनाथरघुनाथपुकारैं
संकटमित्रहमार इतनीविपतभरतसुन
पावैंआवैंदलसाजिसंजूथ करगहिधनुषज
गतकौंजीतैंकेतकनिसचरजूथ नाहिं·
नेऔरवियौकोउसमरथजाहिपठाऊंदूत
वहपुरवरीपौरुषदिषरावैहोइपवनकोपू
त इतनौवचनश्रवनसुनहरष्यौंफूल्यौं·
अंगनमात लैलैचरनरेनुनिजप्रभुकी
रिपुकेश्रोननन्हात ग्रहोपुनीनप्रवलके

सरिसतनतमहितवेधुहमारे जिभपारोमरो।
मधुतिनाहीपोरुषगनोतमारे जिहांजहां।
जिहिंकालसंभारेनहेनहेजासनिवारे सहा।
महाइकियौवनवासिकैवनविपदाउघटारे
१८८ रागमारू रकपतिमतुसंदेहनकीजे
मोटेषतलछमनकौंमरिहैमोकोंग्रनादी
जै कहोतोसहाजउगानिदेंउनहिंदिसदिस
वठैनाम कहोतगानसमेतगसषाऊंजमउ
रजाइनराम कहोतमकालहिंषंउषंडक।
रिहूकहूककरिकाटौं कहोतमहतहिमारि
शरिकैषोटपतालहिपाटौं कहोतवंटहिले
प्रकासतेलछमनमषहिनिवोरौं कहोंत

सूर सा २६१ पैरिस्रधाकेसागरजलसमेतमेघोरै श्रीरघु
वरमोसोजननजाकेनाहिकहासकराई सूर
दासमिथ्यानहिभाषतम्हहिरकनाथतुहाई
१५७ रागमारू कहौंनवहत्रुवेंतसोंरघुराई
दैनागिरिपरआइसजीवनम्हषीनवैदवन
ई नरतजाइलैआउउहांतेविलमनकारिअ
वभाई सूरदासप्रभुववनसुननतहनुवेंतव
लयौंधरनाई १५८ रागमारू दैनागिरहतु
मेतसिधायौ संजीवनकोभेदनपायौतव
सवमैलउटायौ चितैरह्यौनिहिंभरतदेषि
कैअवधपुरीतवआयौ मननमैजानउपद्रव
भारीवानएककासववलायौ रामरामयहकै

261

हतपवनसुतभरतनिकटजवआयो पू१
छौंसूरकोनहैकहितेहनुवंतनामसुना
नायो ५५ रागमारू कहौकपिरकपति
संदेस कुसलवंधुलछमनवैदेहीश्रीपति
सकलनरेस जिनपूछौकुसलनाथकी
सुनोभरतमलवीर विलषवदनउषथ
रंसियाकेहैंजलनिधकेतीर वनमैवसा
ननिसाचरकोछलहरीसियाममभात ना
कारनलछमनसरलागयोभयाममविनर्ष
त उतनोवचनश्रवनसुनिसुनिकेसवति
षुहूमतनजोयो जाहजाहकरिषुत्रपुत्रक
हिलोटिसुमिरायोयो धन्यसपुत्रपितापू०

स्त
सा
२९२
262

नराधौंधम्मसऊकुलजिहिलाज सेवकध
मसंतकेशोमरआवैप्रभुकेकाल कतर
घुनाथमरकेकारनमोकौलैनपठावै घ
कौसमधगृहँनिसिबीतेकौलछमनहि
जिपावै ष्रुनिधीरधीरकहौंधम्मलछम·
नरामकाजजोआवै मरतिघौंजगगाजस·
पावैमरिसरलोकसिधावै १९० रागमा·
रू यनिजजननीजोसवरहिजावै भोरपरे·
विप्रकोरदलरदलमलकौतककरिदिषरा
वै कौसल्यासौकहतसुमित्राजिनस्वामि
नदुषपावै लछमनजानिहौंभयमहतीरा
मकाजजोआवै जीवैतोसुषविलसैजग

मैकीरतिलोगनिगावै मैरेतमंडलभेदभा
नुकौंसरपुरजाइवसावै लोलगहिंलाल·
चकरतियकोश्रीरोसभटलजावै सूरदा
सप्रभुजीतसत्रुकोंऊसलहेमहरखावै ९१
रागमारू पवनपुत्रबोल्योसुनमाई जान·
सिरानवातवातनमैसुनोभरतवितलाई
श्रीरघुनाथसजीवनकारनमोकोइहांप
ठायौ भयौसुकाजसुधंनिसवीतेलछुम
नकाजनसायौ सौपरवतसरविदेपवन
सुतहौंप्रभुपैलेहेपहूचाऊं सूरदासप्राव·
रिमसासिरहैइहविधिभरथकहाऊं ९२
रागनट सुनोकपिकौसिल्याकीवात ३।

सु
मा
१९३
263

हियरजिनआवहुबिनलछमनसुनोबछर
घुनाथ जिनतजौंराजकाजमानाहिनन
मवरननिविनमानै कहाकहौकछुकह
ननआवैसजनहोइसुजानै लछमनसहि
तसकलसेनापतिआनिराजपुरकीजो ना
नरसुरससमिआसुतपरवारसुपनपौटीजो ९
रागमाह बिनतीजाइपवनसुतकहियो।
तमरकपतिकेआगै यापुरजिनआवहु।
बिनलछमनजननीलाजनलागै माकुत
सुतसंदेसहमारोससमिआकहिससुफावै
सेवककउजपरेबनबिग्रहठाकुरतौबधआ·
वै जबतेतमगवनेकाननकोभरतभोग

सवछाडे सूरदासप्रभुतमेरेदरसविनडु
घसमद्रउरवाडे १९४ रागसारंग हूनुमा
नसजीवनलायौ महाराजरकवीरथी।
रकौंहाथजोरसिरनायौ परवतस्रानय
सैौंमाउरनटमरनसंदेसहनायौ सूरस
जीवनदैलछमनकौंमूरछितफिरजि।
वायौ १९५ रागकानूडा हूमरेकरवान
नलैहौं सुनिसुग्रीवप्रतिज्ञामेरीएकही
वानश्रसरसवकैहौं शिवपूजाजिहिंभा
तकीरहैसोईएहितपरतछरिपैहौं दै।
नस्रएनाथपापफलपीरतसिरमालाऊ
लसहितचढैहौ सनोतनलगनपरतस्र।

सु.र गिनिसुषजारिजउनिजमपंथपदैहीं
मा कविहोंनहीविलंवकलूम्रवउहिरावन
१९८ मतमुषहुथैहो १मटमजुषट्देवहिजमो
264
चनलंकविभीषनतमोकोटहो लछम
नसीयसमेतसुरकपिसवसुषमहितञ्च
जोध्याजैहीं १९९ रामगमाहस्रीरघुवरको
पेहेवनराम ब्रह्मादिश्राहरुविमाननटे
षैंसरसंग्राम वनतननिदिव्यकवचसजि
कोरघुरूकरथासौंमारेग सुवकरमक
लवानसुधेकरिकटतनटकसौनिषंग सु
रघुकुलनेम्रधोरयुमजकैरघुपतिभयेम्रा
मवार कांपेभूमकहाग्रवहहेसमिरत

नामसमरत छोभितसिंधुमेसमसिरकंपत
पवनभयौअतिपंग इंद्रहसौंहरहंसवि
लषातौजानवचनभयौभंग ब्रटरब्रेवर
हिसविदिसवठअतिमायककिरनसम
न मानोमहाप्रलयकेकारनउदैउभय।
घट्टभान टूटतधुजापताकछत्ररथवोप
वक्रमरत्रान कूफतसमभटजानजैयौंदें
डुमहिनमाषाविनपान घ्रोनितछंछउ
छविसुकामसलोगजभाजनमरलाग म
नोनगारनतेंतनचरतेउपजीहैअतिआगि
उटिकवंधवहगातभीतहैंनिकसतहैंजि
रत्पाति फिरतसिगालसक्यौंसोकाठ

सूर
सा
२९५
269

नवलननविस्मरिलैभाति रक्कपतिनिसर्प
वकपश्चेउश्रतिमीतास्वासममीर यावन
कलश्रकङ्कंभकरनवनसकलसभटर॰
नथीर भयभमकल्लवारनलागीज्यौर्व
लापटवीर स्मरटासपश्रग्राप्तनवांहव॰
लकियेनिमिषमैकीर ९८ रागमाहू र
कपतिश्रयनौपनश्रतपासौं नोसौको॰
पिश्रवलगाढयावनहूटहूककरिउसौ
कहूंभजनकहूंधउकहूमिरलोटतमानौ॰
मत्रमतवारौ उरपानिवकनङ्कवेरडंटज
ममहासभटननभारों रत्नोमामसकोपि
नथाननैरायौवानश्रनयारौ ज्ञाकेनवय

हूपरिपाटीनरहूपहिकालउसाहौं सो
रावनरकनाथछिनकमैकियोगीधको
चायैं सिरसंभारिलैगयोउमापतिरह्यौंरु
थिरकैगायौ छोरेऔरसकलसुषसागर
बांधउदधिजलषारौ सुरनरमुनिसव।
सुजसवषानतउछटसाननमारौ दियौ
विभीषनराजसुरप्रभकियोसुरननिला
यो वंधूसहितजानकीसंगलैअवधपुरी
पगधारौ १८ रागमारू करुनाकरतमं
दोदरिरानी चौदहसहससुंदरीऊभीउठै
नकंतमहाअभिमानी वारवारवरज्योन
हीमानजनकसुतातैंकतहठरआनी पज

सूर सा १९९

2.66

गाढ़ीसपर्इकमलापतिसीतानितयातेजुक

रिमानी लीनेगोदविभीषनरावनकुलक

लंकदैसीमतिदानी चोरीकरीराजहूंषोयो

अल्पमृत्युतेरीआईनलानी कुंभकरनस।

मकाइषकौपविदैसीतामिलसारेगण॰

नी सुरसबनिकोकसौंनमामोनोषोईश्र

पनीराजधानी ७० रागमारू सुरपतिद्वि

बोलरकबीरबोले असुनकोहूंषिरनषे॰

नकूपरकोरोसुननतनिनश्रीभंडारषोले

उदकपिभालसूंगालजयजयकरतश्रसु

रभयमकरकबरनिहारे सुरप्रभश्रुगामम

हिमानकलुकरेपरतमिधगंधर्वजयज

यउचारे ।८१। रागमारू लछमनदेषीसीता
जाइ प्रनिकुसटीनछीनतनप्रभुविनुनैं।
ननिनीखवहाइ जामवंतसुग्रीवविभीषन
करीदेडवतआइ आभूषनवहुमूलपटेव
रपहिरैमातवनाइ विनुरकनाथमोहि।
सवफीकेप्रत्तामेटीनजाइ पुहूपविमान
वैठिवैदेहीत्रिजटासवपहिराइ देषतदर
सनममसुषमोसौंमियापरीसवफाइ सूर
दासस्वामीतिहिंपुरकेजगउपहासडराइ
।८२। रागसोरठ लछमनरवौइहनासनभा
इ यहसुनहनुमानडुषपायोमोपेदेष्योन
जाइ आसनपकइहनासनवैठीमानोअंकर

सूर
सा
२६७

267

नकीग्रकुनाई जैसैंरविइकपलछवनभीनर
विनमाकुतउरजाई लैउछंगगजसेंगाढ्ना·
मनानिहकलेकरहुराई लैविमानवैठारि
जानकीकोटिवदनछविछाई दसरथक
हैदेवहूभाषैव्योमविमाननिकाई सिया·
रामलैवलेग्रवधकोंसूरदासवलजाई ८ ३
रागमारंग वैठीजननीकरतिसगुनोनी
लछमनरामग्रवहिंमिलहैमोहिंदोऊनि
रमोलकमोती इननीकहनसुकागनहां
नेहरीडारउउवैठौ ग्रेवलगोटभईउघभा
ज्यौंमघहिग्रानउरपैठौं जौलोंहौंजीवन
भरिजीवौसदानामतवजपिहौं दधिग्रोद

नरोनाकरिरहेहौंअहमाइनमेघपिहौं अव
केजोपरवोकरिपाऊंअहदेषोभरिआंषी
सुरदाससोनेकेपानीमढिहौंवोवहपांषी
१२४ रागमारू आयोबालिनंदनवली विक
टवनचरमहाहावरकवीरकोवीरिआयो
धौंरलैंदोरदरवानदससीससोंजाईसिरना
ईयहकहसनायो सुनअवनदसवदनम
दनअभिमानकरिनैनकीसैनअंगदवुल
यो देषकपिभेसलंकेसहरिहरहस्यौंस॰
नोभटकटककोपारपायो विविधआयुध
धरेसभटसेवनघरेछत्रकीछांहनिरभय
जनायौं देवदानवमहाराजरावनसभा।

स्रा
मा
२६८
268

कहनकौंमैउतनहौंकपिपठायौ। रंकरावन·
कहाटंककहाटंकतेरोइनोटोऊकरजोरबिन
तीबिचारो। परमअभिरामरकनाथकोरो
मपरबीसभुजमीसदसबारऊरो। फटकि
हाटकमऊटपटकिपरभूमसौफारनरवा
रतेरोसिरसंवारो। जांनकौनाथकेहाथते·
रोमरनकहामतिमेदिनद्विमध्यमारो। पा
कपावककैरैवारिस्नरपतिजैरैपवनपाव
नकैरैहारमैरै। ज्ञाननारदकैरैज्ञानस्नर।
गुरुकैहैवेदब्रह्मापैरैपौरटैरै। मेघवासक
प्रभूतनागगंधर्वगनसकलवस्रजीतमैं
कौरेवेरे। सनग्रेरेसददसकंदकौंकहाउर

रामनपमीटियेश्रानउेरे नपवलीसन·
नापसवलीनपविनावारिपरकौनपषा
नतारे कौनश्रैसोवलीसुभटजननीज·
स्यौपकहीवाननकवालमारे परमगंभी
ररनधीरटसरघतनयसरनगयेंकोट·
श्रीगुनविसारे जाइमिलश्रेधटसकंध·
गहिदंतनृनजौभलेंसुसुसघतेउवारे
कोपकरवारगहिकस्यौलंकादिपतिसू
ढकहारामकौसीसनाऊं संभुकीसप·
तसनिऊकपिकापरकूपनस्वासश्रका
सवनवरउराऊं पैरेभहराइभभकेतरि
पुनाइसौंकरिकटनफिरिभेरोंश्रवाऊं

सुर
सा
२६९

269

सुरसाजैसवैदेवतुंडुभीवजैपकनैपकरं
नकारिविनाऊं वळौंगावनसम्मोसीम
सिवतनवपुमौउमडिरनंरगारहुवीरघ्रायो
हेउभककहेउपुकपुकनतधरनीपरेहयिर
सलिलानहीपारपायो रामसारेलागिम
तुश्रागिगिरपरजरिउछलिछतुछतुसर
नभानछाए मारटमकंपपघपवंपुकों
सुरप्रभुराजीवनैनहरसिपाल्पाये ८५
रागवसंत उतरकांउ हमारोजनमभूम
यद्गाउं सुनिकपिसषासुग्रीवविभीष
नप्रवनिप्रजोध्यानांउ देषतवनउपवन
सरनासरपरममनोहरहांउ प्रपनेप्रकृ

प्रक्रितिलियेबोलनहौंसुरउरमैनरहौंउ
लोंकेवासीअवलोकतमैआनंदउरनसमो
उ सूरदासज्योविधिनसंकोचैनौवैकुंठन
जाउ ९८ रागवसंत राघवअवतहैअवद
आज रिघुजीनेसाथेदेवकाज प्रभुकमल
वंधुसीतासमेत जससकलदेसआनंददे
त कपिसोभितसुभितटअनेकसंग जै।
सैंसूरनससिसागरतरंग सुग्रीवविभीष·
नजामवंत अंगदकेदारसुखेनसंत नल
नीलउवदकेसरकवछ कपिकहेसुखश्री
रअनेकलछ जवकहीपवनसुतविविध
बात नवउठीसभासवहरखगात ज्योपा

सूर
सा
२७०
270

उसरितवनप्रथमसपोर जलजीवकदाउरर
टतमोर जवसुनेभरतनिगुकंटकभूप ना·
वरच्यौनगररचनाअनूप प्रतिप्रतिगृहतोर
रनधुजाअनूप सजेसजलकलसअरुकदली
नूप दधिहरदहूवफलफूलपान करक
नकथारतियकरतगान सुनिभेरवेदधुनि
संपुनाद सुनिरघुकुलकआनंदप्रसाद टे
घतप्रभुकीमहिमाअपार सबविसरिगए
मनबुद्धिविकार जयजयदसरथकुलक
मलभाउ जयकमदजननिससिप्रजाप
न जयदेवभुनलेसोभासमान जयजय·
सूरनसहूप्रान ।७०। रागमारू टेषिकाप

राजभरतवैश्राय ममपांवरीसीमपरजाके·
करश्चेंगुरीरबुनायवताय छ्वीनमरीरवी
रकोविछ्वरेराजभोगचिततेविमराये ल·
व्रुतपमाश्वहसेवास्वामिधर्ममवजगहिमि
षाये यड्डपविमानहूरहीख्वाडेवरनवपल·
घ्रुघ्रुकरिथाय श्रानंदमगनमदनम
तकेकरईकनकदंडज्योगिरनउदाय मेंटन
थ्रंमघुरतपीटपरगारगारगिरानेनजालिख्व
ये श्रेसेमिलिमामिनामतकोंविरहस्रगि·
नितनकरनबुफाय जयाजोगमेटेघुर·
वासीमलमिटेमषमिंधुवछाय मियारा
मलछमनमषनिरषतमरदासकेनैनं·

स्व
रा
२२१

271

सिराय १२८ रामामाह् अतिसुषकौसिल्याउ
ट्यिथाय उदितवदनअरुमुदितमदननैअ
रतिमाजिसुमिशाल्याइ ज्यौसुरभीवनवस
नवल्लविञ्ञपरवसपमुपनिफिरिआइ व
लीसंफसमल्हाइअवतयनउमतिसिलि
नजननीदोऊभाइ अमीवचनमनहोत
ऊल्लाहलदेवनदिवडेउभीवजाइ ट्यिफ
लह्वकनकेकोपरआरतिज्ञवतिविवि
वनाइ अनेकवरनपतिज्ञनपांवडेनेननि
मकलसुषट्हीछाइ पुलकितरोमहरष
गद्गद्जरञ्जवतिनमंगलगाथ्यागाइ नि
जमंदिरमैआननतिलकदैद्विजनअसीसम

नाई सियासहितसषलेडुइहातमससूरदं
सवलिजाइ १७९ रागमाहू मनमयश्रास
नश्रानधरे ट्रयिमधुनीरकनककेकोपर
श्राभुनभरतभरे प्रथमभरतभैठाइवंधु॰
कोंयहकहिपाइपरे होपावनप्रभुवरन
पषारौंहविकरिश्रापकरे निजकरनैंचर
नपषारप्रेमरसश्रानंदश्रेंसूठरे ज्योंसीत
लसंतापसलिलदैसषदसमकरे परस
नपानिवरनपावनदुषश्रंगश्रंगसकलट
रे सूरसहितश्रासूठवरनजललैकरसी
सधरे १८० राजसमाजवर्नन धनासिरी
विनतीकिहिंविधिप्रभुहिसुनाऊं महारा

सूर
सा
२७२
272

जरकवीरधीरकोसमयनकवंऊंपाऊं जं
मरहितजामिनिकेवीतेनिहिंश्रोसरउठि
धाऊं सऊचहोतसऊमारनीदमैंकेसेधरु
हिजगाऊं दिनकरकिरनउदितब्रह्मादि
करुद्रादिकरकठाऊं अगानितभीरअम
रसनिगनकीतिहिंनैठौरनपाऊं उठतिं
सभादिनसध्यासिपापतिदैषिफिरिफिरि
श्राऊं नूतनषातसषकरतमाहवीकेसें
करिश्रनषाऊं रजनीसषश्रावतगुनगा
वतनारदतौंवरनाऊं तसहीकहौकपन
मैरकपतिकिहिगाननीमैंश्राऊं पकउपा
उकैगैकसलापतिकहौंतकहिसमफाऊं

पतितउधारननामसुरउअलिषिकागर·
पड्वाऊं १८१ इंद्रअहिल्याकीकथा राग·
बिलावल सुरपतिगौतमनारिनिहारि अ
तरहैगयौविनाविचार कागरूपकरि·
वरूख्यायौ अर्धनिसातिहिबोलसुनायौ
गौतमलख्यौप्रातहैभयौ स्नानकाजसो१
सरनागयौ तबसुरपतिमनमोंहिविचा·
रि पतिब्रताहैगौतमनारि गौतमरूप१
विनाजोजैयै ताकेश्रापअगनिहूहियै
गौतमरूपधारितहांआयौ मूर्छितभयौ
अहिल्यापायौ कह्यौंअहिल्यातूकोआहि
वेगिउहांतेंबाहरजाहि इहिंअंतरगौतम

स्तर
मा
२७३
273

रिषिश्रायौ इन्द्रज्ञानयद्धववनस्तनायौ स्तर
षैतैपरतियमनलायौ इन्द्रागीनजिमस्तूयहो
श्रायौ इकभगकीनहिरछाभइ भगमहस
दईनहिदइ इन्द्रमरीरमहेममभगभइ छण्यौ
स्तकमलनालमैजइ कालवङ्गननाहौर॰
विनायौ स्तरग्ररिषनिमहिननहांश्रायौ
जगकराइग्रयागश्रन्हायौ नौहूप्पूर्वतन॰
नहीपायौ नवमवरिषनदईश्रामीम भग
नैनेत्रकरोजगटीम भगस्थानननेत्रनवनव
भग रिषिंइहिलैस्तरग्रगगये परतियमो
हइंइटउषपायौ मोन्नूपमैंनहिकहिसम॰
कायौ ८८ राजानन्दकीकथा गगभैरों

सुरपतिकौं सुरगणजव भयौ सोसुरगुरल

जितनहिंगयौ नहुषनृपतिपैं रिषबलि

आइ कह्यौं सुरराजकरौ तुमजाइ नहुष

इंद्रराजजवपायौ इंद्रानीकौं बलभायौ

कह्यौं इंद्राणीसोंपैआवै नृपसोंताकोकहा

वसावै सुरगुरुसोंयहवातसुनाइ अबव

करनतिहिंकहिंसमुफाइ सचीनृपति॰

सोंसोइभाषी नृपसुनिकैहिरदैमैराषी

सचीअगिनिकोतुरतपठायौ सुरपतिट

सारैषिसोआयौ इंद्राणीसुनिव्याकुलभ

इ अबवधरीवितीतहुइगइ तबतिनऐसी

बुधिउपाइ इहिअंतरनहुषसुचलाइ क

स्तूर
सा
२२४
274

हौंतमग्रसमेधनहिकिये विषग्रगाता।
मम्रदपतिभई विप्रनपरचाछिकैजोश्राव
इ नौतममेरोट्रसमनपावइ नृपतिरिष
नपरहैंग्रसवार बलिहौनरनसवेकेहार
कामग्रंथकलुरहीनसेभार डुरवासारि
षकोपगिमारि सर्पसर्पकलौंवारंवार
नवरिषिद्रीनोनाकौउारि कलौंसर्पनेभा
ष्योमोट्ट सर्पहूपतंहीनृपहोहि जवस·
गपरिषसौनृपपायौ नवरिषवरननिर्म
ष्योनायौ यट्टसगपमक्कजोहोई रिषमो
सौभाषौग्रवमोई कलौंज्ञापिहिरट्यौजे
ई नवउद्दारनेवौनृपहोउ नृपग्रेसोहैप·

रतियप्यार मूरषकरनसोंविनाविचार
ज्यौ सकनृपसौंकहिसमझायौ सूरदा॰
ससोहीकहिगायौ १८३ कविदेवजानेके
कथा रागभैरौ श्रवणतिगतकछुकहत
नआवै होइजोकछुप्रभुकेमनभावै जि
यकोकसौंकछुनहिहोइ कोटिउपाउक
रौकिनकोई एकवारसरपतिमनआई
सकश्रसरनिकौंलेतजिवाई ममगुरुहू
वियापढिआवै मृतसरनकोफिरजिवा
वै निजगुरुसौंभाष्यौंतिनजाई सकश्रस
रकोलेतजिवाई तुमहूयहविद्यासिषया
वहु मृतकसरनकोतुमहूजियावहु त

बतिनकचकोंदियोपढाइ कह्यौंसुक्रसौं
तिनसिरनाइ मैंविद्यायौंतुमपैंरिषराइ तुम
मोहिविद्यादेहुपढाइ सुक्रकह्यौंनासौंया
भाइ देहौंविद्यातोहिपढाइ विद्यापढैक
रैगुरुसेव नवविधिसोंधेनाकोंदेव सुक्र
सुतादेवजानीनाम सबगुनपूरनरूपाभि
राम सुरगुरुसुतकोंदेषलभाइ देषैंता
हिसुरुषकीनाइ कितककालबीततज·
बभयौ गाइचरावनकोंसोगयौ असुरन·
मिलयहहृकियौविचारि सुरगुरुसुतकों·
डारैमारि जोयहसंजीवनपढिजाइ तौरह
मसांत्रुनदेइजिवाइ यहविचारकरकचा·

कोमार्यौं सक्कस्तनादिनपंथ्यनिहार्यौं
सोंफभईहृजवनहिङ्ग्रायौ सक्कपासितिन
कहिसमस्फायौ सक्कहृदैमैकरनविचारि
कर्यौंश्रस्तरनिवहृङार्योमार स्तनाकर्यौं
निहिफिरिजिवावड़ मेरैजियकोसोचमि
टावड़ सक्कनाहिपाछिमंत्रजिवायौ भ॰
यौतासननयाकोभायौ पुनिहृतिमदिरा
माहिमिलाई दियौदैत्यानिहिसक्कापिवाई
नवतेहृत्यामटकौंलागी यहैजानिसवदे
वनत्यागी स्वापदियौनाकौंयाभाई जो॰
तहिपियैंस्तनरकरहिजाइ कचविद्यास॰
कसनाउघपायौ मास्नैकवकोश्रस्तरनि

सुर
सा
२२९

276

थाई मेरिगामैंम्हिहिदियौपिवाई नाह्निजवं
ऊंनोमेमेरो जौतमकहोमग्रवमेकरो क
स्योंविनयकरिम्ननरिषराइ दोऊंजीवेंसोक
रोउपाइ मेंजीवननवमोटईपहाइ नासेंग
नियोंकस्योंतुजाइ जवनमनिकसउदरतें
श्रावइ यविपाकरिमोहिजिवावइ उदर
फारतेह्निवाह्नरकियो मिरनककवश्रेसी·
विधिजियो सजवउदरतेंवाह्नरश्रायो से
जीवनपढिसकजिवायो वह्नतकालज
ववीततभयो कचोरिषरिषननयासोंक
ह्यौं जोतमरीमोह्नश्रसाहोइ नातमानकों
देषोंजोइ रिषननयाकस्योंमोह्निविवादि

कचकलोन्गुरुभगनीआदि नवतिन·
आपदिगोयाभाय विद्यापढीहृयासव
जाइ कचहूंनाहिकलोयाभाइ विद्यारु
घतोहमिलैनआइ यहकहूकचअपनेग्र
हूआयौं पितापासहूनोंतसुनायौ सुक·
नृपसोंज्योंकहिसमझायौ सूरदासत्यों
हीकहिगायौ १८८ देवजानीजजातविवा
दानवहृषपर्वाबलभारी नामसरमिष्ठता
सकुमारी नाहिदेवजानीसोंप्यार रहैना।
नासौपलभरिन्यारि एकवारताकेमनम
आई न्हावनकाजप्रियागसिथाई नासंग
दासीगईअपार न्हांनलगोसबकपडेउरा

सर
सा
२७७
277

रि टरुजसमतनातहानहिंनिहारी श्रीधेपा
रीश्राईनहंभारी वसनसक्रतनघाकेली
नैं करतउनावलपरेनवीनैं सक्रसनाज
वश्राईवाहर वसननघापतिनतिहिंदाक्र
र श्रमरसनाकोंयहिरेदेष मनमैकीनो
क्रोधविसेष कलौमसवसननहीतवजो
गा तमदानवहमतपसीलोग ममपित
दियौराजनृपकरत तुंममवसनहरत
नहिंडरत तिनकलौंतवपितभिलाषा·
ते वद्रकहतिहमसौंपवात याविधिक
हिकविक्रोधश्रपार टीनौनाहिंक्रूपमैडा·
रि नृपतजजातश्रवानकश्रायो सक्रस

नाकोदरसनपायो दियोतवबसनश्राप·
नोउतरि ह्यथपकरकैलियोनिकारि ब
हुरोंनृपनिजगेहसिधायो सुनासुकसो·
नारसुनायो सुककोपिकरिनगरहिमा
गयो अमरनृपतसुनिरिषसंगलागैयों ज
बबहुभांतिविनयनृपकरी तवरिषयह
बानीउचरी ममतनयाअसजोहोर करें
अमरपतिअवतमसोर सुकसतासोक
ह्योतिनजार अत्ताहोरसुकरोउपार जो·
तमकत्योंकरोंअवमोर तवपुत्रममदासी
होरै दासीसहसताहिसंगदरै नृपपुत्रीदा
सीकरिलरै सोसवतांकेसेवाकरै दासी

सर
सा
१२८

278

भावहृदैमैंथौं इकदिन सुक्र सुता मनग्र
ई देवौ जाइ फूल फल वाई लै दासी फुल
वारी गई पुद्रप सेज रवि सोवत भई श्रम
स्तता निहिं विजन दुवै सोवत सेज सुप्रत
सुषपावै तैंहिं औसर जजात नृप आयौ
सुक्र सुता निहिं वचन सुनायौ नृप मम पं
न गृहन तम करौ सुक्र सुक्रव हि रहै मति·
धरौ कच कौं प्रथम दियौ मैं श्राप तिनहीं
मदिदीनो करि दाप ताक कौं छुन सकै मि
टाय तां ते व्याह करैं न राय नृप कह्यौं क
हौं सुक्र सौं जाइ करिहै जो करिहैं रिषराइ
नव तिन कह्यौं सुक्र सौं जाइ कियौ विवाह

रिषनृपतबुलाइ श्रमरसुतनाकेसुतदई
दासीसहंसुतनासंगभई दंभपतिभोगक
रतसुषपाए सकसुतायौहैसुतजाए क
हौश्रमसिष्टाश्रैसरपाई रतिकोदानदेऊ
मोहराइ नृपताहूसोकीनोभोग तीनपु
त्रभयेविधिसंजोग सक्रसुतानिहिपुत्रन
देषि मनमैंकीनौक्रोधविसेष कह्यौंश्र॰
मिष्टासुतकहांपाए उनकह्यौंरिषिकिर
पातैंजाए वहुरकह्यौंरिषकोकहानाम
कह्यौंसुपनदेष्योवसुनाम पुनिपुत्रन॰
सोपूछ्यौजाइ पितानामसहिकहौतुफाइ
वरैपुत्रभाष्योपुननताहि नृपतिपिताजा॰

सूर
सा
२२५
229

गामसमग्राहि सुनिनृपसोंकियोजद्ववन
३ वहुरसुकसोंभाष्योजा३ पाछेतेजग
तग्रायो विषनासोयहवचनसुनायो नोंजो
वनमदतेयहकीनों तातेंआपनोहमेंदीनों
जराग्रवहितोहव्यापेआ३ भयोहृदनवक
स्योंसिरना३ विषितमनोंसरापसुहिदियो
पूरनकामनाहिंमैंकियो नोतेजोसुहिस्र
ताहो३ ग्रायुसमानिकरोग्रवसो३ कह्यो
जगतेरैसुतलेउ ग्रपनोतरनायोतोहिंदे३
भोगमनोरथतनवतृपावै मेरोवचनहृया·
नहिंजावै वरेपुत्रजदुसोंकह्योंजा३ उनक
ह्योंहृदभयोनहिंजा३ नृपकह्योराजनो

ह्विनहीं होइ बृद्धपनौ लै राजा सोइ श्रौरनि
ह्वैसो जवनृप भाष्यौ नृपति वचन काहून
हीराष्यौ लघुसुत नृपति पुतापौ लयौ स्व
पनौं तरुनापौ तिहि दयौ वरष सहंस्र भोग
तिन कियै पै मन तोष न आयौ हियै कह्यौ
विषयतैं नृपति न होइ भोग करौ कै सो कि
नकोइ तव तरुनायौ सुतको दीनौ बृद्ध
पनौ फिर आपुन लीनौ वनमैं करी तपस्य
जाइ रह्यौ हरिचरनन सौं चित लाइ याविधि
धि नृप तकृतारथ भयौ सो राजा मैं तमसौ
कह्यौं सुकज्यौं नृपसौं कहि समुझायौ
सूरदास सोंही कहि गायौ १८५ इति श्री ।

स्क
सा
२८०

280

भागवतेमहापुराणेनवमस्कंधःसमा-
प्तम् ॥

यह हरिभागवतका पुस्तक श्रीमन्महा
राजा साहिब रणवीरसिंह बहादुर जी
की पुत्र भाई इंद्र महेंद्र सिंघ सल
तनत जंबू काश्मीर व तिब्बतादिपतिके
पढनेकाहै ॥